THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 263 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष पूर्णिमा 2081 रविवार, 15 दिसंबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

'सत्ता हासिल करने के लिए वे कुछ भी कर सकते हैं'

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने एक बार फिर केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संविधान से कोई लेना-देना नहीं है। उन्हें सत्ता से सब कुछ करना है। सिब्बल ने कहा, संविधान निर्माताओं की कुछ आकांक्षाएं थीं कि सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक न्याय होगा। जिस देश की संपत्ति एक प्रतिशत लोगों के पास है, तब कौन से आर्थिक न्याय की बात हो रही है। जहां दलितों की पीट-पीटकर हत्या होती है, वहां कौन सा सामाजिक न्याय हो रहा है। व्यवस्था जातियों के माध्यम से चलाई जा रही है। जिसकी सरकार होती है वही नियुक्त होते हैं। पैसा चुनाव पर राज कर रहा है।

एक देश-एक चुनाव बिल कल होगा लोकसभा में पेश

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार सोमवार को लोकसभा में एक देश-एक चुनाव से जुड़े 2 बिल पेश करेगी। इस बिल को 12 दिसंबर को केंद्रीय कैबिनेट से मंजूरी भी मिल चुकी है। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जन राम मेघवाल एक देश-एक चुनाव के लिए 129वां संविधान संशोधन बिल पेश करेंगे। कोविंद कमेटी ने संविधान के अनुच्छेद 82 में संशोधन करने की सिफारिश की है। इसमें अनुच्छेद 82(ए) जोड़कर लोकसभा और विधानसभाओं के कार्यकाल एक साथ समाप्त करने की व्यवस्था की जाएगी। सरकार बिल पर आम सहमति बनाना चाहती है, लिहाजा बिल को जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी (जेपीसी) को भेजे जाने की संभावना है। इसके अलावा केंद्र शासित प्रदेशों से जुड़े 3 कानूनों में भी संशोधन किया जाएगा।

कांग्रेस का पाप धुलेगा नहीं : मोदी

> इसके कुविचार, कुरीति और कुनीति की परंपरा निरंतर चल रही > एक परिवार ने संविधान को चोट पहुंचाई

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। संविधान के 75 साल पूरे होने के मौके पर शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में संविधान पर चर्चा में शामिल हुए। मोदी बोले- हम सबके लिए और सभी देशवासियों के लिए इतना ही नहीं, विश्व के लोकतांत्रिक देशों के नागरिकों के लिए ये गौरव का पर्व है। बड़े गर्व के साथ लोकतंत्र के उत्सव को मनाने का ये अवसर है।

मोदी बोले- 75 साल की ये उपलब्धि साधारण नहीं असाधारण है।

जब देश आजाद हुआ, उस समय भारत के लिए जो-जो संभावनाएं व्यक्त की गईं थी, उन सभी संभावनाओं को परास्त करते हुए संविधान हमें यहां तक ले आया है। इस महान उपलब्धि के लिए संविधान निर्माताओं के साथ-साथ मैं देश के कोटि-कोटि नागरिकों को नमन करता हूं। मैं संविधान के प्रकाश में मेरी बात रखता हूं। अगर आप हमारी नीतियों को देखेंगे, पिछले 10 साल देश की जनता ने जो हमें सेवा करने का मौका दिया है। उसमें निर्णय देखिए भारत की एकता को मजबूती देने का हम निरंतर प्रयास करते रहे हैं। 370 देश की एकता में रुकावट बना था। हमने उसे जमीन में गाड़ दिया। यह एकता में रुकावट बनी थी। कांग्रेस के एक परिवार ने संविधान को चोट पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। एक परिवार का उल्लेख इसलिए करता हूं कि 75 साल में से 55 साल एक ही परिवार ने राज किया है। देश को क्या-क्या हुआ है, ये जानने का अधिकार है। इस परिवार के कुविचार, कुरीति, कुनीति की परंपरा निरंतर चल रही है। हर स्तर पर इस परिवार ने संविधान को चुनौती दी है।

1947 से 1952 इस देश में इलेक्टेड गवर्नमेंट नहीं थी। अस्थाई व्यवस्था थी, चुनाव नहीं हुए थे और जब तक चुनाव ना हो तब तक एक खाका खड़ा किया गया था। 1952 से पहले राज्य सभा भी नहीं थी। राज्यों में भी चुनाव नहीं थे। कोई जनादेश नहीं था। अभी-अभी तो संविधान निर्माताओं ने इतना मंथन किया था। 1951 इन्होंने ऑर्डिनेंस लाकर संविधान को बदला। अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला कर दिया गया। पीएम बोले- भारत का नागरिक सर्वाधिक अभिनंदन का भागी है। संविधान निर्माता इस बात पर बहुत सजग थे।

ये वो नहीं मानते थे कि भारत का जन्म 1947 में हुआ। वे मानते थे कि यहां की महान परंपरा को हजारों साल की उस यात्रा के लिए वे सजग थे। भारत का लोकतंत्र, गणतांत्रिक अतीत समृद्ध रहा है, विश्व के लिए प्रेरक रहा है। तभी भारत मदर ऑफ डेमोक्रेसी के रूप में जाना जाता है। हम सिर्फ विशाल लोकतंत्र नहीं, हम लोकतंत्र की जननी हैं। राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन ने कहा था- सदियों के बाद हमारे देश में एक बार फिर ऐसी बैठक बुलाई गई है, ये हमारे मन में अपने गौरवशाली अतीत की याद दिलाती है। जब हम स्वतंत्र हुआ करते थे, सभाओं में विद्वान देश के अहम मामलों पर चर्चा करते थे।

लालकृष्ण आडवाणी आईसीयू में भर्ती, हालत स्थिर

> 7 महीने में चौथी बार तबीयत बिगड़ी

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी को दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वे आईसीयू में हैं। अस्पताल के मुताबिक उनकी हालत स्थिर है। फिलहाल वे न्यूरोलॉजी विभाग में डॉ. विनीत सूरी की देखरेख में हैं।

97 साल के आडवाणी को करीब दो दिन पहले अस्पताल लाया गया था। उनके परिवार ने बताया कि उन्हें सर्दी-खांसी की परेशानी हुई थी, जो पॉल्यूशन के चलते और बढ़ गई। 26 जून को एम्स दिल्ली में यूरोलॉजी डिपार्टमेंट की निगरानी में उनका एक छोटा ऑपरेशन हुआ था। अगले दिन उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई थी। करीब एक हफ्ते बाद 3 जुलाई को रात 9 बजे अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अपोलो में भर्ती कराया गया था। हालांकि, एक दिन बाद ही वे घर आ गए थे। इसके बाद 6 अगस्त को भी उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती किया गया था। उनकी बेटी प्रतिभा आडवाणी ने बताया था कि उन्हें रूटीन चेकअप के लिए हॉस्पिटल ले गए थे। लालकृष्ण आडवाणी को 31 मार्च को देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न दिया गया था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उनके घर जाकर भारत रत्न से सम्मानित किया था।

संभल में जांच के दौरान मिला शिव मंदिर

> भारी सुरक्षा के बीच पुलिस ने खुलवाया ताला

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। संभल के नखासा चौराहा इलाके में बिजली विभाग और प्रशासन की टीम शनिवार को बिजली चोरी के मामले की जांच कर रही थी। इसी बीच, नखासा थाना क्षेत्र के मोहल्ला खग्गू सराय में 46 साल से बंद पड़ा भगवान शिव का मंदिर मिला है। इस मंदिर को प्रशासन ने फिर से खोल दिया है। अवैध अतिक्रमण और बिजली चोरी के खिलाफ डीएम और एसपी की संयुक्त छापेमारी में यह मंदिर मिला है।

एक स्थानीय निवासी ने कहा कि ये मंदिर 1978 के बाद से बंद था। मंदिर मिलने के बाद पुलिस वालों ने शिवलिंग की सफाई की। यह मंदिर सपा सांसद जिया उर रहमान बर्क के घर से कुछ ही दूरी पर स्थित है। बताना होगा कि पिछले काफी दिनों से संभल का माहौल तनावपूर्ण है। कुछ दिन पहले जब कोर्ट के आदेश पर एक टीम सर्वे करने के लिए वहां पहुंची थी तो इसके विरोध में हिंसा हुई थी और इस हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी। मरने वालों के नाम नईम गाजी, बिलाल अंसारी, अयान अब्बासी और कैफ अल्वी हैं। इसके अलावा कई अन्य लोग घायल हो गए थे। नगर हिंदू सभा के संरक्षक विष्णु शरण रस्तोगी ने कहा, हम खग्गू सराय इलाके में रहते थे। हमारे पास पास में ही (खग्गू सराय इलाके में) एक घर है। 1978 के बाद हमने घर बेच दिया और जगह खाली कर दी। यह भगवान शिव का मंदिर है। हमने यह इलाका छोड़ दिया और हम इस मंदिर की देखभाल नहीं कर पाए। इस जगह पर कोई पुजारी नहीं रहता। 15-20 परिवार इस इलाके को छोड़ कर चले गए। हमने मंदिर को बंद कर दिया था क्योंकि पुजारी यहां नहीं रह सकते थे। पुजारी ने यहां रहने की हिम्मत नहीं की। मंदिर 1978 से बंद था और आज इसे खोल दिया गया है। विष्णु शरण रस्तोगी ने कहा कि उनके भतीजे ने इस मंदिर में ताला लगा दिया था।

शंभू बॉर्डर पर किसानों का जत्था वापस लौटा

शंभू बॉर्डर (पटियाला)/अंबाला, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा-पंजाब के शंभू बॉर्डर से दोपहर 12 बजे 101 किसान दिल्ली के लिए रवाना हुए, लेकिन पुलिस ने उन्हें घग्गर नदी पर बने पुल पर की बैरिकेडिंग पर रोक लिया। 40 मिनट तक पुलिस से बहस के बाद किसानों ने बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश की।

इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस और वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। जिसमें 10 किसान घायल हुए। करीब 2 घंटे बाद यानी 2 बजे किसानों के जत्थे को वापस बुला लिया गया।

भाजपा द्रोणाचार्य की तरह युवाओं का अंगूठा काट रही है : राहुल

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में शनिवार को संविधान पर चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपनी राय रखी। राहुल गांधी ने संविधान के निर्माण में महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव अंबेडकर, पंडित नेहरू जैसे नेताओं के योगदान की बात की। उन्होंने यह भी कहा कि संविधान में दिखने वाले ये विचार कहीं न कहीं भारतीय संस्कृति और प्राचीन विरासत से प्रेरित हैं। राहुल गांधी ने कहा कि हमारा संविधान बिना हमारी प्राचीन विरासत के नहीं बन सकता था। यह विचार भगवान शिव, गुरु नानक, भगवान बासवन्ना और कबीर जैसे महान संतों से आए हैं। राहुल गांधी ने सावरकर की आलोचना करते हुए कहा कि सावरकर ने अपने लेखों में यह स्पष्ट रूप से लिखा था कि हमारे संविधान में कुछ भी भारतीय नहीं है। लड़ाई मनुस्मृति और संविधान के बीच की है। राहुल गांधी ने यह सवाल उठाया कि अब सवाल यह है कि हम सावरकर की बात को मानते हैं या फिर संविधान को। जब आप संविधान की तारीफ करते हैं, तो आप सावरकर के विचारों का विरोध करते हैं। आरएसएस ने मनुस्मृति को संविधान से बेहतर बताया था और सावरकर ने भी मनुस्मृति को संविधान से ऊपर बताया था। राहुल गांधी ने कहा कि संविधान में हमें बाबासाहेब अंबेडकर के आदर्श स्पष्ट रूप से दिखते हैं। इसके बाद उन्होंने हिंदुस्तान के पुराने वक्त और समाज व्यवस्था की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा कि जैसे पहले हिंदुस्तान को चलाने का तरीका था, वैसे ही आज भी कुछ लोग उसी तरह से देश को चलाना चाहते हैं। राहुल गांधी ने आगे कहा कि जब मैं जब छोटा था तब दिल्ली में एम्स के पास ही जंगल था। वैसे ही जंगल में हजारों साल पहले एक बच्चा सुबह उठकर तपस्या करता था।

अरविंद केजरीवाल ने अमित शाह को लिखी चिट्ठी

कानून व्यवस्था के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए मांगा समय

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखी है। अरविंद केजरीवाल ने अपनी चिट्ठी में राजधानी में बदहाल कानून व्यवस्था का जिक्र किया है। उन्होंने अमित शाह से इस मसले पर मिलने का समय मांगा है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा, दिल्ली की कानून व्यवस्था केंद्र सरकार के अधीन है। इसके बावजूद दिल्ली को अब अपराध की राजधानी के नाम से जाना जा रहा है।

'हत्या और फिरौती वसूली में नंबर वन' दिल्ली

उन्होंने कहा, भारत के 19 मेट्रो शहरों में दिल्ली महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराध में नंबर वन पर है। हत्या के मामलों में दिल्ली नंबर वन पर है। दिल्ली में जबरन वसूली वाले गैंग सक्रिय हैं और खुलेआम फिरौती का कारोबार चला रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने अपनी चिट्ठी में आगे लिखा है कि दिल्ली के हवाई अड्डों और स्कूलों को ईमेल और फोन कॉल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिल रहीं हैं। ड्रग्स से जुड़े अपराधों में 350 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हैं। उन्होंने अपनी चिट्ठी में इस बात का भी जिक्र किया कि मैं पूरी दिल्ली में लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हूं। इस दिशा में प्रभावी कदम उठाए जाने की जरूरत है।

बीजेपी के खिलाफ आप के तेवर सख्त

दरअसल, पिछले कुछ दिनों से दिल्ली में कानून और व्यवस्था की स्थिति को लेकर आरोप-प्रत्यारोप चरम पर है। अरविंद केजरीवाल सहित आप नेता इस मसले पर बीजेपी और केंद्र सरकार के खिलाफ आक्रामक तेवर अख्तियार किए हुए हैं।

आप नेताओं का कहना है कि दिल्ली में लोगों को सुरक्षा मुहैया कराने में केंद्रीय गृह मंत्रालय और एलजी विनय कुमार सक्सेना पूरी तरह से विफल साबित हुए हैं। दिल्ली की जनता ने बीजेपी और केंद्र सरकार को सिर्फ एक जिम्मेदारी सुरक्षा की सौंपी है। केंद्र सरकार लोंगों के इस काम को करने में भी पूरी तरह से विफल साबित हुई है।

मोबाइल की बैटरी फटने से बालक झुलसा, गेम खेलते समय हुआ हादसा

छतरपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। मप्र के छतरपुर जिले के बाजना थाना क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम कंजरा में मोबाइल फटने का मामला सामने आया है। मोबाइल पर गेम खेलते वक्त बैटरी फटने से दस वर्षीय बालक को गंभीर चोट आई है। उसका हाथ, सीना और गला झुलस गया। जानकारी के मुताबिक कंजरा निबासी दरबारी आदिवासी का दस वर्षीय लड़का अरविंद आदिवासी जियो कंपनी के की पेड मोबाइल से खेल रहा था। तभी अचानक मोबाइल की बैटरी में ब्लॉस्ट हो गया, जिससे उक्त बालक हाथ सीने व गले में झुलस गया। घायल को आनन फानन में बड़ामलहरा प्रायवेट अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका प्राथमिक उपचार जारी है। चिकित्सकों ने बताया कि उसकी हालत गंभीर है, लेकिन वे पूरी कोशिश कर रहे हैं कि उसे जल्द से जल्द ठीक किया जा सके।

एक और अतुल सुभाष! बेंगलुरु पुलिस के हेड कांस्टेबल ने की आत्महत्या

बेंगलुरू, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। पुलिस के एक जवान ने आत्महत्या कर ली है। जवान का शव रेल की पटरियों के किनारे मिला। मृतक बेंगलुरू सिटी पुलिस का हिस्सा था और बेंगलुरु के हुलिमावु पुलिस थाने में कार्यरत था। 33 वर्षीय हेड कांस्टेबल तिप्पन्ना अलुगुर ने बायपनहल्ली पुलिस स्टेशन लिमिट्स में आत्महत्या कर ली है। पुलिसकर्मी का शव बायप्पनहल्ली के पास रेलवे ट्रेक पर मिला। हेड कांस्टेबल ने सुसाइड नोट भी छोड़ा है, जिसमें अपनी पत्नी और ससुर को मौत का जिम्मेदार ठहराया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 108 के तहत मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

बेंगलुरु पुलिस पहले ही इसी तरह के एक मामले की जांच कर रही है, जिसमें जौनपुर के एक इंजीनियर अतुल सुभाष ने बेंगलुरू में आत्महत्या कर ली थी और कई पन्नों के सुसाइड नोट में पत्नी, उसके परिवारजन और जज को मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया था। बेंगलुरू पुलिस जांच के लिए उत्तर प्रदेश के जौनपुर आई थी। यहां उसकी पत्नी अपने परिवार के साथ रहती है। हालांकि, जब पुलिस वहां पहुंची तो कोई नहीं मिला। ऐसे में बेंगलुरू पुलिस ने घर में नोटिस चिपका दिया है और तीन दिन के अंदर पेश होने के लिए कहा है। अगर आरोपी पत्नी और उसके परिवार के लोग फरार रहते हैं तो पुलिस कुर्की की कार्रवाई भी कर सकती है। पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर आयुष श्रीवास्तव के अनुसार, बेंगलुरु पुलिस ने नोटिस जारी करते हुए कहा कि निकिता सिंघानिया अपने पति अतुल सुभाष की मौत के आसपास की परिस्थितियों के बारे में पूछताछ के लिए तीन दिनों के भीतर बेंगलुरु के मराठाहल्ली पुलिस थाने में जांच अधिकारी के सामने पेश हों।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ईवीकेएस एलंगोवन का अस्पताल में निधन

चेन्नई, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ईवीकेएस एलंगोवन का आज चेन्नई के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। पार्टी ने बताया कि फेफड़ों से संबंधित समस्या के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था और दो सप्ताह से अधिक समय से उनका इलाज चल रहा था। इरोड पूर्व निर्वाचन क्षेत्र के विधायक की तबीयत एक महीने से अधिक समय से ठीक नहीं चल रही है। उन्हें 11 नवंबर को यहां एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल ने कहा, 'डॉक्टरों की भरसक कोशिशों के बावजूद आज उनका निधन हो गया।' टीएनसीसी के अध्यक्ष के. सेल्वापेरुंथागई ने एलंगोवन के निधन को एक बड़ी क्षति बताया। उन्होंने कहा, 'वह एक मुखर व्यक्ति थे।उनकी मृत्यु उनके परिवार और कांग्रेस पार्टी के लिए तथा व्यक्तिगत रूप से मेरे लिए एक अपूरणीय क्षति है।'

राजनीतिक करियर पर एक नजर

बता दें, एलंगोवन ने पहले तमिलनाडु में गोपीसेतिपालयम लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था और 2004 और 2009 के बीच प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह सरकार में केंद्रीय कपड़ा मंत्री रहे थे।

15 दिसंबर को होगा महाराष्ट्र सरकार का कैबिनेट विस्तार, नागपुर में होगा आयोजन

मुंबई, 14 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत महाराष्ट्र की महायुति सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार 15 दिसंबर को होगा। मंत्रिमंडल विस्तार का कार्यक्रम नागपुर में होगा। इस दौरान नए मंत्री नागपुर में आयोजित समारोह में पद की शपथ लेंगे। मिली जानकारी के अनुसार 15 दिसंबर को नागपुर के राज भवन में मंत्रिमंडल के गठन का समारोह होगा। बता दें कि महायुति सरकार के मंत्रिमंडल में सीएम सहित कुल 43 सदस्य हो सकते हैं।

16 दिसंबर से शीतकालीन अधिवेशन

बता दें कि महाराष्ट्र विधि मंडल का शीतकालीन अधिवेशन 16 दिसंबर से नागपुर में शुरू होने जा रहा है। इससे

एक दिन पहले 15 दिसंबर को शपथ ग्रहण को होगा। साथ ही साथ उसी दिन शीतकालीन अधिवेशन में जिन बिंदुओं पर काम काज किया जाएगा उसके बारे में मुख्यमंत्री और एवं दोनों उपमुख्यमंत्री जानकारी देंगे। दोपहर में विपक्ष अपनी रणनीति का खुलासा भी करेगा कि किस तरीके से शीतकालीन सत्र में वह सरकार को घेरेगा।

मंत्रिमंडल में अधिकतम 43 सदस्य

दरअसल, पहले अनुमान लगाया जा रहा था कि मंत्रिमंडल का गठन 14 दिसंबर को मुंबई में होगा। लेकिन विभागों के बंटवारे में एवं विधायकों को मंत्री बनाने की चयन प्रणाली में विलंब होने से मंत्रिमंडल का गठन नागपुर में 15 दिसंबर को होगा। महाराष्ट्र की महायुति सरकार के मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री समेत अधिकतम 43 सदस्य हो सकते हैं। इस बीच, भाजपा की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार से अलग-अलग मुलाकात की।

महायुति ने 230 सीटों पर दर्ज की है जीत

बता दें कि 20 नवंबर को हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे 23 नवंबर को घोषित किये गये थे। महायुति गठबंधन ने राज्य की 288 सीट में से 230 सीट जीतकर सत्ता हासिल की थी। महायुति में शामिल भाजपा 132 सीट के साथ सबसे आगे रही। वहीं एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को 57 और अजित पवार की एनसीपी को 41 सीट पर जीत मिली थी।

पुलिस को कूड़े के ढेर से मिला महिला का कटा हुआ सिर, एक गिरफ्तार

कोलकाता, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में कोलकाता के टॉलीगंज इलाके में कूड़े के ढेर से शुक्रवार को एक कटा हुआ महिला का सिर बरामद हुआ था। इस मामले में पुलिस ने 24 घंटे के अंदर एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। पुलिस उससे पुछताछ कर रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक पुलिस ने अतिकुर नामक एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। शुक्रवार की सुबह उस इलाके में अतिकुर की गतिविधियों की जानकारी मिली है। सीसीटीवी और टावरलोकेशन की पहचान करके पुलिस ने जांच की। क्लोज सर्किट कैमरे की फुटेज में अतिकुर की मौजूदगी का प्रमाण पुलिस को मिला था। कोलकाता पुलिस ने जांच शुरू करने के बाद अपराधी को पकड़ने के लिए आसपास के पुलिस जिलों और कमिश्नरेट को अतिकुर की तस्वीर भेजी।

'दिल्ली कांग्रेस को हल्के में लेना पड़ेगा भारी', देवेंद्र यादव का बड़ा दावा

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने आम आदमी पार्टी और बीजेपी को लेकर शुक्रवार को बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विरोधी दोनों पार्टियों के नेता दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिहाज से कांग्रेस को को आंक रहे थे, लेकिन दिल्ली न्याय यात्रा की सफलता ने उन्हें अहसास करा दिया है कि कांग्रेस को हल्के में नहीं लिया जा सकता। देवेंद्र यादव के मुताबिक आम आदमी पार्टी और बीजेपी जो दिल्ली कांग्रेस को कम आंक रही थी, दिल्ली न्याय यात्रा की सफलता के बाद दोनों पार्टियों को दिल्ली में पार्टी की मौजूदगी और मजबूती का अहसास हो चुका है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अभी 70 में से सिर्फ 21 उम्मीदवारों की घोषणा की है। कांग्रेस प्रत्याशियों के पहली सूची जारी होते ही अवसरवादी बीजेपी और आम आदमी पार्टी में सुगबुगहाट शुरू हो गई है। जबकि अभी कांग्रेस द्वारा 49 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा बाकी है। आम आदमी पार्टी के अधिकतर उम्मीदवार अपनी सीट बदल रहे हैं या अरविंद केजरीवाल के भ्रष्टाचार के कारण चुनाव ही नहीं लड़ना चाहते हैं।

तिरुपति लड्डू विवाद की जांच कर रही एसआईटी पहुंची वेंकटेश्वर मंदिर, चेक की लड्डू की क्वालिटी

तिरुमाला, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के तिरुमाला लड्डू विवाद की जांच के लिए गठित छह सदस्यीय एसआईटी (विशेष जांच दल) ने आज भगवान वेंकटेश्वर मंदिर का दौरा किया। उन्होंने मंदिर के तमाम खंडों की जांच की। बाद में, उन्होंने पोटू (मंदिर की रसोई) का भी निरीक्षण किया। तिरुमाला 'लड्डू' विवाद की जांच कर रही एसआईटी टीम ने मंदिर के विभिन्न खंडों में निरीक्षण किया। जांच टीम ने मंदिर की रसोई की भी जांच की जहां पवित्र तिरुमाला श्रीवारी लड्डू प्रसादम बनाया जाता है। उन्होंने संबंधित अभिलेखों की जांच करते हुए उस प्रयोगशाला की समीक्षा की जहां 'लड्डू' की क्वालिटी चेक की जाती है। एसआईटी टीम ने आटा मिल में भी निरीक्षण किया। तीन हफ्ते पहले एसआईटी की एक टीम ने पवित्र भोजन प्रसाद (प्रसाद) में इस्तेमाल होने वाले 'घी' की मिलावट की जांच के लिए तिरूपति का दौरा किया था। टीम तिरूपति और तिरुमला मामले में जांच कर रही थी। पूछताछ का मकसद मिलावट मामले के संबंध में पूरी जानकारी जुटाना है। तिरूपति प्रसादम (लड्डू) को लेकर विवाद तब शुरू हुआ जब आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने दावा किया कि तिरूपति के लड्डुओं को तैयार करने में जानवरों की चर्बी समेत घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया था, यह प्रसादम पिछले वाईएसआरसीपी के दौरान तिरूपति के वेंकटेश्वर मंदिर में चढ़ाया जाता था।

सुप्रीम कोर्ट ने दिया जांच का आदेश

बाद में, सुप्रीम कोर्ट ने लड्डू प्रसादम मामले की सीबीआई के नेतृत्व में जांच का आदेश दिया। टीम में राज्य पुलिस और भारतीय सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के अधिकारी शामिल होंगे। इससे पहले, तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ट्रस्ट बोर्ड ने तिरुमाला के भीतर राजनीतिक बयानों पर रोक लगाते हुए एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसमें कहा गया था कि उल्लंघन करने वालों के साथ-साथ उनका प्रचार करने वालों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आंध्र प्रदेश सरकार को लिखा पत्र

इसके अलावा, बोर्ड ने आंध्र प्रदेश सरकार को पत्र लिखकर तिरुमाला में काम करने वाले गैर-हिंदू कर्मचारियों के संबंध में उचित कार्रवाई का अनुरोध करने का फैसला लिया। टीटीडी ट्रस्ट बोर्ड ने प्रतिष्ठित लड्डू तैयार करने में उन्नत गुणवत्ता वाले घी का इस्तेमाल करने का भी संकल्प लिया। अन्य प्रस्तावों के साथ ये प्रस्ताव सोमवार को तिरुमाला के अन्नामैया भवन में बीआर नायडू की अध्यक्षता में तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ट्रस्ट बोर्ड की पहली बैठक में लिए गए। बैठक के दौरान बोर्ड के सदस्यों ने 80 प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की और कई प्रस्ताव पारित किये।

डीएफओ सुसाइड केस-पुलिस ब्लैकमेलिंग के एंगल पर भी कर रही जांच

इंदौर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। इंदौर के वन विभाग के डीएफओ महेंद्र सिंह सोलंकी की आत्महत्या की गुत्थी अभी सुलझ नहीं पाई है। उनके कमरे से पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। पहले अफसरों को पारिवारिक विवाद की वजह लगी थी, लेकिन परिजनों ने पुलिस को बताया कि किसी तरह का पारिवारिक विवाद कभी भी नहीं रहा। सोलंकी परिवार का काफी ध्यान रखते थे। पुलिस अब ब्लैकमेलिंग के एंगल से भी जांच कर रही है। सोलंकी के खिलाफ विभाग स्तर पर कोई बड़ी जांच नहीं चल रही थी, लेकिन उन्होंने विभाग के कई कर्मचारियों के खिलाफ जांच के आदेश दे रखे थे। कुछ आरटीआई कार्यकर्ता भी सोलंकी के कार्यकाल में हुए कामों को लेकर सूचना के अधिकार के तहत दस्तावेज मांगते रहते थे, हालांकि सोलंकी के कार्यकाल में कोई बड़ी अनियमितता भी सामने नहीं आई। पुलिस ने उसका मोबाइल जांच में लिया है,लेकिन उसमें भी कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। शंकर नामक व्यक्ति लगातार उन्हें वाट्सएप कॉल लगा रहा था। अब पुलिस उससे भी पूछताछ करेगी। आपको बता दे कि इंदौर के वनमंडलाधिकारी महेंद्र सिंह सोलंकी ने शुक्रवार को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

महाराष्ट्र चुनाव में बड़ी हार के बाद नाना पटोले छोड़ देंगे कांग्रेस अध्यक्ष का पद? खुद दिया जवाब

मुंबई, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली करारी हार के बाद से ही यह सवाल उठने लगा था कि क्या प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले कोई बड़ा फैसला लेने वाले हैं? इसी बीच नाना पटोले ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र लिखकर ईमेल किया और ये अनुरोध किया था कि उन्हें पार्टी की जिम्मेदारी से मुक्त किया जाए। उन्होंने महाराष्ट्र कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का पद छोड़ने की इच्छा जाहिर की थी। ऐसे में ये कयास लगाए जाने लगे कि नाना पटोले पद या पार्टी छोड़ सकते हैं। इसको लेकर अब कांग्रेस नेता ने खुद बयान दिया है। उन्होंने न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में कहा, मैंने कोई इस्तीफा नहीं दिया है। हमारी पार्टी का एक सिस्टम है और हम उसी सिस्टम पर काम करते हैं। पार्टी का आलाकमान की अंतिम फैसला लेगा।

महायुति की जीत पर फिर व्यक्त किया संदेह

नाना पटोले ने आगे कहा कि फिलहाल उनकी लड़ाई महाराष्ट्र में हुए हालिया चुनाव को लेकर है। उन्होंने कहा, यहां लोगों की भावना है कि उनके वोट से ये सरकार नहीं बनी है। महाराष्ट्र की जनता बैलेट पेपर से चुनाव की मांग कर रही है। गांव के लोग आवाज उठा रहे हैं। मारकंडवाड़ी के लोगों ने देश को ही नहीं बल्कि दुनिया को बड़ा मैसेज दिया है। जनता का कहना है कि ये सरकार उनके वोटों से नहीं आई है। ये सरकार मशीन से आई है, ये सिद्ध हो गया है।

परभणी हिंसा का किया जिक्र

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने आगे कहा, परभणी में जो कांड हुआ है। दलितों पर अत्याचार किया गया है। बाबासाहेब आंबेडकर के प्रतिमा और उनके संविधान का अपमान करने वालों को पकड़ने की जगह ये मांग करने वाले लोगों को लोहे की रॉड से मारा गया है। उनमें से कई लोग अस्पताल में भर्ती हैं। आसपास पुलिस फोर्स तैनात की गई है। ऐसे में उन्होंने सवाल उठाया, क्या महाराष्ट्र की जनता ने राज्य में तानाशाह की सरकार बनानी चाही थी? जनता की भावनाओं की कद्र न करते हुए जनता पर ही हमलावर होने वाली सरकार चाही थी? इसका मतलब ये है कि ये जनता की पसंद की सरकार नहीं है। ये ईवीएम की सरकार है और यह सच साबित होता दिख रहा है। इसका विरोध हम करेंगे और विधानसभा के अधिवेशन में परभणी की आवाज उठाएंगे।

जेल में बंद हिस्ट्रीशीटर हुआ शिफ्ट

कार में आए बदमाशों ने जेलर पर किया जानलेवा हमला

झांसी, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। जिला कारागार के जेलर पर शनिवार दोपहर कार सवार लोगों ने इलाहाबाद बैंक के पास लाठी-डंडों से हमला कर दिया। जेलर को बुरी तरह जख्मी कर आरोपी मौके से भाग निकले। पुलिस ने आरोपियों की धर पकड़ के लिए जिले के बॉर्डर की नाकेबंदी कर दी है। जेल में बंद अभियुक्त कमलेश यादव के बेटे पर हमले का आरोप है। जेलर को जख्मी हालत में इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि कस्तूरी लाल गुप्ता झांसी जेल में जेलर के पद पर नियुक्त हैं। उन्हें ट्रेनिंग के लिए हैदराबाद जाना था। वे ट्रेन पकड़ने के लिए ऑटो से स्टेशन जा रहे थे। इसी बीच रास्ते में कार सवार कुछ लोगों ने इन्हें घेरा और लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे इनको चोट आई है। इनके हाथ में फ्रैक्चर है। इनका जिला अस्पताल में इलाज कराया जा रहा है। तहरीर लेकर उचित धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया जा रहा है। पूछताछ में पता चला है कि कमलेश यादव नाम का अभियुक्त कुछ दिन पहले जेल में बंद था। इसके लड़कों ने जेलर पर हमला किया है। पुलिस का कहना है कि जल्द से जल्द गिरफ्तारी कर कार्रवाई की जाएगी। एसपी सिटी ज्ञानेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि हमलावर कुल चार लोग थे, जिनके हाथों में लाठी-डंडा था। जिस गाड़ी से हमलावर आये थे, वह गाड़ी वैगन आर है, उसकी जल्दी पहचान करेंगे और जिन लोगों ने हमला किया है, उनकी भी जल्द शिनाख्त करेंगे। पूछताछ में अभी पता चला है कि कमलेश यादव के लड़के इस घटना में शामिल हैं। कमलेश यादव अपराधी है, जिस पर करीब 32 मुकदमे दर्ज हैं। अभी झांसी जेल में बंद था। कुछ दिन पहले जेल शिफ्ट किया गया है। जिस समय घटना हुई, एक सिपाही भी जेलर के साथ था लेकिन उसे कोई चोट नहीं है।

शिवाजी महाराज की जिस प्रतिमा के ढहने पर हुआ था विवाद, उसका ठेका राम सुतार की कंपनी को दिया गया

मुंबई, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार ने मालवन के राजकोट किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा फिर से लगाने की तैयारी शुरू कर दी है। सरकार ने 60 फुट ऊंची नई प्रतिमा बनाने का ठेका प्रसिद्ध मूर्तिकार राम सुतार की फर्म को दिया है। गौरतलब है कि कुछ माह पहले ही राजकोट किले में शिवाजी महाराज की 35 फुट ऊंची प्रतिमा ढह गई थी, जिसे लेकर महाराष्ट्र की राजनीति गरमा गई थी और इसे लेकर प्रधानमंत्री मोदी से भी माफी मांगने की मांग की गई थी। अब नई सरकार के गठन के तुरंत बाद ही महाराष्ट्र सरकार ने फिर से प्रतिमा स्थापित करने की शुरुआत कर दी।

60 फुट ऊंची होगी नई प्रतिमा

पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित मूर्तिकार राम सुतार की फर्म को नई प्रतिमा के निर्माण का ठेका दिया गया है। मशहूर मूर्तिकार राम सुतार के बेटे अनिल सुतार ने शनिवार को बताया कि नई प्रतिमा की ऊंचाई 60 फुट होगी, जिसे 10 फुट ऊंचे चबूतरे पर स्थापित किया

जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रतिमा में शिवाजी महाराज हाथ में तलवार उठाए खड़े होंगे। अनिल सुतार ने कहा कि, 'प्रतिमा के लिए करीब 40 टन कांस्य और 28 टन स्टेनलेस स्टील का इस्तेमाल किया जाएगा और इसे छह महीने में पूरा किया जाएगा।'

प्रतिमा ढहने पर हुआ था राजनीतिक विवाद

उल्लेखनीय है कि बीते साल 26 अगस्त को सिंधुदुर्ग जिले के मालवन तालुका में स्थित राजकोट किले मराठा योद्धा शिवाजी महाराज की 35 फुट ऊंची प्रतिमा ढह गई थी। इस प्रतिमा का अनावरण पिछले साल 4 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनावरण किया था। इस पर राजनीतिक विवाद शुरू हो गया था, विपक्षी दलों ने सत्तारूढ़ महायुति सरकार पर घटिया प्रतिमा बनाकर 17वीं सदी के मराठा साम्राज्य के संस्थापक का अपमान करने का आरोप लगाया था। इस प्रतिमा के ढहने के बाद पुलिस ने मूर्तिकार-ठेकेदार जयदीप आप्टे, सलाहकार चेतन पाटिल और मूर्तिकार को गिरफ्तार कर लिया था। बाद में सरकार ने भव्य प्रतिमा के निर्माण के लिए एक समिति गठित की थी।

बच्चे कोई संपत्ति नहीं उन्हें कैद नहीं कर सकते

और सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी पैरेंट्स की अर्जी

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने उस अर्जी को खारिज कर दिया, जिसमें याचिकाकर्ता पैरेंट्स ने अपनी बेटी के पार्टनर के खिलाफ क्रिमिनल ऐक्शन की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि उनकी बेटी शादी के वक्त नाबालिग थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस अर्जी को खारिज करते हुए कहा कि बच्चे कोई संपत्ति नहीं है। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की बेंच ने कहा कि लड़की विवाह के समय नाबालिग नहीं थी। माता-पिता ने शादी स्वीकार नहीं करने के कारण उस व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करवाई, जिसने उनकी बेटी के साथ शादी की थी। चीफ जस्टिस ने कहा कि आपके पास अपने व्यस्क बच्चे को कैद करने का अधिकार नहीं है। आप अपने बालिग बच्चे के संबंध को स्वीकार नहीं करते बल्कि आप अपने बच्चे को संपत्ति की तरह समझते हैं। बच्चा संपत्ति नहीं है। अपनी बेटी की शादी को स्वीकार करें। सुप्रीम कोर्ट ने लड़की के पैरेंट्स की ओर से पेश लड़की के जन्म प्रमाण पत्र में विसंगतियां पाई और कहा कि वह मामले में आगे की सुनवाई नहीं करने

जा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह हाई कोर्ट के फैसले में दखल नहीं देगा। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने 16 अगस्त को दिए अपने आदेश में नाबालिग के साथ सेक्सुअल असॉल्ट और अपहरण से संबंधित केस को खारिज कर दिया। लड़की के पिता ने पुलिस के सामने आरोप लगाया था कि उनकी नाबालिग बेटी का अपहरण किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी बेटी गायब है और इस मामले में पुलिस ने अपहरण और अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज किया। हाई कोर्ट ने यह कहते हुए केस खारिज कर दिया कि लड़की बालिग है और उसने अपनी मर्जी से शादी की है। 16 अगस्त को, मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर बेंच ने महिदपुर के निवासी के खिलाफ एक नाबालिग के कथित अपहरण और यौन शोषण के मामले में दर्ज प्राथमिकी को रद्द कर दिया था।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: जो हारने के लिए तैयार हो, उसे जितने से कोई नहीं रोक सकता।

मादिगा समुदाय के साथ न्याय करना मेरी जिम्मेदारी : मुख्यमंत्री

सीएम ने ग्लोबल मादिगा दिवस समारोह में भाग लिया

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शनिवार को हैदराबाद में ग्लोबल मादिगा दिवस समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने चुनाव के दौरान स्पष्ट बयान दिया था कि मदिगा समुदाय के संबंध में सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा। कांग्रेस ने एससी और एसटी घोषणा में पार्टी की नीति को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि राज्य में कांग्रेस के सत्ता में आने के तुरंत बाद, सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में लंबित एससी वर्गीकरण मामले में मजबूत तर्क प्रस्तुत करने के लिए दामोदर राजनरसिम्हा के नेतृत्व में वकीलों को नियुक्त किया।

राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले की घोषणा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सरकार ने विधानसभा में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को लागू करने की अपनी प्रतिबद्धता की भी घोषणा की। एससी वर्गीकरण का यह मुद्दा तेलंगाना के लिए राज्य के दर्जे की तरह जटिल हो गया है। हालांकि, सरकार को लोगों की आकांक्षाओं का सम्मान करते हुए निर्णय लेना होगा। आपके तर्क में दम है और सरकार का विचार समुदाय को न्याय दिलाना है। उन्होंने कहा कि न्यायालय के आदेशों को कानूनी जटिलताओं के बिना लागू करने का अध्ययन करने के लिए एन उत्तम कुमार रेड्डी की अध्यक्षता में एक कैबिनेट उप-समिति का गठन किया। 60 दिनों में रिपोर्ट देने के लिए न्यायिक आयोग का गठन भी किया गया है। आयोग द्वारा एक सप्ताह में रिपोर्ट सौंपे जाने की संभावना है।

उन्होंने कहा कि मदिगा समुदाय का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए, डॉ. संगीता को सीएमओ पेशी में नियुक्त किया गया है। सरकार ने उस्मानिया विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में भी मदिगा समुदाय के एक विद्वान को नियुक्त किया है। विश्वविद्यालय के 100 वर्षों के इतिहास में यह पहली बार है कि किसी विशेष समुदाय से कुलपति की नियुक्ति की गई है। आईआईटी के कुलपति और उच्च शिक्षा विभाग में शिक्षा आयोग के सदस्य के रूप में मदिगा समुदाय के लिए अवसर प्रदान किए। पगिडी पति देवैया को कौशल विश्वविद्यालय बोर्ड के निदेशक के रूप में नामित किया गया है। मदिगा समुदाय को उनकी मांग से पहले ही अधिक अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। सरकार अन्याय नहीं करेगी और सुनिश्चित करेगी कि समुदाय को उसका उचित हिस्सा मिले। इसमें कुछ समय लग सकता है लेकिन सरकार न्याय जरूर करेगी। उन्होंने कहा कि मेरे राजनीतिक जीवन में समुदाय की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण रही है। इस सरकार में मदिगा समुदाय के साथ न्याय करना मेरी जिम्मेदारी है।

तेंदुए की गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण, धर्मार्थ मंत्री कोंडा सुरेखा ने आदिलाबाद जिले में तेंदुए के हमले में घायल महिला के बारे में वन विभाग के पीसीसीएफ डोबरियाल से जानकारी ली। पीसीसीएफ ने मंत्री को बताया गया कि महाराष्ट्र की सीमा से लगे गांव में सुबह निजी काम से गयी एक महिला पर तेंदुए ने हमला कर दिया। उन्होंने कहा कि यह तेंदुआ महाराष्ट्र सीमा से आदिलाबाद में घुसा था। मवेशियों के झुंड पर हमला करने जा रहे तेंदुए को महिला दिखी तो उसने अचानक हमला कर दिया। उन्होंने कहा कि घायल महिलाओं को तुरंत आदिलाबाद शहर के रिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने कहा है कि पूरी तरह ठीक होने के बाद उन्हें छुट्टी दे दी जायेगी और घर भेज दिया जायेगा। यह स्पष्ट किया गया है कि सरकार की ओर से उन्हें पहले ही वित्तीय सहायता प्रदान की जा चुकी है। तेंदुए के हमले के मद्देनजर मंत्री सुरेखा ने पीसीसीएफ को क्षेत्र के लोगों को सतर्क करने और उसकी की गतिविधियों पर नजर रखने का निर्देश दिया।

मंत्री ने सोशल वेलफेयर स्कूल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का दौरा किया

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने सोशल वेलफेयर स्कूल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (बॉयज) शेखपेट का दौरा किया। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कल्याण विद्यालय में पुस्तकालय और कंप्यूटर लैब में पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रमों, डिजिटल कक्षा सीओई के माध्यम से छात्रों को दिए जाने वाले विशेष पाठ्यक्रमों आदि की जांच की। उन्होंने गुरुकुल स्कूल में सामान्य आहार मेनू की शुरूआत की। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने छात्रों के साथ दोपहर का भोजन किया। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर अनुदीप दुराशेट्टी और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। इस मौके पर मंत्री ने कहा कि तेलंगाना राज्य सरकार की ओर से एक वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के अवसर पर गुरुकुलों में पढ़ने वाले एससी एसटीबीसी अल्पसंख्यक छात्रावासों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री बट्टी विक्रमार्क, मंत्री और विधायक आज छात्रावासों का दौरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम गुरुकुल में पढ़ने वाले 8 लाख लोगों को स्वस्थ भोजन उपलब्ध कराने के लिए विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपस्थिति में एक आहार मेनू तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में शिक्षा व्यवस्था कमजोर हो गयी है। उन्होंने चेतावनी दी कि कहीं भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अम्मा आदर्श स्कूलों के माध्यम से हमने 11 सौ करोड़ से 25 हजार स्कूलों को बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराया है। किताबें और ड्रेस समय पर वितरित की जाती है। मौजूदा दरों की तुलना में आहार शुल्क में 40 प्रतिशत और कॉस्मेटिक शुल्क में 200 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यदि ऐसी स्थिति थी कि गुरुकुल के किराए के भवनों को अतीत में किराया न चुकाने के कारण खाली कर दिया गया था, तो हमने किराए के बिल का भुगतान किया। आने वाले समय में आप सभी स्वस्थ एवं मानसिक रूप से मजबूत रहकर तेलंगाना के विकास में सहभागी बनें।

झूले में गर्दन फंसने से महिला की मौत

मंचेरियल, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बेल्लमपल्ली कस्बे के बेल्लमपल्ली बस्ती में गुरुवार को बच्चों के साथ खेल रही एक महिला की गर्दन झूले की रस्सी में फंस गई, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना शुक्रवार को प्रकाश में आई। बेल्लमपल्ली I टाउन इंस्पेक्टर एस देवैया ने बताया कि पोचमपल्ली नीरजा (42) की मौत तब हुई जब उसकी गर्दन झूले की रस्सी में फंस गई। वह अपने बच्चों को झूले से खेलना सिखा रही थी। जब उसके बच्चे अपनी मां के करतब की तारीफ कर रहे थे, तभी उसकी सास को एहसास हुआ कि नीरजा की मौत झूले में गर्दन फंसने के कारण हुई है।

नीरजा की दो बेटियां नव्याश्री और सुचित्रा तथा एक बेटा धनुष था। घटना के समय वह धनुष को झूला चलाना सिखा रही थी। दुर्घटना से कुछ मिनट पहले वह सुचित्रा को गोद में लिए हुए थी। उसकी सास से प्राप्त शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच जारी है।

तेंदुए के हमले में महिला घायल

आदिलाबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार की सुबह बाजार हाथनूर मंडल के देदरा गांव में एक महिला उस समय तेंदुए के हमले में घायल हो गई, जब वह अपने घर के बाहर शौच के लिए गई थी। गांव की भीमाबाई उस समय घायल हो गई जब पिछले कुछ दिनों से इलाके में घूम रहे तेंदुए ने जंगल के किनारे स्थित उसके मवेशी शेड के पास उस पर हमला कर दिया। वह शोर मचाकर किसी तरह बच गई। स्थानीय लोग उसे बचाने के लिए आए और वन अधिकारियों को घटना की जानकारी दी।

उन्हें तुरंत राजीव गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आरआईएमएस)-आदिलाबाद में स्थानांतरित कर दिया गया। उनकी चिकित्सा स्थिति स्थिर बताई गई है। वन विभाग ने चिकित्सा व्यय के लिए तत्काल राहत प्रदान की और कर्मचारी उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर नज़र रख रहे हैं।

वन अधिकारियों को संदेह है कि तेंदुआ मवेशियों को मारने के लिए शेड में आया था। जिले के जंगलों में कम से कम 13 तेंदुए रहते हैं। अधिकारी ने बताया कि वे ज्यादातर जंगलों में मवेशियों को मारते हैं।

29 नवंबर को, कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के कागजनगर मंडल के इस गांव में कपास की फसल की कटाई कर रही मोरले लक्ष्मी (21) को एक बाघ ने मार डाला। उसी बाघ पर 30 नवंबर को सिरपुर (टी) मंडल के डुब्बागुडेम गांव में किसान राउथु सुरेश पर हमला करने का संदेह है।

2.5 किलो अल्प्राजोलम जब्त किया

25 लाख रुपये आंकी गई कीमत

सिद्दीपेट, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट में आबकारी अधिकारियों ने शुक्रवार को सिद्दीपेट शहर के किस्ता सागर में ड्रग तस्करों से 2.5 किलोग्राम प्रतिबंधित अल्प्राजोलम जब्त किया और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। जब्त अल्प्राजोलम की कीमत 25 लाख रुपये आंकी गई है। गिरफ्तार आरोपी का नाम गड्डामीडी राजू गौड़ है। जबकि दूसरा आरोपी मार्पल्ली अर्जुन गौड़ फरार है, तीसरा आरोपी चेपुरी नरसिम्हुलु गौड़ पहले से ही किसी अन्य मामले में जेल में है। राजू गौड़ को 14 दिन की रिमांड पर भेज दिया गया है।

पूर्व तट रेलवे

(1) सूचना सं.: eT-West-WAT-38-2024
दिनांक: 10.12.2024

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के KK-II लाइन में सहायक मण्डल अभियन्ता/जगदलपुर के अधिकार क्षेत्र के अधीन ORN-3 पुलों, ब्रिज नं. 842, 855, 881 एवं ब्रिज नं. 882 का पुनर्वास।

विज्ञापित मूल्य : ₹ 2,49,25,162.58, EMD : ₹ 2,74,600/-

(2) सूचना सं.: eT-West-WAT-39-2024
दिनांक: 10.12.2024

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के KK-II लाइन में सहायक मण्डल अभियन्ता/किरंडुल के अधिकार क्षेत्र के अधीन ब्रिज नं. 1123 (ORN-3 पुल) एवं ब्रिज नं. 1252B (रेल क्लस्टर पुल) का पुनर्वास।

विज्ञापित मूल्य : ₹ 1,08,57,600.83, EMD : ₹ 2,04,300/-

(3) सूचना सं.: eT-West-WAT-40-2024
दिनांक: 10.12.2024

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के KK-II लाइन में सहायक मण्डल अभियन्ता/जगदलपुर के अधिकार क्षेत्र के अधीन मालिगुड़ा-कोटपार रोड स्टेशन के बीच कि.मी. 221.08 से कि.मी. 263.432 तक (पैचों में) 21.546 कि.मी. लम्बाई के लिए नए इलास्टिक फास्टनिंग द्वारा मौजूदा 60 कि.ग्रा. रेल एवं PSC स्लीपर का थ्रू फास्टनिंग नवीकरण।

विज्ञापित मूल्य : ₹ 41,48,460.50, EMD : ₹ 83,000/-

कार्य पूरा होने की अवधि : 12 (बारह) महीने (सभी क्रम संख्या के लिए)।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : 02.01.2025 को 1500 बजे (सभी निविदाओं के लिए)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक / कूरियर / फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर
PR-798/P/24-25

ग्रुप-2 परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए व्यवस्था पूरी : बुर्रा वेंकटेशम

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना लोक सेवा आयोग (टीजीपीएससी) के अध्यक्ष बुर्रा वेंकटेशम ने बताया कि तेलंगाना में ग्रुप-2 सेवा पदों को भरने के लिए परीक्षा आयोजित करने के लिए सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। लोक सेवा आयोग रविवार और सोमवार को ग्रुप-2 परीक्षा आयोजित कर रहा है। तेलंगाना में कुल 1,368 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं और ये परीक्षाएं ओएमआर पद्धति का उपयोग करके आयोजित की जाएंगी। इस अवसर पर, उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे बिना किसी गलतफहमी के अपनी योग्यता पर विश्वास करते हुए परीक्षा लिखें। 5.51 लाख से अधिक उम्मीदवार परीक्षा में शामिल होने जा रहे हैं। बुर्रा वेंकटेशम ने कहा कि उम्मीदवारों को उन्हें आवंटित ओएमआर शीट को ध्यान से जांचना चाहिए, क्योंकि उनकी ओएमआर शीट ही उनके लिए एकमात्र होगी। प्रत्येक उम्मीदवार के लिए बायोमेट्रिक्स अनिवार्य है और बायोमेट्रिक्स के बिना परीक्षा लिखना संभव नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी भी परिस्थिति में बिना बायोमेट्रिक्स के लिखित परीक्षा भी ली जाती है, तो वह मान्य नहीं होगी। बुर्रा वेंकटेशम ने कहा कि 783 पदों के लिए प्रत्येक नौकरी के लिए कम से कम 70 उम्मीदवार प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि सभी टीजीपीएससी सदस्य 18 और 19 दिसंबर को नई दिल्ली का दौरा करने जा रहे हैं। अपने अध्ययन दौरे के हिस्से के रूप में, वे 18 दिसंबर को यूपीएससी में दिशानिर्देश एकत्र करेंगे और अगले दिन, वे एसएससी आयोग के अधिकारियों और एनटीए अध्यक्ष से मिलेंगे। बुर्रा वेंकटेशम ने कहा कि यह यात्रा तेलंगाना में परीक्षाओं के पारदर्शी संचालन के लिए अध्ययन करने के लिए होगी।

हरीश राव ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के वेतन भुगतान में देरी पर सीएम की आलोचना की

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के वेतन भुगतान में अत्यधिक देरी पर सवाल उठाते हुए, बीआरएस नेता और पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने शनिवार को कांग्रेस सरकार की आलोचना की, जिस तरह से वह कर्मचारियों के मुद्दे को संभाल रही है। सरकार ने कर्मचारियों को समय पर वेतन भुगतान का वादा किया है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे अलग है। हजारों आंगनवाड़ी शिक्षकों और सहायकों को अगले महीने के 14 दिन बाद भी वेतन नहीं मिला है। हरीश राव ने इस भयावह स्थिति को उजागर किया कि पिछले 10 महीनों से आंगनवाड़ी केंद्रों का किराया भी नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस शासन के एक साल की दुर्भाग्यपूर्ण उपलब्धि है।

पुलिस ने एचसीएल साइक्लोथॉन 2024 के मद्देनजर जारी की ट्रैफिक एडवाइजरी

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस ने रविवार को होने वाले एचसीएल साइक्लोथॉन हैदराबाद 2024 के मद्देनजर ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की। यह कार्यक्रम सुबह 5 बजे से 10 बजे के बीच वन गोल्फ से टी-ग्रिल, कोकापेट ओआरआर सर्विस रोड, कोल्लूर जंक्शन यू-टर्न की ओर होता है और वन गोल्फ पर समाप्त होता है। इस संबंध में ओआरआर (कोल्लूर जंक्शन से कोकापेट जंक्शन की ओर) के बाईं ओर ओआरआर सर्विस रोड को सुबह 5 बजे से 10 बजे तक अस्थायी रूप से बंद रखा जाएगा। विप्रो जंक्शन से कोकपेट जंक्शन की ओर आने वाले यातायात को टी-ग्रिल से माइस्केप रोड की ओर, वेदा आईआईटी - नरसिंगी नानकरामगुडा सर्विस रोड की ओर - माय होम अवतार बाएं मोड़ - कोकपेट गांव की ओर मोड़ दिया जाएगा। कोल्लूर से कोकापेट और माई होम अवतार की ओर आने वाले यातायात को कोल्लूर जंक्शन पर ओआरआर सर्विस रोड के दाईं ओर मोड़ दिया जाएगा।

कल्याण छात्रावासों की स्थिति में वास्तविक सुधार पर ध्यान केंद्रित करे सरकार : केटीआर

सरकार कर रही केवल दिखावा

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी द्वारा कल्याण छात्रावासों का जायजा लेने के निर्णय पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव ने शनिवार को मांग की कि सरकार को केवल दिखावा करने के बजाय कल्याण छात्रावासों की स्थिति में वास्तविक सुधार पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने को प्राथमिकता दें तथा फोटो खिंचवाने और लाभ कमाने के लिए अवसर का उपयोग करने के बजाय छात्रों के समक्ष आने वाली वास्तविक समस्याओं का समाधान करें। उन्होंने कहा कि इन छात्रावासों में छात्रों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए सार्थक कार्रवाई समय की मांग है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार को आखिरकार बीआरएस द्वारा आयोजित गुरुकुल बाटा द्वारा कुछ कार्रवाई करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने कल्याणकारी स्कूलों को संकट में डाल दिया है, जिससे छात्रों में डर और अभिभावकों में परेशानी पैदा हो रही है। शिक्षा के लिए बने स्थानों पर सांपों के काटने से मासूम बच्चों की जान चली गई। बीआरएस शासन के दौरान छात्रों ने माउंट एवरेस्ट जैसी ऊंचाइयों को छुआ, लेकिन कांग्रेस के एक साल के शासन में वे अस्पताल के बिस्तरों पर आ गए। के चंद्रशेखर राव के 10 साल के शासन के दौरान गुरुकुलों में सीटों के लिए प्रतिस्पर्धा थी। अब अस्पताल के बिस्तरों के लिए प्रतिस्पर्धा है। इस अवसर पर सरकार की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्रवाई में देरी हुई है। उन्होंने कहा कि केवल फोटो खिंचवाने के लिए पोज न दें, बल्कि उन्हें पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने का प्रयास करें।

पूर्व तट रेलवे

(1)निविदा सूचना सं.eT-East-WAT-40-2024,
दिनांक : 10.12.2024

कार्य का नाम : सहायक मण्डल अभियन्ता/विजयनगरम के अधिकार क्षेत्र के अधीन RV लाइन में अतिक्रमण को रोकने के लिए 110 KMPH से अधिक गति से ट्रेन को चलाने के लिए ट्रैक के किनारे सुरक्षित फेन्सिंग अर्थात् डबल W बीम एवं Knot फेन्सिंग का प्रावधान।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में): 16,93,63,635.65, EMD(रुपये में) : 9,96,800/-।

(2)निविदा सूचना सं.eT-East-WAT-41-2024,
दिनांक : 10.12.2024

कार्य का नाम : सहायक मण्डल अभियन्ता/विजयनगरम के अधिकार क्षेत्र के अधीन Main लाइन में अतिक्रमण को रोकने के लिए 110 KMPH से अधिक गति से ट्रेन को चलाने के लिए ट्रैक के किनारे सुरक्षित फेन्सिंग अर्थात् डबल W बीम एवं Knot फेन्सिंग का प्रावधान।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में): 40,94,92,797.50, EMD(रुपये में): 21,97,500/-।

(3)निविदा सूचना सं.eT-East-WAT-42-2024,
दिनांक : 10.12.2024

कार्य का नाम : सहायक मण्डल अभियन्ता/श्रीकाकुलम रोड के अधिकार क्षेत्र के अधीन Main लाइन में अतिक्रमण को रोकने के लिए 110 KMPH से अधिक गति से ट्रेन को चलाने के लिए ट्रैक के किनारे सुरक्षित फेन्सिंग अर्थात् डबल W बीम एवं Knot फेन्सिंग का प्रावधान।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में): 44,62,97,553.64, EMD(रुपये में) : 23,81,500/-।

कार्य पूरा होने की अवधि: 12 महीने (सभी निविदा हेतु)।

निविदा बंद होने की तिथि व समय: दिनांक 06.01.2025 को 1500 बजे (सभी निविदा हेतु)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही ये सभी फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव के संबंध में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनःअवलोकन करें।

मण्डल रेल प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर
PR-801/P/24-25

दक्षिण मध्य रेलवे को छह राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार-2024 मिले

6 प्रतिष्ठित पुरस्कार जीतना दक्षिण मध्य रेलवे के लिए गर्व का क्षण : अरुण जैन

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार-2024 समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अध्यक्षता की। उपराष्ट्रपति ने राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता पुरस्कार और राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर, दक्षिण मध्य रेलवे को वर्ष 2024 के लिए छह राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। ये पुरस्कार भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के तत्वावधान में ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा आयोजित एक समारोह में प्रदान किए गए। श्रीपद वाई नाइक, केंद्रीय विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री, भारत सरकार ने राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार प्रदान किए। ये पुरस्कार वर्ष 2024 के दौरान सर्वोत्तम ऊर्जा प्रबंधन प्रथाओं के लिए घोषित किए गए हैं। रेलवे स्टेशन क्षेत्र में रेनीगुंटा रेलवे स्टेशन को प्रथम पुरस्कार, रेलवे स्टेशन क्षेत्र में जम्मीकुंटा रेलवे स्टेशन को द्वितीय पुरस्कार, अस्पताल क्षेत्र में सेंट्रल हॉस्पिटल, लालागुडा को योग्यता प्रमाणपत्र, रेलवे स्टेशन क्षेत्र में हैदराबाद रेलवे स्टेशन को योग्यता प्रमाणपत्र, रेलवे स्टेशन क्षेत्र में निजामाबाद रेलवे स्टेशन को योग्यता प्रमाणपत्र मिला है। बृज मोहन मीना, प्रिंसिपल चीफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, एससीआर के साथ विष्णु कांत, चीफ इलेक्ट्रिकल जनरल इंजीनियर, एससीआर और एम. विजय कुमार, डिवीजनल रेलवे मैनेजर, गुंतकल डिवीजन ने गुंतकल डिवीजनल रेलवे अस्पताल और रेनीगुंटा रेलवे स्टेशन के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। जबकि अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने अपनी-अपनी ऊर्जा कुशल इकाइयों के लिए पुरस्कार प्राप्त किए। दक्षिण मध्य रेलवे को पिछले कई वर्षों से लगातार राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार मिल रहे हैं। कई प्रशासनिक इकाइयों को ऊर्जा दक्षता ब्यूरो से राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार के लिए कई वर्षों से लगातार चुना गया है। यह जोन सभी विभागों के सभी डिवीजनों, कार्यशालाओं, फील्ड इकाइयों द्वारा ऊर्जा दक्षता और हरित पहल के क्षेत्र में किए गए अथक प्रयासों के माध्यम से इन पुरस्कारों को प्राप्त करने में सक्षम रहा है, यहां तक कि विभिन्न मंत्रालयों, सार्वजनिक उपक्रमों और कॉर्पोरेट क्षेत्रों से कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद भी। जोन लगातार ऊर्जा संरक्षण के विभिन्न उपायों को लागू कर रहा है, जैसे ऊर्जा कुशल एलईडी लाइटिंग, ऊर्जा कुशल इन्वर्टर टाइप स्टार रेटेड और सटीक एसी यूनिट, एचवीएसी नियंत्रण और तापमान निगरानी, निष्क्रिय घंटों के दौरान एसी यूनिट को बंद करना, ऊर्जा बचतकर्ता और अधिभोग सेंसर, पानी गर्म करने और बिजली उत्पादन के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग, वाटर कूलर/रोलिंग परीक्षा लाइट के लिए टाइमर, लिफ्टों का अनुकूलन, निष्क्रिय समय के दौरान 707 पंखे बंद करने के लिए प्लेटफार्मों पर पंखे सर्किट का द्विभाजन, ऊर्जा कुशल पंपों का उपयोग, स्टार लेबल वाले विद्युत उपकरणों का उपयोग, पारंपरिक पंखा नियामकों के स्थान पर इलेक्ट्रॉनिक पंखा नियामकों का प्रावधान आदि है। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने इन पुरस्कारों को प्राप्त करने के लिए जोन का प्रतिनिधित्व करने पर अपनी संतुष्टि व्यक्त की है। उन्होंने राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार के विजेताओं को भी बधाई दी।

उत्तम ने "कॉमन डाइट मेन्यू" कार्यक्रम शुरू किया

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने शनिवार को सरकारी छात्रावासों और आवासीय विद्यालयों में छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण भोजन और समग्र कल्याण सुनिश्चित करने के लिए तेलंगाना सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। हैदराबाद के महेंद्र हिल्स में तेलंगाना समाज कल्याण आवासीय विद्यालय और महाविद्यालय में "कॉमन डाइट मेन्यू" कार्यक्रम के शुभारंभ पर, मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी और सिकंदराबाद छावनी के विधायक गणेश ने छात्रों के साथ दोपहर का भोजन किया।

चिकन सहित विशेष रविवार दोपहर के भोजन के मेनू ने छात्रों के लिए संतुलित, पौष्टिक और आनंददायक भोजन उपलब्ध कराने की सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक बनाया। इस पहल का उद्देश्य राज्य भर में भोजन की तैयारी, भंडारण और भोजन प्रथाओं को मानकीकृत करना है ताकि निरंतर गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके, संदूषण के जोखिम को कम किया जा सके और सुरक्षित, पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जा सके। मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने बेहतर पोषण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सुरक्षित रहने की स्थिति के माध्यम से तेलंगाना के युवाओं को सशक्त बनाने के लिए कांग्रेस सरकार के दीर्घकालिक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में बोलते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने सरकारी छात्रावासों और आवासीय विद्यालयों में लगभग 8 लाख छात्रों की पोषण, शैक्षिक और स्वच्छता आवश्यकताओं को पूरा करने के कांग्रेस सरकार के संकल्प पर जोर दिया। उन्होंने महिंद्रा हिल्स परिसर में सोलर वॉटर हीटर, इन्वर्टर और अतिरिक्त लैब रूम स्थापित करने के लिए 25 लाख रुपये की मंजूरी की घोषणा की और आश्वासन दिया कि धनराशि जल्द से जल्द जारी की जाएगी। उन्होंने यह भी घोषणा की कि जनवरी 2025 से सभी सरकारी स्कूलों और छात्रावासों में बढ़िया चावल की आपूर्ति की जाएगी, जिससे भोजन की गुणवत्ता में और सुधार होगा। इसके अलावा, उन्होंने सरकार की प्रमुख यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल कॉम्प्लेक्स परियोजना पर प्रकाश डाला, जिसका उद्देश्य हाशिए के समुदायों के बच्चों के लिए विश्व स्तरीय शैक्षिक और पाठ्येतर बुनियादी ढांचा प्रदान करना है। परियोजना के चरण I में 28 स्कूल परिसरों की स्थापना होगी।

फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़, मौके से नौ महिला समेत 76 आरोपी गिरफ्तार

नोएडा, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। गौतमबुद्ध नगर के सेक्टर 63 थाना पुलिस, क्राइम रेस्पांस टीम (सीआरटी) व स्वाट टीम ने सेक्टर 63 के ए ब्लॉक में डेढ़ माह से चल रहे फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया। सेंटर से चार सरगना समेत नौ महिला और 67 पुरुषों को गिरफ्तार किया। आरोपित विदेशी नागरिकों को फर्जी पार्सल भेजने, टेक सपोर्ट व लोन दिलाने के नाम पर ठगी कर रहे थे। नागरिकों से गिफ्ट कार्ड, चेक आदि की डिटेल लेकर ब्लॉगर के माध्यम से धनराशि ठग रहे थे। कॉल सेंटर कर्मियों को हवाला के माध्यम से धनराशि मिल रही थी। वहीं चार में से तीन संचालक फर्जी काल संचालन को लेकर पूर्व में भी जेल जा चुके हैं। डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्तिमोहन अवस्थी ने बताया कि गोपनीय सूचना के आधार पर सीआरटी, स्वाट व सेक्टर 63 थाना पुलिस टीम ने सेक्टर 63 के ए ब्लॉक में भूखंड संख्या 199 पर चल रही इंस्ट्रा सालूशन नाम के कल सेंटर पर धावा बोला था। मौके से नौ महिला व 67 पुरुष स्टाफ को गिरफ्तार किया।

जूता मार्केट की दुकान में लगी आग, परिवारों ने बाहर निकलकर बचाई जान

कानपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। कानपुर में जाजमऊ की केडीए कॉलोनी की जूता मार्केट स्थित दुकान में शनिवार तड़के भीषण आग लग गई। घटना के बाद जाजमऊ, मीरपुर दमकल स्टेशनों से दमकल की कई गाड़ियां पहुंच चुकी हैं। फायर ब्रिगेड की टीम आग पर काबू पाने में जुटी है। मिली जानकारी के अनुसार सराफत और सरताज की जाजमऊ केडीए जूता मार्केट में विंग्स स्टार के नाम से दुकान है। इसमें वह ऊपर के तल में परिवार के साथ रहते हैं। बताया गया कि शनिवार तड़के दुकान मे आग लग गई। इसके बाद धुंआ बाहर निकलने लगा। इस जानकारी पर सभी घर से बाहर आ गए। फिर आग को बुझाने का प्रयास करने लगे, लेकिन सुबह देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। इससे नीचे की दुकान जलकर खाक हो गई। इसके बाद सुबह करीब आठ बजे दमकल को सूचना मिली। फिलहाल दमकल की चार गाड़ियां आग को काबू करने की जद्दोजहद कर रही हैं।

आधा घंटा कचहरी की लिफ्ट में फंसे रहे विधायक रफीक अंसारी, ऊपर-नीचे लगाती रही चक्कर; नहीं खुला गेट

मेरठ, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। कैपिटल अस्पताल के बाद कचहरी परिसर में 14 न्यायालय भवन की सात मंजिला इमारत में लगी नई लिफ्ट गड़बड़ा गई। जिस समय गड़बड़ी हुई उस समय लिफ्ट में शहर विधायक रफीक अंसारी अपने अधिवक्ता और दो सिक्योरिटी गार्ड के साथ मौजूद थे। अन्य लगभग दस लोग भी लिफ्ट में थे। लिफ्ट आधा घंटा तक सभी लोगों को लेकर भूतल से सातवी मंजिल के ऊपर नीचे चक्कर लगाती रही लेकिन रूकी नहीं। लिफ्ट के अंदर मौजूद लोग घबरा गए। चीख पुकार मच गई। नाजिर और कोर्ट मैनेजर ने तत्परता दिखाई और इलेक्ट्रीशियन को बुलाकर दरवाजा खुलवाया। बताया गया है कि जुलाई में ही शुरू हुई यह नई लिफ्ट पिछले कई दिन से गड़बड़ कर रही है। घटना के बाद जिला जज ने लिफ्ट कंपनी को नोटिस जारी किया है। घटना का वीडियो भी तेजी से प्रसारित हो रहा है।

2 थानाध्यक्ष और 5 पुलिस पदाधिकारियों का तबादला

किशनगंज, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। किशनगंज के एसपी सागर कुमार ने जिले की विधि-व्यवस्था में सुधार और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 2 थाना अध्यक्ष और 5 पुलिस पदाधिकारियों का तबादला किया है। इस फेरबदल के तहत पुलिस निरीक्षक राजा संदीप कुमार को साइबर थाना में अपर थानाध्यक्ष (अनुसंधान इकाई) बनाया गया है। पोठिया थानाध्यक्ष निशिकांत कुमार को बहादुरगंज थानाध्यक्ष नियुक्त किया गया, जबकि बहादुरगंज के अपर थानाध्यक्ष पंकज कुमार पंथ को किशनगंज टाउन थाना का अपर थानाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा, अमित कुमार को बहादुरगंज का अपर थानाध्यक्ष और अंजय अमन को साइबर थाना से स्थानांतरित कर पोठिया थानाध्यक्ष बनाया गया है। किशनगंज टाउन थाना के अपर थानाध्यक्ष राहुल कुमार को अनुसंधान इकाई का कार्यभार सौंपा गया है।

जासूसी के आरोप में गिरफ्तार हुआ था यूपी का जो शख्स

अब जज बन सुनाएगा फैसले

कानपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर के एक शख्स को पूरे 7 साल बाद जज नियुक्त किया गया है। इस शख्स की नियुक्ति कोई मामूली नहीं है बल्कि प्रदीप कुमार नामक व्यक्ति पर पाकिस्तान के लिए जासूसी करने का आरोप लगाया गया था। इस के बाद अब कई साल तक कोर्ट में लड़ाई लड़ने के बाद इलाहाबाद हाई कोर्ट ने प्रदीप कुमार के हक में फैसला सुना दिया है। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने हाल ही में प्रदीप कुमार को जज (एचजेएस कैडर) के रूप में नियुक्त करने का आदेश दिया है, याचिकाकर्ता प्रदीप कुमार पर साल 2002 में पाकिस्तान के लिए जासूसी करने का आरोप लगाया गया था। इसी के बाद साल 2014 में इनको बरी कर दिया गया था। बरी होने के दो साल बाद साल 2016 में इन्होंने यूपी हायर न्यायिक सेवा का एग्जाम दिया था और 27वां पद हासिल किया था, लेकिन नियुक्ति नहीं की गई थी।

प्रदीप कुमार पर क्या आरोप लगा था?

प्रदीप कुमार को साल 2002 में पाकिस्तान के लिए जासूसी गतिविधियों को अंजाम देने का आरोप लगा था। प्रदीप उस समय 24 साल के थे और लॉ ग्रेजुएट थे। प्रदीप पर राजद्रोह, आपराधिक साजिश और आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के कई प्रावधानों का आरोप लगाया गया था। साल 2014 में कानपुर की एक अदालत ने उन्हें मुकदमों में बरी कर दिया था,

लेकिन इन मामलों में उन्हें जेल में भी रहना पड़ा था। कानपुर जिला मजिस्ट्रेट को सैन्य प्राधिकरण की जुलाई 2019 की रिपोर्ट के अनुसार, जिस पर हाई कोर्ट ने ध्यान दिया, प्रदीप कुमार को 13 जून 2002 को "सिस्टर खुफिया एजेंसियां" से प्राप्त इनपुट के आधार पर एसटीएफ और सैन्य खुफिया ने गिरफ्तार किया था। रिपोर्ट में प्रदीप कुमार के पिता का भी जिक्र है और कहा गया था कि कुमार के पिता को भी 1990 में रिश्वतखोरी के आरोप में एक अतिरिक्त न्यायाधीश की सेवा से निलंबित कर दिया गया था। रिपोर्ट में कथित तौर पर कहा गया था कि कुमार पैसे हासिल करने के आसान तरीकों को तलाश करने के चलते फैजान इलाही नामक शख्स के कॉन्टैक्ट में आए। फैजान इलाही एक फोटोस्टेट की दुकान चलाता था और उस ने कथित तौर पर प्रदीप कुमार से पैसे के बदले टेलीफोन पर कुछ जानकारी प्रदान करने के लिए कहा था। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया कि कुमार ने पैसे के बदले में कानपुर की संवेदनशील जानकारी दी।

हालांकि , पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार होने के पूरे 2 दशक के बाद अब प्रदीप कुमार (46) जज बनने के बहुत करीब पहुंच गए हैं और कोर्ट ने उन के हक में फैसला सुना दिया है। पिछले हफ्ते, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को जून 2002 में गिरफ्तार किए गए कानपुर निवासी प्रदीप कुमार को अतिरिक्त जिला न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने का पत्र जारी करने का आदेश दिया है।

हार्ट अटैक से सात साल की बच्ची की हो गई मौत

बागपत, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। गुरुवार को एक निजी स्कूल की सात वर्षीय छात्रा, अपेक्षा कुमारी की स्कूल परिसर में खेलते समय दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। यह घटना योगीनाथ विद्यापीठ पब्लिक स्कूल, सरूरपुर में सुबह लगभग 11:30 बजे हुई, जब अपेक्षा अपने दोस्तों के साथ मैदान में खेल रही थी। बताया गया है कि अपेक्षा पहली कक्षा की छात्रा थी। स्कूल के शिक्षकों के अनुसार, वह अन्य बच्चों के साथ मैदान में खेल रही थी और अचानक बेहोश होकर गिर पड़ी। स्कूल प्रशासन ने तुरंत उसके परिवार को सूचित किया। अपेक्षा के माता-पिता उसे तीन अलग-अलग अस्पतालों में लेकर गए, लेकिन डॉक्टर उसकी जान नहीं बचा सके।

ये तो गजब हो गया

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल को ही भेज दिया नोटिस हकीकत ने उड़ाए अधिकारियों के होश

लखनऊ, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में वरासत के एक मुकदमे में शरारती युवक ने राज्यपाल को पक्षकार बनाते हुए फर्जी तरीके से नोटिस राजभवन भेज दिया। मामला तब सामने आया जब फाइल राजभवन से कलेक्ट्रेट पहुंची। राज्यपाल ने नाराजगी जताते हुए कार्रवाई का निर्देश दिया तो हड़कंप मच गया। तहसील मलिहाबाद में मीरा पाल बनाम ग्राम सभा का वरासत का मुकदमा तहसीलदार के न्यायालय में विचाराधीन है। किसी शरारती व्यक्ति ने 11 नवंबर को राज्यपाल को पार्टी बनाते हुए राजभवन को नोटिस भेज दिया। तहसीलदार विकास सिंह के मुताबिक शरारती व्यक्ति ने सामान्य नोटिस बनाकर न्यायालय की मोहर व तहसीलदार के पेशकार के फर्जी हस्ताक्षर बनाकर 29 अक्तूबर को जारी होने की तिथि व आठ नवंबर को पेशी की तिथि लिखकर 11 नवंबर को लखनऊ से राजभवन के लिए स्पीड पोस्ट किया था। जबकि वरासत के मुकदमे में राज्यपाल पक्षकार ही नहीं होते है।

तहसील से इस प्रकार का नोटिस नहीं भेजा गया

राजस्व संहिता 2006 लागू होने के बाद धारा-34 के मामले में मुकदमा दर्ज होने के बाद कंप्यूटराइज्ड नोटिस पक्षकारों को जाता है। तहसीलदार का कहना है कि यह नहीं पता चल सका है कि यह हरकत किसने की है। एसडीएम, मलिहाबाद सौरभ सिंह के अनुसार तहसील से इस प्रकार का नोटिस (इश्तहार) नहीं भेजा गया है।

आरोपी पर कार्रवाई की जाएगी

न्यायालय की फर्जी मोहर व हस्ताक्षर बनाकर किसी अज्ञात व्यक्ति ने जाली नोटिस तैयार कर लखनऊ से स्पीड पोस्ट किया है। ताकि तहसील की छवि धूमिल हो सके। राजभवन से कलेक्ट्रेट आया लेटर अभी मलिहाबाद नहीं आया है। जांच कराई जा रही है। ऐसा कार्य करने वाले व्यक्ति पर कार्रवाई की जाएगी।

नक्सली पर्चा मिलने से फैली दहशत, पुल बनाने वाले ठेकेदार को दी जान से मारने की धमकी

जमुई, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में पुल बना रहे एक ठेकेदार को नक्सलियों के द्वारा जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। जमुई के चकाई थाना क्षेत्र के गरूडाबाद गांव में बन रहे पुल में एक पर्चा चिपकाया हुआ मिला जिसमें प्रोजेक्ट के संवेदक को मारने की धमकी लिखी हुई है। माओवादी संगठन के लेटर पैड पर यह धमकी दी गयी है। वहीं पुलिस ने उक्त पर्चा को जब्त कर लिया और मामले की जांच में जुटी है। दूसरी तरफ इस पर्चा के मिलने से दहशत भी फैला हुआ है। देर रात चकाई थाना क्षेत्र के गरूडाबाद गांव के समीप निर्माणाधीन पुल में नक्सलियों ने पर्चा चिपका कर पुल बनाने वाले संवेदक को जान से मारने की धमकी दी। बिहार-झारखंड के सीमावर्ती क्षेत्र में यह गांव है जहां पुल का निर्माण हो रहा है। पुल बनाने वाले ठेकेदार झारखंड के भेलवाघाटी थाना के क्षेत्र शिरोमणि यादव हैं जिन्होंने चकाई प्रखंड के चिहरा थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी है।

'डीएम को थप्पड़ चलाने का अधिकार किस रूल-बुक में लिखा है?'

सीएम नीतीश से रोहिणी का तीखा सवाल

पटना, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। बीपीएससी अभ्यर्थी को थप्पड़ मारने के कारण न केवल पटना डीएम डॉ. चंद्रशेखर सिंह की किरकिरी हो रही है, बल्कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी विपक्ष के निशाने पर आ गए हैं। आरजेडी नेता रोहिणी आचार्य ने थप्पड़ कांड को लेकर सीएम पर हमला बोला है। उन्होंने तीखे लहजे में कहा कि मुख्यमंत्री जी आपके चहेते अफसर जनता और युवाओं के साथ बदसलूकी पर उतर आए हैं। रोहिणी ने सीएम से पूछा सवाल?:

रोहिणी आचार्य ने कहा कि नीतीश कुमार का शासनकाल बेलगाम-बददिमाग अफसरशाही और अफसरों के लिए तो जाना ही जाता है, मगर अब तो नीतीश कुमार के पसंदीदा और चहेते अफसर बिहार की जनता और युवाओं के साथ बदसलूकी पर उतर आए हैं। बीपीएससी अभ्यर्थी पर पटना के जिलाधिकारी के द्वारा थप्पड़ चलाया जाना सरासर गुंडागर्दी की श्रेणी में आता है। मुख्यमंत्री होने के नाते नीतीश कुमार को ये बताना चाहिए कि उनके अधिकारी को थप्पड़ चलाने का अधिकार किस रूल-बुक की तहत हासिल है?

नागेंद्र राय ने शख्स से मांगी 3 करोड़ की रंगदारी? लालू प्रसाद यादव के भतीजे पर लगा गंभीर आरोप

पटना, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के भतीजे नागेंद्र राय पर रंगदारी मांगने का आरोप लगा है। आकाश गौरव नाम के एक व्यक्ति ने नागेंद्र राय पर तीन करोड़ की रंगदारी मांगने और पटना छोड़ने का आरोप लगाया है। साथ ही कहा कि ऐसा नहीं करने पर उसे मरवाने की धमकी भी दी गई है। इसको लेकर आकाश गौरव ने पीरबहोर थाने में नागेंद्र राय के खिलाफ एफआईआर के

लिए आवेदन दिया है। वहीं मामले को लेकर नागेंद्र राय ने झूठ बोलने का आरोप लगाया है। साथ ही कहा कि आकाश गौरव ने मुझसे ही पैसा लिया है और लौटा नहीं रहा है। हम अपना पैसा मांगते हैं तो मुझपर झूठा आरोप लगाने के लिए थाने में पहुंच जाता है।

आकाश गौरव ने लगाए गंभीर आरोप

आकाश गौरव की शिकायत के अनुसार वे 12 दिसंबर को सिलीगुड़ी में थे। इस दौरान नागेंद्र राय ने उन्हें कॉल कर उन्हें गालियां दी और कहा कि तुम परिवार के साथ बिहार से चले जाओ और तीन करोड़ रुपये दो, ऐसा नहीं करोंगे तो तुम्हें परिवार सहित जान से मरवा दूंगा। 13 दिसंबर को फिर नागेंद्र ने कॉल किया, जब उन्होंने कॉल नहीं उठाया तो 5-7 हथियारबंद अज्ञात लोगों को उसे घर से उठाने के लिए भेज दिया। आकाश के अनुसार नागेंद्र राय की धमकियों की वजह से उनका पूरा परिवार सहमा हुआ है। आकाश के अनुसार उन्होंने नागेंद्र के खिलाफ पुलिस को कई सबूत भी दे दिए हैं।

पहले भी कई मामलों में आया नागेंद्र राय का नाम

इससे पहले सरकारी अफसर से मारपीट के मामले में भी नागेंद्र राय का नाम सामने आया था। कई आपराधिक मामले भी उनके खिलाफ दर्ज हुए थे। एक बिल्डर से दो करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने, मारपीट करने और डराने की नीयत से फायरिंग करने के अलावा एक आईएएस अफसर को धमकाने का भी आरोप लगा था।

मस्जिद में बजा लाउडस्पीकर तो इमाम को गिरफ्तार कर लिया

संभल, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। संभल में धर्मस्थल पर माइक और लाउडस्पीकर बजाने पर पुलिस प्रशासन ने एक इमाम पर बड़ी कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इमाम पर ये कार्रवाई शांति भंग करने के मामले में की है। इमाम को पहले हिरासत में लेकर पूछताछ की गई वहीं एसडीएम ने इमाम को दो लाख रुपये पाबंद कर दिया। बता दें कि बीते दिनों एएसपी श्रीश चंद्र और सीओ अनुज चौधरी ने सदर कोतवाली में सभी धर्मों के धर्मगुरुओं के साथ संवाद स्थापित कर धर्म स्थलों से माइक और लाउडस्पीकर उतारने की बात कही थी और इस बात पर सहमत हो गए थे।

इस मामले में एएसपी ने सुप्रीम कोर्ट का हवाला देते हुए साफ किया कि किसी भी धर्मस्थल पर माइक और लाउडस्पीकर नहीं बजेगा अगर कोई आदेश का पालन नहीं करेगा तो उसके खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इस आदेश के बीच शुक्रवार को सदर कोतवाली इलाके के मोहल्ला कोट गर्वी स्थित एक धर्म स्थल पर अपर पुलिस अधीक्षक श्रीश चंद्र और सीओ अनुज चौधरी ने जुम्मे की नमाज़ को लेकर गश्त के दौरान माइक और लाउडस्पीकर की आवाज सुनी तो दौड़ते हुए वहां पहुंचे। उसके बाद उस मस्जिद के इमाम को तलब करते हुए सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन नहीं करने पर कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया।

संभल की मस्जिदों-मदरसों और घरों में बड़े पैमाने पर बिजली चोरी पकड़ी गई, डीएम-एसपी ने सुबह 5 बजे की छापेमारी

संभल, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। संभल के जिलाधिकारी (डीएम) डॉ राजेन्द्र पेन्सिया और पुलिस अधीक्षक (एसपी) कृष्ण कुमार के नेतृत्व में बिजली विभाग की टीम ने कई इलाकों में शनिवार तड़के छापेमारी की। छापेमारी के दौरान इलाके में बड़े पैमाने पर बिजली चोरी करते पकड़ा गया। जानकारी के अनुसार, कई जगहों पर बड़े पैमाने पर बिजली की चोरी की जा रही थी। बताया जा रहा है कि मस्जिदों से आस-पास के इलाकों में बिजली की सप्लाई की जा रही थी। मामला संभल सदर क्षेत्र के नखासा और दीपासराय का है। डीएम डॉ राजेन्द्र पेन्सिया ने कहा कि बिजली चोरी के खिलाफ ऐसा अभियान चलाएंगे कि एक भी घर में बिजली की चोरी नहीं हो सकेगी। डीएम ने कहा कि करीब 150-200 घरों में बिजली चोरी करते हुए पकड़ी गई है। डीएम ने कहा कि मस्जिद, मदरसे और घरों में बिजली चोरी पकड़ी गई है। उन्होंने कहा कि बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया जाएगा और उनसे वसूली भी की जाएगी। डीएम ने कहा कि आज सुबह पांच बजे में लाउड स्पीकर की जांच करने आए थे। इलाके में देखा कि बड़े पैमाने पर कटिया लगी थी। जांच में बड़े पैमाने पर बिजली चोरी पकड़ी गई। डॉ राजेन्द्र पेन्सिया ने बताया कि हमने करीब 150-200 घरों और उसके आस-पास 5-6 मस्जिदों को देखा है। बिजली चोरी पकड़ी गई है।

बिजनौर में पति की गोद में तड़पकर घायल पत्नी की निकल गईं सांसें, पुलिस बोली- 'जेब में नहीं है एंबुलेंस'

बिजनौर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। कोतवाली देहात पुलिस के कटाक्ष और व्यवस्था मौत से ज्यादा बेदर्द निकली। अकराबाद पुलिस चौकी के पास डंपर से कुचलने के बाद जख्मी हालत में पड़ी महिला का पति और बेटा मदद के लिए गुहार लगाते रहें। मदद की जगह सिपाही ने कटाक्ष किया करते हुए कहा कि एंबुलेंस हमारी जेब में नहीं है। 40 मिनट बाद एक प्राइवेट एंबुलेंस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक महिला इस दुनिया से जा चुकी थी। पुलिस के रवैए के आहत पति ने कहा कि उसका पुलिस से विश्वास उठ गया है। दस दिसंबर को गांव रतनपुरा निवासी 48 वर्षीय अंजू देवी पत्नी देवेंद्र अपने पुत्र अक्षित के साथ बाइक से थाना कोतवाली देहात क्षेत्र के गांव बढ़ापुर में अपनी भांजी की मेंहदी की रस्म में शामिल होने जा रही थी। अकराबाद पुलिस चौकी के पास तीन बजकर 20 मिनट पर मिट्टी के डंपर की टक्कर ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। डंपर का पहिया अंजू के पैर में उतर गया। जख्मी हालत में अंजू बेटे के गोद में सिर रखकर लेट गई।

हादसा अकराबाद पुलिस चौकी से सौ मीटर दूर हुआ। बेटे की सूचना पर अंजू के पति देवेंद्र भी मौके पर पहुंच गए। पिता-पुत्र ने पुलिस से जल्द ही एंबुलेंस बुलाने के लिए कहा, लेकिन कोई व्यवस्था नहीं हो पाई। देवेंद्र का आरोप है कि जब वे गिड़गिडाए तो एक सिपाही ने कटाक्ष करते हुए कहा कि एंबुलेंस जेब में रखी है। निकाल लें। जब सरकारी एंबुलेंस नहीं पहुंची तो उन्होंने अपने स्तर पर चार हजार रुपए में प्राइवेट एंबुलेंस बुलाई। करीब 40 मिनट बाद एंबुलेंस पहुंची। उसे लेकर स्वजन चले, लेकिन कुछ दूर बोलते-बोलते अंजू ने दम तोड़ दिया।

बांके बिहारी मंदिर में हादसा, धक्का मुक्की में श्रद्धालु का पैर टूटा

मथुरा, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। वृंदावन के मशहूर बांके बिहारी मंदिर में धक्का मुक्की से एक श्रद्धालु के पैर में फ्रैक्चर हो गया। इस दौरान मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी ने घायल श्रद्धालु को अस्पताल पहुंचाया। यह हादसा मंदिर के गेट चार के पास हुआ। दरअसल, बीडी भट्ट (83) बांके बिहारी के दर्शन के लिए परिवार के साथ आए थे। वह मंदिर के गेट चार और पांच के बीच खड़े थे, तभी अचानक पीछे से तेज धक्का आया। इस धक्के में एक युवक बुजुर्ग श्रद्धालु के पैर पर गिर गया, जिससे बुजुर्ग के दाहिने पैर में फ्रैक्चर हो गया और वह जमीन में गिर पड़े। वहां मौजूद श्रद्धालु की बेटी दीपा भट्ट ने यह देखा और अपने पिता की मदद के लिए वहां मौजूद लोगों से गुहार लगाने लगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इसके बावजूद मदद के लिए न मंदिर कर्मचारी, न सुरक्षा गार्ड और न ही कोई श्रद्धालु सामने आया।

संभल हिंसा में मुरादाबाद जेल अधीक्षक भी निलंबित

नियम विरुद्ध मुलाकात कराने के मामले में हुई कार्रवाई

लखनऊ, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रदेश सरकार ने मुरादाबाद जेल में संभल हिंसा के आरोपितों से सपा नेताओं की नियम विरुद्ध मुलाकात कराने के मामले में जेल अधीक्षक पीपी सिंह को भी निलंबित कर दिया है। उन्हें कारागार मुख्यालय से संबद्ध किया गया है। डीआइजी जेल कुंतल किशोर की जांच में जेल अधीक्षक के अलावा जेलर व डिप्टी जेलर भी दोषी पाए गए थे। जेल अधीक्षक के विरुद्ध कार्रवाई की संस्तुति की गई थी। कारागार मंत्री दारा सिंह चौहान ने बताया कि मामले में लापरवाही के दोषी जेल अधीक्षक को निलंबित कर अनुशासनिक कार्यवाही का आदेश दिया गया है। मुरादाबाद जिला कारागार के जेलर विक्रम सिंह यादव व डिप्टी जेलर प्रवीण सिंह को चार दिसंबर को निलंबित कर दिया गया था। अब तीनों अधिकारियों के विरुद्ध विभागीय जांच शुरू की गई है। संभल में हुई हिंसा के आरोपितों को मुरादाबाद जेल में निरुद्ध किया गया है। दो दिसंबर को सपा के पूर्व सांसद डा ।एसटी हसन, विधायक

नवाबजान व चौधरी समरपाल सिंह अन्य लोगों के साथ मुरादाबाद जेल पहुंचे थे जहां उनकी संभल हिंसा के आरोपितों से नियम विरुद्ध मुलाकात कराई गई थी। मुलाकात करने वालों में कुछ आरोपितों के स्वजन भी शामिल थे जबकि कुछ लोग खुद के स्वजन होने का दावा कर भीतर चले गए थे। जेल में आरोपितों से सपा नेताओं की नियम विरुद्ध मुलाकात कराए जाने का मामला संज्ञान में आने पर डीजी जेल के निर्देश पर डीआइजी ने मामले की जांच की थी।

संभल में मदरसों के छात्र भी रहे शामिल, पुलिस को मिल रहे पत्र

संभल की हिंसा के मामले में नया मामला सामने आया है। आसपास के जिलों से मदरसों में पढ़ने वाले छात्रों को भी 24 नवंबर को बुलाया गया था। रामपुर, बुलंदशहर और हापुड़ जिलों से पुलिस को मिले पत्रों में इसका उल्लेख किया गया है। पुलिस इस दिशा में भी जांच कर रही है। इधर, हिंसा के 93 आरोपितों पर इनाम घोषित किया जाएगा। पुलिस 400 पत्थरबाजों के फोटो भी जारी कर चुकी है। सभी ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून(रासुका) के तहत कार्रवाई की जानी है। 24 नवंबर को मस्जिद में सर्वे के दौरान हुई हिंसा में 12 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। इनमें सात प्राथमिकी पुलिस की ओर से कराई गई हैं। चार मृतकों के स्वजन की ओर से भी अलग-अलग प्राथमिकी कराई गई है। एक प्राथमिकी संभल के नसीम की ओर से अपने भतीजे के गोली लगने की कराई है।

अपने ही स्कूल को भेजी थी बम से उड़ाने की धमकी

आईपी एड्रेस ट्रैक कर बच्चे तक पहुंची पुलिस

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के स्कूलों को लगातार मिल रही बम की धमकियों के मामले में अब पुलिस अलर्ट हो गई है और जांच में जुटी हुई है। इसी बीच धमकी भरे ईमेल के एक पुराने मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक प्राइवेट स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे को ट्रेस किया है। स्पेशल सेल के सूत्रों मुताबिक, इस बच्चे ने अपने ही स्कूल में बम की धमकी का ईमेल भेजा था। आईपी एड्रेस ट्रेस करते हुए दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की टीम उसके घर पहुंची। पूछताछ के दौरान बच्चे ने बताया कि ये शरारत उसी ने की थी। इसके बाद बच्चे की काउंसलिंग की गई और उसको छोड़ दिया गया। उसके माता-पिता को बच्चे पर नजर रखने की हिदायत भी दी गई है। हालांकि, स्पेशल सेल के मुताबिक दिल्ली के कई स्कूलों को बम की जो धमकियों के लिए जो ग्रुप मेल आ रहे हैं, उसमें इस बच्चे का हाथ नहीं है। कई स्कूलों को मिलने वाली धमकी के पीछे किसी और की ही साजिश है, जिसका पता लगाने के लिए पुलिस की टीमें जुटी हुई हैं। शनिवार की सुबह दिल्ली के डीपीएस आरके पुरम को बॉम्ब थ्रेट मिला जिसके बाद पुलिस प्रशासन के साथ ही फायर को इन्फॉर्म किया गया, तकरीबन 2 घंटे तक चली जांच के बाद स्कूल में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। फायर डिपार्टमेंट के पास कॉल सुबह 6:09 पर पहुंची जिसके बाद इसके बाद फायर की गाड़ी यहां पहुंची और पुलिस ने अपनी जांच शुरू की, हालांकि स्कूल को यह बम थ्रेड किस वक्त मिला इसकी जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। शनिवार और रविवार स्कूल की छुट्टी होती है, जिस वजह से स्टूडेंट स्कूल नहीं पहुंचे थे। हालांकि, कुछ स्टूडेंट्स को एक्टिविटी में पार्टिसिपेट करने के लिए स्कूल आना था। लेकिन स्कूल प्रशासन की तरफ से सुबह ही उनको स्कूल आने से मना कर दिया गया था।

बीपीएसएल की संपत्ति के 4,025 करोड़ रुपये ईडी को करने होंगे वापस, सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया फैसला

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने जेएसडब्ल्यू स्टील के पक्ष में फैसला सुनाया। ईडी को बीपीएसएल की 4,025 करोड़ रुपये की संपत्ति वापस करनी होगी। जेएसडब्ल्यू स्टील ने 20,000 करोड़ रुपये में बीपीएसएल का अधिग्रहण किया। मनी लॉन्ड्रिंग जांच के कारण ईडी ने शुरू में इनकी संपत्ति कुर्क की थी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अब चार साल पुरानी कानूनी लड़ाई खत्म हो गई है। जेएसडब्ल्यू स्टील अब बीपीएसएल संपत्तियों का नियंत्रण ले सकती है। प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने शनिवार को बताया कि उसने पूर्ववर्ती भूषण स्टील एंड पावर लिमिटेड की 4,025 करोड़ रुपये की संपत्ति जेएसडब्ल्यू स्टील को वापस किया जाएगा। ऐसा उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की ओर से मंजूरी मिलने के बाद दी है। जेएसडब्ल्यू स्टील कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) के तहत दिवालिया हो चुकी कंपनी भूषण स्टील की संपत्तियों के लिए सफल समाधान आवेदक थी।

जब्त पैसे को करना होगा वापस

इन संपत्तियों को पहले संघीय जांच एजेंसी ने भूषण स्टील एंड पावर और उसके प्रवर्तकों के खिलाफ एक जांच में कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी और धन की हेराफेरी करने के आरोपों पर धन शोधन निवारण अधिनियम पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत जब्त किया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कहा कि 4,025 करोड़ रुपये की संपत्ति की वापसी की जाएगी। शीर्ष न्यायालय ने बुधवार को ईडी के इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। बीपीएसएल के लिए जेएसडब्ल्यू स्टील की 20,000 करोड़ रुपये की बोली अंतिम रूप लेने के करीब चार साल बाद अब ईडी ने यू-टर्न लेते हुए कहा है कि जेएसडब्ल्यू स्टील को इसमें हिस्सा लेने की अनुमति दी जाए। सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को कर्ज में डूबी भूषण पावर एंड स्टील की 4,025 करोड़ रुपये की संपत्ति जेएसडब्ल्यू स्टील को सौंपने का निर्देश दिया। ये कथित तौर पर बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में 2019 में अस्थायी रूप से कुर्क की गई थी।

'ईवीएम का मंदिर बनवाइए'

शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत का महायुति सरकार पर तीखा तंज

मुंबई, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता संजय राउत ने शनिवार को भाजपा नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्हें इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) का जुलूस निकालना चाहिए और ईवीएम मंदिर बनाना चाहिए। राउत ने कहा कि महायुति सरकार को पहली कैबिनेट बैठक में ही नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) मुख्यालय के सामने ईवीएम मंदिर बनाने की घोषणा करनी चाहिए। गौरतलब है कि महा विकास अघाड़ी गठबंधन के नेता महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद से ही ईवीएम को लेकर सवाल उठा रहे हैं।

'ईवीएम का जुलूस निकालें'

संजय राउत ने शनिवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि 'सबसे पहले, मुख्यमंत्री का जुलूस वहां (नागपुर में) निकाला जाए। मुझे लगता है कि सीएम का जुलूस निकालने से पहले उन्हें ईवीएम का जुलूस निकालना चाहिए और पहली कैबिनेट में उन्हें आरएसएस मुख्यालय के सामने ईवीएम का मंदिर बनाने का फैसला करना चाहिए।' शिवसेना (यूबीटी) सांसद ने नवगठित सरकार पर कैबिनेट की जिम्मेदारियों को लेकर फैसला न कर पाने का भी आरोप लगाया। राउत ने कहा, 'इस राज्य में नई सरकार बने एक महीना हो गया है, लेकिन यह पता नहीं चल पाया है कि किसके पास कौन सा विभाग है। महाराष्ट्र के गांवों में हर दिन हत्याएं और दुष्कर्म हो रहे हैं, सीएम इसका जवाब नहीं दे पा रहे हैं। महाराष्ट्र में अराजकता फैल गई है। यह सरकार ईवीएम से बनी है, उनके पास दिमाग नहीं है, उनके दिमाग में ईवीएम है।'

फडणवीस ने स्वीकारा- उम्मीद से ज्यादा नंबर मिले

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को कहा कि उनके गठबंधन को उम्मीद से ज्यादा नंबर मिले हैं। एक कार्यक्रम में बोलते हुए फडणवीस ने कहा कि 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नारा 'एक है तो सुरक्षित है' राज्य में 'जादू' की तरह काम कर गया। मुझे पता था कि हम (महायुति) चुनाव जीतने जा रहे हैं लेकिन अगर मैं कहूं कि मुझे पता था कि हम (भाजपा) 132 सीटें जीतने जा रहे हैं, तो यह गलत है। हमें भी नहीं पता था कि हम इतनी बड़ी संख्या में सीटें जीतने जा रहे हैं। हमें उम्मीद से ज्यादा संख्या मिली है।'

कोरोना काल में घपला करने वाले अधिकारी नपे

167 करोड़ का नुकसान पहुंचाने पर हुई एफआईआर

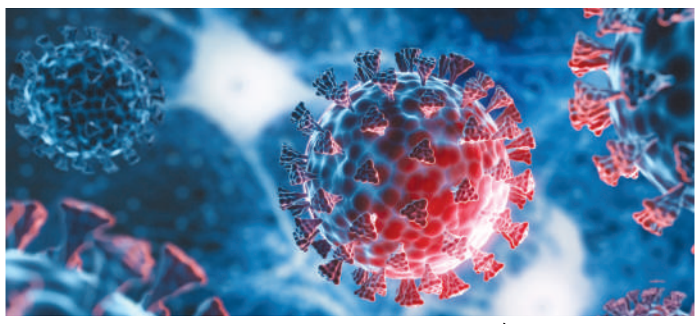

बेंगलुरु, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। कोरोना महामारी के दौरान कथित गड़बड़ियों के आरोप में कई सरकारी अधिकारियों और निजी कंपनियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। आरोप हैं कि कर्नाटक में हुई इस धोखाधड़ी के चलते राज्य के खजाने को 167 करोड़ रुपये का भारी नुकसान हुआ है। आरोप चिकित्सा कर्मियों के लिए व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) किट और एन95 मास्क की अवैध खरीद से जुड़ा है। चिकित्सा शिक्षा निदेशालय (डीएमई) के मुख्य लेखा अधिकारी डॉ। एम। विष्णुप्रसाद द्वारा दर्ज की गई शिकायत में डीएमई के पूर्व निदेशक और कुछ निजी कंपनियों के प्रबंधन सहित प्रमुख हस्तियों के खिलाफ आरोप लगाए गए हैं।

किसी राजनेता का नाम नहीं

पुलिस ने जांच शुरू कर दी है, लेकिन इसमें शामिल किसी भी राजनीतिक व्यक्ति या उच्च पदस्थ अधिकारी का नाम नहीं लिया है। हालांकि, नेताओं के इसमें संलिप्त होने की संभावना अधिक जताई जा रही है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 2020 में जब कोरोना संकट चरम पर था तब चिकित्सा शिक्षा विभाग ने आवश्यक चिकित्सा आपूर्ति खरीदते समय किसी कानूनी खरीद प्रक्रियाओं का पालन नहीं हुआ। 18 अगस्त 2020 को राज्य सरकार ने 17 सरकारी कॉलेजों और एक सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल में डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मचारियों के लिए 2.59 लाख एन95 मास्क और इतनी ही संख्या में पीपीई किट खरीदने की अनुमति दी थी, जिसमें ये भ्रष्टाचार हुआ। सरकारी आदेशों के बावजूद, खरीद प्रक्रिया में कई स्तरों पर कथित तौर पर अनियमितताएं देखी गईं। पीपीई किट की आपूर्ति के लिए निविदा प्रक्रिया प्रदान की गई थी, लेकिन यह पता चला कि नामित अस्पतालों को कभी भी पूरी आपूर्ति नहीं की गई।

मुंबई की कंपनी का था हाथ

एफआईआर में आगे बताया गया है कि मुंबई स्थित एक कंपनी ने कथित तौर पर धोखाधड़ी वाली बोली प्रक्रिया, कीमतों में बढ़ोतरी और अनैतिक चीजों में शामिल होने में केंद्रीय भूमिका निभाई। कुछ अधिकारियों पर कथित तौर पर इन अवैध गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने का आरोप है। जांच से पता चलता है कि धोखाधड़ी कथित तौर पर पूर्व सरकार के राजनीतिक प्रतिनिधियों की भागीदारी के साथ की गई हो सकती है।

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने शर्मिला टैगोर और सैफ अली खान को दी आंशिक राहत

जबलपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय से अभिनेत्री शर्मिला टैगोर, उनके बेटे सैफ अली खान और सबीबा सुल्तान को एनिमी प्रॉपर्टी मामले में अंतरिम राहत मिली है। हाईकोर्ट जस्टिस विवेक अग्रवाल की एकलपीठ ने कस्टोडियन ऑफ एनिमी प्रापर्टी के एक्ट मामले में उन्हें अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष आवेदन पेश करने की स्वतंत्रता प्रदान की है। एकलपीठ ने याचिका का निराकरण करते हुए अपने आदेश में कहा है कि अपीलीय प्राधिकरण गुण-दोषों के आधार पर निर्णय ले। गौरतलब है कि पटौदी परिवार की तरफ से उक्त याचिका साल 2015 में दायर की गई थी। इसमें उन्होंने भोपाल के अंतिम नवाब की संपत्तियों को शत्रु संपत्ति अधिनियम, 1968 के तहत पर नियंत्रण करने के सरकार के फैसले को चुनौती दी थी। सीईपीआई ने अपने आदेश में नवाब की संपत्तियों को शत्रु संपत्ति इसलिए घोषित किया था, क्योंकि उनकी बड़ी बेटी राजकुमारी आबिदा सुल्तान 1950 में पाकिस्तान चली गई थीं। वह (आबिदा) नवाब के जीवित रहते पाकिस्तान चली गई थीं। नवाब की मृत्यु के बाद उनकी दूसरी बेटी मेहर ताज साजिदा सुल्तान बेगम को भोपाल के सिंहासन उत्तराधिकार अधिनियम, 1947 के अनुसार संपत्ति का उत्तराधिकारी घोषित किया गया था और याचिकाकर्ता उनके वारिस हैं। सीईपीआई का आदेश भोपाल के तत्कालीन नवाब हमीदुल्ला खान बहादुर और तत्कालीन केंद्र सरकार के बीच भोपाल रियासत को भारत संघ में विलय करने के विलय समझौते का उल्लंघन है। याचिका की सुनवाई करते हुए फरवरी 2015 में आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी गई थी। याचिका की सुनवाई के दौरान केन्द्र सरकार की ओर से डिप्टी सॉलिसिटर जनरल पुष्पेंद्र यादव ने एकलपीठ को बताया कि 2017 में एनिमी प्रॉपर्टी एक्ट-1968 में कुछ संशोधन किया गया है।

कैश नहीं, चेक लेते हैं एमपी के रिश्वतखोर सीएमओ समेत तीन लोग गिरफ्तार

भोपाल, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी में लोकायुक्त ने नगर पालिका के एक सीएमओ और दो अन्य लोगों को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा है। ये तीनों ठेकेदार से 1 लाख रुपये की रिश्वत मांग रहे थे। ठेकेदार ने साल 2021 में रायसेन जिले की बाड़ी नगर पालिका में श्मशान घाट बनाया था। इस काम के लिए उसने 3 लाख 40 हजार रुपये की एफडी जमा कराई थी। अब जब उसे एफडी वापस लेनी थी, तो सीएमओ ने रिश्वत मांगी। काम पूरा होने के बाद ठेकेदार को अपनी एफडी वापस मिलनी चाहिए थी। लेकिन बाड़ी नगर पालिका के सीएमओ बद्री प्रसाद शर्मा ने एफडी वापस करने के लिए 1 लाख रुपये की रिश्वत मांगी। परेशान होकर ठेकेदार ने भोपाल लोकायुक्त में शिकायत दर्ज कराई। लोकायुक्त की जांच में पता चला कि सीएमओ के अलावा शुभम जैन और जयकुमार नाम के दो लोग भी रिश्वतखोरी में शामिल हैं। लोकायुक्त ने भोपाल के एमपी नगर के एक होटल में रिश्वत लेते हुए तीनों आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ लिया। शुभम जैन के पास से 40 हजार और 60 हजार रुपये के दो चेक बरामद हुए। ये चेक ठेकेदार ने रिश्वत के तौर पर दिए थे। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

'महिलाओं को पंजाब में कितने पैसे दिए अरविंद केजरीवाल से वीरेंद्र सचदेवा का सवाल

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी दलों में मची रार के बीच बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल की महिला सम्मान योजना पर हमला बोला है। उन्होंने सवाल लहजे में पूछा है कि आम आदमी पार्टी ने पंजाब चुनाव में भी महिलाओं से ऐसा ही वादा किया था। क्या पंजाब सरकार ने अब महिलाओं के कितने पैसे दिए? महिला सम्मान योजना पर दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा का कहना है कि पंजाब में सत्ता में आने से पहले आम आदमी पार्टी ने घोषणा की थी कि महिलाओं को 1000 रुपए प्रति माह देंगे। पिछले दो सालों से वहां पर आम आदमी पार्टी की सरकार है। क्या आप नेता बताएंगे कि भगवंत मान सरकार ने कितना पैसा महिलाओं को दिया? दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र एचदेवा ने जवाब में आगे कहा कि अभी तक पंजाब की महिलाओं को एक भी रुपया नहीं मिला। दिल्ली में चुनाव से पहले ऐसी योजना की घोषणा करना चुनावी नारे से ज्यादा कुछ नहीं है। इससे पहले वीरेंद्र सचदेवा ने अपने एक्स पोस्ट पर भी सीएम आवास में बरती गई कथित लापरवाही को लेकर आप प्रमुख पर हमला बोला थ। उन्होंने कहा कि सीएम आवास विवाद ने साबित कर दिया है कि आम आदमी पार्टी का असली मकसद केवल लूटतंत्र को बढ़ावा देना और जनता की गाढ़ी कमाई को खुद के हित में खर्च करना है। दिल्ली के लोगों का हित उनके लिए किसी भी प्रकार से प्राथमिकता में नहीं है। उन्होंने कहा कि सादगी और ईमानदारी का दिखावा करने वाले दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल का सीएम आवास इतना भव्य है कि बड़े-बड़े शासकों का महल भी इसके सामने फीका पड़ जाता है। वीरेंद्र सचदेवा ने अरविंद केजरीवाल पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि अरविंद केजरीवाल कानून विरोधियों को पनाह देते हैं। उनके विधायक गैंगस्टर से मिलकर वसूली करते हैं।

वायनाड को राहत पैकेज न देने पर सरकार के खिलाफ प्रियंका का फूटा गुस्सा

कहा- राजनीति के चलते मदद सहायता नहीं दी जा रही है

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने एक बार फिर मोदी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने शनिवार को आरोप लगाया कि वायनाड में भूस्खलन से प्रभावित लोगों को राजनीति के चलते सहायता नहीं दी जा रही है। साथ ही कहा कि प्राकृतिक आपदाओं के समय किसी के साथ भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए। बता दें, प्रियंका गांधी आपदा प्रभावित वायनाड को आर्थिक मदद देने की मांग को लेकर कई अन्य कांग्रेस सांसदों के साथ मिलकर संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन कर रही हैं। मकर द्वार की सीढ़ियों के सामने विरोध जताते हुए सांसदों ने 'वायनाड के लिए न्याय' के नारे लगाए। उनके हाथों में एक बैनर भी था, जिस पर लिखा था, जस्टिस फॉर वायनाड, वायनाड के लिए राहत पैकेज दो।

विशेष पैकेज देने की मांग

इसी दौरान वायनाड सांसद प्रियंका ने आरोप लगाया, 'सरकार वायनाड को विशेष पैकेज देने से इनकार कर रही है। हमने गृह मंत्री से अनुरोध किया है, हमने प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है। हिमाचल प्रदेश में भी इसी तरह की बड़े पैमाने पर तबाही हुई है और वहां कांग्रेस की सरकार है। वे केंद्र से मदद मांग रहे हैं, लेकिन फिर भी दोनों मामलों में केंद्र सरकार राजनीति के कारण पीड़ितों को उनका हक देने से इनकार कर रही है। वे भारत के नागरिक हैं। प्राकृतिक आपदाओं के दौरान कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'वे भारत के नागरिक हैं। प्राकृतिक आपदाओं के समय, दर्द के समय, किसी भी प्रकार की पीड़ा के समय में कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। यह वह समय है जब केंद्र सरकार, प्रधानमंत्री को प्रत्येक भारतीय नागरिक के जीवन और उनकी आजीविका का संरक्षक होना चाहिए।'

'राजनीति को अलग रखना चाहिए'

उन्होंने आगे कहा, 'यही वह समय है जब उन्हें राजनीति को अलग रखना चाहिए और आवश्यक सहायता देनी चाहिए। हम वास्तव में बहुत निराश हैं कि हमें इस मामले को सामने रखना पड़ रहा है, जबकि प्रधानमंत्री ने खुद दर्द और पीड़ा देखी है। हमने मानवता और करुणा के कारण सोचा कि वायनाड के पीड़ितों को जो मिलना चाहिए वह उन्हें दिया जाएगा। सांसद अभी भी उम्मीद कर रहे हैं कि सरकार करुणा व मानवता रखेगी और जो भी करने की जरूरत है वह करेगी क्योंकि यह एक ऐसा मामला है जो राजनीति से परे है।'

दो हजार करोड़ का नुकसान

इस महीने की शुरुआत में केरल के सांसदों द्वारा की गई मांगों पर गृह मंत्री अमित शाह की प्रतिक्रिया के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि नोट में सिर्फ भारतीय वायुसेना के विमान के ईंधन पर किए गए खर्च की बात की गई थी। उन्होंने कहा कि नुकसान 2,000 करोड़ रुपये का है, लेकिन यह सरकार पर निर्भर करता है कि वह कितना देना चाहती है।

शाह से एक प्रतिनिधिमंडल ने की थी मुलाकात

इस महीने की शुरुआत में, वायनाड के सांसद के नेतृत्व में केरल के सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने शाह से मुलाकात की थी, जिसमें भूस्खलन प्रभावित लोगों के लिए केंद्र के समर्थन की मांग की गई, जबकि उनसे राजनीति से ऊपर उठने और राहत प्रदान करने में और अधिक आगे बढ़ने का आग्रह किया गया।

जुलाई में भूस्खलन ने मचाई थी भारी तबाही

केरल के वायनाड जिले में 30 जुलाई को मेप्पाडी के पास विभिन्न पहाड़ी इलाकों में आए भूस्खलन ने भारी तबाही मचा दी थी। इस प्राकृतिक आपदा के कारण 231 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 200 लोग लापता हैं। आपदा ने वायनाड में अट्टामाला के साथ-साथ तीन गांवों- पुंचिरीमट्टम, चूरालमाला और मुंडक्कई के बड़े हिस्से को तबाह कर दिया था।

हम सरकार के साथ: दिल्ली में घुसपैठियों की तलाश में चलाए जा रहे अभियान पर बोले दरगाह कमेटी के अध्यक्ष

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के उप राज्यपाल के आदेश के बाद अब दिल्ली पुलिस ने बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। दिल्ली पुलिस ने निजामुद्दीन दरगाह इलाके में बांग्लादेशियों की तलाश को लेकर विशेष अभियान चलाया। इस अभियान को लेकर दरगाह कमेटी ने समर्थन दिया है, और इसे जारी रखने की मांग की है। निजामुद्दीन दरगाह कमेटी के अध्यक्ष फरीद अहमद ने हम चाहते हैं कि इस तरीके का अभियान चलता रहना चाहिए। अवैध रूप से रहने वाले बांग्लादेशियों के खिलाफ चल रहे संविधान का हम समर्थन करते हैं। साथ ही हम सरकार के साथ है। इनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। यह अभियान सुरक्षा और अवैध प्रवासियों की पहचान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाया गया। दरगाह कमेटी के अध्यक्ष ने दिल्ली के राज्यपाल से मिलने की बात का किया खंडन किया है, उन्होंने कहा कि आप पार्टी के ही लोग राज्यपाल से मिले थे। दिल्ली पुलिस ने निजामुद्दीन दरगाह दरगाह में आने वाले सभी बाहरी व्यक्तियों के आधार कार्ड और अन्य पहचान पत्रों की सघन जांच की। उनकी डिटेल्स का बैकग्राउंड चेक भी किया गया। हालांकि, फिलहाल वहां कोई संदिग्ध व्यक्ति नहीं मिला है। दिल्ली पुलिस की तरफ से कई जगहों पर ये सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। पुलिस ने निजामुद्दीन इलाके से दो संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया। इनको डिटेंशन सेंटर भेजा गया है। जहां फ्रॉड

डिटेक्शन और रिफ्यूजी रजिस्ट्रेशन ऑफिस (एफआरआरओ) की टीम उनके दस्तावेजों की सत्यापन प्रक्रिया पूरी करेगी। जांच के बाद जरूरी प्रक्रिया के तहत उन्हें उनके देश वापस भेजा जाएगा। दिल्ली एलजी सचिवालय ने मुख्य सचिव और पुलिस कमिश्नर को निर्देश दिए हैं कि राष्ट्रीय राजधानी में रहने वाले अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान की जाए और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। बांग्लादेशी घुसपैठियों को दो महीने के अंदर दिल्ली से बाहर किया जाए।

साइबर अपराधियों के हथियार पर सरकार का वार, टेलीकॉम कंपनियों को दिया ये निर्देश

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। फर्जी कंट्री कोड का इस्तेमाल करके अब साइबर अपराधी भारतीयों को निशाना नहीं बना सकेंगे। सरकार ने उनके हथियार पर अंकुश लगाने का सख्त कदम उठा लिया है। सभी टेलीकॉम कंपनियों को इसके लिए निर्देश जारी कर दिए गए हैं। अब +860,+870,+890 और +850 जैसे सभी फर्जी कंट्री कोड ब्लॉक कर दिए गए हैं, ताकि कोई भी साइबर अपराधी ऐसे कोड का इस्तेमाल करके भारतीयों तक अपनी पहुंच ना बना सकें। भारतीयों को दरअसल, वॉयस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल (वीओआईपी) के जरिए फर्जी कंट्री कोड तैयार कर निशाना बनाया जा रहा था। यह एक ऐसी तकनीक है जिसकी मदद से आप ब्रॉडबैंड इंटरनेट कनेक्शन के जरिए फोन कॉल कर सकते हैं। वीओआईपी की मदद से ऑडियो और वीडियो दोनों तरह के कॉल दुनिया में कहीं भी की जा सकती है। टेलीकॉम विभाग के मुताबिक इसका इस्तेमाल बीते कुछ सालों में साइबर अपराध के लिए दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ रहा था। कई मौकों पर वीओआईपी के जरिए तैयार किया गया

संविधान पर चर्चा के दौरान डीएमके सांसद ए राजा की टिप्पणी पर हंगामा, एनडीए सांसदों ने की माफी की मांग

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में संविधान पर चर्चा के दौरान शनिवार को डीएमके सांसद ए राजा ने भी सदन में अपनी बात रखी। इस दौरान ए राजा कुछ ऐसा कह गए, जिस पर हंगामा हो गया और एनडीए सांसदों ने डीएमके सांसद से माफी की मांग की दरअसल डीएमके सांसद ने अपने भाषण में सत्ता पक्ष की तरफ इशारा करते हुए आपत्तिजनक शब्द का इस्तेमाल किया। इस पर सत्ता पक्ष ने कड़ी आपत्ति जताई और डीएमके सांसद से माफी की मांग की। हंगामा बढ़ता देख खुद ए राजा ने कहा कि उनके बयान को संसद की कार्यवाही से हटा दिया जाए। इस पर लोकसभा की कार्यवाही का संचालन कर रहे पीठासीन जगदंबिका पाल ने ए राजा की टिप्पणी को संसद की कार्यवाही से हटाने का आदेश दिया। डीएमके सांसद ए राजा ने अपने संबोधन के दौरान ये भी दावा किया कि दो-राष्ट्र सिद्धांत की शुरुआत मुहम्मद अली जिन्ना ने नहीं बल्कि वीर सावरकर ने की थी। इस पर सदन में एनडीए सांसदों ने आपत्ति जताई। ए राजा ने ये भी आरोप लगाया कि भाजपा के एक नेता ने लोकसभा चुनाव से पहले संविधान बदलने और भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की बात कही थी। इस पर एनडीए सांसद नाराज हो गए और ए राजा से अपने दावे के पक्ष में सबूत देने की मांग की। ए राजा ने कहा कि सत्ता पक्ष के नेता बाबासाहेब आंबेडकर और सावरकर को एक साथ रखते हैं, यह कैसे हो सकता है? ए राजा ने शनिवार को केंद्र सरकार को आड़े हाथ लेते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस ने तो देश में आपातकाल लगाकर केवल लोकतंत्र को आघात पहुंचाया, लेकिन इस सरकार ने संविधान की मूल संरचना के सभी तत्वों पर आक्रमण किया है। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष कांग्रेस पर संविधान में कई संशोधन करने का आरोप लगाता है, लेकिन उसके समय संविधान की मूल संरचना के साथ तो छेड़छाड़ नहीं की गई। राजा ने कहा कि '1973 के केशवानंद भारती मामले में उच्चतम न्यायालय ने एक ऐतिहासिक निर्णय में संविधान के मूल ढांचे के सिद्धांत को प्रतिपादित किया था, जिसके अनुसार संविधान के छह तत्व हैं-लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, कानून का शासन, समानता, संघीय ढांचा और स्वतंत्र न्यायपालिका।' द्रमुक सदस्य ने कहा, 'आप इन छह तत्वों को छू नहीं सकते।' उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, 'मीसा कानून (आपातकाल के समय) में केवल लोकतंत्र पर हमला हुआ था और उसे पूरी तरह दफन कर दिया गया था, लेकिन आपके शासन में सभी छह तत्वों- लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, कानून का शासन, समानता, संघीय ढांचा और स्वतंत्र न्यायपालिका, सबकुछ चले गए।'

सभ्यताओं की साक्षी : मूसी नदी

अतुल कुमार

नदियां संस्कृति , सभ्यता और संस्कारों की परिचायक होती हैं उनमें इतिहास की अनमोल धरोहर बसी होती है बस्तियां बसती ,बनती और उजड जाती हैं लेकिन नदियां उनकी साक्ष्य बन वहीं रहती हैं.यद्यपि उनको उजाडने की कोशिशें बीते दो तीन दशकों में बडी हैं और बड रही हैं जिससे उनके अस्तित्व का खतरा पैदा हो गया है क्यों कि उनकी ज़मीन पर एंक्रोचमेंट (अति क्रमण) के कारण कई समस्याएं पैदा हो गयी हैं .इस पर किसी ने खूब लिखा " रात भर घाट पर सिर टिकाए / फूट फूट कर रोती रही नदी / पर समंदर सुन कहां सका अपनी ही लहरों के शोर में / अपनी सिसकियों की आवाज़ // नदियों के साथ यही हो रहा है .अतः नदियों के संरक्षण की ज़रूरत है . इन्हीं नदियों में तेलंगाना की प्रमुख मूसी नदी है जो पिछले कई महीनों से सुर्खियों में हैं.राज्य सरकार की मंशा नदी पर गुजरात की साबरमती नदी के किनारे बने रीवर फ्रंट की मानिंद रीवर फ्रंट बनाने की है जिससे टूरिस्म , रोज़गार और आमदनी के स्रोत बढें . मूसी को बीते कई सालों से एक डंप यार्ड बना दिया गया है. अत; इसे इसके पुराने रूप में लाने व पुनर्जीवित करने की चर्चा ज़ोरों पर है. फेंके हुए औद्योगिक कूडे करकट ने मूसी को प्रदूषित किया है .

इस नदी ने हैदराबाद को दो भागों में बांटा एक जहां हैदराबाद का जन्म हुआ अर्थात नदी के उस पार पुराना शहर और दूसरा जहां इसका विकास और विस्तार हुआ वह नया शहर कहलाया .नदियां मनुष्य , स्थान , और खेती बाडी की लाइफ लाइन मानी गयीं फिर भी आज किस हाल में हैं यह किसी से छिपा नहीं है . क्यों कि इन की महत्ता के प्रति जागरूकता को बढावा नहीं दिया गया जो इसकी हकदार हैं .हां ! जब भी अकाल पडता है या इसमें बाढ आती है तब ही इसकी वैल्यू समझ आती है . मूसी के साथ भी यही हुआ . ऐतिहासिक तथ्यों के अनुसार सन 1908 में मूसी में आयी भयंकर बाढ में 50000 लोगों के मरने और शहर को हुए भारी नुकसान के बाद इसके विकराल रूप स्वरूप को समझा गया .नदी पर सन 1860 में बने तीन पुल अफज़ल , मुसल्लम और चादर घाट बह गये थे .निकट बने अस्पताल को इसने नष्ट किया जिसमें सारे मरीज़ मारे गये . इसी बाढ के परिणामस्वरूप जुडवा शहर हैदराबाद और सिकंदराबाद का जन्म हुआ .बाढ में तबाह हुए शहर को फिर से बसाने के लिये प्रसिद्ध सिविल इंजीनीयर सर मोक्षगुंडम विश्वेशवरैया को सन 1912 में सातवें निज़ाम मीर उस्मान अलीखान ने आमंत्रित किया .

विश्वेश्वरैया की सिफारिश थी कि शहर को बाढ से बचाने के लिये मूसी नदी के जल ग्रहण क्षेत्रों में जलाशयों का निर्माण किया जाना चाहिये .इसी के अनुसार सन 1920 में उस्मान सागर (गंडी पेट : क्षमता 3.9 टी एम सी) और हिमायत सागर (: क्षमता 2.7 टी एम सी) बनवाये गये . नदी होते हुए भी मूसी को नाले की तरह समझा गया जिससे इसकी महत्ता को भारी क्षति हुई .

मूसी ऐतिहासिक पावन , पवित्र और पूजनीय नदी है . प्राचीन काल में इसका असली नाम मुचकुंदा नदी था . कुछ इतिहासकार इसका नाम मुसुमुरु नदी बताते हैं तो कुछ इसे मूसा नदी कहते हैं . अन्य नदियों के जल की तरह इसका जल भी शुद्ध और पेय योग्य था लेकिन वक्त के अनुसार इसकी इमेज भी बदली . जानकारों के अनुसार प्राचीन काल में सूर्य वंश के सम्राट मुचकुंद के नाम पर इसका नाम मूसी पडा .कुछ इतिहासकारों के अनुसार इसकी सहायक नदियों मूसा और ए सी के कारण इसका नाम मूसी पडा . यह नदियां अनंत गिरी वन से उत्पन्न होती हैं और लंगर हौज़ के पास एक दूसरे से मिलती हैं . कृष्णा नदी की यह सहायक नदी है .जिसका उद्गम स्थल हैदराबाद से 90 कि मी पश्चिम में विकाराबाद के पास अनंत गिरि पहाडियों से होता है लगभग 240 कि मी की यात्रा करने के बाद यह नलगोंडा ज़िले के मिर्याल गुडा के पास वडपल्ली में कृष्णा नदी में समाहित होती है .

बेतहाशा बड्ते शहरीकरण और प्लानिंग की कमी के चलते यह कचरे के ढेरों को झेल रही है .नदी के पुनरुद्धार के लिये कोशिशों को राज्य सरकार ने तेज़ किया जिससे यह सुर्खियां बटोर रही हैं .

बताया जाता है कि प्राचीन समय में तेलंगाना के प्रसिद्ध त्यौहार बथुकम्मा को मनाने के बाद महिलाएं पुष्पों को इसी नदी में विसर्जित किया करतीं जिससे अगले दिन विविध रंगों के फूलों के कारण नदी के सुंदर रूप को देखने लोग जाया करते नदी के निकट कई बाज़ार ,दूकानें और अन्य कारोबार फल फूल रहे हैं जिससे इसकी रौनक बडी है .इसके किनारों के निकट चट्टानों के होने के कारण इसकी सुंदरता बरकरार है . नदी अपने साथ कई पेड पौधों और सब्ज़ियों को उगाने के लिये सिंचाई का कार्य भी करती है.

पौराणिक प्रसंगानुसार सूर्यवंशी राजा ने राक्षसों से देवताओं की रक्षा की और बाद में ऋषि बन तपस्या करने लगे . जिससे भगवान कृष्ण प्रसन्न हो उनसे वर मांगने को कहा . तब ऋषि ने उनसे मोक्ष मांग उनकी शरण मांगी . नदी के निकट महात्मा गांधी बस स्टैंड , उस्मानिया अस्पताल , सालार जंग संग्रहालय ,राज्य केंद्रीय पुस्तकालय और उच्च न्यायालय स्थित हैं . मूसी ऐतिहासिक नदी है लेकिन प्रदूषण के कारण सन 2022 में हुए सर्वेक्षण के अनुसार यह दुनिया की 22 वी सबसे प्रदूषित नदी हो गयी है .

बरसात के मौसम में इसमें उफान तो आता है पर वह कचरे के कारण फिर पुराने रूप में आ जाती है . बेहतर भविष्य के लिये इसकी रक्षा ज़रूरी हो गयी है . जल जलवायु और जंगल के महत्व को समझने सुधारने और सुरक्षित नहीं रखा गया तो एक ऐतिहासिक नदी इसी तरह कराहती रहेगी .

एक काव्यांश के अनुसार " विलुप्त होती प्रजातियां / खत्म होते संसाधन / सूख रही वाटिकाएं / गैरैया पंछी सब गुम गये / पेडों के पत्ते भी गायब हो गये / सूखी नदी का किनारा देख बच्चे पूछते दादी से क्या वो एक नदी थी ? // इस स्थिति से मूसी को उबारना होगा क्यों कि यह कई सभ्यताओं की साक्षी है .

काव्य कुंज

सफलता की कुंजी

कुमुद बाला,
हैदराबाद

बनती है सफलता की कुंजी,
आती जीवन की कठिनाई
भविष्य हमारे हैं बच्चे
और यही हैं देश की अरुणाई
बड़ी मेहनत के बाद है होती ,
नसीब कामयाबी
कभी गर चूक हो जाये भी तो,
नहीं कोई खराबी
भाग्य भी साथ देता है , हमेशा मेहनती इंसां का
यही तो नहीं समझ पाता , पीने वाला इक शराबी
आती है कई बार सुख - दुःख की,इस जीवन में अमराई
बनती है सफलता की कुंजी , आती जीवन की कठिनाई
भविष्य हमारे हैं बच्चे और यही हैं देश की अरुणाई
सावन के हरे को हर मौसम , हरियाली ही दिखती है
वैसे तो कलम भी रुककर,कितने मुक्तक लिख सकती है
सिद्ध वही साधक जो धूनी संग , ध्यान - बेल उगाता है
वरना चाकी संग जिह्वा भी बस , पिसने से घबराती है
यही तो अनुभूति की धरती , लिखती है जिसको रौशनाई
बनती है सफलता की कुंजी , आती जीवन की कठिनाई
भविष्य हमारे हैं बच्चे और यही हैं देश की अरुणाई
माना यह कि क़िस्मत भी , आजमाती इरादे कभी-कभी
संजोग-भाग्य भी लिखता,जीवन की कहानी कभी-कभी
कभी - कभी अपनी मिहनत भी बस , धोखा दे जाती है
उम्मीद , रखना भी , देती ऊर्जा , यह सोच कभी - कभी
स्वप्न देखना कम नहीं करना , कहती जीवन की सच्चाई
बनती है सफलता की कुंजी , आती जीवन की कठिनाई
भविष्य हमारे हैं बच्चे और यही हैं देश की अरुणाई।।

मुहब्बत

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

दुआ तो है जिसे चाहें,
उसे भी प्यार हो जाए
मुहब्बत की जो खुद
चाहें तो नैया पार हो जाए
तेरी बेताबियां दिल को
मेरे भाती तो हैं यारा
जमाने से छुपा कर
अब तेरा दीदार हो जाए
कहो तो अजनबी बन जाए हम दोनों ख़ुशी से अब
गिला शिकवा तेरा मेरा अभी अवतार हो जाए
बही खाता तेरा गड़बड़ लगेगा जोर का घाटा
सही गणना करेगा तो सही व्यापार हो जाए
कोई तकदीर में मेरी भी होगा सोच के 'गीता'
लिखी अर्जी खुदा के द्वार पे स्वीकार हो जाए।।

विश्व गुरु हो देश मेरा

डॉ उमेश प्रताप
वत्स, हरियाणा

स्वप्न संजोया एक ही मन में,
विश्व गुरु हो देश मेरा,
वेदमंत्र गूँजे हर दिग में,
जय हो जय हो देश मेरा
विश्व गुरु हो देश
मेरा-विश्व गुरु हो देश मेरा
ऋषियों के तप से निर्मित जो,
पुण्य धरा पर शोभित है -
चरणों में हिंद सागर जिसके, शीश हिमालय सुशोभित है
षड्ऋतु जिसका स्वागत करती, देवभूमि यह पवित्र धरा
विश्व गुरु हो देश मेरा-विश्व गुरु हो देश मेरा
गंगा यमुना सिंधु सरिता, जिसके वक्ष पर बहती है -
अयोध्या मथुरा सोमनाथ की, पवित्र धुन यह कहती है -
गऊ धरती को माता माने, ऐसा अद्भुत देश मेरा
विश्व गुरु हो देश मेरा-विश्व गुरु हो देश मेरा
राम कृष्ण के रूप में ईश्वर, ले अवतार यहां आते हैं -
शबरी मीरा सुदामा जैसे, भक्त भी गाये जाते हैं -
तुलसी सूर रविदास शिरोमणि, महापुरुषों की परम्परा
विश्व गुरु हो देश मेरा-विश्व गुरु हो देश मेरा
जीवन-मूल्य संस्कृति रक्षण को, संघ देवदूत बना-
कर व्यक्ति निर्माण तिमिर को, दूर किया जो था घना-
परम वैभव पर सुसज्जित हो, प्राणों से प्यारा देश मेरा
विश्व गुरु हो देश मेरा-विश्व गुरु हो देश मेरा ।।

क्या दस्तखत दूं...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

दिल के हर राज़ करती थी साझा मुझ से
ख्यालों में मुलाकात वो अक्सर करती थी
फिर मिलेंगे ऐ जिंदगी ये वादा कर मुझ को
वो जाने से पहले हर दफा खबर करती थी
आए भी, चल भी दिए,
जो कैद दिल में,वही काफी है
क्या दस्तखत दूं अपने वजूद का दोस्तों
किसी के जहन में आऊं
वो मुस्करा दे बस वही काफी है
बड़ा बदगुमा है वो, बेदिली भी है पर
मुझे अपनी चाहत पर हैरत बहुत है
ये आंखें तो अक्सर बरसती है बेबस
हां, अश्कों से मेरी रिफाकत बहुत है
चलो क्या कहा जाए,शेष हसीन यादें,वही काफी है
क्या दस्तखत दूं...
गूंज रहा बस शोर तुम्हारा,
बाकी सब कुछ बिसर गया मैं
अर्पित जीवन का तुम को हर पल
तुम नहीं तो खंड खंड बिखर गया मैं
भोर तुम्हे मुबारक हिस्से की मुलाकातें , वही काफी है
क्या दस्तखत दूं...

चर्चा

हेमंत सुराना,
उदयपुर

खामोशियों का कंबल ओढ़े बैठे रहे,
अश्क आंखों में रोक मुस्कुराते रहे
दर्द अपना यूँ छुपाते रहे,
बात करते-करते यूँ खिलखिलाते रहे
बेवजह कोई गीत गुनगुनाते रहे,
दुखी मन को यूँ मनाते रहे
बचपन के खिलौने जब से रखते गए,
जिंदगी के खेल में उलझते गए
जितने अपने थे, छूटते गए,
नाराज हम नहीं, फिर भी रूठते रहे
समझ का फेर है या समय का,
जिंदगी में उलझन है या उलझन ही जिंदगी
चले हैं खोई हुई खुशी की तलाश में ,
जिंदगी को फिर खूबसूरत बनाने में
पंख लगाकर उड़ लूँ एक बार,
तूफान से कश्ती निकाल लूँ एक बार
किस्मत को बदल लूँ एक बार,
आसमान को छू लूँ एक बार,
आसमान को छू लूँ एक बार ।

ठंड का महीना

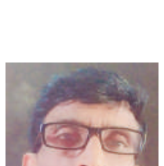

गिरि यादव,
सरिया

आ गया देखो ठंड का महीना
धूप की कड़क अब दिखती कहीं ना
निकालो रजाई, स्वेटर और कंबल,
आ रही शीतलहरी, होगा खूब हलचल।
कुहासे की चादर में लिपटी होंगी सड़कें
ऐसे में चलना, जरा बच–बच के
कभी रूठेगा सूरज, बादलों में छुपेगा
बिजली की रोशनी भी मद्धिम दिखेगा।
ठंड की बयार जब सनसनाती चलेगी,
हाथ–पांव सुन्न होगा दांत किट–किटाएगी
नाक से चलेगा पानी, और बेवजह का आंसू
मन खिन्न हो जाएगा, मां परेशान होगी,
गोद में बच्चा, जब कर देगा सूसू।
अन्न–जल थोड़ा सही, आग खूब भाएगा
चादर,कंबल,चाय–चुस्की ठंड को भगाएगा
कुहासे में लिपटा वतन, गगन–सा दिखेगा
हरा–भरा कानन भी, सुनसान लगेगा।
ठंड से करने हाथापाई,
लेकर कंबल, चादर और रजाई,
कोई फूंकता है बीड़ी,
कोई सिगरेट जलाता है
कोई दम भरता,बम–बम कह
चिलम से धुंआ उड़ाता है
गरम–गरम भोजन, पकोड़े और भाजी,
सबके मन को इस मौसम में भाती।
ओस की बूंदे भी बारिश लगती है,
पानी का छींटा भी कातिल लगती है
ठंड की मार से लोग सब डरते हैं,
अलाव जलाकर दिन पार करते हैं।
बूढ़ों का कुहंकना, कुत्तों का दुबकना,
गरीबों का दुश्मन, ये कातिल महीना
सर पे ना छत है, वस्त्र नहीं तन पे
कटती है रातें खुले आसमान में
कांपते हैं बूढ़े, जवान, रोते हैं बच्चे,
ढलती है आंख से आंसू,
कांपते हैं उसके जबड़े।

फलक के उस पार

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

हम सभी छूना चाहते हैं फलक,
लेकिन मन में चाहिए एक ललक,
हिम्मत और विश्वास की लेकर चमक,
ऐ राही, कहीं दूर, कहीं बहुत दूर तलक,
बिखरा दे आशा और उल्लास की महक।
आस्मां को छूने की ताकत है तू ,
फलक-परवाज़ ही नहीं,
फलकनुमा भी है तू,
उम्मीद की एक लहर,
जन्नत की एक झलक है तू,
आकाश का दर्पण है तू।।
है व्योम तक, अंतरिक्ष तक पहुँच,
समुद्र की लहरों को चीर दिया,
पहुँच गया सुदूर चांद सितारों तक।
कई अद्भुत करिश्मे दिखाए ज़मी पर,
पर तुझे तो ऐतबार है फलक पर,
क्योंकि सृष्टि के गूढ़ रहस्यों को,
जानने की, ढूँढने की तुझमे उत्कंठा है,
जीने की चाहत है, एक जिजीविषा है।।।
यूँ ही आत्मविश्वास की लेकर ढाल,
तू बढ़ता चल फलक के उस पार,
सफलता के खोलकर द्वार हरबार,
चल फलक के उस पार,
जहां चमत्कार को भी है इंतजार।।।।

जिंदगी समय के सांचे में ढल जाती है

संजीव ठाकुर,
रायपुर

जब कभी बुलंदी से फिसल जाती है
जिंदगी समय के सांचे में ढल जाती है।
चाहता तो हूं सबको दुआ दूं लैकिन
जिंदगी अरमानों में गुम हो जाती है।
अपनी लगने लगी यार तेरी मां मुझको
दोस्ती बढ़कर रिश्तों में बदल जाती है।
प्यार फूलों से मिजाजन बहुत है लैकिन
ये तबीयत कभी कांटों से बहल जाती है।
छोड़ नहीं सकता ये उम्मीद मेरी कभी
लड़खड़ाते चलती फिर संभल जाती है।
कभी पथरीली राहें थीं मुश्किल संजीव
जिंदगी अब तूफानों में संभल जाती है।

मर्द को दर्द नहीं होता...?

संजय एम.
तराणेकर

कौन कहता है मर्द को दर्द नहीं होता?
रात को जाग कर भी वह नहीं सोता।
वह तो अतुल सुभाष था, ना वो रोता,
वह आखिर कब तक प्रताड़ना सहता!
अपना दर्द वह किस-किस को कहता।
कौन कहता है मर्द को दर्द नहीं होता?
रात को जाग कर भी वह नहीं सोता।
इस कलयुग में क्या-क्या सेटल होता,
क्या? पुलिस, क्या? जज सबको देता!
इन लोगों के लिए सिर्फ एटीएम बनता।
कौन कहता है मर्द को दर्द नहीं होता?
रात को जाग कर भी वह नहीं सोता।
क्या? अर्धांगिनी का मन भी ऐसा होता,
जो पवित्र रिश्ते को भी आग लगा देता!
माता-पिता को भी बिलखता छोड़ देता।
कौन कहता है मर्द को दर्द नहीं होता?
रात को जाग कर भी वह नहीं सोता।
वह शिखर ही था जो मजबूर कर गया,
अपने कलेजे के टुकड़े को दूर कर गया!
सोचो, अतुल जिंदगी को निष्ठुर कर गया।

आशा के फ़ूल

रेणुका अग्रवाल
हैदराबाद

आशाओं के दम पर।
इंसान जीता आया है।
प्यास लगती तब ही तो,
पानी पीता आया है।
आशा नहीं होती
तो सांस भी नहीं लेता।
जिंदगी बड़ी है।
एहसास भी नहीं लेता।
सुबह हुई सूरज की किरण जगाती है।
आगे बढ़ने की प्रेरणा, आशा ही तो देती है।
आशा और उम्मीद पर्यायवाची है।
एक सिक्के के दो, यही पहलू होते है।
बच्चे पालते मां बाप एक आशा को लेकर।
सुयोग्य निकला तो, अच्छी परिभाषा लेकर।
आशाओं के मोती चुन चुन सांसों में पिरोए है।
उम्मीद टूट गई तब हम जार जार रोए हैं।
रोज का नया दिन नई आशा लेकर आता है।
आशा पूरी न हुई तो अवसाद देकर जाता है।
चलते चलते गिर जाओ तो फ़िर से खड़े होना।
आशा है फिर दौड़ने की और भी बड़े होना।
आशा नहीं होती तो। किसान बीज न बोता।
बारिश ज़रूर आएगी। उसे ये विश्वास भी होता।
रात भर सोया गहरी नींद। सुबह फिर से जगूंगा।
क्या ये आशा नहीं थी कि सुबह तक जिंदा भी रहूंगा।
लाखों खर्च किये पढ़ाई पर आगे कमाने की उम्मीद पर।
सफल भी हुआ बेटा, छोड़ गया निराशा देकर।
आशा जीना सिखाती है। मरना तो अटल सत्य है।
फिर भी दुनिया चल रही है। ये भी एक सटीक सत्य है।
आशा से मुस्कान जिंदा है। आशा तो एक परिंदा है।
आशा ख़त्म तो निराशा है। आशा पूरी नहीं तो शर्मिंदा है।
आशा और निराशा के बीच, जो कश्मकश चलती है।
यही क़िस्मत है हमारी, जिसमें जिंदगी फिसलती है।

लगी उतरे जब शाम

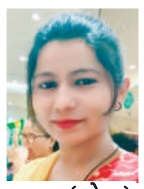

अमृता (मोना)
आसनसोल

बीत गई कड़कती दुपहर
चढ़ी धूप अब छत- छज्जों पर,
फैल गई लालीमा चारों दिशाओं में
लगी उतरने अब शाम !
दूर गए जो पंछी के दल
दाना चुगने और नदियों में कर विचरण
लगें लौटने वे भी अपने नीड़ो पर
अब करने को विश्राम!
गूंज रहा पेड़ों पर पंछी का कलरव
भूख लगी मां दाना दो,
अपने पंख फैला हमें दो आराम
देखो मां देखो लगी उतरने अब शाम!
मजदूरी करने वाले जिनके
हाथ- पांव पर पड़े है छालें
चले घरों को वे भी अपने थकें- हारे से,
पाकर थोड़े दाम
लगी उतरने जब शाम!
खेतों से आते हैं हलधर
अपने कर्मों के बीजों को बोकर
फसल पके घर को आ जाए,
तभी बने सब काम
चल तू भी घर रे साथी
लगी उतरने अब शाम!
ढ़लता सूरज पर्वत की गोद में
धीरे -धीरे समा रहा,
लाल रंग की चमकीली चादर
नदियों पर हो जैसे इठला रहा!
अपने पंखुड़ियों को समेटे
पुष्प दल भी करने लगे आराम
कल फिर खिलेंगे नव जीवन का संचार लिए,
चढ़ेंगे अनेकों मंदिर और धाम
लगी उतरने जब शाम!!

कोमल ह्रदय.....

रमेश गायकवाड
राग़ा, हैदराबाद

विशाल दो नयनों ने
दिल को काबू बनाया
काले जुल्फों ने भी
बहुत सपने दिखाए
लबों पर की लालिमा
दूर होने नहीं दिया
मुस्कुराहट की अंदाज
जमाने को चौंकाया
जिधर से गुजरते हो
मंजिल निकट हो जाती
छन छन की झंकार ने
चेतना की जागृति हो गई
प्यार भरा कोमल ह्रदय
रोशनी का मार्ग बताया।।

आजा रे पंछी

ईश्वर साहू 'बंधी'

आजा रे आजा रे पंछी
एक पल की जिंदगी है
क्यों करता है बहाना रे
आजा रे आजा रे पंछी
इस दुनिया में कौन है तेरा
कहाँ है तेरा ठिकाना रे
कौन है तेरा एक सहारा
उसको तू पहचानना रे
आजा रे आजा रे पंछी
इस दुनिया में राम है तेरा
राम है तेरा ठिकाना रे
राम है तेरा एक सहारा
राम में ही समा जा रे
आजा रे आजा रे पंछी
एक पल की जिंदगी है
क्यों करता है बहाना रे
आजा रे आजा रे पंछी।।

बढता चल

कदम कदम तु बढता चल
ज्ञान का मार्ग तु बताता चल
सत्य का ज्ञान तु बाँटता चल
भलाई का काम तु करता चल
भगवान का मार्ग तु दिखाता चल
दोस्ती का तु हाथ पैलाता चल
प्रेम का महत्व तु सिखाता चल
माता-पिता की सेव तु करता चल
तन मन से दान तु करता चल
स्नेह की तु बाते बताते चल
दीन दुःखी का साथी बनतकर तु चलता चल
जन जन की सेवा तु सर्वदा करता चल
कदम कदम तु बढता चल

डॉ सोपान काशीनाथ, सिकंदराबाद

गिरगिट ज्यों, बदल रहा है आदमी

प्रियंका सौरभ

गहन लगे सूरज की भांति ढल रहा है आदमी।
अपनी ही चादर को ख़ुद छल रहा है आदमी।।
आदमी ने आदमी से,
तोड़ लिया है नाता।
भूल गया प्रेम की खेती,
स्वार्थ की फ़सल उगाता।।
मौका पाते गिरगिट ज्यों, बदल रहा है आदमी।
अपनी ही चादर को ख़ुद छल रहा है आदमी।।
आलस के रंग दे बैठा, संघर्षी तस्वीर को।
चमत्कार की आशा करता,
देता दोष तक़दीर को।।
पानी-सी ढाल बनाकर,
चल रहा है आदमी।
अपनी ही चादर को ख़ुद
छल रहा है आदमी।।
मंजिल का कुछ पता नहीं,
मरे-मरे से है प्रयास।
कटकर के पंख दूर हुए,
छूए कैसे अब आकाश।।
देख के दूजे की उन्नति,
जल रहा है आदमी।
अपनी ही चादर को ख़ुद
छल रहा है आदमी।।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निज़ामाबाद, विशाखापट्टणम

शाहरुख केस के जिक्र से मिली अल्लू अर्जुन को जमानत

13 दिसंबर को दोपहर 12 बजे। हैदराबाद में अल्लू अर्जुन अपने जुबली हिल्स वाले बंगले पर थे कि अचानक पुलिस आ धमकी। पुष्पा 2 फिल्म के प्रीमियर के दौरान संध्या थिएटर में हुई भगदड़ मामले में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। 'फ्लावर नहीं, फायर है मैं' लिखी टी-शर्ट पहने अल्लू सीढ़ियों से नीचे उतरे। भागते हुए एक शख्स उनके लिए पानी और चाय ले आया। इसके बाद पुलिस उन्हें चिक्कड़पल्ली थाना ले गई। शाम 4 बजे उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत का फैसला आया और 5 बजे हाईकोर्ट से अंतरिम जमानत मिल गई। महिला की मौत भगदड़ में हुई तो अल्लू अर्जुन की गिरफ्तारी क्यों, इस केस में आगे क्या होगा, दोषी पाए गए तो कितनी सजा, इन सभी सवालों के जवाब तलाशती रिपोर्ट।

4 दिसंबर को हैदराबाद के संध्या थिएटर में 'पुष्पा 2: द रूल' फिल्म का प्रीमियर रखा गया। यहीं से पूरी कहानी शुरू हुई...। पुलिस का कहना है कि रात करीब 9.30 बजे यहां बिना बताए अल्लू अर्जुन प्रमोशन के लिए पहुंच गए। भीड़ इतनी बढ़ी की भगदड़ में मच गई। इस भीड़ में 35 वर्षीय रेवती नाम की महिला भी शामिल थी। रेवती अपने परिवार के साथ थिएटर गई थी। धक्का-मुक्की में रेवती और उनका परिवार चपेट में आ गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई और 9 साल का बेटा श्रीतेज गंभीर रूप से घायल है। रेवती के पति मोगदंपल्लि भास्कर और बेटी सुरक्षित हैं।

5 दिसंबर को भास्कर ने हैदराबाद के चिक्कड़पल्ली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। इसमें लिखा कि थिएटर में इतनी बड़ी भीड़ के लिए पहले से कोई व्यवस्था नहीं थी। एफआईआर के मुताबिक संध्या थिएटर का मैनेजमेंट घटना के लिए जिम्मेदार है, जबकि भीड़ के धक्का-मुक्की की वजह अल्लू अर्जुन और उनके बॉडीगार्ड्स थे।

6 दिसंबर को अल्लू अर्जुन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें अल्लू ने मृत महिला के परिजनों को 25 लाख रुपए देने का ऐलान किया। इसी एफआईआर के आधार पर 9 दिसंबर को संध्या थिएटर के पार्टनर एम संदीप, मैनेजर एम नागराजू और कर्मचारी विजय चंदर को गिरफ्तार कर लिया गया। 12 दिसंबर को अल्लू ने तेलंगाना हाईकोर्ट में एक याचिका दायर कर एफआईआर से अपना नाम हटाने की मांग की। 13 दिसंबर को पुलिस ने अल्लू अर्जुन को उनके घर से गिरफ्तार कर हैदराबाद कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा। अल्लू ने कोर्ट के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने अल्लू को 4 हफ्ते की अंतरिम जमानत दे दी। ऐसे में सवाल लाजमी है कि अल्लू अर्जुन को अंतरिम जमानत कैसे मिली। हैदराबाद की नामपल्ली कोर्ट से 14 दिन की न्यायिक हिरासत मिलने के बाद अल्लू ने तेंलगाना हाईकोर्ट में चुनौती दी। अल्लू के वकील निरंजन रेड्डी और अशोक रेड्डी ने जस्टिस जुव्वाडी श्रीदेवी के सामने सारे तथ्य और सबूत पेश किए। रेड्डी ने कहा कि थिएटर में घटना के समय अल्लू अर्जुन बालकनी पर थे, जबकि भगदड़ नीचे के फ्लोर पर हुई।

रेड्डी ने अल्लू के बचाव में शाहरुख खान की फिल्म रईस का जिक्र किया। दरअसल, जनवरी 2017 में शाहरुख अपनी फिल्म रईस का प्रमोशन करने के लिए ट्रेन के जरिए मुंबई से दिल्ली जा रहे थे। इसी बीच गुजरात के वडोदरा रेलवे स्टेशन पर शाहरुख को देखने के लिए भीड़ इकट्ठा हो गई। उन्होंने भीड़ के बीच कुछ स्माइली गेंद और टी-शर्ट फेंकी दी। इसके बाद भीड़ में भगदड़ मच गई और एक व्यक्ति के मौत हो गई। इसके चलते शाहरुख पर दूसरों की जान और अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने के लिए आपराधिक मामला दर्ज किया गया था। लेकिन अप्रैल 2022 में गुजरात हाईकोर्ट ने केस खारिज कर दिया था। अल्लू के वकीलों ने कोर्ट में थिएटर मैनेजमेंट का लेटर भी जारी किया। इस लेटर के मुताबिक, 'थिएटर मैनेजमेंट ने दो दिन पहले ही अल्लू के आने की जानकारी पुलिस प्रशासन को दे दी थी। मैनेजमेंट ने पुलिस से सुरक्षा व्यवस्था की मांग भी की थी। इसके बावजूद पुलिस ने सुरक्षा इंतजाम नहीं किए। लेटर पर पुलिस की सील भी लगी हुई। हालांकि, पुलिस ने इस लेटर को झूठ बताया। सारे तथ्यों को देखने के बाद तेलंगाना हाईकोर्ट ने अल्लू को 50 हजार रुपए के मुचलके पर अंतरिम जमानत दे दी।

पुलिस अधिनियम 1861 की धारा 30 के मुताबिक, नेता, एक्टर या किसी भी व्यक्ति को इवेंट ऑर्गनाइज करने के लिए उस इलाके के एसडीएम और पुलिस स्टेशन को एप्लिकेशन देकर परमिशन लेनी होती है। इसके साथ ही ऑर्गनाइजर्स को इवेंट में आने वाले लोगों की संख्या के हिसाब से मैनेजमेंट करना होता है। एसडीएम से मंजूरी मिलने के बाद एप्लीकेशन उस इलाके के पुलिस स्टेशन भेजी जाती है। पुलिस इवेंट की जगह पर सुरक्षा व्यवस्था समेत सारे मैनेजमेंट की जांच करती है और इसके बाद ही परमिशन देती है। हैदराबाद पुलिस ने जांच में कहा कि अल्लू अर्जुन बिना सूचना दिए थिएटर पहुंच गए थे। इस वजह से थिएटर मैनेजमेंट पुख्ता इंतजाम नहीं कर पाया। पुलिस ने यह भी बताया कि अल्लू के सिक्योरिटी गार्ड के धक्का देने की वजह से भीड़ में भगदड़ मच गई और एक महिला की मौत हो गई। इसलिए अल्लू के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या का केस दर्ज किया गया। अल्लू अर्जुन पर भारतीय न्याय संहिता यानी बीएनएस की धारा 105 और 118 (1) आर/डब्ल्यू 3 (5) के तहत केस दर्ज किया है।

धारा 105- यह गैर इरादतन हत्या के आरोपियों पर लगाई जाती है। गैर इरादतन हत्या का मतलब जब आरोपी का मर्डर करने का पहले से कोई प्लान नहीं होता है, लेकिन जब वो अपराध करता है तो उसे इसकी जानकारी होती है कि इससे मौत हो सकती है। धारा 105 गैर जमानती है। यानी पुलिस बिना किसी वारंट के आरोपी को गिरफ्तार कर सकती है। इस मामले में पुलिस बेल नहीं दे सकती। हालांकि, कोर्ट से बेल मिल जाती है। इसके तहत दोषी माने जाने पर कम से कम 5 साल की सजा या उम्रकैद तक हो सकती है। साथ ही इसमें अपराध की गंभीरता को देखते हुए जुर्माना भी लगाया जाता है।

धारा 118 (1)- यह खतरनाक हथियारों या साधनों से चोट पहुंचाने के लिए लगाई जाती है। इस धारा का इस्तेमाल संज्ञेय और गैर जमानती अपराध के लिए किया जाता है। दोषी पाए जाने पर 3 साल की सजा और 20 हजार रुपए का जुर्माना लग सकता है।

अल्लू अर्जुन सीधे तौर पर हत्या में शामिल नहीं थे, इसलिए उन पर गैरइरादतन हत्या का मामला दर्ज हुआ है। न्यायपालिका ऐसे मामलों की गंभीरता को देखते हुए सजा सुनाती है। अगर मामला ज्यादा गंभीर है तो उम्रकैद की सजा का भी प्रावधान है। अल्लू के केस में कुल 7 आरोपी बनाए गए हैं। ऐसे में अगर वे दोषी पाए जाते हैं, तो उन्हें 10 साल की जेल हो सकती है।

तेलंगाना हाईकोर्ट ने अल्लू को 4 हफ्ते की अंतरिम जमानत दे दी है। जमानत का समय खत्म होने से पहले उन्हें कोर्ट में पेश होना होगा। इस दौरान वे फिर से अंतरिम जमानत की याचिका दे सकते हैं। इस पर कोर्ट सुनवाई कर फैसला करेगा। अगर अल्लू जमानत खत्म होने से पहले कोर्ट में पेश नहीं हुए तो उन्हें बिना वारंट के गिरफ्तार किया जाएगा। इस बीच अगर अल्लू के वकील ने अल्लू की बेगुनाही साबित कर दी तो यह केस खारिज भी हो सकता है।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि 'पीड़ित सुप्रीम कोर्ट जाकर अल्लू की अंतरिम जमानत खारिज भी करवा सकता है। अगर 4 हफ्तों के बीच सुप्रीम कोर्ट में अल्लू के आरोप साबित हो गए तो भी उनकी जमानत खारिज हो जाएगी।'

अगर अल्लू अर्जुन को कोर्ट से जमानत पर रिहाई मिल जाती है, तो वे अपनी अपकमिंग फिल्मों की शूटिंग जारी रख सकते हैं। उन्हें अपनी सामान्य गतिविधियां जारी रखने की इजाजत मिल जाएगी। इस दौरान उन्हें अदालत में पेशी के लिए और अन्य कानूनी प्रक्रियाओं के लिए हाजिरी देनी पड़ेगी। अगर कोर्ट ने अल्लू को बाहरी गतिविधियां बंद रखने या किसी खास जगह से दूर रहने के आदेश दिए तो उन्हें अपनी शूटिंग टालनी पड़ेगी।

अल्लू अर्जुन को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद रेवती के पति मोगदंपल्लि भास्कर ने केस वापस लेने की इच्छा जाहिर की है। भास्कर ने कहा भगदड़ मचने में अल्लू की सीधे कोई जिम्मेदारी नहीं है। अगर पीड़ित केस वापस लेता है तो इसमें अपराध की गंभीरता की जांच की जाती है। भारत के कानून में अपराधों को कम्पाउंडेबल ऑफेन्स या नॉन-कम्पाउंडेबल ऑफेन्स की कैटेगरी में रखा जाता है।

कम्पाउंडेबल ऑफेन्स कैटेगरी में छेड़छाड़, चोरी, मामूली चोट पहुंचाना जैसे अपराध शामिल हैं। इन मामलों में अगर पीड़ित केस वापस लेता है और दोनों पक्ष सहमति जताते हैं, तो अदालत उन अपराधों को खत्म कर देती है। पीड़ित के केस वापस लेने से आरोपी को राहत मिल सकती है और मामला खत्म हो सकता है। हालांकि, इसमें कोर्ट की मान्यता जरूरी है। नॉन-कम्पाउंडेबल ऑफेन्स में हत्या, बलात्कार, गैर-इरादतन हत्या और भ्रष्टाचार जैसे अपराध शामिल हैं। इसमें पीड़ित के केस वापस लेने के बावजूद कानूनी प्रक्रिया जारी रहती है। ऐसे मामलों में अदालत या पुलिस मामले की जांच और कार्यवाही को पूरी तरह से खत्म नहीं कर सकती। इन मामलों में सरकार या अदालत की इजाजत के बिना केस वापस भी नहीं लिया जा सकता है। ऐसे मामलों में अदालत अभियोजन जारी रखती है, क्योंकि इसका उद्देश्य अपराधी को सजा दिलाना है। गैर-इरादतन हत्या का मामला नॉन-कम्पाउंडेबल ऑफेन्स के अधीन है। इसलिए यह केस वापस लेना मुश्किल है। एक्टर या नेता जैसे किसी बड़ी हस्ती को गिरफ्तार करने के लिए भारतीय कानून में कोई अलग प्रावधान नहीं है। कानून सभी के लिए समान रूप से लागू होता है। हालांकि, किसी बड़ी हस्ती को गिरफ्तार करने की स्थितियां और प्रक्रियाएं अलग हो सकती हैं। अगर कोई बड़ा व्यक्ति अपराध करता है तो उसके खिलाफ सारे सबूत होना जरूरी है। पुलिस को गिरफ्तार करने से पहले सुरक्षा के कड़े इंतजाम करना जरूरी है। जिससे उस व्यक्ति के सम्मान और सुरक्षा में कमी न हो। किसी बड़े व्यक्ति को गिरफ्तार करने के दौरान पुलिस या जांच एजेंसियों को ज्यादा संवेदनशील होना पड़ता है। ताकि समर्थकों में शांति बनी रहे और किसी तरह की हिंसा न हो। किसी बड़ी हस्ती को भी अदालत में आम आदमी के रूप में पेश किया जाता है।

इस केस के पहले 17 मार्च 2013 को तेलंगाना के नानकरामगुडा में हुआ। जब साउथ के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर की एक फिल्म का म्यूजिक रिलीज प्रोग्राम हो रहा था।

अफेयर के झगड़े में इंजीनियर ने की आत्महत्या

पत्नी ने 9 केस दर्ज कराए; पड़ोसी बोले- कर्ज में है परिवार

अतुल सुभाष मोदी

उसका एक लड़की से नाजायज संबंध था। ऑफिस की एक-दो लड़कियों से अफेयर थे। ये बातें मुझे बेंगलुरु जाकर पता चलीं। जब मैंने पूछा तो मेरी मां के सामने मुक्के और लात से पीटा। - कोर्ट में ये आरोप निकिता सिंघानिया ने लगाए थे।

मुझे ऐसा लगता है कि निकिता का संबंध किसी लड़के से था। उसकी हरकतों से ऐसा ही लगता है। मेरे और निकिता के बीच (एक लड़के का नाम) विवाद हुआ था। -कोर्ट में ये आरोप एआई इंजीनियर अतुल सुभाष मोदी ने लगाए थे। इंजीनियर अतुल सुभाष और उनकी पत्नी इंजीनियर निकिता सिंघानिया में सिर्फ दहेज उत्पीड़न जैसे ही विवाद नहीं थे। दोनों में एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर को लेकर भी विवाद था। दोनों को एक-दूसरे पर शक था। 10 दिसंबर को अतुल सुभाष ने बेंगुलरु में अपने फ्लैट में सुसाइड नोट और वीडियो बनाकर जान दे दी थी।

जौनपुर जिला कोर्ट में अतुल के वकील शैलेश शर्मा के अनुसार अतुल सुभाष मोदी की 2019 में शादी हुई थी। तब सब कुछ अच्छा था। वह पत्नी निकिता सिंघानिया को लेकर बेंगलुरु गए। निकिता को पहले उसके ऑफिस छोड़ते और फिर अपने ऑफिस जाते। लेकिन, बच्चे के जन्म के बाद धीरे-धीरे रिश्ते बिगड़ने लगे। मामला पुलिस तक पहुंचा और फिर कोर्ट में आ गया। कोर्ट में दोनों ने एक-दूसरे पर एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर के भी आरोप लगाए। अतुल न्याय का इंतजार करते रहे, लेकिन वह नहीं मिला। इसी प्रेशर में उन्होंने मौत को चुन लिया। अतुल सुभाष ने 9 दिसंबर को इंटरनेट पर 1 घंटा 20 मिनट का वीडियो जारी कर बताया था कि उसके पास आत्महत्या के अलावा कोई उपाय नहीं बचा है।

बिहार के समस्तीपुर जिले के वेनी गांव में रहने वाले अतुल सुभाष मोदी ने मेट्रोमोनियल साइट पर आईडी बनाई। इसी साइट पर जौनपुर के रुहट्टा इलाके की निकिता सिंहानिया से उनकी जान-पहचान हुई। दोनों में बातचीत शुरू हुई। दोनों ने एक-दूसरे को अपने बारे में बताया। उस वक्त अतुल सुभाष बेंगलुरु की एक कंपनी में करीब 25 लाख रुपए सालाना पैकेज पर नौकरी कर रहे थे। निकिता भी करीब 10 लाख सलाना की सैलरी पर नौकरी कर रही थी। परिवार के लोगों ने आपस में बातचीत की। निकिता की तरफ से कहा गया कि पिता की तबीयत खराब रहती है, इसलिए जल्द शादी करनी होगी।

26 जून, 2019 को वाराणसी के हिंदुस्तान इंटरनेशनल होटल में दोनों की धूमधाम से शादी हो गई। निकिता यहां से विदा होकर अपने ससुराल समस्तीपुर पहुंचीं। वहां 2 दिन रहीं। इसके बाद पति अतुल के साथ बेंगलुरु चली गईं। वहीं मराठाहल्ली इलाके के डल्फीनियम रेजीडेंसी में रहने लगीं।

17 अगस्त, 2019 को निकिता के पिता मनोज की हार्ट अटैक से मौत हो गई। अतुल का पूरा परिवार जौनपुर आया। कुछ दिन रहने के बाद निकिता वापस बेंगलुरु आ गईं। 20 फरवरी, 2020 को निकिता ने बेटे को जन्म दिया। कुछ दिन सही रहा, लेकिन उसके बाद झगड़ा शुरू हो गया। 19 जनवरी, 2022 को मामला कोर्ट पहुंच गया। अतुल पर एक के बाद एक 9 केस लगा दिए गए। निकिता ने कोर्ट में अतुल की सैलरी 40 लाख बताई। इसी आधार पर भरण-पोषण मांगा है, जबकि अतुल ने उसकी सैलरी 20 लाख रुपए बताई थी।

जौनपुर में निकिता का परिवार पहले रुहट्टा में रहता था, लेकिन 2 साल पहले खोवा मंडी के पास मकान खरीदकर शिफ्ट हो गया है। परिवार में निकिता की मां निशा और भाई अनुराग सिंघानिया हैं, जो यहीं रहते हैं। निकिता इस वक्त दिल्ली में जॉब कर रही है। साढ़े चार साल का बेटा भी उनके साथ दिल्ली में है। निकिता के पड़ोसी बताते हैं- 2022 में निकिता के परिवार ने खोवा मंडी में 1000 स्क्वायर फीट के तीन फ्लोर का मकान सफीउर्रहमान से 60 लाख में खरीदा था। पैसे नहीं थे, तो लोन करवाया। उस वक्त निकिता अतुल पर प्रेशर डालकर पैसा दिलवाना चाहती थी, लेकिन उन्होंने पैसा नहीं दिया। 2021 में बिजनेस के लिए अतुल ने निकिता के भाई अनुराग को करीब 5 लाख रुपए दिए थे। इसी पैसे से अनुराग ने मकान वाली बिल्डिंग में होल सेल कपड़े की दुकान खोली। इस मकान को दिलवाने वाले शबे-आलम कहते हैं- ये आदमी ठीक नहीं है। घर में लिफ्ट का मामला फंसा था। हमने पैसे मांगे, लेकिन मिले नहीं। पास की ही चौकी पर शिकायत भी दर्ज करवाई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। हमने बाद में छोड़ दिया। इसके बाद इनसे हमारी कोई बातचीत नहीं होती, जबकि मैं मोहल्ले में ही रहता हूं। अतुल और निकिता में एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर को लेकर झगड़ा था। दोनों के एक-दूसरे पर आरोप थे। अतुल ने कोर्ट में बताया था कि निकिता का एक लड़के से अफेयर था। वह अक्सर उससे मिलती थी। बेंगलुरु में भी उसके साथ घूमती और चिकन खाती थी। मैंने मना किया तो मारपीट पर उतारू हो गई। उस लड़के को लेकर एक नहीं, कई बार विवाद हुआ। इसके चलते ही निकिता बेंगलुरु छोड़कर जौनपुर चली गई थी। निकिता इसके जवाब में कोर्ट में कहती हैं, वह मेरे पापा के दोस्त का लड़का है। सिर्फ मेरा दोस्त है। अतुल का खुद ऑफिस की एक लड़की से अफेयर है। इसके अलावा 2 और लड़कियों से अफेयर है। अतुल अपनी कमाई का सारा पैसा इन्हीं लड़कियों पर खर्च करता है।

इसके जवाब में अतुल ने कहा था कि ऑफिस की लड़की मेरे सहकर्मी की पत्नी है। निकिता से भी दोस्त और उसकी पत्नी को मिलवाया था। उस वक्त कोई झगड़ा नहीं था।

अतुल ने कोर्ट में लिखित दिया था कि निकिता का स्वभाव आक्रामक, गुस्सैल, अक्खड़, तानाशाह जैसा था। निकिता के मोहल्ले के लोग भी इसी तरह की बात करते हैं। निकिता के वकील के साथ बैठने वाले एक जूनियर वकील भी कहते हैं कि निकिता जब भी कोर्ट आती, तो उसके स्वभाव में अलग गुस्सा होता था। वह सबक सिखाने जैसी बात करती थी। ऐसा लगता कि उसे अपने पैसे को लेकर घमंड था।

19 जनवरी, 2022 को निकिता ने पहला केस दर्ज करवाया। इसके बाद अलग-अलग कुल 9 केस दर्ज किए गए। इनमें दहेज, हत्या का प्रयास, अन-नेचुरल सेक्स जैसे आरोप लगे। 6 केस ट्रायल कोर्ट में थे। 3 हाईकोर्ट में चल रहे थे। निकिता ने अपने पिता की हार्ट अटैक से मौत की वजह भी दहेज बताकर अतुल और उनके परिवार को नामजद करा दिया था, जबकि उस मौत का दहेज से कोई संबंध नहीं था। उस मौत में अतुल पूरे परिवार के साथ जौनपुर गए थे। खुद कंधा भी दिया था।

29 जुलाई, 2024 को बेटे के भरण-पोषण के मामले में जौनपुर फैमिली कोर्ट की जज रीता कौशिक ने फैसला सुनाया। उन्होंने आदेश दिया कि अतुल अपने बच्चे को हर महीने 40 हजार रुपए भत्ते के तौर पर दें। यह भत्ता केस दाखिल होने वाले महीने से जोड़ा जाएगा। यानी अतुल को जनवरी, 2022 से जुलाई, 2024 तक कुल 11 लाख 60 हजार रुपए अगस्त महीने में देना होता। उसके बाद बच्चे के बालिग होने तक हर महीने 40 हजार रुपए देना होता। हालांकि, अतुल ने ये पैसे बेटे के लिए निकिता को नहीं दिए। सुसाइड के दौरान उसने जिक्र भी किया कि मेरा ही पैसा मेरी बर्बादी के लिए इस्तेमाल होता, इसलिए नहीं दिया।

उपासना स्थल कानून में किस बात का विवाद ?

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को उपासना स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम 1991 से जुड़ा एक अहम फैसला सुनाया। इसमें कोर्ट ने फिलहाल देश भर की सभी अदालतों को मौजूदा धार्मिक संरचनाओं के खिलाफ लंबित मुकदमों में सर्वे के आदेश सहित कोई भी प्रभावी अंतरिम या अंतिम आदेश पारित करने से रोक दिया। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने केंद्र को हलफनामा दायर करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया है।

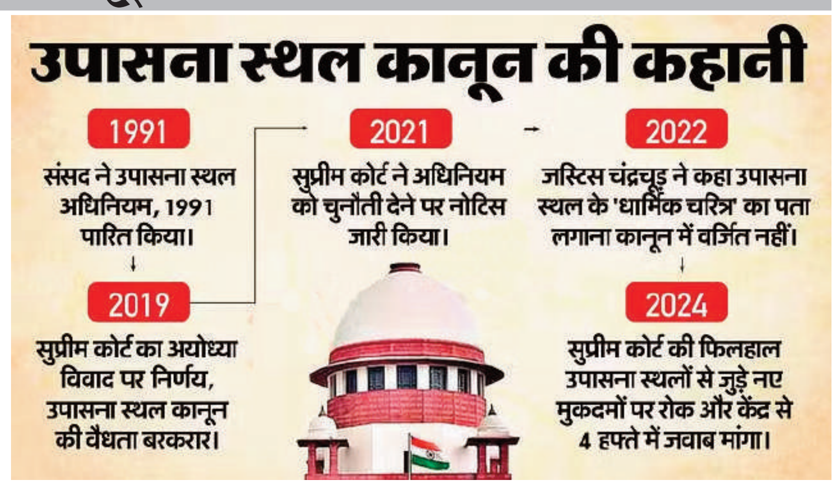

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद उपासना स्थल कानून फिर चर्चा में आ गया है। कई विपक्षी दलों ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का स्वागत किया है। वहीं याचिकाकर्ता और भाजपा नेता अश्विनी उपाध्याय ने कहा है कि उपासना स्थल अधिनियम के तहत न्यायालय तक पहुंच अवरुद्ध कर दी गई है।

उपासना स्थल कानून क्या है? इस पर विवाद कैसे हुआ और अदालत कैसे पहुंचा? इसमें याचिकाकर्ता कौन हैं और उनकी मांग क्या है? इसके विरोध में क्या तर्क दिए गए? 1991 के कानून पर सुप्रीम कोर्ट का क्या फैसला आया है?

उपासना स्थल कानून क्या है?

देश की संसद ने 18 सितंबर 1991 को उपासना स्थल अधिनियम, 1991 (अधिनियम) पारित किया था। उपासना स्थल कानून में सात धाराएं हैं। शुरुआती खंड में कानून का उद्देश्य किसी भी उपासना स्थल के बदलाव पर रोक लगाना और किसी भी उपासना स्थल के धार्मिक चरित्र को 15 अगस्त, 1947 के अनुसार बनाए रखना बताया गया है।

अधिनियम की धारा 3 में यह घोषित किया गया है कि कोई भी व्यक्ति किसी भी धार्मिक संप्रदाय के उपासना स्थल को किसी अन्य धार्मिक संप्रदाय या समुदाय में नहीं बदला जाएगा। धारा 4(1) में प्रावधान है कि उपासना स्थल का धार्मिक चरित्र वैसा ही बना रहेगा जैसा 15 अगस्त, 1947 को था। धारा 4(2) में प्रावधान है कि 15 अगस्त, 1947 को मौजूद उपासना स्थल के चरित्र के बदलाव से जुड़े सभी लंबित मुकदमे, अपील या अन्य कार्यवाही अधिनियम के लागू होने पर समाप्त हो जाएंगी और कोई नई कार्यवाही दायर नहीं की जा सकेगी। धारा 4(2) में अपवाद भी है कि यदि 15 अगस्त 1947 के बाद स्थिति में बदलाव हुआ है तो किसी भी उपासना स्थल के धार्मिक चरित्र के बदलाव के संबंध में कानूनी कार्यवाही शुरू की जा सकती है।

धारा 4 (3) (ए) किसी भी उपासना स्थल को अधिनियम के प्रभाव से छूट देती है जो एक प्राचीन और ऐतिहासिक स्मारक या पुरातत्व स्थल है या प्राचीन स्मारक और पुरातत्व स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 के अंतर्गत आता है। अधिनियम की धारा 5 विशेष रूप से राम जन्मभूमि को इसके आवेदन से छूट देती है।

उपासना स्थल को चुनौती क्यों मिली?

यह अधिनियम उस समय चुनौती के दायरे में आया जब सर्वोच्च न्यायालय अयोध्या स्थित विवादित ढांचे के मसले का फैसला कर रहा था। 9 नवंबर 2019 को पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से विवादित संपत्ति का मालिकाना हक श्री रामलला विराजमान को दिया। इस फैसले ने 450 साल पुराने विवाद की फाइलें बंद कर दीं। उस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने उपासना स्थल अधिनियम, 1991 की वैधता को बरकरार रखा।

इसके बाद सर्वोच्च न्यायालय में कई याचिकाएं दायर की गईं, जिनमें दावा किया गया है कि यह कानून संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 21, 25, 26, 29 का उल्लंघन करता है। इन मामलों में याचिकाकर्ताओं में भाजपा नेता और वकील अश्विनी उपाध्याय, पूर्व राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी, धर्मगुरु स्वामी जीतेंद्रानंद सरस्वती और देवकीनंदन ठाकुर, काशी नरेश विभूति नारायण सिंह की बेटी कुमारी कृष्णा प्रिया और सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी अनिल कबोत्रा शामिल हैं।

मोटे तौर पर याचिकाओं में कानून को चुनौती देने के लिए कुछ आधारों को उठाया गया है। इस अधिनियम की संवैधानिकता को चुनौती देने का एक मुख्य आधार यह है कि यह उपासना स्थलों पर ऐतिहासिक रूप से जबरन कब्जे को वैध बनाता है। वकील अश्विनी उपाध्याय की याचिका में कहा गया है कि यह अधिनियम पीड़ित हिंदुओं, जैनियों, बौद्धों और सिखों को कानूनी उपचार देने से रोकता है। याचिकाओं में धारा 4(2) की संवैधानिकता पर सवाल उठाया गया है। याचिकाकर्ताओं की शिकायत यह है कि यह कानून पीड़ित व्यक्तियों या समुदायों को कानूनी उपायों का सहारा लेने से रोकता है।

तीसरा बड़ा मुद्दा मनमाना और तर्कहीन कट-ऑफ तिथि को बताया गया है। याचिकाकर्ताओं ने इस आधार पर भी अधिनियम को चुनौती दी है कि 15 अगस्त 1947 की कट-ऑफ तिथि मनमानी और तर्कहीन है। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि उनके धार्मिक स्थलों का विध्वंस या कब्जा सदियों में हुआ है, जिसका 15 अगस्त 1947 की कट-ऑफ से कोई संबंध नहीं है। चौथा बड़ा सवाल कानून में अपवादों को लेकर है।

अदालत में क्या-क्या हुआ?

12 मार्च 2021 को तत्कालीन सीजेआई रंजन गोगोई की अगुवाई वाली एक खंडपीठ ने भाजपा नेता और वकील अश्विनी उपाध्याय की याचिका पर नोटिस जारी किया। जून 2022 में जमीयत उलमा-ए-हिंद ने याचिका में पक्षकार बनने की मांग करते हुए सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया और तर्क दिया कि यह स्पष्ट है कि अश्विनी उपाध्याय ने अप्रत्यक्ष रूप से उन उपासना स्थलों को निशाना बनाने की कोशिश की है जो वर्तमान में इस्लामी चरित्र के हैं। इसके बाद मई 2022 में वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वे की अनुमति देने पर सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि किसी उपासना स्थल के 'धार्मिक चरित्र' का पता लगाना कानून में वर्जित नहीं है। इसलिए किसी उपासना स्थल के 'धार्मिक चरित्र' को निर्धारित किया जा सकता है, लेकिन इसे बदला नहीं जा सकता है।

नवंबर 2024 में संभल में एक जिला अदालत द्वारा वहां स्थित शाही जामा मस्जिद के सर्वे का आदेश देने के बाद हिंसा भड़क उठी। इसके तुरंत बाद एक अन्य जिला अदालत ने अजमेर में सूफी संत मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह के नीचे एक हिंदू मंदिर के अस्तित्व का दावा करने वाले एक दीवानी मुकदमे में नोटिस जारी किया। 6 दिसंबर 2024 को एक जिला अदालत द्वारा जौनपुर में अटाला मस्जिद के नीचे एक हिंदू मंदिर के अस्तित्व को विवादित करने वाले मुकदमे को पंजीकृत करने का निर्देश देने के बाद मस्जिद समिति ने इसे इलाहाबाद उच्च न्यायालय में चुनौती दी।

महाभारत युद्ध के दौरान कर्ण पर क्यों आया हनुमान जी को गुस्सा

क्या आपको मालूम है कि महाभारत के युद्ध में हनुमान जी धुनर्धर अर्जुन के रथ पर सवार थे। तभी कुछ ऐसा हुआ कि हनुमान जी बहुत गुस्सा आ गया। वह इतनी गर्जना करने लगे कि युद्ध में सभी सहम गए। कौरवों की सेना भागने लगी। पांडवों की सेना भयभीत हो गई। कर्ण तो थर-थर कांपने लगा। उसे लगा कि अब उसकी जान बचेगी भी कि नहीं।

महाभारत के युद्ध के दौरान हनुमान जी का क्रोध एक महत्वपूर्ण घटना थी। दरअसल जब कर्ण और अर्जुन के बीच युद्ध चल रहा था, तब कर्ण ने अर्जुन पर बाणों की ताबड़तोड़ वर्षा करनी शुरू कर दी। बाण भगवान अर्जुन को भी लगे, वह चोटिल हो गए। हनुमान जी रथ की छत पर बैठे थे, इस दृश्य को देखकर वह बहुत क्रोधित हो गए।

नाराज हनुमान कर्ण को मारने वाले थे

क्रोध में हनुमान ने तय किया कि वह अब किसी भी हालत में कर्ण को जिंदा नहीं छोड़ेंगे। उनकी नाराजगी गर्जना के तौर पर सामने आई। ये गर्जना इतनी भयंकर थी कि इससे कौरव सेना भागने लगी और पांडवों की सेना भी भयभीत हो गई।

कर्ण की किस हरकत पर आया गुस्सा

दरअसल कर्ण को भी उसके गुस्से के लिए जाना जाता है। हुआ ये कि जब महाभारत के युद्ध में कर्ण और अर्जुन आमने सामने हुए तो कर्ण ने अर्जुन पर बाणों से प्रहार करना शुरू किया। लेकिन जब इससे अर्जुन का कुछ नहीं बिगड़ा तो वह गुस्से से भर उठा। उसने अर्जुन को नुकसान पहुंचाने के लिए ताबड़तोड़ कई तीर एक साथ चलाने शुरू कर दिए।

कृष्ण को लगे थे बाण

बाणों की ये बौछार इतनी तेज थी कि कर्ण ये भी नहीं देख रहा था कि उसके तीर किधर जा रहे हैं। जबकि युद्ध का नियम है कि सामने वाले योद्धा का आक्रमण ऐसा होना चाहिए कि सारथी का कुछ नहीं बिगड़े। जब कर्ण ने ये नहीं देखा और उसके कई बाणों के प्रहार से कृष्ण घायल हो गए। उन्हें खून बहने लगा तो हनुमान आपे से बाहर हो गए।

हनुमान की गर्जना से सब डर गए

उन्होंने कर्ण को मारने के लिए उसकी ओर दौड़ने का निर्णय लिया। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि हनुमान जी की गर्जना से कौरव सेना में हड़कंप मच गया। पांडव सेना को डर लगा कि अब पता नहीं क्या अनहोनी होने वाली है।

कैसे तब कृष्ण ने उन्हें शांत किया

हनुमान जी का यह क्रोध देखकर भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें सावधान किया कि अगर वे इसी तरह कर्ण की ओर देखते रहे, तो वह उनकी दृष्टि से ही मर जाएगा। श्रीकृष्ण ने हनुमान जी को शांत करने के लिए उन्हें स्पर्श किया, जिससे वे शांत हो गए लेकिन उनकी पूंछ अब भी आकाश में हिल रही थी। उनकी आंखों में आग भरी हुई थी। कृष्ण ने हनुमानजी को यह भी बताया कि यह त्रेतायुग नहीं है, और उन्हें शांत रहना चाहिए

कैसे हनुमान हुए अर्जुन के रथ पर विराजमान

अगर हनुमान जी कर्ण को मार देते, तो युद्ध का परिणाम तभी बदल जाता। अब आप ये सोच रहे होंगे कि आखिर क्यों हनुमान जी अर्जुन के रथ पर विराजमान हुए। दरअसल हनुमान जी को ये सलाह कृष्ण ने दी थी। उन्होंने हनुमान को अर्जुन के रथ की ध्वजा पर विराजमान होने के लिए कहा था। इससे सुनिश्चित होगा कि कौरवों के बाण अर्जुन के रथ को नुकसान नहीं पहुंचा सकेंगे, क्योंकि हनुमान जी का वजन रथ को स्थिर रखेगा।

उससे अर्जुन को क्या फायदा हुआ

हनुमान जी के रथ पर विराजमान होने से अर्जुन को युद्ध में अद्वितीय शक्ति और साहस मिला। इससे न केवल अर्जुन का आत्मविश्वास बढ़ा, बल्कि यह भी सुनिश्चित हुआ कि वह युद्ध में आगे बढ़ सकें। दुश्मनों का सामना कर सकें। हनुमान जी की उपस्थिति ने युद्ध को प्रभावित किया। पांडवों को विजय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

युद्ध खत्म होते ही अर्जुन के रथ में क्यों विस्फोट हो गया

युद्ध खत्म होने पर जब हनुमानजी रथ से उतरे तो अर्जुन का रथ विस्फोट के साथ ध्वस्त हो गया। तब लोग हैरान हो गए। ऐसे में श्रीकृष्ण ने बताया कि रथ पर कई बाण और अस्त्र लगे हुए थे, लेकिन हनुमान जी की उपस्थिति के कारण रथ सुरक्षित रहा। अगर हनुमानजी नहीं होते तो रथ पहले ही नष्ट हो चुका होता।

बेहद खास होती है मार्गशीर्ष पूर्णिमा

इस दिन व्रत से मिलता है कई गुना अधिक फल

हिंदू कैलेंडर के 12 महीनों में मार्गशीर्ष मास भगवान विष्णु को सबसे अधिक प्रिय और विशेष फल प्रदान करने वाला माना जाता है। श्रीमद् भगवत गीता के अनुसार सभी भक्तों के पाप नष्ट करने और मोक्ष देने के लिए मार्गशीर्ष माह सबसे उत्तम समय है। इस माह में जहां भगवान विष्णु की पूजा करने से लाभ मिलता है वहीं भगवान शिव भी मोक्ष का वरदान देते हैं। मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु और भोलेनाथ की पूजा अर्चना करने से कई गुना फल प्राप्त होते हैं। पूर्णिमा के दिन धार्मिक अनुष्ठान भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप करने का विधान बताया गया है।

भगवान विष्णु को मार्गशीर्ष मास अधिक प्रिय है। मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु की पूजा अर्चना, उनके निमित्त व्रत, आराधना, धार्मिक अनुष्ठान आदि करने से सभी पाप खत्म हो जाते हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है। सभी 12 पूर्णिमाओं में मार्गशीर्ष पूर्णिमा का सबसे अधिक महत्व इसलिए भी बताया गया है क्योंकि यह पूरा मास भगवान विष्णु को समर्पित होता है। इसी माह में हजारों वर्ष पहले भगवान विष्णु के संपूर्ण कलाओं से संपन्न अवतार श्री कृष्ण ने कुरुक्षेत्र की भूमि पर अर्जुन को गीता के उपदेश दिए थे। तो वहीं इसी माह में महाशक्ति देवी एकादशी का जन्म भी हुआ था। मार्गशीर्ष मास में एकादशी का व्रत सबसे अधिक फलदायक और मोक्ष प्रदान करने वाला बताया गया है। मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन विष्णु भगवान के मंत्रो, विष्णु सहस्त्रनाम, वैदिक मंत्रों और बीज मंत्र का जाप सबसे अधिक फल प्रदान करने वाला होता है। इन सभी को करने से भगवान विष्णु प्रसन्न होकर मोक्ष प्राप्ति का आशीर्वाद देते हैं।

ऐसे ही मार्गशीर्ष मास में विष्णु भगवान के साथ ही भोलेनाथ के निमित्त कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि का सबसे अधिक महत्व होता है। इस दिन भोलेनाथ भक्तों से प्रसन्न होकर दीर्घायु का आशीर्वाद प्रदान करते हैं और अकाल मृत्यु, अकाल मृत्यु का भय, सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। मार्गशीर्ष मास में त्रयोदशी तिथि का व्रत भगवान शिव की पूजा, आराधना, धार्मिक अनुष्ठान विधि विधान से करने पर मोक्ष के द्वार खुल जाते हैं और जन्म मरण का बंधन कट जाता है। पंडित श्रीधर शास्त्री बताते हैं कि मार्गशीर्ष मास की पूर्णिमा के दिन भगवान शिव के स्तोत्र, मंत्र आदि का जाप किया जाए तो विशेष लाभ की प्राप्ति होने की धार्मिक मान्यता हैं। पूर्णिमा के दिन इन सभी का विशेष लाभ और फल प्राप्त होता है।

मार्गशीर्ष पूर्णिमा पर भगवान सत्यनारायण की कथा पढ़ने-सुनने की है परंपरा

भगवान विष्णु का स्वरूप हैं सत्यनारायण

पूर्णिमा पर भगवान सत्यनारायण की कथा पढ़ने-सुनने की परंपरा है। सत्यनारायण विष्णु जी का ही एक स्वरूप है। इनकी कथा का संदेश ये है कि हमें अपने जीवन में सत्य को अपनाना चाहिए, किसी स्थिति में हमें झूठ नहीं बोलना चाहिए। जो लोग सत्य व्रत का पालन करते हैं, उन्हें भगवान विष्णु की विशेष कृपा मिलती है और जीवन में सुख-शांति बनी रहती है।

अगहन पूर्णिमा पर कर सकते हैं ये शुभ काम

पूर्णिमा पर किसी पवित्र नदी में स्नान करें। स्नान के बाद पीपल की पूजा करें। पीपल को जल चढ़ाएं और सात परिक्रमा करें।

इस दिन मां लक्ष्मी की भी पूजा करनी चाहिए। महालक्ष्मी और विष्णु जी का दक्षिणावर्ती शंख से अभिषेक करें। दूध में केसर मिलाएं और इसके बाद इस दूध को शंख में डालकर अभिषेक करें। महालक्ष्मी के मंदिर जाएं और दर्शन-पूजन करें।

अपने घर के मंदिर में श्रीयंत्र, कुबेर यंत्र, एकाक्षी नारियल, दक्षिणवर्ती शंख की पूजा करें। हनुमानजी के सामने दीपक जलाकर हनुमान चालीसा का पाठ करें। शिवलिंग के पास दीपक जलाएं और श्रीराम नाम का जप 108 बार करें।

छोटी-छोटी बात पर आता है गुस्सा तो मोती को करें धारण

कई बार कुछ लोग ऐसे होते हैं, जिन्हें अत्यधिक गुस्सा आता है। वह गुस्सा में क्या करेंगे उन्हें भी नहीं पता होता है। ऐसे व्यक्ति की कुंडली में अंगारक योग होता है। दरअसल, यह योग तब होता है, जब मंगल और राहु का युति होता है। ऐसे में व्यक्ति को चंद्रमा को बलि करना चाहिए।

अंगारक क्यों होता है खतरनाक ?

ज्योतिष आचार्य संतोष कुमार चौबे बताते हैं कि यह योग काफी खतरनाक होता है। क्योंकि यह आपके भीतर काफी गुस्सा पैदा कर देता है। इतना आग पैदा कर देता है कि आपके लिए संभालना थोड़ा मुश्किल होता है और वह गुस्से के तौर पर तोड़फोड़ के जरिए बाहर निकलता है। ऐसे व्यक्ति को मोती धारण जरूर करना चाहिए।

इस योग के लिए मोती पहनना काफी शुभ होता है। मोती पहनने से आपका चंद्र बलि होता है। यानी कि आपका चंद्रमा मजबूत होता है। ऐसे में मन स्थिर होता और जल्दी गुस्सा नहीं आता। गुस्सा आता भी है तो आप अपने कंट्रोल में होते हैं, जिन व्यक्ति को इस योग के कारण गुस्सा आता है। ऐसे व्यक्ति को ही हाई बीपी जैसी बीमारी भी होती है या फिर हाई बीपी के कारण ब्रेन स्ट्रोक जैसी समस्या होती है। इसीलिए ऐसे व्यक्ति को अपने गुस्से पर काबू रखना चाहिए और मोती जरूर धारण करनी चाहिए।

इन मूलांक के लड़के को मिलती हैं सुंदर पत्नियां

अंक ज्योतिष में मूलांक का बड़ा महत्व है। मूलांक, किसी व्यक्ति के जन्म की तारीख को जोड़ने से निकलता है। मूलांक के आधार पर व्यक्ति के जीवनशैली, भविष्य और उसके वैवाहिक जीवन के बारे में जाना जा सकता है। सुंदर पत्नी या सुखी वैवाहिक जीवन पाना भी मूलांक पर निर्भर करता है। आज हम बताएंगे कि कौन से मूलांक के पुरूषों को सुंदर पत्नियां मिलती हैं। आइए जानते हैं अंक ज्योतिष में किस मूलांक का जिक्र किया गया है।

ज्योतिष गौरव दीक्षित के मुताबिक, मूलांक 1 यानी जिन लड़कों का जन्म 1, 10, 19, 28 तारीख को हुआ है उनकी पत्नियां आमतौर पर आकर्षक और बुद्धिमान होती हैं। मूलांक 2 यानी 2, 11, 20, 29 तारीख को जन्में मर्द संवेदनशील और भावुक होते हैं। इनकी पत्नियां सौम्य और सुंदर होती हैं। मूलांक 3 में जन्म लेने वाले व्यक्ति बुद्धिमान और प्रभावशाली होते हैं। इनकी पत्नियां अक्सर आकर्षक और ऊर्जावान होती हैं। मूलांक 6 यानी 6, 15, 24 तारीख वाले मर्द सौंदर्य और प्रेम का प्रतीक हैं। इनके जीवन में सुंदर पत्नी का योग प्रबल माना जाता है।

कौन से मूलांक की लड़कियां होती हैं ग्रीन फ्लैग

जिन भी लड़कियों का मूलांक 2, 3, 4 और 6 वो प्यार में ग्रीन फ्लैग होती हैं। इसमें जन्मी लड़कियां अपने पार्टनर्स के लिए सबकुछ करने के लिए रेडी रहती हैं। इस मूलांक की लड़कियां जीवन के अंत तक साथ निभाने वाली होती हैं।

कौन से मूलांक के लड़के होते हैं ग्रीन फ्लैग ?

मूलांक 2 यानी 2, 11, 20, 29 तारीख में जन्में लड़केअपनी पार्टनर की भावनाओं की कद्र करते हैं और एक मजबूत भावनात्मक बंधन बनाने की कोशिश करते हैं। ये रिश्तों में शांति और सामंजस्य बनाए रखने में सक्षम होते हैं। ऐसे लड़के अपने पार्टनर की हर आदत से प्यार कर बैठते हैं। पार्टनर की खुशी के लिए सब कुछ करने के लिए रेडी रहते हैं।

हाथ की इस रेखा के कारण अधूरी रह जाती है प्रेम कहानी

जी हां, हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार मानव की हथेली पर विवाह रेखा ऐसी होती हैं, जिनसे आपका वैवाहिक जीवन जुड़ा होता है। इसके साथ ही हथेली पर बनी इस विशेष रेखा को देखकर आप जान सकते हैं कि आपको आपका प्यार मिलेगा या फिर आपकी प्रेम कहानी बीच में अधूरी रह जाएगी। तो आइए जानते हैं कौन सी हैं वो रेखाएं।

हथेली में कहां देखें विवाह और प्रेम रेखा

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, हथेली में कनिष्ठिका (छोटी) अंगुली के पास जो रेखाएं मौजूद होती हैं, उन्हें प्रेम रेखा और विवाह रेखा कहा जाता है। इन रेखाओं को देखकर पता लगाया जा सकता है कि व्यक्ति का प्रेम संबंध या फिर वैवाहिक जीवन कैसा रहेगा। कई बार इस जगह बहुत सारी रेखाएं होती हैं, जो कि लव अफेयर्स या वैवाहिक जीवन को दर्शाती हैं।

अधूरी प्रेम कहानी को दर्शाती है ये रेखा

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, अगर किसी व्यक्ति के मंगल और बुद्ध पर्वत पर एक साथ बहुत सी रेखाएं बनी हैं तो यह आपकी लव लाइफ में मुश्किलों का संकेत सहित अधूरी प्रेम कहानी को भी दर्शाती हैं।

ये रेखा बताती है कैसे घर में होगा आपका रिश्ता

हथेली पर मौजूद विवाह रेखा यदि सूर्य रेखा को छूती हुई गुजरती है तो यह बहुत अच्छा संकेत माना जाता है। माना जाता है कि ऐसे लोगों का रिश्ता बेहद अमीर, समृद्ध और संपन्न परिवार में होता है।

तलाक के संकेत देती है ये रेखा वहीं अगर किसी व्यक्ति की विवाह रेखा दो भागों में बंटी हुई होती है तो ऐसी में तलाक की संभावनाएं बनती हैं।

टूटी-फूटी विवाह रेखा

हस्तरेखा शास्त्री ने बताया कि अगर किसी व्यक्ति की विवाह रेखा काफी टूटी-फूटी या कटी हुई है तो ऐसे में विवाह या फिर प्रेम संबंधों में कई अड़चने आती है और रिश्ते टूटते-बिगड़ते रहते हैं। वहीं अगर हथेली पर विवाह रेखा काफी स्पष्ट और साफ है तो ऐसे में सफल वैवाहिक जीवन का संकेत मिलता है या फिर प्रेम संबंधों में भी सफलता मिलती है।

रावण ने मारीच को प्रणाम किया तो वह डर गया

श्रीरामचरित मानस की सीख- बुरे लोग हमें सम्मान देने लगें तो सतर्क हो जाएं, उनसे दूर रहें

श्रीरामचरित मानस का रावण और मारीच से जुड़ा प्रसंग है। शूर्पणखा से सीता की सुंदरता के बारे में सुनकर रावण के मन में सीता का हरण करने का विचार आया। सीता हरण के लिए रावण लंका से निकलकर अपने मामा मारीच के पास पहुंचा। रावण ने मारीच को देखते ही झुककर प्रणाम किया।

मारीच ने रावण को अपने सामने झुका हुआ देखा तो वह हैरान हो गया और सोचने लगा कि रावण मेरे सामने झुका है, मतलब मेरे लिए कोई संकट आने वाला है।

रावण को झुका हुआ देखकर मारीच सोचता है कि किसी नीच व्यक्ति का नमन करना, प्रणाम करना हमारे लिए दुखदाई होता है।

मारीच रावण का मामा था, रावण से उम्र में बड़ा था, लेकिन रावण अभिमानी था, वह कभी भी किसी के सामने झुकता नहीं था। मारीच ये बात जानता था। जब रावण मारीच के सामने झुका तो वह समझ गया कि कोई दिक्कत आने वाली है। डरते हुए मारीच ने भी रावण को प्रणाम किया।

मारीच ने सोचा कि जिस प्रकार कोई धनुष झुकता है तो वह बाण से किसी के प्राण हर लेता है। कोई सांप झुकता है तो वह डंसने के लिए झुकता है। जैसे कोई बिल्ली झुकती है तो वह अपने शिकार पर झपटने के लिए झुकती है। ठीक इसी प्रकार रावण भी मारीच के सामने झुका था। किसी नीच व्यक्ति की मीठी वाणी भी दुख देने वाली होती है। यह ठीक वैसा ही है जैसे बिना मौसम का कोई फल। मारीच अब समझ चुका था कि उसके साथ कुछ बुरा होने वाला है। रावण ने मारीच को सीता हर की योजना बताई। मारीच को न चाहते हुए भी रावण का साथ देना पड़ा, बाद में मारीच राम के बाण से मारा गया।

रावण ने सीता हरण के लिए बनाई थी ये योजना

जब लक्ष्मण ने शूर्पणखा की नाक और कान काट दिए तो वह इस अपमान का बदला लेने के लिए अपने भाई रावण के पास पहुंची। शूर्पणखा जानती थी कि रावण को स्त्रियां मोहित करती हैं, इसलिए उसने रावण के सामने सीता की सुंदरता की बहुत प्रशंसा की।

सीता की सुंदरता के बारे में सुनकर रावण ने तय किया कि वह सीता का हरण करेगा और उसे अपनी रानी बनाएगा।

सीता के हरण के लिए रावण ने योजना बनाई थी कि वह मारीच को सोने का हिरण बनाकर सीता और राम के सामने भेजेगा।

सोने के हिरण का शिकार करने के लिए राम उसके पीछे जाएंगे और पीछे से रावण सीता का हरण करेगा।

ठीक इसी योजना से रावण ने सीता का हरण कर लिया था और राम के बाण से मारीच का वध हो गया था।

पूरे हो सकते हैं सभी के सपने

प्रियंका चोपड़ा

जैसे-जैसे वर्ष 2025 करीब आ रहा है, प्रियंका चोपड़ा जोनास एक उल्लेखनीय उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए तैयार है 2000 में मिस इंडिया प्रतियोगिता में भाग लेने के बाद से एक सार्वजनिक हस्ती के रूप में उसकी जिंदगी के 25 साल पूरे होने जा रहे हैं। फिलहाल प्रियंका अपनी अगली फिल्मों में व्यस्त है। अपनी व्यस्त दिनचर्या के बारे में उसने बताया, ₹मैं पिछले कुछ दिनों से बहुत व्यस्त थी। यह साल का अंत है और मैंने वैब सीरीज 'सिटाडेल' के दूसरे सीजन के आखिरी हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है। अपने अब तक के सफर को पीछे मुड़कर देखते हुए, 42 वर्षीय अभिनेत्री ने वैश्विक मनोरंजन जगत मैं अपने लिए जगह बनाने के दौरान आई बाधाओं को स्वीकार करते हुए कहा कि विभिन्न संस्कृतियों वाली जगहों में काम करना उसके लिए जरा भी आसान नहीं रहा।

उसने कहा, लेकिन मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मैं अमरीका में काम करने के संबंध में पूरी तरह से अनजान नहीं थी। मैं किशोरी थी तो मैंने यहीं स्कूली पढ़ाई की थी। उस अनुभव से मुझे बहुत मदद मिली। हर जगह की फिल्म इंडस्ट्रीज और वहां की फिल्म निर्माण प्रक्रिया एक जैसी है।

उनमें सांस्कृतिक अंतर ही है जो उन्हें एक-दूसरे से अलग करता है, अन्यथा कैमरा, शॉट, सब कुछ एक जैसा है। मैं यह उम्मीद नहीं कर सकती कि बॉलीवुड, हॉलीवुड जैसा होगा या हॉलीवुड, बॉलीवुड जैसा। पानी की तरह लचीले बनो, कठोर मत बनो। मैं हमेशा से ऐसी ही रही हूं... चुप रहो, सुनो और अपनी जगह बनाओ।

वह आगे कहती है, मैं ऐसी इंसान हूं जिसका सिद्धांत आगे बढ़ते रहना रहा है। मुझे बस चलते रहना था- अपने जीवन और करियर में। मैं महत्वाकांक्षा से नहीं डरती। मैंने हमेशा कहा है कि हर किसी के कितने भी बड़े सपने हों, वे पूरे हो सकते हैं, आपको बस आगे बढ़ते रहना है।

2003 में फिल्म 'द हीरो लव स्टोरी ऑफ ए स्पाई' के साथ हिन्दी फिल्म इंडस्ट्री में अपना करियर शुरू करने के बाद उसने 'फैशन' (2008), 'बाजीराव मस्तानी' (2015) जैसी फिल्मों में प्रशंसनीय अभिनय किया।

2015 में वह अमरीकी ड्रामा वैब सीरीज 'क्वांटिको' में लीड रोल करने वाली पहली दक्षिण एशियाई अभिनेत्री बनी। हॉलीवुड में अपनी जगह बनाने के लिए उसे किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा, पूछने पर वह कहती है, ₹मैं अपने आधे से अधिक जीवन में, यानी पिछले 25 सालों से, एक पब्लिक पर्सनैलिटी रही हूं। मैं बेहद प्राइवेट हूं इसलिए सबसे मुश्किल हिस्सा वास्तव में अपेक्षाओं या सार्वजनिक दबावों को सम्भालने में सक्षम होना है। मैं बहुत बदल गई हूं।

एक पेशेवर होने के नाते,असफलता और बदलाव से निपटने में सक्षम होना... यही सबसे मुश्किल हिस्सा है। मैं ऐसी इंसान नहीं हूं जो अपनी कमजोरियों या कठिनाइयों के बारे में बहुत बात करती हो। कुछ लोग हैं जो ऐसा करते हैं। मुझे यह बहुत प्रेरणादायक लगता है लेकिन मुझे इस तरह बड़ा किया गया कि मैं मजबूत बनूं और खुद को संभाल सकूं। करेगी वापसी प्रियंका ने अपने फैन्स को गुड न्यूज दी है। उसने खुलासा किया है कि वह अगले साल यानी 2025 में बॉलीवुड में कमबैक करने जा रही है।प्रियंका भले ही विदेश में रहती है, लेकिन उसकी जड़ें अपने देश से हमेशा जुड़ी रहती हैं।

साल 2019 में 'द स्काई इज पिंक' में नजर आई प्रियंका तब से ही हॉलीवुड फिल्मों में बिजी है। उसकी एक हिन्दी फिल्म 'जी ले जरा' लंबे समय से अटकी हुई है। इसमें कैटरीना कैफ और आलिया भट्ट भी हैं। प्रियंका ने बॉलीवुड में अपनी वापसी के बारे में कहा, ₹मजाक नहीं कर रही हूं। मैं यहां कई फिल्म मेकर्स से मिलती हूं। स्क्रिप्ट पढ़ती हूं। मैं कुछ ऐसा तलाश कर रही हूं, जो हिन्दी में करना चाहती हूं। यह साल मेरे लिए वाकई बहुत बिजी रहा लेकिन मेरे पास कुछ है।जब उससे 'जी ले जरा' के बारे में पूछा गया तो उसने कहा, ₹इसके बारे में आपको एक्सेल (फरहान अख्तर का प्रोडक्शन हाऊस) से बात करनी होगी। मालूम हो कि इस फिल्म की घोषणा वर्ष 2021 में की गई थी।

प्रियंका की अगली फिल्में और सीरीज

प्रियंका को 'हैड्स ऑफ स्टेट' और 'द ब्लफ ' जैसी फिल्मों में देखा जाएगा। वह वैब सीरीज

अल्लू अर्जुन गिरफ्तारी से पहले ये सितारे भी लगा चुके हैं थाने के चक्कर, कुछ ने तो काटी है जेल

परदे पर नजर आने वाले सितारे जब कोर्ट-कचहरी और थाने का चक्कर लगाएं तो फैंस को हैरानी होती है। आज शुक्रवार को अभिनेता अल्लू अर्जुन को 4 दिसंबर को हैदराबाद में उनकी फिल्म 'पुष्पा 2' के प्रीमियर के दौरान हुई भगदड़ के सिलसिले में गिरफ्तार में किया गया है। उनसे पहले कई सितारों को तो पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। यहां तक कि कई को जेल तक काटनी पड़ी है। आइए जानते हैं।

रिया चक्रवर्ती

अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती को साल 2020 में पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उन्हें सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में जांच की कड़ी नशाखोरी से जुड़ने के आरोपों के बाद गिरफ्तार किया गया था। नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने ड्रग्स मामले में पूछताछ के दौरान संतोषजनक जवाब नहीं मिलने के बाद रिया को अरेस्ट किया था। गिरफ्तारी के लगभग एक महीने बाद बॉम्बे हाईकोर्ट ने रिया को जमानत दे दी थी।

संजय दत्त

अभिनेता संजय दत्त को साल 1993 के मुंबई बम धमाकों के बाद गिरफ्तार किया गया था। संजय दत्तसंजय दत्त को आर्म्स एक्ट के तहत दोषी पाया गया था। उन्हें पांच साल की जेल हुई। कई बार संजय दत्त को फरलो और पैरोल मिली। जेल में अच्छे व्यवहार के कारण अभिनेता को फरवरी 2016 में रिहा कर दिया गया था।

सलमान खान

साल 1998 में बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान की भी गिरफ्तारी हो चुकी है। सलमान खान और उनके 'हम साथ-साथ हैं' के सह-कलाकार सैफ अली खान, तब्बू और सोनाली बेंद्रे पर राजस्थान के एक गांव में काले हिरण का शिकार करने का आरोप लगा था। इस केस में सलमान खान को गिरफ्तार किया गया। हालांकि, उन्हें जमानत मिली।

आदित्य पंचोली

अभिनेता आदित्य पंचोली को होटल में एक बाउंसर को धमकाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। हालांकि, उन्हें उसी दिन रिहाई भी मिल गई थी। फिर साल 2005 में पड़ोसी से हुए झगड़े में उन्हें 1 साल की सजा सुनाई गई थी।

शाहरुख खान

बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान को भी पुलिस एक बार गिरफ्तार कर चुकी है। उन्हें अपने गुस्से के चलते जेल तक काटनी पड़ी थी। इसका खुलासा खुद शाहरुख खान ने एक इंटरव्यू में किया। शाहरुख खान को एक पत्रकार को डराने-धमकाने के मामले में जेल जाना पड़ा था। पत्रकार ने एक मैग्जीन में आर्टिकल लिखा था, जिसे देखकर शाहरुख को इतना गुस्सा आया कि उन्होंने पत्रकार को धमकी दे डाली थी। इस मामले में एक्टर को गिरफ्तार किया गया।

राज कुंद्रा

शिल्पा शेट्टी के पति और एक्टर-बिजनेसमैन राज कुंद्रा को मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने अश्लील फिल्में बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया था। इस खबर ने पूरे बॉलीवुड में खलबली मचा दी थी।

अक्षय कुमार-जॉन अब्राहम

अभिनेता अक्षय कुमार भी जेल जा चुके हैं। साल 2009 के लैक्मे फैशनवीक में रैंप पर चल रहे अक्षय ने वहां मौजूद अपनी पत्नी ट्विंकल को कुछ इशारा किया और ट्विंकल ने उनकी जींस की जिप खोलकर बंद कर दी। इस बात पर आपत्ति जताते हुए एक समाजिक कार्यकर्ता ने अक्षय-ट्विंकल के खिलाफ मामला दर्ज कराया था. हालांकि उन्हें तुरंत बेल मिल गई थी। साल 2006 में एक्टर एक्टर जॉन अब्राहम को 5 दिनों की जेल काटनी पड़ी। जॉन ने दो लोगों को अपनी बाइक से टक्कर मारी थी, जिसके बाद उन पर लापरवाही से गाड़ी चलाने का केस दर्ज किया गया था।

ये सितारे भी हो चुके हैं गिरफ्तार

साल 2001 में एक्टर फरदीन खान को पुलिस ने ड्रग्स मामले में गिरफ्तार कर लिया था। कहा जाता है कि पुलिस ने अभिनेता को कोकीन खरीदने की कोशिश करते हुए देख लिया था, जिसके बाद पुलिस ने अभिनेता को रिहैब सेंटर में भर्ती करा दिया। 11 साल बाद यानी 2012 में न्यायालय ने फरदीन को सशर्त बरी किया था।

इनके अलावा 2002 में अभिनेत्री मोनिका बेदी को नकली दस्तावेजों के साथ पुर्तगाल जाते समय गिरफ्तार कर लिया गया था। एक्टर शाइनी अहूजा पर साल 2009 में उनकी नौकरानी ने रेप का आरोप लगाया था, जिसके बाद उन्हें सात साल की सजा हुई थी। सैफ अली खान को भी एक शख्स की शिकायत पर एक बार गिरफ्तार किया गया था।

पुष्पा 2' से हिट हुई श्रीलीला

फिल्म ' पुष्पा 2' ब्लॉकबस्टर बन चुकी है, जिसने कुछ ही दिनों में बॉक्स ऑफिस पर कमाई के मामले में रिकॉर्ड तोड़ डाले हैं। फिल्म में एक गाने में लटके झटके दिखाकर लोगों को दीवाना बनाने वाली श्रीलीला भी इन दिनों काफी सुर्खियों में है। इस फिल्म में उसके एक गाने ने ऐसी अदाएं दिखाई हैं कि उसकी खूबसूरती का हर कोई मुरीद हो गया है।

दो बच्चों की मां

श्रीलीला का जन्म अमरीका में लेकिन पालन- पोषण बेंगलुरु में हुआ। उसकी मां बेंगलुरु में गायनेकोलॉजिस्ट, जबकि पिता पेशे से एक बिजनैसमैन हैं। श्रीलाला ने बहुत ही कम उम्र में भरतनाट्यम नृत्य सीखना शुरू कर दिया था। 2021 में उसने एम.बी.बी.एस. की पढ़ाई पूरी की और 2022 में श्रीलीला ने दो दिव्यांग बच्चों को गोद लिया।

इस फिल्म से किया था डेब्यू

एम.बी.बी.एस. की पढ़ाई पूरी करने से पहले ही श्रीलीला ने अपने फिल्मी करियर की शुरूआत कर ली थी। उसने 2019 में कन्नड़ फिल्म 'किस' से डेब्यू किया था। खास बात है कि उसे यह फिल्म उसकी एक फोटो वायरल होने की वजह से मिली थी। यह फोटो 2017 की थी जिसमें उसे देखकर निर्देशक ए.पी. यादव ने अपनी फिल्म में उसे लिया था।

पहली फिल्म रही हिट

श्रीलीला अभी तक 10 फिल्मों में काम कर चुकी है। उसकी पहली फिल्म सुपरहिट हो गई थी और तब से ही वह देखते ही देखते सुर्खियों में आ गई। 'किस' के अलावा उसने 'भराते', 'ब्वॉय टू लव', 'जेम्स', 'धमाका' और 'भगवंत केसरी' जैसी फिल्मों में काम किया है। वह साऊथ के कई दिग्गज सितारों के साथ काम कर चुकी है, जिनमें मुरली और रवि तेजा भी शामिल थे।

"वो संजीव और शत्रुघन जितने खराब नहीं थे" शबाना आजमी ने राजेश खन्ना को लेकर कही ये बात

संजीव कुमार, राजेश खन्ना, शत्रुघन सिन्हा, अमिताभ बच्चन और शशि कपूर ये सारे एक्टर्स अपने जमाने के बड़े सितारे हुआ करते थे। उस वक्त पर कहा जाता था कि जो जितना बड़ा स्टार होता था, उतना ही देरी से शूट पर आता था। संजीव कुमार और शत्रुघन सिन्हा जैसे एक्टर्स सेट पर देरी के लिए बदनाम थे। शबाना आजमी, जिन्होंने लगभग इन सभी स्टार्स के साथ काम किया है, उन्होंने बताया कि कैसे वो सेट पर इनका इंतजार किया करती थीं। उन्होंने ये भी बताया कि वहीदा रहमान ने उन्हें इंडस्ट्री में कदम रखने के समय एक सलाह दी थी।

एक इंटरव्यू में शबाना आजमी ने कहा, "हम एक साथ 12 फिल्मों में काम करते थे। मैं संजीव कुमार के साथ 'नमकीन' फिल्म में काम कर रही थी। फिल्म की शूटिंग फिल्म सिटी में हुई और शिफ्ट सुबह 7 बजे शुरू होती थी, लेकिन संजीव कुमार कभी भी 11:30 बजे से पहले नहीं आते थे। मैं अपनी मां से कहती थी, 'मां, कृपया मुझे इतनी जल्दी मत जगाओ, हीरो कभी समय पर नहीं आता।"

मां भी थीं एक्ट्रेस

शबाना ने बताया कि उनकी मां खुद एक्ट्रेस थीं तो समय की बड़ी पक्की थीं। "क्योंकि वो खुद एक एक्ट्रेस थीं और थिएटर बैकग्राउंड से थीं तो उन्होंने मुझे कहा था, 'बेटा, इससे तुम्हारा कोई लेना-देना नहीं है, तुमने अपने प्रोड्यूसर से वादा किया है कि तुम 7 बजे सेट पर होंगी तो तुम्हें ये फॉलो करना चाहिए। भले ही शूट स्टार्ट हो या न हो।"

इन एक्टर्स के कारण होती थी परेशानी

शबाना ने बताया कि उनके को-एक्टर्स की देर से आने की आदत के कारण उनका शेड्यूल बिगड़ जाया करता था। उन्होंने कहा, "संजीव कुमार 11:30 बजे ही आया करते थे और इसके बाद मैंने 4-5 शॉट देकर फिल्मिस्तान भागा करती थी। वहां 2-10 की शिफ्ट होती थी। शत्रुघन सिन्हा उसमें 7 बजे आया गया था। इन लोगों की तुलना में राजेश खन्ना अच्छे थे। वो संजीव और शत्रुघन जितने खराब नहीं थे।"

वहीदा रहमान ने दी थी सलाह

शबाना आजमी ने बताया कि जब वो इंडस्ट्री में नई-नई थीं तब वहीदा रहमान ने उन्हें सलाह दी थी। "मुझे याद है कि पहली चीज जो वहीदा रहमान ने मुझे समझाई थी वो था धैर्य रखना। उन्होंने मुझसे कहा, 'बहुत इंतजार करना होगा और अगर आप उसकी वजह से अपना मूड खराब होने देंगे तो इसका असर आपके काम पर दिखेगा।"

हॉलीवुड से की बॉलीवुड स्टार्स की तुलना

शबान आजमी ने इंडियन सिनेमा हीरो की तुलना हॉलीवुड स्टार्स से की। "यहां तक कि सबसे बड़े स्टार्स भी देर से आने का जोखिम नहीं उठा सकते क्योंकि इससे बाकी सभी का शेड्यूल खराब हो जाएगा। उन्हें जज किया जाएगा। डिसिप्लिन बहुत जरूरी है।"

मुकेश खन्ना को 'पुष्पा 2' एक्टर में दिखी शक्तिमान वाली बात अल्लू अर्जुन को लेकर बोले- वो इस रोल को निभा सकते हैं

एक्टर मुकेश खन्ना जिन्हें लगता है कि 'शक्तिमान' के लिए बॉलीवुड का कोई एक्टर परफेक्ट नहीं है, उन्हें साउथ के हीरो में वो बात नजर आ गई है। इस हफ्ते हर कोई 'पुष्पा 2' को लेकर चर्चा कर रहा है, मुकेश खन्ना ने भी इस फिल्म के हीरो की तारीफ की है। मुकेश खन्ना ने कहा है कि अल्लू अर्जुन में शक्तिमान के किरदार को निभाने वाला टैलेंट है।

मुकेश खन्ना ने अपने भीष्म इंटरनेशनल पर फिल्म के बारे में बात की है। उन्होंने अपने वीडियो का टाइटल लिखा है, "पुष्पा टू मेरा रिव्यू।" इसमें मुकेश ने फिल्म के बारे में कहा, "फिल्म सिर्फ पैसे से नहीं बनती, इसके लिए प्लानिंग की जरूरत होती। 'पुष्पा 2' पर लगा एक-एक पैसा स्क्रीन पर दिख रहा है।"

मुकेश खन्ना ने फिल्म के ओपनिंग सीन की तारीफ की है। अल्लू अर्जुन की परफॉर्मेंस की तारीफ करते हुए मुकेश ने उन्हें 10 में से 8-9 रेटिंग दी है। उन्होंने बताया कि फिल्म का पहला पार्ट उन्होंने नहीं देखा है। "मुझे लगता है कि मुझे अल्लू अर्जुन की और फिल्में देखनी चाहिए, इसके अलावा, मैं ये कहना चाहता हूं कि उसके अंदर शक्तिमान बनने की क्षमता है। मैं यह नहीं कह रहा कि वह ऐसा करने वाला है। मैं बस यह सुझाव दे रहा हूं कि यह उस पर अच्छा लगेगा। पर्सनालिटी ऐसी है।"

बॉलीवुड पर किया कटाक्ष

अल्लू अर्जुन की तारीफ करने के साथ-साथ मुकेश खन्ना ने बॉलीवुड पर भी कटाक्ष किया। मुकेश ने हिंदी फिल्ममेकर्स को सलाह दी कि वो साउथ सिनेमा से कुछ सीखें। फिल्म के बारे में मुकेश ने कुछ नेगेटिव नहीं कहा। उन्होंने कहा, "चाहे किसी सीरियल की टीआरपी हो या किसी फिल्म का बॉक्स-ऑफिस नंबर, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता अगर इस कमाई का जरिया सही नहीं है। आपने पहचान और पैसा कैसे कमाया, यह मायने रखता है।"

मुकेश ने आगे कहा, "उस सीन को देखें

जहां किरदार अपनी प्रार्थना करने के लिए एक विदेशी आइलैंड पर एक शिवलिंग बनाते हैं। वे धर्म का सम्मान करते हैं। आज का बॉलीवुड कंटेंट से नहीं बल्कि विवादों से पैसा कमाना चाहता है।" बता दें कि 'पुष्पा 2' ने बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई कर ली है। फिल्म ने पहले हफ्ते में भारत में 726.25 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। फिल्म ने केवल हिंदी बेल्ट में ही 400 करोड़ का बिजनेस कर लिया है और इसी के साथ शाहरुख खान, सलमान खान और आमिर खान की फिल्मों के भी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।

कभी 'मां' नहीं बन सकती : शर्लिन चोपड़ा

शर्लिन चोपड़ा फिल्मों में आने से पहले मॉडलिंग करती थी। वह अपने एक न्यूड फोटोशूट को लेकर सुर्खियों में आई थी और अब भी अक्सर चर्चा बटोरती है। उसने एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया है कि डॉक्टर ने उसे कभी मां न बनने की सलाह दी है। शर्लिन ने कहा, मेरे गुर्दों में कोई आम समस्या नहीं है। यह एस.एल.ई. किडनी फेलियर है। एस.एल.ई. एक ऑटोइम्यून विकार है। आपने ऑटोइम्यून विकारों के बारे में सुना होगा। यह उस तरह की स्वास्थ्य समस्या है। डॉक्टरों ने मुझे कहा है कि कभी गर्भवती होने के बारे में सोचना भी नहीं चाहिए क्योंकि यह मेरे और बच्चे दोनों के लिए जानलेवा हो सकता है। मेरे डॉक्टर ने मुझसे कहा कि इस स्वास्थ्य विकार को नियंत्रण में रखने के लिए मुझे जीवन भर दवा लेनी होगी। मैं इसे दिन में तीन बार लेती हूं- सुबह, दोपहर और शाम।

शर्लिन ने मां बनने की इच्छा जताई और बताया कि वह अपनी इच्छा पूरी करने के लिए भारत में उपलब्ध विकल्प तलाशना चाहेगी। वह 3-4 बच्चों की मां बनना चाहती है। उसने कहा, मुझे लगता है कि मैं एक मां बनने के लिए ही पैदा हुई हूं क्योंकि जब भी मैं बच्चों के बारे में सोचती हूं तो मुझे एक अलग ही खुशी महसूस होती है। बच्चों के आने से पहले ही मैं बहुत खुश हूं। जरा सोचिए कि उनके आने के बाद मैं कितनी खुश होऊंगी। हालांकि, मैं काम करना जारी रखूंगी। उन्हें अपने साथ लेकर चलूंगी। शुरू में एक नैनी रखूंगी, जो उनकी देखभाल करेगी।

दुनिया के टॉप-25 अमीर परिवारों की लिस्ट जारी

वॉलमार्ट चलाने वाला वॉल्टन परिवार सबसे ऊपर, भारत की अंबानी फैमिली 8वें नंबर पर

मुंबई,14 दिसंबर (एजेंसियां)। ब्लूमबर्ग ने दुनिया के 25 सबसे अमीर परिवार की लिस्ट जारी की। इनकी संपत्ति इस साल 34.5 लाख करोड़ रुपए बढ़ी है। कंज्यूमर रिटेल कंपनी वॉलमार्ट चलाने वाला वॉल्टन परिवार लिस्ट में सबसे ऊपर है। ये बीते साल दूसरे नंबर पर रहा था। इस परिवार की कुल नेटवर्थ 36.7 लाख करोड़ रही। यह बीते साल से 14.6 लाख करोड़ रुपए अधिक है। लिस्ट में दूसरे और तीसरे नंबर पर यूएई और कतर के शाही परिवार हैं। 8.45 लाख करोड़ की नेटवर्थ वाला अंबानी परिवार 8वें पायदान पर हैं। 3.5 लाख करोड़ की नेटवर्थ के साथ भारत का ही का मिस्त्री परिवार 23वें नंबर पर रहा। यह परिवार शापोरजी पलोनजी ग्रुप का मालिक है। दुनिया के टॉप-25 सबसे अमीर परिवारों की कुल संपत्ति 211 लाख करोड़ रुपए है।70% से ज्यादा परिवार बीते कई वर्षों से

इस सूची के टॉप-25 परिवारों में शामिल हैं। सितंबर में बार्कलेज-हुरून इंडिया की मोस्ट वैल्यूएबल फैमिली बिजनेस 2024 की लिस्ट जारी हुई थी। इसके मुताबिक अंबानी फैमिली की वैल्यूएशन 25.75 ट्रिलियन है, ये भारत की जीडीपी का लगभग 10% है।बार्कलेज-हुरून इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, रिलायंस इंडस्ट्रीज की लीडरशिप में फैमिली का बिजनेस एम्पायर एनर्जी, रिटेल और टेलिकॉम सेक्टर्स का ऑपरेशन करता है।

बार्कलेज-हुरून इंडिया की यह रैंकिंग 20 मार्च 2024 तक कंपनी की वैल्यूएशन पर बेस्ड है।इस वैल्यूएशन में प्राइवेट इन्वेस्टमेंट और लिक्विड एसेट्स को शामिल नहीं किया गया है। अंबानी की वेल्थ की वैल्यू में रिलायंस, जियो प्लेटफॉर्म, रिलायंस रिटेल और ग्रुप की अन्य कंपनियों की हिस्सेदारी शामिल है।

प्रमुख परिवारों का व्यापार

वॉल्टन परिवारः 1950 में सैम वॉल्टन ने अमेरिका में फाइव एंड डाइम स्टोर से शुरुआत की। अब दुनिया भर में 10,600 स्टोर्स हैं। वॉलमार्ट में 46% हिस्सेदारी है।

फ्रांस का हर्मेस परिवारः दुनिया का चौथा अमीर परिवार। यह फ्रांस की लग्जरी फैशन कंपनी है। 1837 में थिएरी हर्मेस ने घोड़े की लगाम बनाने से बिजनेस शुरू किया था।

मार्स परिवारः पोलियो से ग्रस्त फ्रैंक मार्स ने 1902 में कैंडी का बिजनेस शुरू किया। यह मिल्की वे, स्निकर्स बार के लिए जानी जाती है। अब दुनिया के 7वें अमीर परिवार का फोकस पेट प्रोडक्ट्स पर है।

अंबानी परिवारः धीरूभाई अंबानी ने 1955 में रिलायंस कॉमर्शियल कॉर्पोरेशन कंपनी बनाई। पश्चिमी देशों में मसाले एक्सपोर्ट का बिजनेस शुरू किया था। आज रियालंय टेलीकॉम, पेट्रोलियम, रिटेल सहित दूसरे व्यापार में है।

इस्तांबुल से यात्रियों को वापस लाने के लिए विमान भेजेगी इंडिगो एयरलाइन ने दिया ये अपडेट

नई दिल्ली,14 दिसंबर (एजेंसियां)। विमानन कंपनी इंडिगो तुर्किये की राजधानी में फंसे अपने यात्रियों को वापस लाने के लिए दो विमान इस्तांबुल भेज रही है। शुक्रवार को तकनीकी खराबी के कारण इस्तांबुल से दिल्ली आने वाली उड़ान रद्द कर दी गई थी।गुरुवार को इंडिगो के सैकड़ों यात्री इस्तांबुल हवाई अड्डे पर फंस गए, क्योंकि दिल्ली और मुंबई जाने वाली उनकी उड़ानें देरी से चल रही थीं। वे 24 घंटे से ज्यादा समय तक फंसे रहे और कई लोगों ने सोशल मीडिया पर देरी और सुविधाओं में कमी की शिकायत की। इन दोनों मार्ग पर एयरलाइन की निर्धारित उड़ानों पर इसका व्यापक असर पड़ा। इंडिगो ने शुक्रवार शाम को कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं कि ग्राहकों को सूचित किया जाए और जहां संभव हो, उन्हें जलपान और रहने की सुविधा प्रदान की जाए। शनिवार को इंडिगो ने कहा कि इस्तांबुल से दिल्ली के लिए संचालित होने वाली उसकी उड़ान 6ई 12 को शुक्रवार को तकनीकी समस्या के कारण रद्द कर दिया गया था। एयरलाइन किराए पर लिए गए बोइंग 777 विमानों के साथ इस्तांबुल के लिए दो दैनिक उड़ानें संचालित करती है। इनमें एक उड़ान दिल्ली से और दूसरी मुंबई से है। एयरलाइन ने शनिवार को एक बयान में कहा, "यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक विमानों की व्यवस्था की गई है। हमें यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद है और इस मामले में उनकी समझदारी की सराहना करते हैं।" मामले से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि एयरलाइन यात्रियों को वहां से लाने के लिए दो ए321 विमान इस्तांबुल भेजेगी। शुक्रवार को रद्द की गई उड़ान में कितने यात्रियों ने टिकट बुक किए थे, इसकी जानकारी अभी नहीं मिल पाई है।

नितिन गडकरी ने उन चार भारतीय राज्यों के नाम बताए, जहां होती हैं सबसे ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं

नई दिल्ली,14 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने हाल ही में भारत के उन शीर्ष 4 राज्यों का खुलासा किया है, जहां सड़क दुर्घटनाएं सबसे ज्यादा होती हैं। शुक्रवार को संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान बोलते हुए गडकरी ने कहा कि हर साल सड़क दुर्घटनाओं में 1,78,000 लोगों की जान जाती है और इनमें से 60 प्रतिशत पीड़ित 18-34 वर्ष की आयु वर्ग के होते हैं।मंत्री ने इस बात पर रोशनी डाली कि अपने कार्यकाल की शुरुआत में उन्होंने कहा था कि 2024 के आखिर तक दुर्घटनाओं और मौतों में 50 प्रतिशत की कमी आएगी। गडकरी ने कहा, ₹दुर्घटनाओं की संख्या में कमी की बात तो भूल ही जाइए, मुझे यह स्वीकार करने में कोई झिझक नहीं है कि इसमें बढ़ोतरी हुई है। यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां हमारे विभाग को कामयाबी नहीं मिली है। गडकरी ने सबसे अधिक सड़क दुर्घटनाओं वाले शीर्ष भारतीय राज्यों का खुलासा किया:

उत्तर प्रदेशः 23,652
तमिलनाडुः 18,347
महाराष्ट्रः 15,366
मध्य प्रदेशः 13,798

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने बताया कि दिल्ली सबसे बुरी तरह प्रभावित शहर है, जहां 1,457 से अधिक मौतें हुई हैं। इसके बाद बंगलूरू में 915 मौतें और जयपुर में 850 मौतें

हुई हैं। गडकरी ने इस बात पर असंतोष जताया कि सड़क दुर्घटनाओं में इतने सारे लोगों की मौत के बावजूद कानून का कोई डर नहीं है। प्रश्नकाल के दौरान उन्होंने इस अजीबोगरीब स्थिति का वर्णन करते हुए कहा, कुछ लोग हेलमेट नहीं पहनते, कुछ लोग रेड सिग्नल का उल्लंघन करते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सड़क पर ट्रकों को खड़ा करना दुर्घटनाओं का एक प्रमुख कारण है और कई ट्रक लेन अनुशासन का पालन नहीं करते हैं। उन्होंने अधिकारियों को भारत में बस बॉडी बनाने में अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन करने का भी आदेश दिया है।

उन्होंने कहा कि बस की खिड़की के पास एक हथौड़ा होना चाहिए। ताकि दुर्घटना की स्थिति में उसे आसानी से तोड़ा जा सके।उन्होंने आगे कहा कि जब भी वह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने जाते हैं। तो उन्हें भारत में सड़क सुरक्षा प्रणाली के बारे में बात करने में शर्मिंदगी महसूस होती है।

अरबपति टैक्स लगाना भारत के लिए आत्मघाती, बर्बाद हो जाएगी इकोनॉमी - सीईए

नई दिल्ली,14 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने चेतावनी दी है कि अगर देश में अरबपति टैक्स लागू करने की कोशिश की गई तो भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए यह आत्मघाती कदम होगा।क्योंकि इससे पूंजी भारत से बाहर निकलकर दूसरे देशों में चली जाएगी।देश में हो रहे निवेश पर भी इसकी मार पड़ेगी और आखिरकार भारत की इकोनॉमी बर्बाद हो जाएगी।

एक समारोह में बोलते हुए उन्होंने कहा कि अरबपतियों पर टैक्स लगाकर गरीबी दूर करने या आर्थिक समानता लाने के बारे में सोचने का तरीका ठीक नहीं है।उन्होंने कहा कि भारत ने बड़ी आबादी को गरीबी रेखा से ऊपर लाने में सफलता हासिल की है।

परिणामों की समानता की जगह अवसर की समानता जरूरी

भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा कि हमें आर्थिक मामलों या गरीबी को देखने के लिए परिणामों की समानता की जगह अवसर की समानता के बारे में बात करनी चाहिए।इससे बड़ी आबादी के लिए संभावनाओं के द्वार खुलते हैं।शिक्षा, कौशल, विकास, प्रयास और व्यक्तिगत दृष्टिकोण के विकास से अवसरों की यह समानता अर्जित की जा सकती है।देश में पूंजी रहने पर ही ये अवसर लोगों को मिल सकते हैं, लेकिन अगर

मुख्य आर्थिक सलाहकार की दो टूक

पूंजी बाहर चली गई तो इसे वापस लाना बहुत ही कठिन होगा।उन्होंने कहा कि पूंजी पर कम टैक्स लगाने से वे निवेश के लिए प्रेरित नहीं हो सकते हैं।वहीं अगर पूंजी पर अधिक टैक्स लगा दिया तो पूंजी भी बाहर जा सकती है और पूंजीपति भी बाहर जा सकते हैं.

रेगुलेशन से समानता लाने की कोशिश में गरीब पिसेंगे

वी अनंत नागेश्वरन ने कहा कि रेगुलेशन के माध्यम से अगर समानता लाने की कोशिश की गई तो इसकी मार गरीबों पर ज्यादा पड़ेगी।क्योंकि पहले भी ऐसा हो चुका है।छोटे कारोबारियों और दुकानदारों को इसका ज्यादा नुकसान होता है।उन्होंने कहा कि देश की टॉप-20 कंपनियों और बाकी कंपनियों के बीच का अंतर कम हो रहा है।अति धनवानों पर कर लगाने पर जोर देने के लिए उन्होंने अर्थशास्त्री थॉमस पिकेटी को भी आड़े हाथों लिया।

सोना महंगा हुआ, चांदी में रही गिरावट

सोना 735 रुपए बढ़कर 76,922 रुपए पर पहुंचा, चांदी 88,976 रुपए प्रति किलो बिक रही

नई दिल्ली,14 दिसंबर (एजेंसियां)। इस हफ्ते सोने के दामों में बढ़त देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार पिछले शनिवार यानी 7 दिसंबर को सोना 76,187 रुपए पर था, जो अब (14 दिसंबर) को 76,922 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 735 रुपए बढ़ी है। वहीं, चांदी की कीमत में इस हफ्ते गिरावट रही है। ये पिछले शनिवार को ये 90,820 रुपए पर थी, जो अब 88,976 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। इस तरह इस हफ्ते इसकी कीमत 1,844 रुपए घटी है। वहीं 23 अक्टूबर को चांदी ने 99,151 रुपए और 30 अक्टूबर को सोने ने 79,681 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,550 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,040 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,400 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,890 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 71,400 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 77,890 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,400 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,890 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,450 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,940 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 78,870 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 72,300 रुपये है।

अटल पेंशन योजना के ग्राहकों की संख्या 7 करोड़ के पार

नई दिल्ली,14 दिसंबर (एजेंसियां)। वित्त मंत्रालय ने हाल ही में अटल पेंशन योजना के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि की जानकारी दी। मंत्रालय के अनुसार, 2 दिसंबर, 2024 तक 7.15 करोड़ से अधिक ग्राहक इस योजना के तहत नामांकित हो चुके हैं। कार्यक्रम की सफलता पर प्रकाश डालते हुए, मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट किया, अटल पेंशन योजना सात करोड़ से अधिक ग्राहकों के साथ, अपने लाभार्थियों के लिए सेवानिवृत्ति के बाद मन की शांति सुनिश्चित करते हुए गारंटीकृत पेंशन लाभ के साथ सुरक्षित सेवानिवृत्ति प्रदान करता है। अटल पेंशन योजना भारत की कामकाजी आबादी को सेवानिवृत्ति के बाद के वर्षों में वित्तीय सुरक्षा प्रदान करती है। अटल पेंशन योजना, 60 वर्ष की आयु से 1,000 रुपये से लेकर 5,000 रुपये तक की न्यूनतम मासिक पेंशन की गारंटी देती है। पेंशन की राशि ग्राहकों की ओर से किए गए योगदान पर निर्भर करती है। इस योजना में महिलाओं की महत्वपूर्ण भागीदारी देखी गई है, जो कुल ग्राहकों का लगभग 47 प्रतिशत है। एपीवाई की एक खास विशेषता इसकी व्यापक पेंशन संरचना है। ग्राहक की मृत्यु के बाद, पति या पत्नी को वही पेंशन मिलती रहती है।

ग्राहक और पति या पत्नी दोनों की मृत्यु के बाद, 60 वर्ष की आयु तक जमा पेंशन राशि नामांकित व्यक्ति को वापस कर दी जाती है, जिससे परिवार के लिए दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित होती है।ग्राहक मासिक, त्रैमासिक या अर्ध-वार्षिक आधार पर योगदान कर सकते हैं, जिससे उन्हें अपने वित्त का प्रबंधन करने में लचीलापन मिलता है। एपीवाई बढ़ती दीर्घायु, एकल परिवारों और बढ़ती जीवन लागत के युग में महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करता है।

पहले अंबानी, अब अडानी... इस सेक्टर के लिए मची नई कंपनी बनाने की होड़, क्या है इनका प्लान?

नई दिल्ली,14 दिसंबर (एजेंसियां)। इस समय एक सेक्टर देश में काफी तेजी से बढ़ रहा है। बड़ी-बड़ी कंपनियां इसमें भारी भरकम निवेश कर रही हैं। यह सेक्टर रिन्यूएबल एनर्जी का है। मुकेश अंबानी, अनिल अंबानी, गौतम अडानी समेत देश के कई बड़े उद्योगपति इस सेक्टर में आगे निकलने की होड़ में हैं। शायद यही कारण है कि ये बड़ी-बड़ी कंपनियां नई कंपनी बनाकर इस सेक्टर में एंट्री ले रही हैं। इस सेक्टर में तेजी से कदम बढ़ाने के लिए अब गौतम अडानी ने भी नई कंपनी बनाई है। अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी ग्रीन एनर्जी इसके लिए आगे आई है। अडानी ग्रीन एनर्जी ने रिन्यूएबल एनर्जी के कारोबार के लिए एक सब्सिडियरी कंपनी बनाई है। कंपनी ने यह जानकारी शेयर मार्केट को दी

फाइलिंग में दी।

क्या है कंपनी का नाम?

फाइलिंग के अनुसार अडानी रिन्यूएबल एनर्जी होल्डिंग नाइन लिमिटेड ने एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बनाई है। यह कंपनी रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में काम करेगी। अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने शेयर मार्केट को दी जानकारी में कहा कि उसकी पूर्ण सब्सिडियरी कंपनी अडानी रिन्यूएबल एनर्जी होल्डिंग नाइन ने शुक्रवार को अडानी ग्रीन एनर्जी सिक्सटी नाइन लिमिटेड (एजीई69एल) का गठन किया।

क्या होगा कंपनी का काम?

फाइलिंग में कहा गया है कि एजीई69एल का मुख्य उद्देश्य किसी भी प्रकार की बिजली या इलेक्ट्रिक एनर्जी का उत्पादन, विकास, ट्रांसफॉर्मेशन, डिस्ट्रीब्यूशन, ट्रांसमिशन, सेल और सप्लाई करना है। इसके लिए पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा या ऊर्जा के अन्य नवीकरणीय स्रोतों का इस्तेमाल किया जाएगा।

अनिल अंबानी ने भी बनाई है कंपनी

रिन्यूएबल एनर्जी के लिए अनिल अंबानी ने भी हाल में नई कंपनी बनाई है। उन्होंने रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में कारोबार के लिए रिलायंस एनयू एनर्जीज प्राइवेट लिमिटेड नाम से कंपनी की स्थापना की है। यह कंपनी रिलायंस पावर की सब्सिडियरी कंपनी है। इस कंपनी की स्थापना के अगले ही दिन इसे एसईसीआई से 930 मेगावाट सोलर एनर्जी कॉन्ट्रैक्ट हासिल किया है। यह भारत में सोलर और बैटरी स्टोरेज सिस्टम की सबसे बड़ी परियोजना है।रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर देश में तेजी से बढ़ रहा है। सरकार भी इसमें काफी रुचि दिखा रही है। वहीं सरकार का लक्ष्य साल 2070 तक कार्बन जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है। इसी के लिए सरकार इस सेक्टर में भारी भरकर निवेश कर रही है। साथ ही कंपनियों को इस सेक्टर में आने वाले के लिए कई तरह के प्रोत्साहन भी दे रही है।

'2जी सेवाओं जैसा आवंटन नहीं'; उपग्रह स्पेक्ट्रम की नीलामी पर केंद्रीय मंत्री का बड़ा बयान

नई दिल्ली,14 दिसंबर (एजेंसियां)। दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने उपग्रह संचार सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम का आवंटन को लेकर अहम जानकारी साझा की है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि, उपग्रह संचार सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम का आवंटन 2जी सेवाओं की तरह 'पहले आओ, पहले पाओ' की तर्ज पर नहीं किया जाएगा। दूरसंचार मंत्री ने भारत आर्थिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि वैज्ञानिक बाधाओं के कारण उपग्रह सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम की नीलामी करना संभव नहीं है। उन्होंने कहा, दुनिया में ऐसा कोई देश नहीं है जो उपग्रह स्पेक्ट्रम की नीलामी करता हो क्योंकि इसकी नीलामी करना भौतिक रूप से असंभव है। अगर आप आर्थिक तर्क लाते हैं तो फिर आप इसे प्रशासनिक रूप से कैसे आवंटित करेंगे? सिंधिया ने साफ तौर पर कहा कि, मूल्य निर्धारण 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर नहीं होने जा रहा है। ऐसा कुछ नहीं होने वाला है। इसका निर्णय दूरसंचार विनियामक ट्राई करेगा। प्राधिकरण आवंटन की कीमत तय करेगा और उसके आधार पर लाइसेंस पाने वाले हरेक व्यक्ति को स्पेक्ट्रम आवंटित किया जाएगा। सिंधिया ने कहा कि स्पेक्ट्रम आवंटन से जुड़ा हुआ एक वैज्ञानिक तर्क है और एक आर्थिक तर्क है। आप किसी ऐसी चीज की नीलामी कैसे कर सकते हैं जो साझा की गई हो? आप केवल उसी चीज की नीलामी कर सकते हैं जो किसी व्यक्ति विशेष के पास हो। दुनिया भर में हर एक देश इसके भौतिकी सिद्धांतों की वजह से उपग्रह स्पेक्ट्रम को हमेशा प्रशासनिक रूप से आवंटित करता है। आपको बता दें कि, परंपरागत दूरसंचार सेवाएं

मुहैया करा रही कंपनियों ने उपग्रह स्पेक्ट्रम का आवंटन नीलामी के बगैर प्रशासनिक स्तर पर ही किए जाने के प्रस्ताव का विरोध किया है। हालांकि सरकार की ओर से इस नीलामी को लेकर खंडन किया गया है।

इस वजह से हुए 4जी सेवाओं को शुरू करने में देरी

दूरसंचार मंत्री ने घाटे में चल रही सरकारी दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल के बारे में कहा कि यह कंपनी 2021 से परिचालन लाभ कमा रही है और उसका राजस्व भी लगभग 12 प्रतिशत बढ़कर 21,000 करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने कहा कि बीएसएनएल ने स्वदेशी रूप से विकसित प्रौद्योगिकी पर आधारित नेटवर्क शुरू करने का विकल्प चुना था। जिसकी वजह से उसे 4जी सेवाओं की पेश करने में थोड़ी देर हुई है। सिंधिया ने कहा, हमने करीब 62,000 टावर अब तक स्थापित कर दिए हैं। भारत दुनिया का महज पांचवां देश है जिसके पास अपना 4जी हार्डवेयर और अपना 4जी ढांचा है। अगले साल मई-जून तक एक लाख टावर लगाए जा चुके होंगे। उन्होंने कहा कि जून 2025 तक देश के हर कोने में दूरसंचार कनेक्टिविटी उपलब्ध हो जाएगी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	धनु	मे
चंद्र-	वृष	मे
मंगल	कर्क	मे
बुध-	वृश्चिक	मे
गुरु-	वृष	मे
शुक्र-	मकर	मे
शनि-	कुंभ	मे
राहु-	मीन	मे
केतु-	कन्या	मे

लग्नारंभ समय		
धनु----	04-31	बजे
मकर...	06-45	बजे
कुंभ -	08-52	बजे
मीन-	10-42	बजे
मेष---	12-23	बजे
वृष---	13-56	बजे
मिथुन	15-40	बजे
कर्क...	17-41	बजे
सिंह---	19-53	बजे
कन्या---	22-05	बजे
तुला----	00-12	बजे
वृश्चिक...	02-18	बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत -2051, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
सूर्योदय - 06-42
सूर्यास्त. -17-40
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125
दिशाशूल -- पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- पूर्णिमा . 14-31 तक उपरान्त पूर्णिमा
मास - मार्गशीर्ष शुक्ल , रविवार 15 December
नक्षत्र - मृगशिरा 02-19 तक उपरान्त आर्द्रा
योग - शुभ 02-03 तक उप शुक्ल
करण- बव 14-31 तक उप बालव
विशेष:- पूर्णिमा पुण्य मलमास प्रा.
व्रत -त्योहार - धनु संक्रांति 22-11 से प्रा.

विशेषः- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 16:20 से 17:43 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उत्पात	06:42 - 08:03	अशुभ	शुभ.	17:40 - 19:20	शुभ
चंचल	08:03 - 09:26	शुभ	अमृत	19:20 - 20:57	शुभ
लाभ	09:26 - 10:49	शुभ	चंचल	20:57 - 22:35	शुभ
अमृत	10:49 - 12:11	शुभ	रोग.	22:35 - 00:12	अशुभ
काल.	12:11 - 13:34	अशुभ	काल.	00:12 - 01:49	अशुभ
शुभ.	13:34 - 14:57	शुभ	लाभ.	01:49 - 03:26	शुभ
रोग.	14:57 - 16:20	अशुभ	उत्पात	03:26 - 05:03	अशुभ
उत्पात	16:20 - 17:40	अशुभ	शुभ.	05:03 - 30:42	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
कुछ परिवर्तन आपके कार्यस्थल में होने की संभावना है। वे पहली बार में हतोत्साहित लग सकते है, लेकिन जल्द ही वे आप के लिए नए अवसर को खोलेंगे , लेकिन इस अवसर का लाभ उठाने के लिए आपको साहस और विश्वास की छलांग लगाने की आवश्यकता पड़ेगी । ये उद्यम आपको जोखिम भरा लग सकता है, लेकिन जो आप करोगे , उसमे आनंद आएगा और जल्द ही इस में सफल होने की उम्मीद भी रहेगी ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
यह समय अपने कार्य क्षेत्र को दिशा या बदलाव देने का उचित समय है । कुछ समय से आप अस्थिरता को महसूस कर रहे है । नए और जोश भर देने वाले अवसर आज आपके सामने आ सकते है और आपको आशावादी रहकर उन्हें पकड़ना है । यह आपके कार्य क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में मदद करेगा और आगे जाकर आपकी कार्य क्षेत्र संबंधित समस्याओं का निराकरण करने में मदद करेगा।

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,
जिन परियोजनाओं पर आप लम्बे समय से लग्न के साथ कार्य कर रहे थे , इस मोड़ पर आप उन्हें सार्वजनिक कर सकते है, और इस तरह से आप अपनी शैली में मंच पर आगे की और शान से रुख कर सकते है । आपके काम की विशिष्टता आपको सम्मान दिलाएगी जब यह सबके सामने आएगी , हालांकि गोपनीयता बना कर रखना समय की मांग है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
अपने हाल फिलहाल इसलिए धन खोया क्यों की आपने अविवेकपूर्ण तरीके से जल्दी पैसे देने वाली मृगतृष्णाओ वाली परियोजनाओं में पैसे लगाया । इस तरह की और परियोजनाओं आपके समक्ष आएगी लेकिन आपको अपने विवेक का इस्तेमाल करना है अन्यथा आप वित्तीय परेशानी में फँस सकते है ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज का दिन काफी मुश्किलो से भरा रह सकता है और आपको सख्त नियमो का पालन करते हुए काफी कठिन परिश्रम करना पड़ेगा , लेकिन यह आपके भविष्य की योजनाओं के लिए एक ठोस आधार बनाने में मदद करेगा । आज का परिश्रम आपको भविष्य में फल देगा । हो सकता है की आप अपने सहयोगी की जिम्मेदारी भी ले ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज आप पेशेवर आत्मविश्वास से भर जायेंगे । आप अपनी कार्य सम्भंधि चिन्ताओ को सशक्त तरीके से आगे रखेंगे एवं कोई भी मुश्किल आपको बड़ी नहीं लगेगी । कुछ सूक्ष्म संकट कार्यस्थल पर आ सकते है , परन्तु आप उन संकटो से आसानी से आत्मविश्वास के साथ बाहर आयेंगे । आज आपके सहकर्मी आपकी क्षमता से प्रभावित होंगे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आप अपने कार्यो को करते हुए धैर्य रखते है , पर आज आप में अधिकार की भावना रहेगी । आपको ये एहसास करने की जरूरत है की चीजे अपनी गति से आगे चलेंगी और ज्यादा पाने की चाह आपको पीछे की और धकेल सकती है । आपमें हमेशा धैर्य की भावना रही है और हमेशा से निर्धारित मार्ग की तरफ आप अग्रसर रहे है।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज आपको लगेगा की कुछ चीजों पर आपका नियंत्रण नहीं हैं और उनकी वजह से आप अपना सर्वश्रेष्ट प्रदर्शन नहीं कर पा रहे है । लेकिन विश्वास रखे । आप ईमानदार और मेहनती है। यहां तक की आपके मालिक आपकी बाधा और परेशानी को समझते हैं, इसलिए आप ईमानदार रहे और हमेशा की तरह काम करते रहे ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
एक दोस्त या एक गाइड के माध्यम से छात्रों को एक नया करियर विकल्प मिल सकता है और आप अपने करियर के रूप में इसे चुन सकते हैं पर आपको एक गहन अनुसंधान की सलाह दी जाती है। आज पेशेवरो में नयी उर्जा का संचार हो सकता है । यह किसी भी परियोजना को शुरू करने के लिए एक अच्छा दिन है।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज आप अपने आप पर संदेह कर सकते है और अपनी खुद की क्षमता को नजरअंदाज कर सकते हैं। यह सब आपके असुरक्षित व्यवहार की वजह से है जिसे आपको नियंत्रित करना होगा । एक गहरे स्तर पर दूसरों के साथ संदेशो का आदान प्रदान करने का प्रयास करें। इससे न केवल आप उन लोगों के साथ बेहतर सम्बन्ध बना सकोगे।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आप एक किसी ऐसे व्यक्ति से मिलेंगे जो आपको एक आकर्षक कैरियर के अवसर प्रदान करेगा । हालांकि,इसे स्वीकार करने से पहले परिणाम के बारे में लम्बा और कठिन सोचने की जरूरत है क्योंकि सब चमकती हुई चीज़ सोना नहीं होती । ये आप के आस पास के लोगों को प्रभावित करेगा लेकिन ये दिन इस तरह के एक महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए उतना अच्छा नहीं है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज का दिन आपके लिए काफी हद तक उत्तम रहेगा । कुछ मुश्किल कार्य जो की आपने समय पर छोड़ दिए थे उन्हें पूरा करने का भी ये उचित समय है । आज के दिन आप अपने सारे रुके हुए कार्य अपनी उम्मीद से ज्यादा पूरा कर पायेंगे और सारा काम का भोज आज खत्म हो सकता है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

क्या 2029 से देश में होगा वन इलेक्शन

विपक्ष क्यों बता रहा साजिश, आखिर क्या फायदे और खामियां हैं

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। आजाद भारत का पहला चुनाव 1951-52 में हुआ। उस वक्त लोकसभा और राज्यों की विधानसभा के चुनाव एक साथ होते थे। 1957, 1962 और 1967 तक ये परंपरा जारी रही। 1969 में बिहार के मुख्यमंत्री भोला पासवान शास्त्री की सरकार दलबदल के चलते अल्पमत में आ गई और विधानसभा भंग हो गई। 1970 में इंदिरा गांधी ने लोकसभा चुनाव भी 11 महीने पहले करा लिए। इससे केंद्र राज्य के चुनाव आगे-पीछे हो गए।

अब 2029 में ये परंपरा फिर से शुरू हो सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मोदी कैबिनेट ने एक देश-एक चुनाव लागू करने के विधेयक को मंजूरी दे दी है। तमाम विपक्षी नेताओं ने इस सवाल उठाए हैं। मोदी सरकार वन इलेक्शन क्यों चाहती है, क्या विपक्षी दल इसे रोक पाएंगे, फायदा और खामियां क्या हैं, इसी की पडताल करती रिपोर्ट।

'वन नेशन वन इलेक्शन' क्या है?

भारत में फिलहाल राज्यों के विधानसभा और देश के लोकसभा चुनाव अलग-अलग समय पर होते हैं। वन नेशन वन इलेक्शन का मतलब है कि पूरे देश में एक साथ ही लोकसभा, विधानसभाओं और निकाय के चुनाव हों। यानी मतदाता लोकसभा और राज्य के विधानसभाओं के सदस्यों को चुनने के लिए एक ही दिन, एक ही समय पर या चरणबद्ध तरीके से अपना वोट डालेंगे। एक ही दिन स्थानीय निकाय के चुनाव भी आयोजित किए जाएं। 2014 में मोदी सरकार आने के बाद वन इलेक्शन पर चर्चा शुरू हो गई थी। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के पैनल ने कुछ सुझाव दिए थे, जो इस प्रकार थे।

सभी राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल अगले लोकसभा चुनाव यानी 2029 तक बढ़ाया जाए। हंग असेंबली (किसी को बहुमत नहीं), नो कॉन्फिडेंस मोशन होने पर बाकी 5 साल के कार्यकाल के लिए नए सिरे से चुनाव कराए जा सकते हैं। पहले फेज में लोकसभा-विधानसभा चुनाव एक साथ कराए जा सकते हैं, उसके बाद दूसरे फेज में 100 दिनों के भीतर लोकल बॉडी के इलेक्शन कराए जा सकते हैं। चुनाव आयोग लोकसभा, विधानसभा, स्थानीय निकाय चुनावों के लिए राज्य चुनाव अधिकारियों के परामर्श से सिंगल वोटर लिस्ट और वोटर आईडी कार्ड तैयार करेगा। कोविंद पैनल ने एक साथ चुनाव कराने के लिए उपकरणों, जनशक्ति और सुरक्षा बलों की एडवांस प्लानिंग की सिफारिश की है।

अब आगे क्या होगा?

केंद्र सरकार अगले हफ्ते बिल को संसद में पेश कर सकती है। सरकार इस बिल पर आम सहमति बनाना चाहती है। संसद से बिल को चर्चा के लिए जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी यानी जेपीसी के पास भेजा जाएगा। जेपीसी इस बिल पर सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करेगी।

भारत की संसद में दो सदन होते हैं- लोकसभा और राज्यसभा। दोनों सदनों का मुख्य काम विधान या कानून बनाना है। इसके लिए पहले विधेयक सदन में पेश किया जाता है। फिर इस पर चर्चा होती है, उसके बाद सभी की सहमति या वोटिंग कराकर इसे पारित कर दिया जाता है। राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद ये कानून बन जाता है। एक साथ चुनाव के लिए संविधान के कई प्रावधानों में संशोधन की जरूरत होगी, इसलिए वन नेशन वन इलेक्शन बिल को 'संविधान संशोधन विधेयक' के तौर पर पेश किया जाएगा। यह दोनों सदनों में उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के दो-तिहाई बहुमत से पारित किया जाना चाहिए। अगर बाकी राज्यों से सहमति लेने की जरूरत हुई तो ज्यादातर नॉन बीजेपी सरकारें इसका विरोध करेंगी। अगर सिर्फ संसद से पारित कराकर कानून बनाना संभव हुआ तो भी कई मुश्किलें होंगी। जैसे- एक साथ चुनाव कब कराया जाए? जिन राज्यों में अभी चुनाव हुए उनका क्या होगा? क्या इन सरकारों को

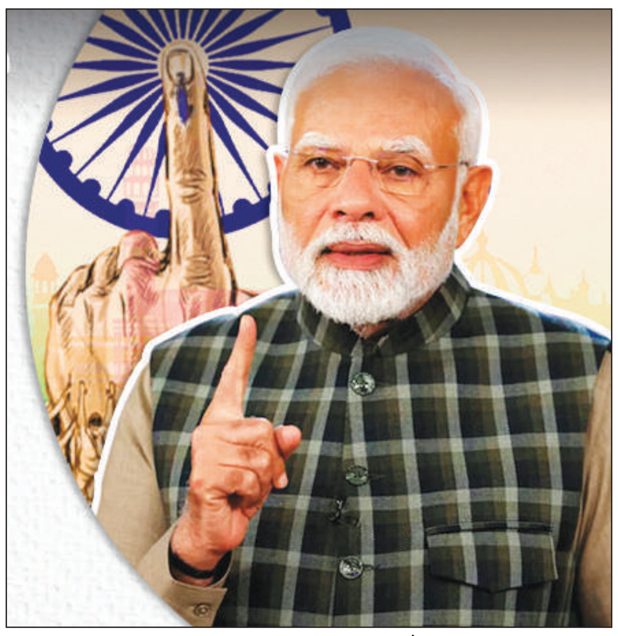

बर्खास्त कर दिया जाएगा?

कानूनी तौर पर कई अड़चनें आने वाली हैं। कानूनी आधार पर इस समस्या को हल कर पाना संभव नहीं है। इसके लिए दूसरे राज्यों की सहमति बहुत जरूरी है। हालांकि, मतभेद इतना ज्यादा है कि ये मुमकिन नहीं लगता। वहीं, चुनाव आयोग को पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने के लिए बड़ी तैयारी करनी होगी। सभी चुनावों के आयोजन के लिए संसाधन और लॉजिस्टिक्स का मैनेजमेंट करना जरूरी है। इसमें ईवीएम, सुरक्षा, कर्मचारियों की तैनाती और प्रचार जैसी तैयारियां शामिल हैं।' अगर 2025 में जनगणना शुरू होती है तो 2026 तक चलेगी। उसके बाद लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों का परिसीमन भी किया जाना है। जिससे लोकसभा और विधानसभाओं की सीटों में बदलाव होना लाजिमी है। अगर केंद्र सरकार इन सभी स्थितियों से निपट लेती है, तो 2029 तक वन नेशन वन इलेक्शन हो सकता है। बीजेपी वन नेशन वन इलेक्शन से विपक्ष सहित छोटी पार्टियों को कमजोर कर सकती है। विपक्षी पार्टियों के पास चुनावी मैनेजमेंट के लिए धन, बल और कार्यकर्ता कम होते हैं। जिससे उन्हें एक साथ लोकसभा और विधानसभा चुनावों को लड़ने में परेशानी हो सकती है। कैबिनेट में विधेयक को पास करने से पहले सरकार ने निश्चित तौर पर ये कैलकुलेशन किया होगा कि वन नेशन वन इलेक्शन को लागू करना कितना मुश्किल है। जैसे ही बीजेपी संसद में इसका बिल लाएगी, तमाम विपक्षी दल इसका विरोध करेंगे। पीएम मोदी जो काम करते हैं, उसकी मंशा ये होती है कि ज्यादा से ज्यादा प्रचार हो। इसे ऐसे समझें कि संविधान के आर्टिकल 370 के खत्म होने से भले ही कश्मीर में ज्यादा कुछ न बदला हो, लेकिन देश में पीएम मोदी ने अपनी धाक जमा ली है। उन्होंने जनता में ये मैसेज दिया कि केंद्र सरकार ने काफी बड़ा काम कर दिखाया है। देश में बड़ी आबादी मध्यमवर्ग की है, उनको खर्चा बचाने की बात कहने से सरकार की लोकप्रियता बढ़ जाएगी।

बीजेपी की राजनीतिक मंशा

केंद्र के लिए पीएम मोदी का चेहरा सबसे मजबूत है। अगर लोकसभा के साथ विधानसभा के चुनाव भी होते हैं तो इसका फायदा बीजेपी को मिल सकता है। खासकर यूपी, एमपी और राजस्थान जैसे काउ बेल्ट वाले राज्यों में। हालांकि, लॉन्ग टर्म में इस पैटर्न का फायदा विपक्षी दलों को भी हो सकता है, जिनके पास नेशनल अपील वाला बड़ा नेता होगा। पब्लिक-पॉलिसी से जुड़े मुद्दों के थिंक टैंक आईडीएफसी इंस्टीट्यूट की एक स्टडी में कुछ रोचक बातें सामने आईं।

अगर लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ होते हैं, तो 77% वोटर्स दोनों जगह एक ही पार्टी को वोट करते हैं। अगर दोनों चुनावों में 6 महीने का अंतर होता है, तो एक ही पार्टी को वोट देने की संभावना 77% से घटकर 61% रह जाती है। दोनों चुनाव में 6 महीने से ज्यादा अंतर होने पर एक ही पार्टी को वोट करने की संभावना 61% से भी कम हो जाती है।

समर्थन और विरोध में अलग-अलग तर्क

वन नेशन वन इलेक्शन के समर्थकों का कहना है कि हर साल 5 से 6 राज्यों में चुनाव होते हैं। इससे देश के विकास कार्यों में बाधाएं आती हैं। ओडिशा का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां 2004 के बाद से विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ हुए, लेकिन नतीजे अलग-अलग रहे। वहां आचार संहिता बहुत कम देर के लिए लागू होती है, जिस वजह से सरकार के कामकाज में दूसरे राज्यों के मुकाबले कम खलल पड़ता है।

पूरे देश की विधानसभाओं और लोकसभा के चुनाव एक साथ होते हैं, तो इससे चुनाव पर होने वाले खर्च में कमी आएगी। 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले अगस्त 2018 में लॉ कमीशन की एक रिपोर्ट आई थी। इसमें कहा गया था कि अगर 2019 में लोकसभा और विधानसभा के चुनाव साथ होते हैं, तो उससे 4,500 करोड़ रुपए का खर्च बढ़ेगा। ये खर्चा इसलिए क्योंकि ईवीएम ज्यादा लगानी पड़ेंगी। इसमें ये भी कहा गया था कि साथ चुनाव कराने का सिलसिला आगे बढ़ता है, तो 2024 में 1,751 करोड़ रुपए का खर्च बढ़ता। यानी, धीरे-धीरे ये एक्स्ट्रा खर्च भी कम हो जाता।

विरोध में तर्क

राष्ट्रीय स्तर पर देश और राज्य के मुद्दे अलग-अलग होते हैं। एक साथ चुनाव हुए तो वोटर्स के फैसले पर असर पड़ने की संभावना है। चुनाव 5 साल में एक बार होंगे तो जनता के प्रति सरकार की जवाबदेही कम हो जाएगी। अभी की स्थिति में लोकसभा चुनाव जीतने वाली पार्टियों को डर होता है कि अच्छे से काम नहीं करेंगे तो विधानसभा में दिक्कत होगी। वहीं, अगर लोकसभा 5 साल से पहले ही भंग कर दी गई तो क्या होगा? क्योंकि अभी तक लोकसभा 6 बार 5 साल से पहले ही भंग कर दी गई, जबकि एक बार इसका कार्यकाल 10 महीने के लिए बढ़ा था। ऐसी स्थिति में तो फिर अलग-अलग चुनाव होने लगेंगे।

अमित शाह नक्सली हिड़मा के गांव जा सकते हैं

देश के पहले गृहमंत्री होंगे, जो नक्सलगढ़ में रुकेंगे, अबूझमाड़ या पूर्ववर्ती जाने की चर्चा

जगदलपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। अमित शाह बस्तर आ रहे हैं। चर्चा है कि हिड़मा के गांव जा सकते हैं। अबूझमाड़ या पूवर्ती गांव जाने की भी चर्चा है। ऐसा होता है, तो ऐसा करने वाले वे देश के पहले गृहमंत्री होंगे।

पूवर्ती खूंखार नक्सली हिड़मा का गांव है। यहां पिछले कई सालों से नक्सलियों का कब्जा था। उनकी इजाजत के बिना यहां प्रवेश पर प्रतिबंध था। अब यहां सीआरपीएफ, डीआरजी, एसटीएफ और कोबरा ने मिलकर संयुक्त कैंप स्थापित किया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आज रात 11 बजे रायपुर पहुंचेंगे, फिर 15 और 16 दिसंबर को जगदलपुर में कई कार्यक्रमों शामिल होंगे। इस दौरान वे सरेंडर नक्सलियों से मिलेंगे। जवानों और शहीदों के परिजनों से भी मुलाकात करेंगे। बस्तर में जब भी नक्सल का जिक्र होता है तो नक्सली लीडर माड़वी हिड़मा का नाम भी आता है। पुलिस की वांटेड लिस्ट में भी सबसे पहले हिड़मा का ही नाम है। हिड़मा सुकमा जिले के अति संवेदनशील पूवर्ती गांव का रहने वाला है। वर्तमान में ये नक्सलियों के सेंट्रल कमेटी का मेंबर है। इस पर 1 करोड़ रुपए से ज्यादा का इनाम घोषित है। कुछ महीने पहले ही हिड़मा के गांव पूवर्ती में उसके घर के नजदीक ही सुरक्षाबलों का कैंप स्थापित किया गया है। पूवर्ती, टेकलगुडेम समेत आस-पास के इलाके को जवानों ने कैप्चर कर लिया है। हर दिन यहां सैकड़ों जवान सर्च ऑपरेशन पर निकलते हैं। ऐसे में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह हिड़मा के गांव जाकर उसके इलाके के लोगों से मुलाकात कर सकते हैं। अमित शाह नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ भी जा सकते हैं। अबूझमाड़ के गांव में इसलिए क्योंकि इस इलाके को नक्सलियों की राजधानी के नाम से जाना जाता है। यहां कई बड़े कैडर्स के नक्सली हैं। बड़ी बात है कि अबूझमाड़ के इलाके में ही आर्मी का बेस कैंप भी स्थापित किया जाना है। इस लिहाज से इलाके को करीब से देखने और इंडियन आर्मी के बेस कैंप खोलने को लेकर वे इस इलाके में भी जा सकते हैं। माड़ की जमीनी स्थिति, इलाके के लोगों से मुलाकात कर उनसे चर्चा कर सकते हैं। कुछ दिन पहले सीजी के गृहमंत्री विजय शर्मा से जब मीडिया ने पूछा था कि क्या अमित शाह हिड़मा के इलाके में जाएंगे तो उनका जवाब था कि वे उससे भी आगे जाएंगे। उन्होंने संकेत दे दिया था। जिसके बाद से शाह के इस इलाके में आने की अटकलें लगनी तेज हो गई है। कुछ महीने पहले अमित शाह रायपुर आए थे। उन्होंने नक्सलवाद के खात्मे को लेकर अफसरों की बैठक ली थी। बैठक के बाद शाह ने एक डेडलाइन जारी कर कहा था कि मार्च 2026 तक बस्तर को नक्सलियों से मुक्त कर दिया जाएगा। जिसके बाद से बस्तर में फोर्स काफी आक्रामक हुई। बस्तर के अलग-अलग जिले में लगातार ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं। अब शाह के बस्तर दौरे से पहले ही अबूझमाड़ और बीजापुर जिले में फोर्स ने 2 दिन में 9 नक्सलियों को मार गिराया है, जबकि सालभर में 219 नक्सली मारे गए हैं। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद ये देश में एक साल में मारे गए नक्सलियों का सबसे बड़ा आंकड़ा है। बस्तर को नक्सलियों से मुक्त करने और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के निर्देश के बाद सालभर में बस्तर में 25 से ज्यादा सुरक्षाबलों के कैंप स्थापित किए गए हैं।

इनमें दंतेवाड़ा के नेरली घाटी, कांकेर के पानीडोबरी, बीजापुर के गुंडम, पुतकेल, छुटवही, नारायणपुर के कस्तूरमेटा, इरकभट्टी, मसपुर, मोहंदी, सुकमा के मुलेर, परिया, सलातोंग, टेकलगुडेम, पूवर्ती, लखापाल पुलनपाड़ में कैंप खुले हैं।

बर्थडे पर छात्रा को होटल ले गए, किया गैंगरेप

गुमला में 5 लड़कों ने लड़की को भी पिलाई शराब, सहेली को छोड़ा

गुमला, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड में गैंगरेप की घटना सामने आई है। पांच लड़के छात्रा को बर्थडे मनाने के नाम पर होटल ले गए। इसके बाद तीन लड़कों ने उसके साथ गैंगरेप किया। इससे पहले पांचों लड़कों ने शराब पी और छात्रा को भी पिलाया। छात्रा के साथ उसकी एक सहेली थी, जो होटल के दूसरे कमरे थी। उसे आरोपियों ने कुछ नहीं किया। इधर, पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना 10 दिसंबर को गुमला के चैनपुर क्षेत्र में हुई। 15 वर्षीय छात्रा आदिवासी है और 9वीं क्लास में पढ़ती है। वो काफी डरी हुई थी इसलिए परिजनों को दो दिनों तक कुछ नहीं बताया। शुक्रवार की शाम जब परिजनों को लड़की ने घटना की जानकारी दी तो मामला पुलिस के पास पहुंचा। आरोपियों में एक नाबालिग है।

घर में सिलेंडर ब्लास्ट से जिंदा जला कारोबारी

रायपुर में पहले पत्नी को मारा चाकू, फिर घर को जलाया, पुलिसकर्मी समेत 5 लोग घायल

रायपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। रायपुर में एक कारोबारी सिलेंडर ब्लास्ट में जिंदा जल गया, जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। कारोबारी को बचाने घुसे पुलिसकर्मी और पड़ोसी समेत 5 लोग घायल हुए हैं, जिनका इलाज चल रहा है। मामला खमतराई थाना क्षेत्र के रामेश्वर नगर का है। घटना शुक्रवार रात 11 बजे के आसपास की है। खमतराई पेट्रोलिंग पुलिस को सूचना मिली कि रामेश्वर नगर में एक पति, पत्नी के बीच विवाद हुआ है। पति बी अमरेश्वर राव (45) ने अपनी पत्नी संध्या के गले पर चाकू से हमला कर दिया। इसके बाद घर को आग के हवाले कर दिया। घटना के बाद पत्नी अपने बच्चों के साथ जान बचाकर पड़ोसियों के घर पर भागी, जहां छिपकर अपनी जान बचाई। उसके गले में गहरी चोट लगी है। लहूलुहान हालत में

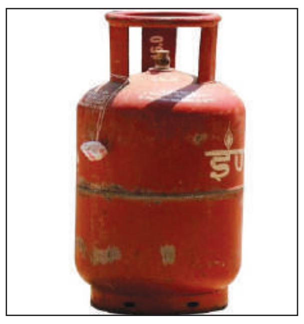

अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जो खतरे से बाहर है। बताया जा रहा है कि गैस सिलेंडर में विस्फोट से घर में चारों तरफ आग फैल गई। आग की लपटों में 2 सिपाही हेमंत गिलहरे और विकास सिंह चोटिल हो गए हैं। इसके अलावा दो पड़ोसी विक्रम ठाकुर और चेतन दास भी घायल हुए हैं। विस्फोट में घर में रखी बाइक, कूलर समेत कई अन्य सामान जलकर राख हो गए हैं। अमरेश्वर राव मूल रूप से मनेंद्रगढ़ का रहने वाला था, जो रायपुर में कार एसेसीरीज की शॉप चलाता था। वह दुकान बंद हो गई, जिसके बाद से वो लगातार परेशान चल रहा था। इसके बाद उसने मनेंद्रगढ़ में दुकान खोली। उसकी पत्नी अपनी 7 साल की बेटी के साथ रायपुर में ही रहती है। दोनों का एक बेटा भी है, जो मनेंद्रगढ़ में पिता के साथ रहता था। मामले में उरला सीएसपी अमन झा ने बताया कि दोनों पति-पत्नी के बीच विवाद के कुछ महीने पहले भी सूचना मिली थी। इसके बाद थाने की टीम ने जाकर दोनों पक्षों को समझाया था। देर रात विवाद की सूचना मिलते ही थाने की पेट्रोलिंग पहुंची थी। इसी दौरान सिलेंडर ब्लास्ट होने से आग फैल गई। ब्लास्ट के बाद फायर ब्रिगेड की मदद से आग का काबू पाया गया। आग कंट्रोल होते ही घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है।

चुनाव में 8 लाख तक खर्च कर सकेंगे पार्षद प्रत्याशी

इलेक्शन-कमीशन ने तय किया लिमिट, आचार-संहिता से पहले बदल सकते हैं कई जिलों के कलेक्टर

रायपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनावों को लेकर पार्षदों की खर्च सीमा तय कर दी गई है। ऐसे नगर पालिका निगम, जहां 3 लाख या उससे ज्यादा जनसंख्या है वहां पार्षद 8 लाख रुपए तक चुनावी खर्च कर सकेंगे। राजपत्र में ये अधिसूचना प्रकाशित कर दी गई है। एक दिन पहले ही निकाय-निगमों के विकास के लिए 88 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। शीतकालीन सत्र के बाद निकाय चुनाव के लिए आचार संहिता लागू हो सकती है। लेकिन इससे पहले चर्चा है कि आईएएस ट्रांसफर की लिस्ट भी आ सकती। जिसमें सरकार कई जिलों के कलेक्टर्स को बदल सकती है। चुनाव से पहले छत्तीसगढ़ सरकार ने पार्षदों के लिए 6-6 लाख रुपए विकास कार्यों के लिए जारी किए हैं। सीएम विष्णुदेव साय की पहल पर डिप्टी सीएम अरुण साव ने 14 नगर निगमों के पार्षदों के लिए 21 करोड़ 96 लाख रुपए एक दिन पहले ही जारी किए हैं। जबकि 166 नगरीय निकायों के पार्षदों के लिए कुल 66 करोड़ 6 लाख रुपए की पार्षद निधि भी जारी की गई। प्रदेश के निकायों में ओबीसी को 50 फीसदी आरक्षण देने का फैसला कैबिनेट की बैठक में सरकार ने लिया था। इसे भी राज्यपाल की सहमति से राजपत्र में शामिल कर दिया गया है। इससे पहले ओबीसी को 25 प्रतिशत तक प्राथमिकता दी जाती रही है। शर्त ये भी रखी गई है कि जिन इलाकों में एसटी-एससी का आरक्षण पहले से 50 प्रतिशत या इससे ज्यादा है। वहां ओबीसी का 50 फीसदी आरक्षण नहीं रहेगा। नगरीय निकाय चुनावों में अब मेयर और अध्यक्ष का चुनाव प्रत्यक्ष रूप से होगा। यानी पार्षद के साथ ही मेयर और अध्यक्ष के लिए भी जनता ही वोट करेगी। साय कैबिनेट की बैठक में यह फैसला लिया गया था। 2018 में प्रदेश में कांग्रेस की सरकार आने के बाद नियम बदला गया था। इसमें मेयर चुनने का हक पार्षदों को दिया गया था।

हालांकि भूपेश कार्यकाल से पहले भी जनता ही पार्षदों के साथ मेयर को चुनती थी। छत्तीसगढ़ की 14 में से 13 नगर निगमों में इस वक्त कांग्रेस के महापौर हैं।

नर्सों ने बच्चों के वार्ड को जलने से बचाया

पलामू के मेडिकल कॉलेज में भर्ती हैं आठ बच्चे, शॉर्ट सर्किट से लगी थी आग

पलामू, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। पलामू प्रमंडल के सबसे बड़े सरकारी हॉस्पिटल मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में बड़ा हादसा टल गया। ड्यूटी पर तैनात दो नर्सों की तत्परता से 8 नवजात की जान बच गई। एसएनसीयू वार्ड में शनिवार की तड़के शॉर्ट सर्किट के कारण हाई फ्लो मशीन में आग लग गई। घटना के वक्त वार्ड में आठ नवजात भर्ती थे। उन्हें तत्काल दूसरी जगह शिफ्ट किया गया और करीब दो घंटे बाद वार्ड में सबकुछ सामान्य होने पर बच्चों को फिर से वार्ड में शिफ्ट किया गया। घटना तड़के 2 बजे के आसपास हुई। घटना के वक्त एक बच्चे को ऑक्सीजन दिया जा रहा था। डयूटी पर मौजूद जीएनएम कुमारी ममता और एक अन्य नर्स ने मशीन में आग देखकर तुरंत ऑक्सीजन और बिजली लाइन के वायर को काट दिया। साथ ही इसकी सूचना डॉ. रजी और सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार सिंह को दी गई।

दोनों अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे। चौथे तल्ले पर संचालित एसएनसीयू वार्ड से सभी बच्चों को फर्स्ट फ्लोर गायनी वार्ड में स्थित एसएनसीयू वार्ड में शिफ्ट किया गया। घटना के वक्त ऑन ड्यूटी डॉ. रजी ने कहा कि दोनों जीएनएम ने बड़े हादसे को टाल दिया। वार्ड का ऑक्सीजन पाइपलाइन और बिजली कनेक्शन को दुरुस्त किया गया और फिर से बच्चों को उसी वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही डीसी शशिरंजन हॉस्पिटल पहुंचे। उन्होंने एसएनसीयू वार्ड के अलावा अन्य वार्डों का जायजा लिया और मामले में संवेदनशील रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जिस कंपनी द्वारा ऑक्सीजन पाइपलाइन लगाई गई है उसे सूचित करके पूरी व्यवस्था ठीक की जाए। उन्होंने एमटीसी वार्ड को हटाकर दूसरी जगह शिफ्ट करने का निर्देश दिया। डीसी ने स्वास्थ्य अधिकारियों से कहा कि बेहतर संसाधन मुहैया कराए गए हैं, इसका बेहतर उपयोग हो और लोगों को लाभ मिले यह सुनिश्चित किया जाए।

मुखिया पति की गोली मारकर हत्या

सरायकेला, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। सरायकेला-खरसावां में शुक्रवार देर रात अपराधियों ने पारा शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष सोनू सरदार (40) की गोली मारकर हत्या कर दी। सोनू सरदार यशपुर पंचायत की मुखिया पार्वती सरदार के पति थे। वो अपनी कार से रात में एक शादी से अकेले ही घर लौट रहे थे। इसी दौरान गम्हरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़डीह गांव के पास उन्हें गोली मार दी गई। घटना क्यों और किसने की, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं है। इधर, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा शनिवार को मृतक के परिजनों से मिलने पहुंचे। उन्होंने एसपी से फोन पर बात कर मामले का शीघ्र खुलासा और अपराधियों को सख्त सजा दिलाने की बात कही।

छात्राओं से सरेराह छेड़खानी का वीडियो

सीएम ने कड़ी कार्रवाई का दिया निर्देश, स्कूटी सवार के खिलाफ एफआईआर दर्ज

रांची, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। रांची में स्कूली छात्राओं से सरेराह मनचले छेड़खानी कर रहे हैं। छात्राओं से छेड़खानी का एक वीडियो सामने आने के बाद रांची पुलिस ने उक्त स्कूटी सवार युवक के विरुद्ध कोतवाली थाना में एफआईआर दर्ज कराई है। इधर, सीएम हेमंत सोरेन ने पुलिस और रांची डीसी को मामले की जांच कर आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए सूचित करने का निर्देश दिया है। वीडियो में एक स्कूटी सवार मनचला स्कूल जाती चार छात्राओं के साथ छेड़खानी करता नजर आ रहा है। स्कूटी पर अपना मुंह ढक कर वह छात्राओं को छू रहा है। इस घटना से स्कूल जाने वाली छात्राएं काफी भयभीत है। ये स्कूली छात्राएं अपर बाजार स्थित कन्या पाठशाला की हैं। स्कूल की इंचार्ज का कहना है कि छेड़खानी की घटना की वजह से कई छात्राओं ने स्कूल आना छोड़ दिया है। मनचले ऐसा सुबह में स्कूल आने के दौरान ऐसा छेड़खानी की घटना को अंजाम दे रहे हैं। सीसीटीवी में आने के बाद इसकी जानकारी पुलिस को भी दी गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। स्कूल की छात्राओं ने बताया कि वो सुबह 7 बजे वे स्कूल आती हैं।

सीमेंट कारोबारी को गोली मारी, प्रिंस खान ने ली जिम्मेदारी

कारोबारी की हालत गंभीर, हाईस्पीड बाइक से आए थे अपराधी

धनबाद, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। धनबाद में सफेद रंग की हाईस्पीड बाइक पर सवार अपराधियों ने दुकान में घुस कर सीमेंट कारोबारी 58 वर्षीय चेतन साव को गोली मार दी। घटना देर शाम बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के कुर्मीडीह मोड़ पर हुई। बदमाशों के मौके से भागने के बाद स्थानीय लोगों ने चेतन को पहले अशर्फी अस्पताल ले गए। वहां से उन्हें नावाडीह स्थित एसजेएएस अस्पताल ले जाया गया। चेतन की स्थिति गंभीर बनी हुई है। वहां ऑपरेशन के बाद गोली निकाल ली गई है। इधर, फायरिंग की घटना के कुछ देर बाद ही वासेपुर के गैंगस्टर प्रिंस खान का पर्चा सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें उसने घटना की जिम्मेवारी ली। बताया जा रहा है कि बरवाअड्डा के कुछ जमीन कारोबारियों को प्रिंस की धमकी मिली है।

हालांकि इसकी शिकायत पुलिस से नहीं की गई है। घटना के समय चेतन साव दुकान के अंदर अपने भतीजे के साथ बैठे थे। एक अपराधी बाइक से उतर कर पैदल दुकान के काउंटर पर पहुंचा। फिर दुकान के अंदर बैठे चेतन पर तीन गोलियां दाग दीं। एक गोली चेतन के दाएं हाथ को चीरती हुई पेट में जा लगी। दो गोलियां मिस फायर हो गईं। गोली चलने की आवाज सुनकर लोग जुटने लगे। जब तक लोग अपराधियों को पकड़ते, वे बाइक पर सवार होकर कुर्मीडीह मेन रोड की ओर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद डीएसपी हेडक्वार्टर वन शंकर कामती, डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर नौशाद आलम, धनबाद थाना प्रभारी आरएन ठाकुर, गोविंदपुर थाना प्रभारी रुस्तम अली मौके पर पहुंचे और घटना की छानबीन की।

बाइक की टक्कर में दो की मौत

भाई-बहन जख्मी, आक्रोशितों ने किया ढाई घंटे सड़क जाम

पलामू, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। पलामू में सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई। जबकि एक भाई और बहन गंभीर रूप से जख्मी हो गए हैं। हादसा हुसैनाबाद थानाक्षेत्र के जपला छतरपुर मुख्य सड़क पर हुआ। हादसा दो बाइक के आमने-सामने टक्कर से हुई। दोनों बाइक पर दो-दो लोग सवार थे। किसी ने भी हेलमेट नहीं पहना था। वहीं, घटना से आक्रोशित लोगों ने जपला छतरपुर मुख्य सड़क को ढाई घंटे जाम रखा।

मृतकों में देवरी हार्वे लाइन निवासी मोहम्मद नफीस अहमद का पुत्र आदिल अहमद और दिनेश चंद्रवंशी का पुत्र गोलू कुमार शामिल हैं। दोनों दोस्त थे। जबकि घटना में जख्मी दीपक कुमार (25) और रूबी कुमारी (22) को स्थानीय लोग अनुमंडलीय अस्पताल लेकर गए। गंभीर स्थिति देखते हुए डॉक्टर ने बेहतर इलाज के लिए उन्हें रेफर कर दिया। दोनों भाई-बहन हैं। आदिल और दिनेश जपला से छतरपुर जा रहे थे। वहीं, दीपक और रूबी छतरपुर से जपला की ओर जा रहे थे।

इधर, घटना से आक्रोशित लोगों ने जपला छतरपुर मुख्य सड़क को घटनास्थल ऊपरी गांव के पास शव के साथ जाम कर दिया।

जानकारी मिलने पर हुसैनाबाद पुलिस लोगों को समझाने मौके पर पहुंचीं, मगर मुआवजा की मांग पर लोग अड़े रहे। हुसैनाबाद विधायक संजय कुमार सिंह यादव और अंचल अधिकारी पंकज कुमार जाम स्थल पर पहुंचे। विधायक ने परिजनों को हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। फिर सड़क जाम हटा और करीब ढाई घंटा बाद जपला छतरपुर मार्ग पर आवागमन शुरू हो गया है।

कनाडा सरकार ने विदेशी छात्रों से एजुकेशनल डिटेल्स मांगी

अटेंडेंस, मार्क्स, स्टडी परमिट और वीजा जमा करने को कहा, इमिग्रेशन डिपार्टमेंट ने भेजा ईमेल

ओटावा, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। कनाडा में रह रहे विदेशी छात्रों की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। कनाडा सरकार ने वहां पढ़ रहे विदेशी छात्रों को ईमेल भेजकर कई तरह के डॉक्यूमेंट सबमिट करने को कहा है। इनमें वीजा, स्टडी परमिट, एजुकेशनल रिकॉर्ड, मार्क्स और अटेंडेंस शामिल है। भारतीय छात्रों ने इसके बारे में जानकारी दी है। कनाडा के इमिग्रेशन रिफ्यूजी एंड सिटिजनशिप (आईआरसीसी) डिपार्टमेंट ने विदेशी छात्रों को ईमेल भेजा है। इनमें से कई छात्र ऐसे हैं जिनका वीजा दो साल तक के लिए ही वैध है। कनाडा सरकार विदेशी स्टूडेंट्स के लिए नियम कड़े करते जा रही है। ऐसे में छात्रों के बीच बेचैनी का माहौल है। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में पढ़ रहे एक भारतीय स्टूडेंट ने कहा कि मैं आईआरसीसी की ओर से भेजे गए ईमेल पढ़कर हैरान हो गया। मेरा वीजा मई 2026 तक है। ऐसे में मुझे फिर से सारे डॉक्यूमेंट सबमिट करने के लिए

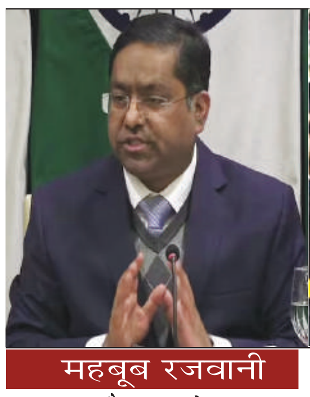
महबूब रजवानी

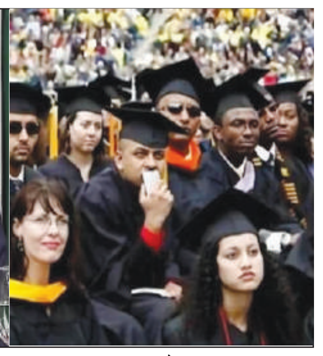

कहा गया है। छात्र ने कहा कि उन्होंने मुझसे अटेंडेंस की डिटेल और पार्ट-टाइम काम के बारे में भी जानकारी देने को कहा है। इमिग्रेशन कंसल्टेंट महबूब रजवानी का कहना है कि यह फैसला इंटरनेशनल स्टूडेंट्स की तादाद में कमी करने के लिए कनाडा की रणनीति का हिस्सा है। इसके अलावा कई छात्र स्टूडेंट्स वीजा पर कनाडा आते हैं और यहां नौकरी करने लगते हैं, कनाडा सरकार इन लोगों की भी पहचान करना चाहती है। पिछले हफ्ते कनाडा में रहने वाले पंजाब के कई स्टूडेंट्स ने ऐसी ही ईमेल मिलने की जानकारी दी थी। उन्होंने कहा था कि ईमेल के जरिए आईआरसीसी ऑफिस आकर डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए कहा गया था। अचानक से इस तरह के ईमेल आने से स्टूडेंट्स में चिंता का माहौल है। हाल के कुछ सालों में कनाडा में विदेशी छात्रों की संख्या में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई है। विदेशी मंत्रालय के अनुसार, कनाडा में 4.2 लाख भारतीय स्टूडेंट्स रहते हैं। इसके बाद अमेरिका में 3.3 लाख भारतीय छात्र रहते हैं। पिछले एक हफ्ते में कनाडा में अलग-अलग मामलों में तीन भारतीय छात्रों की हत्या कर दी गई थी। इसके बाद इंडियन हाई कमीशन ने कनाडाई अधिकारियों के सामने भारतीय नागरिकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इसे लेकर कहा- कनाडा में हेट क्राइम और हिंसक वारदातों की बढ़ती घटनाओं की वजह से हमने अपने नागरिकों और भारतीय छात्रों के लिए एडवाइजरी जारी की है। पिछले साल सितंबर में खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या मामले में कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो ने भारतीय एजेंटों की मिलीभगत का आरोप लगाया था। इसके बाद से दोनों देशों के बीच रिश्ते लगातार बिगड़ते चले गए।

स्विट्जरलैंड ने भारत का मोस्ट फेवर्ड नेशन दर्जा खत्म किया

वहां भारतीय कंपनियों को 10% ज्यादा टैक्स देना होगा, नेस्ले विवाद के बाद लिया एक्शन

बर्न, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। स्विट्जरलैंड सरकार ने भारत से मोस्ट फेवर्ड नेशन (एमएफएन) का दर्जा वापस ले लिया। स्विस सरकार के इस फैसले के बाद अब वहां काम करने वाली भारतीय कंपनियों को 1 जनवरी 2025 से 10% टैक्स ज्यादा टैक्स देना होगा। स्विट्जरलैंड ने डबल टैक्स अवॉइडेंस एग्रीमेंट (डीटीएए) के तहत भारत को एमएफएन राष्ट्र का दर्जा दिया था।

शुक्रवार को स्विट्जरलैंड की तरफ से कहा गया भारतीय सुप्रीम कोर्ट के फैसले की वजह से उसे यह कदम उठना पड़ा है।

दरअसल पिछले साल नेस्ले से संबंधित एक मामले में भारतीय सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया था कि डीटीएए तब तक लागू नहीं किया जा सकता जब तक कि इसे इनकम टैक्स एक्ट के तहत नोटिफाई न किया जाए।

इस फैसले का मतलब था कि नेस्ले जैसी कंपनियों को अपने लाभांश पर ज्यादा टैक्स देना होगा। इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट ने

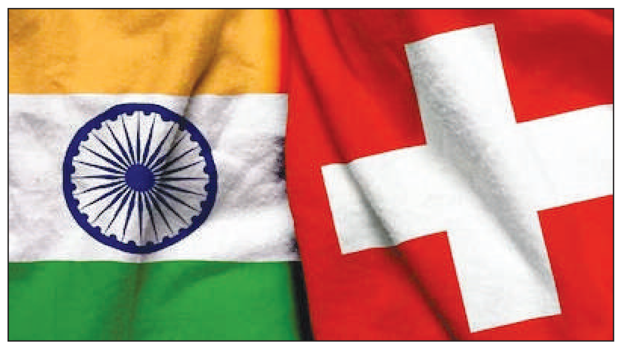

आदेश दिया था कि विदेशी संस्थाओं में या उनके लिए काम करने वाली कंपनियों और व्यक्तियों को डबल टैक्स न देना पड़े। सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले को पलट दिया। बता दें कि नेस्ले स्विट्जरलैंड की कंपनी है। इसका मुख्यालय स्विट्जरलैंड के वेवे शहर में है।

क्लियर टैक्स के मुताबिक, दो देश अपने नागरिकों और कंपनियों को डबल टैक्स से बचाने के लिए आपस में डबल टैक्स अवॉइडेंस एग्रीमेंट (डीटीएए) करते हैं। इसके तहत कंपनियों या व्यक्तियों को उनकी सेवाओं या प्रोडक्ट के लिए दो अलग देशों में टैक्स नहीं देना पड़ता।

क्या होता है एमएफएन?

यूएनओ (संयुक्त राष्ट्र संघ) की एक संस्था वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूटीओ) है। 164 देश इसके सदस्य हैं। इसके तहत आने वाले सभी देश एक दूसरे को मोस्ट फेवर्ड नेशन (एमएफएन) का दर्जा देते हैं। यह दर्जा दिए जाने के बाद बिना किसी भेदभाव के सभी देश एक दूसरे के साथ आसनी से बिजनेस कर सकते हैं। सामान्य तौर पर डब्ल्यूटीओ के आर्टिकल 21बी के तहत कोई भी देश सुरक्षा संबधी विवादों के चलते दूसरे देश से यह दर्जा वापस ले सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, इसे वापस लेने के लिए कई मुख्य शर्तें पूरी करनी होती हैं। पर असल में इसे हटाने को लेकर कोई औपचारिक प्रक्रिया नहीं है। यह बात भी साफ नहीं है कि अगर कोई देश एमएफएन का दर्जा किसी देश से छीन रहा है, तो वह डब्ल्यूटीओ को सूचित करने के लिए बाध्य है या नहीं।

2019 में भारत ने पाकिस्तान से छीना था एमएफएन का दर्जा

जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में 2019 को हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत ने भी पाकिस्तान से एमएफएन का दर्जा छीन लिया था। जिसके तहत पाकिस्तान से आयात होने वाली कई चीजों पर सीमा शुल्क बढ़ा दिया था।

अमेरिका से 18 हजार भारतीयों को निकालेंगे ट्रम्प

ये अवैध प्रवासी, इनके पास कागज नहीं, अमेरिका ने भारत को गैर मददगार देश बताया

वॉशिंगटन, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति बनते ही भारतीय प्रवासियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। वहां से करीब 18 हजार भारतीयों को निकाला जा सकता है। ये सभी लोग अवैध प्रवासी हैं जिनके पास अमेरिका की नागरिकता नहीं है, और वहां की नागरिकता हासिल करने के लिए सही कागज नहीं हैं। दरअसल, अमेरिका में अवैध प्रवासियों से डील करने वाली सरकारी संस्था (आईसीई) ने करीब 15 लाख लोगों की एक सूची बनाई है जो अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे हैं। 18 हजार भारतीय भी इसी सूची में शामिल हैं। डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि जैसे ही वे राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे, सबसे पहले अवैध प्रवासियों को निकालने का काम करेंगे।

इस मामले में आईसीई ने कहा कि बिना डॉक्यूमेंट वाले प्रवासियों को देश से बाहर भेजना ट्रम्प की सीमा सुरक्षा एजेंडे का हिस्सा है। एक तरफ जहां अमेरिका 18 हजार भारतीयों को निकालने की तैयार कर रहा है। वहीं अमेरिकी सरकार ने एक सूची जारी कर भारत पर गैर-मददगार होने का आरोप लगाया है। इस सूची में उन देशों को रखा गया है जो अपने देश से अमेरिका गए लोगों को वापस लाने में सहयोग नहीं कर रहे हैं।

अमेरिकी एजेंसी आईसीई ने डिपोर्टेशन प्रोसेस (निर्वासन प्रक्रिया) में मदद नहीं करने वाले 15 देशों की लिस्ट बनाई है जिन्हें 'गैर मददगार' बताया है। इनमें भारत का नाम भी शामिल है। लिस्ट में अपने नागरिकों की वापसी को अस्वीकार करना और निर्वासन में सहयोग न करने वाले देशों का नाम लिखा है। आईसीई के डेटा के मुताबिक अमेरिका में 17,940 भारतीय ऐसे हैं जो अवैध प्रवासी हैं। साथ ही इन लोगों को गैर-कानूनी तरीके से अमेरिका में घुसने के लिए जेल में नहीं डाला गया है। ये कागजी कार्रवाई की लंबी प्रक्रिया में फंस गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह प्रक्रिया पूरी होने में 3 साल तक का वक्त लग जाता है। आईसीई के मुताबिक पिछले 3 सालों में अमेरिकी सीमा में अवैध रूप से घुसने की कोशिश में औसतन 90 हजार भारतीय नागरिकों को पकड़ा गया है। इन प्रवासियों का एक बड़ा हिस्सा पंजाब, गुजरात और आंध्र प्रदेश से आ रहा है।

घुसपैठ करने वाले ज्यादातर प्रवासी अमेरिका के पड़ोसी देशों से हैं। इनमें सबसे ज्यादा होंडुरास के 2 लाख 61 हजार अवैध प्रवासी हैं। इसके बाद ग्वाटेमाला के 2 लाख 53 हजार अवैध प्रवासी शामिल हैं। प्यू रिसर्च सेंटर के मुताबिक साल 2023 तक अमेरिका में करीब 7 लाख से ज्यादा अवैध प्रवासी भारत के हैं। यह मेक्सिको और अल साल्वाडोर के बाद सबसे ज्यादा हैं। ऐसे में जनवरी में डोनाल्ड ट्रम्प की शपथ ग्रहण के बाद इन लोगों की मुश्किलें बढ़ सकती है।

दो साल के बच्चे ने गलती से मां पर चलाई गोली, हुई मौत

फंस गया ब्वॉयफ्रेंड

कैलिफोर्निया, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के कैलिफोर्निया से एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है। यहां दो साल के बच्चे ने अपनी मां पर गलती से गोली चला दी। गोली लगने की वजह से महिला की मौत हो गई। बच्चे ने मां के ब्वॉयफ्रेंड की पिस्टल से गोली चलाई थी। मामला उत्तरी कैलिफोर्निया के एक अपार्टमेंट का है। महिला की पहचान 22 वर्षीय जेसिन्या मीना के तौर पर हुई है। लेफ्टिनेंट पॉल सर्वेंट्स के अनुसार पुलिस भी इस घटना से हैरान है।

दरअसल, महिला ने अपने बॉयफ्रेंड की लोडेड पिस्टल बेड के ऊपर रखी थी इसी दौरान खेल-खेल में बच्चे के हाथ पिस्टल लग गई अनजाने में ट्रिगर दब गया। इसके बाद गोली सीधे महिला को जो लगी। मामले में पुलिस ने महिला के प्रेमी 18 वर्षीय एंड्रयू सांचेज को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने पिस्टल को भी जब्त कर लिया है। पुलिस का कहना है कि अगर पिस्टल ऊपर रखी होती तो यह बच्चे के हाथ नहीं लगती। पुलिस के मुताबिक मामला लापरवाही का है और इसे रोका जा सकता था।

बताया जा रहा है कि महिला और उसका प्रेमी पिछले कई दिनों से इसी अपार्टमेंट में रह रहे था। फ्रेस्नो पुलिस डिपार्टमेंट के अनुसार पिछले सप्ताह दोनों बेड पर आराम कर रहे थे। इसी दौरान बच्चे के हाथ पिस्टल लग गई और गलती से फायर हो गया। गोली सीधे महिला के शरीर में ऊपरी हिस्से पर लगी, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। मीना की एक 8 महीने की बेटी भी है। पुलिस सांचेज से पूछताछ कर रही है। पुलिस ने सांचेज की क्राइम हिस्ट्री भी खंगाली है लेकिन उसके खिलाफ पहले कोई केस दर्ज था। पुलिस के मुताबिक अब तक इस मामले में कोई गवाह सामने नहीं आया है।

साउथ कोरिया में इमरजेंसी लगाने वाले राष्ट्रपति हटाए गए

महाभियोग प्रस्ताव पास, सत्ताधारी पार्टी के सांसद भी उनके खिलाफ हुए, अब पीएम देश चलाएंगे

सियोल, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। साउथ कोरिया में राष्ट्रपति यून सुक-सोल के खिलाफ शनिवार को महाभियोग प्रस्ताव पास हो गया है। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक संसद में उनके खिलाफ 204 वोट पड़े जबकि उनके समर्थन में सिर्फ 85 वोट डाले गए। संसद में यून के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित होने के बाद राष्ट्रपति की शक्तियां तत्काल रूप से निलंबित हो गई हैं। अब प्रधानमंत्री हान डक-सू कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में काम करेंगे। राष्ट्रपति यून ने 3 दिसंबर की रात को देश में मार्शल लॉ लगा दिया था। हालांकि, भारी विरोध के बाद उन्होंने 6 घंटों के भीतर ही अपना फैसला वापस ले लिया था। यून के इस कदम के बाद दक्षिण कोरिया में उनका काफी विरोध हो रहा था। पिछले शनिवार को भी उन्हें हटाने के लिए महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था लेकिन ये कुछ वोटों से पारित नहीं हो पाया था। महाभियोग चलाने के बाद अब प्रस्ताव को कोर्ट के समक्ष पेश किया जाएगा। अगर 9 में से 6 जज राष्ट्रपति के खिलाफ फैसला सुनाते हैं तभी आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। महाभियोग होने के 60 दिनों के भीतर चुनाव कराने होते हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री के हाथ में राष्ट्रपति की शक्तियां होती हैं। दक्षिण कोरिया की संसद में कुल 300 सीटें हैं। इस साल की शुरुआत में हुए चुनाव में जनता ने विपक्षी पार्टी डीपीके को भारी जनादेश दिया था। सत्ताधारी पीपल पावर को सिर्फ 108 सीटें मिलीं, जबकि विपक्षी पार्टी डीपीके को 170 सीटें मिलीं। बहुमत में होने की वजह से विपक्षी डीपीके, राष्ट्रपति सरकार के कामकाज में ज्यादा दखल दे रही थी, और वे अपने एजेंडे के मुताबिक काम नहीं कर पा रहे थे। राष्ट्रपति योल ने 2022 में मामूली अंतर से चुनाव जीता था। इसके बाद से उनकी लोकप्रियता घटती चली गई। उनकी पत्नी के कई विवादों में फंसने की वजह से भी उनकी इमेज पर असर पड़ा। फिलहाल राष्ट्रपति की लोकप्रियता 17% के करीब है, जो कि देश के तमाम राष्ट्रपतियों में सबसे कम है। इन सबसे निपटने के लिए राष्ट्रपति ने मार्शल लॉ लगा दिया। उन्होंने डीपीके पर उत्तर कोरिया के साथ सहानुभूति रखने और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया।

राष्ट्रपति योल के मार्शल लॉ के ऐलान के बाद पूरा विपक्ष थोड़ी ही देर में संसद पहुंच गया।

गाजा में इजरायली आर्मी ने फिर बरसाए बम

गाजा, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। इजरायली सेना के गाजा पट्टी के कई क्षेत्रों को निशाना बनाकर किए गए हमलों में एक फोटो पत्रकार सहित कम से कम आठ फिलिस्तीनी नागरिकों की जान गई है। गाजा नागरिक सुरक्षा प्रवक्ता महमूद बसल ने सिन्हुआ को बताया कि फोटो पत्रकार शादी अल-सलाफी और एक अन्य व्यक्ति की शुक्रवार दोपहर गाजा शहर के अल-सिना क्षेत्र के करीब इजरायली हवाई हमले में मौत हो गई। मध्य गाजा पट्टी में अल-मगाजी शरणार्थी शिविर में भी इजरायली हमले में दो फिलिस्तीनी मारे गए। दक्षिणी गाजा पट्टी में राफा शहर के उत्तर में मिराज क्षेत्र को निशाना बनाकर की गई इजरायली गोलाबारी में एक अन्य व्यक्ति मारा गया। नासिर मेडिकल कॉम्प्लेक्स की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, तड़के खान यूनिस में विस्थापित लोगों के एक तंबू पर हुए इजरायली हमले में तीन लोग मारे गए। इजरायली सेना ने इन घटनाओं पर कोई टिप्पणी नहीं की है। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि पिछले दिनों उत्तरी गाजा पट्टी में बेत लाहिया में कार्यरत आईडीएफ सैनिकों ने एक भूमिगत रॉकेट लॉन्च साइट को ध्वस्त कर दिया। इसका लक्ष्य दक्षिणी इजरायल के लोगों को निशाना बनाना था। इसमें जानकारी दी गई कि राफा में आईडीएफ सैनिकों ने सुरंग शाफ्ट का पता लगाया, हमास लड़ाकों को मार गिराया और कई ठिकानों को नष्ट कर दिया। फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों ने सिन्हुआ को बताया कि इजरायली अधिकारियों ने गाजा पट्टी के दक्षिण में केरेम शालोम क्रॉसिंग के माध्यम से गाजा पट्टी से 17 कैदियों को रिहा किया। चिकित्सा सूत्रों ने सिन्हुआ को बताया कि रिहा किए गए बंदियों में अत्यधिक थकान और 'शारीरिक यातना और दुर्व्यवहार' के लक्षण दिखाई दिए।

रूस ने यूक्रेन पर 93 मिसाइल, 200 ड्रोन दागे

बैलिस्टिक मिसाइल से बिजली संयंत्रों पर हमला
जेलेंस्की बोले- रूस के आतंक को दुनिया खत्म करे

कीव, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। रूस ने यूक्रेन पर दर्जनों मिसाइल से हमला किया है। शुक्रवार सुबह रूस ने यूक्रेन पर ताबड़तोड़ हमले करते हुए 93 मिसाइल और 200 ड्रोन दागे। इस हमले में रूस के टारगेट पर यूक्रेन का पावर ग्रिड और गैस इंफ्रास्ट्रक्चर था। हमले के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील की है।

न्यूजी एजेंसी एपी की रिपोर्ट के मुताबिक इस हमले को यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने तीन साल में यूक्रेन की ऊर्जा क्षेत्रों पर रूस का सबसे बड़ा हमला बताया है। यूक्रेनी वायुसेना की मुताबिक रूस ने हमले में कई क्रूज मिसाइलें और बैलिस्टिक किंजल मिसाइल का इस्तेमाल किया है।

रूस की ओर से ये हमला यूक्रेन के पश्चिमी क्षेत्र में किया गया है। कीव में यूएस एंबेसी के मुताबिक ताजा हमले में यूक्रेन के कई ट्रांसपोर्ट नेटवर्क को नुकसान पहुंचा है। इनमें एक निजी ऊर्जा कंपनी का

थर्मल पावर प्लांट बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन की सेना ने रूस की ओर से दागी गई मिसाइलों में से 81 को हवा में ही नष्ट कर दिया। इनमें 11 क्रूज मिसाइलें शामिल हैं। जेलेंस्की ने कहा कि रूसी मिसाइलों को अमेरिका की एफ-16 लड़ाकू विमान से इंटरसेप्ट कर नष्ट किया गया। वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अपने टेलीग्राम चैनल पर पोस्ट करते हुए लिखा कि रूस हथियार का इस्तेमाल कर लाखों लोगों में आतंक पैदा करना चाहता है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील करते हुए कहा कि हम चाहते हैं रूसी राष्ट्रपति ब्लादीमिर पुतिन के खिलाफ अंतराष्ट्रीय समुदाय एकजुट हो। जेलेंस्की ने आगे कहा कि इस आतंक को रोकने के लिए दुनियाभर के देशों को एकजुट होकर जवाब देना होगा तभी इसी आतंक को रोका जा सकेगा। इस हमले को लेकर रूस के रक्षा मंत्रालय ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हमने यूक्रेन की ओर से बुधवार को किए गए हमले का जवाब दिया है। इससे पहले बुधवार को यूक्रेन ने घातक अमेरिकी मिसाइल सिस्टम से रूस पर हमला किया था। जिसके जवाब में रूसी सेना ने लंबी दूरी की मिसाइल और ड्रोन का इस्तेमाल कर यूक्रेन के कई गैस और ऊर्जा क्षेत्रों को नष्ट किया है। इन सभी औद्योगिक क्षेत्रों से यूक्रेनी सेना को मदद मिल रही थी। घटना को लेकर यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने रूस पर आरोप लगाया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि रूस हमारे ऊर्जा क्षेत्रों को नष्ट करने की कोशिश कर रहा है। हम इस तरह के आतंक को रोकने के प्रयास में हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम अंतरराष्ट्रीय समुदाय से रक्षा के लिए 20 नासाम्स, हॉक और आईआरआईएस-टी एयर डिफेंस सिस्टम यूक्रेन को जल्द देने की मांग करते हैं।

बीते कई महीनों से रूसी सेना के निशाने पर यूक्रेन का बिजली संयंत्र है। रूस यूक्रेन के ऊर्जा क्षेत्रों को खत्म करने में लगा है। जिससे वहां के लोगों को अंधेरे में रहना पड़े।

पाकिस्तान की खस्ता हालत का एक और सबूत

खड़े-खड़े कूड़ा बन गए पीआईए के 34 में से 17 विमान

कराची, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान ही हालत खराब है। एक तरफ महंगाई और भुखमरी से जनता बेहाल है तो वहीं मुल्क आर्थिक तंगी का सामना कर रहा है। अब ऐसे में पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस को लेकर भी बुरी खबर सामने आई है। दरअसल, आवश्यक कलपुर्जों और अन्य उपकरणों की कमी के कारण पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) के 34 विमानों में से 17 को उड़ान भरने से रोक दिया गया है, जिससे वो सेवा से बाहर हो गए हैं। एयरलाइंस के एक सूत्र ने कहा, "स्थिति यह है कि पीआईए बेड़े के 17 विमान सेवा से बाहर हैं।" वर्तमान में एयरलाइंस के बोइंग 777 बेड़े में 12 में से सात विमान खड़े हैं। इसके अलावा, 17 एयरबस ए320 विमानों में से सात भी उड़ान भरने लायक नहीं हैं। पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस के छोटे एटीआर विमान भी इससे अछूते नहीं हैं, वर्तमान में पांच में से केवल दो विमान ही काम कर रहे हैं। उड़ान से बाहर रखे गए विमानों में इंजन, लैंडिंग गियर, सहायक विद्युत इकाइयां (एपीयू) और अन्य महत्वपूर्ण भागों सहित आवश्यक घटकों की कमी है। एयरलाइंस के सूत्रों ने कहा कि धन की कमी और संबंधित मंत्रालयों से उचित मंजूरी ना मिलना समस्या का मुख्य कारण है। सूत्रों ने बताया कि हालांकि अभी भी इसका आकलन करना जल्दबाजी होगी, लेकिन यदि वर्तमान स्थिति बनी रहती है, तो यूरोप के लिए सेवाओं की नियोजित बहाली में देरी हो सकती है, जो पेरिस के लिए दो साप्ताहिक उड़ानों के साथ शुरू होने वाली है। इस कमी ने सरकार के निजीकरण आयोग की प्रक्रिया को भी प्रभावित किया है। इसी साल सरकार ने कर्ज में डूबी एयरलाइंस में 60 प्रतिशत शेयरों का निजीकरण करने का असफल प्रयास किया था।

जॉर्जिया की राष्ट्रपति का चुनाव नतीजे मानने से इनकार

बोलीं- मैं कहीं नहीं जा रही हूं

तिब्लिसी, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। जॉर्जिया की प्रेसीडेंट सैलोम जौराबिचविली ने राष्ट्रपति चुनावों को सिरे से खारिज कर दिया है। देश में शनिवार को चुनाव हो रहा है लेकिन सैलोम ने शुक्रवार को ही ऐलान कर दिया है कि वह राष्ट्रपति चुनाव की वैधता को नहीं मानती हैं। सैलोम जौराबिचविली ने राष्ट्रपति चुनावों को खारिज करते हुए वोट ना मिलने पर पद छोड़ने से इनकार कर दिया है। इससे एक सियासी संकट खड़ा हो गया है, देश में पहले ही लगातार हिंसा और विरोध प्रदर्शन देखने को मिल रहे हैं।

जौराबिचविली ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस बात पर प्रकाश डाला कि जॉर्जियाई इतिहास में पहली बार राष्ट्रपति का चुनाव संसद में 300

सदस्यीय निर्वाचक मंडल करने जा रहा है। उन्होंने नए संसदीय चुनाव होने तक पद पर बने रहने के अपने इरादे को दोहराते हुए कहा कि मैं कार्यालय नहीं छोड़ रही हूं, मैं यहीं रहूंगी। उन्होंने 26 अक्टूबर के संसदीय चुनावों के नतीजों को भी खारिज करते हुए सरकार से नए चुनाव कराने का आग्रह किया है। सैलोम ने एक्स पर लिखा, 'मैं कार्यालय नहीं छोड़ रहू हूं क्योंकि इस महत्वपूर्ण समय में देश को वैध संस्थानों और प्रतिनिधियों की जरूरत है, जो वास्तव में लोगों के चुने गए हैं। जब दमन पर भरोसा करने वालों को एहसास होगा कि चुनाव ही आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता है, तो मैं शांति, न्याय और भविष्य के लिए उन्हें संगठित करने के लिए तैयार हो जाऊंगी। कल संसद में जो योजना बनाई गई है वह एक पैरोडी के अलावा और कुछ नहीं है।' जॉर्जिया में राष्ट्रपति चुनाव 2017 में पारित संवैधानिक संशोधनों के तहत 2024 से शुरू होने वाले निर्वाचक मंडल द्वारा किया जाएगा। संसदीय अध्यक्ष शाल्वा पापुश्विली ने बताया है कि चुनाव 14 दिसंबर को होंने हैं। इसे पहले जॉर्जियाई ड्रीम पार्टी ने अक्टूबर चुनाव में 53.93 फीसदी वोट के साथ जीत हासिल की। जौराबिचविली और कई दल परिणामों को खारिज करने के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं। जॉर्जिया की राजनीति लंबे समय से रूस और पश्चिमी देशों के बीच रस्साकशी में फंसी हुई है। देश में लगातार विरोध प्रदर्शनव हो रहे हैं। अक्टूबर 2024 में हुए संसदीय चुनावों में जॉर्जियन ड्रीम पार्टी ने जीत हासिल की लेकिन इसके खिलाफ भी जॉर्जिया की राजधानी त्बिलिसी में जोरदार प्रदर्शन हो रहे हैं। अब राष्ट्रपति चुनाव पर भी संकट खड़ा होता दिख रहा है।

झारखंड में 6 जिलों का पारा 10 डिग्री से नीचे

रांची, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड में ठंड अब लोगों को ठिठुरने पर मजबूर करने लगी है। सुबह और शाम तेज ठंड का प्रभाव तेजी से बढ़ा है। गर्म कपड़ों से लिपटे रहने को लोग मजबूर हो गए हैं। वहीं, पिछले 24 घंटे में राज्य के 6 जिलों का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया। इसमें जमेशदपुर, डाल्टेनगंज, बोकारो थर्मल, चाईबासा, देवघर और हजारीबाग शामिल हैं। रांची का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया गया। राज्य में सबसे ठंडा डाल्टेनगंज रहा। पिछले 24 घंटे में राज्य में मौसम शुष्क रहा। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस चाईबासा में जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 7.9 डिग्री सेल्सियस डाल्टेनगंज में दर्ज किया गया।

ओपन एआई पर आरोप लगाने वाले सुचिर बालाजी की मौत

अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में शव मिला, पुलिस को खुदकुशी का शक

सैन फ्रांसिस्को, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) रिसर्चर सुचिर बालाजी 26 नवंबर को अपने अपार्टमेंट में मृत पाए गए थे। पुलिस को शक है कि 26 साल के इंडो-अमेरिकन सुचिर ने आत्महत्या की थी। शिकागो ट्रिब्यून के मुताबिक, पुलिस का कहना है कि उन्हें जांच में किसी भी तरह की गड़बड़ी के सबूत नहीं मिले हैं। 26 नवंबर का यह मामला 14 दिसंबर को चर्चा में आया। नवंबर 2020 से अगस्त 2024 तक ओपन एआई के लिए काम करने वाले सुचिर तब चर्चा में आए थे जब उन्होंने कंपनी को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए थे। न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए

इंटरव्यू में सुचिर ने कहा था कि ओपन एआई का बिजनेस मॉडल स्टेबल नहीं है और इंटरनेट इकोसिस्टम के लिए बेहद खराब है। सुचिर ने आरोप लगाया था कि कंपनी ने अपना प्रोग्राम डेवलप करने के लिए ऑनलाइन डेटा की नकल की अमेरिका के कॉपीराइट नियमों के उल्लंघन किया। उन्होंने लोगों से जल्द से जल्द कंपनी छोड़ देने के लिए भी कहा था। इलॉन मस्क ने इस खबर पर रिएक्ट किया है। सुचिर बालाजी ने यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया बर्कले में कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई की और ओपन एआई में स्केल एआई में इंटर्नशिप की। वह 2020 में ओपन एआई के लिए काम करने वाले बर्कले ग्रेजुएट्स में शामिल थे।

बालाजी ने 2022 की शुरुआत में जीपीटी-4 नामक एक नई परियोजना के लिए डेटा इकट्ठा करना शुरू किया। 2022 के आखिर में उन्होंने इस बात को महसूस किया कि कंपनी अपना प्रोग्राम डेवलप करने के लिए कॉपीराइट कानून का उल्लंघन कर रही थी। बता दें कि मस्क ने अल्टमैन के साथ मिलकर 2015 में ओपन एआई बनाई थी।

अचानक लापता हुई 13 साल की बच्ची

सीसीटीवी फुटेज में फुसलाकर ले जाता दिखा परिचित

जयपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के जयपुर में 13 साल की नाबालिग बच्ची को किडनैप करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है. यहां एक परिचित ही बच्ची को बहला -फुसलाकर उठा ले गया था. उसकी यह करतूत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई. पुलिस ने मासूम के चाचा की रिपोर्ट पर मामला दर्ज की जांच पड़ताल शुरू कर दी है. घटना जयपुर के शिवदासपुरा थाना इलाके की है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक नाबालिग के चाचा ने पुलिस को रिपोर्ट देकर बताया है कि शिवदासपुरा थाना इलाके के एक गांव में उनकी 13 साल की भतीजी परिवार के साथ ही रहती है. आरोपी परिचित है, बच्ची उसे जानती भी है और उससे बातचीत भी होती रहती थी. 6 दिसंबर को उनकी नाबालिग भतीजी अचानक लापता हो गई. परिवार के लोग अन्य परिजनों और रिश्तेदारों के यहां उसे ढूंढ़ते रहे लेकिन वह कहीं ना मिली. चाचा की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर खोजबीन शुरू कर दी है।

एसडीएम ने परिवार के नाम बॉर्डर के पास बेची जमीन

प्रतिबंधित क्षेत्र में 2350 बीघा जमीन को बेचा, हर रजिस्ट्री में गवाह भाई

जोधपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। बाड़मेर जिले के प्रतिबंधित एरिया में 17 साल बाद फिर से बॉर्डर की जमीनें बाहरी लोगों को बेच दी गईं। बॉर्डर की जमीनें बिकवाने का ये खेल रामसर एसडीएम अनिल जैन ने अपने परिवार वालों के साथ मिलकर किया। 10 माह के रिकॉर्ड के मुताबिक हरसाणी उप पंजीयक के क्षेत्र में 7 सोलर कंपनियों ने 5735.4 बीघा जमीन खरीदी।

इसमें से अकेले एसडीएम व उनके परिजन ने 2350.49 बीघा जमीन की रजिस्ट्री दो सोलर कंपनियों के नाम से करवाई।रामसर एसडीएम जैन ने अपना गृह क्षेत्र गडरा रोड होते हुए भी राजनीतिक रसूख के दम पर वहां के एसडीएम का अतिरिक्त चार्ज लेकर जमीनों की खरीद-फरोख्त करवाई। एसडीएम के पैतृक गांव बालेवा और इसके आसपास चारणों की ढाणी सहित कई गांवों की जमीनें किसानों से ओने पौने-दामों पर खरीदी गईं।ये जमीनें एसडीएम के भाई कपिलचंद जैन, पिता टीकमचंद और मां अणसी के नाम से पावर ऑफ अटॉर्नी के जरिये 10 से 40 हजार रुपए प्रति बीघा में ली गईं, जिसे बाद में 1 लाख रुपए प्रति बीघा से ज्यादा की दर से सोलर कंपनियों को बेच दिया गया। किसानों से अधिकांश जमीनें अपने वाद सुलझाने, बंटवारा करने या कोर्ट में विवाद फैसला करने के नाम पर ली गई।

ये परमिशन भी एसडीएम 7 दिन की दे सकता है। रामसर एसडीएम जैन ने गडरा रोड एसडीएम का अतिरिक्त चार्ज रहते सोलर कंपनी के दो व्यक्तियों को नियम विरुद्ध 6 माह के लिए गडरा रोड व गिराब पुलिस थाने के प्रतिबंधित एरिया में आने-जाने की अनुमति दे दी।

सितंबर और अक्टूबर में हरसाणी उप पंजीयक ऑफिस में 800 से ज्यादा बीघा की रजिस्ट्री एसडीएम के परिजन ने करवाई।} सोलर कंपनियों से रजिस्ट्री करवाकर डीएलसी रेट से जमीन की राशि कपिल, अणसी व टीकमचंद के खातों में पहुंची। जमीन के मालिक से कितने में खरीदी इसका उल्लेख नहीं। डीएलसी के अलावा ब्लैक मनी का बड़ा ट्रांजेक्शन किया गया।

बिना नोटिस दिए एक माह में एक तरफा फैसला

गडरा रोड तहसील के कुबड़िया गांव के भूरसिंह व भीमसिंह की 300 बीघा जमीन पर फर्जी बहन बनकर पेश किए गए दांवे पर एक माह में एक तरफा फैसला कर दिया। दोनों बुजुर्गों ने बताया कि ताज कंवर नाम से उनकी कोई बहन ही नहीं है, फिर भी एसडीएम जैन वाद स्वीकार किया और पंचायत समत पांच जनों को पार्टी बनाया।

हमें दो नोटिस ही नहीं मिले, हमारा पक्ष जाने बिना ही एसडीएम ने 23 जुलाई 24 को एक तरफा फैसला कर दिया, इसके बाद तीसरा नोटिस मिला। तब पता चला कि हमारे के खिलाफ फैसला हुआ। एसडीएम साहब और उनके परिचित मिठडाऊ वाले जमीन हड़पना चाहते है। बाद में आरएए से स्टे मिला।

बाड़मेर के रामसर, सेड़वा, गडरा रोड, चौहटन, गिराब, बीजराड़, बाखासर थाने बॉर्डर से सटे होने के कारण प्रतिबंधित हैं। इन थाना क्षेत्रों की जमीन खरीदने या बेचने के लिए दांडिक विधि संशोधन अधिनियम 1961 की धारा 3 (3)(6) के तहत प्रतिबंधित क्षेत्र से बाहर के व्यक्ति को संबंधित एसडीएम से अनुमति लेनी जरूरी है।

सूबेदार सोनदर सिंह का हार्ट अटैक से निधन

20 दिसंबर को होने वाले थे रिटायर, 10 साल के बेटे ने दी मुखाग्नि

भरतपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। भरतपुर के सूबेदार सोनेदर सिंह का पटियाला में हार्ट अटैक से निधन हो गया। सोनेदर सिंह भारतीय सेना आर्म्ड कोर यूनिट 1 हॉर्स में सूबेदार के पद पर तैनात थे। 12 दिसंबर को उन्हें हार्ट अटैक आया था। जिसके बाद रात करीब 10 बजे उनका निधन हो गया। शनिवार को सुबह 10 बजे शहर के सुभाष नगर स्थित श्मशान में उनके पार्थिव देह का सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। सोनेदर सिंह के पार्थिव देह को उनके 10 साल के बेटे ने मुखाग्नि दी।

सूबेदार जितेंद्र सिंह ने बताया कि सोनेदर सिंह 38 पटियाला के तारापुर गेट पर तैनात थे। 12 दिसंबर को ड्यूटी के दौरान करीब 8 बजे अचानक उनके सीने में दर्द हुआ। जिसके बाद उन्हें आर्मी अस्पताल लेकर जाया गया। जहां उन्हें उपचार देने के बाद उनकी हालत में थोड़ा सुधार हुआ। तबियत में सुधार होने पर उन्हें वापस यूनिट लेकर आ रहे थे इतने में फिर से उनके अचानक सीने में दर्द हुआ। दोबारा उन्हें अस्पताल लेकर जाया गया। फिर से उन्हें भर्ती किया गया। रात 10 बजे उनका निधन हो गया। वह कल रात सोनदर सिंह सिंह के शव को लेकर पटियाला से निकले थे। आज सुबह भरतपुर पहुंचे हैं।

सोनदर सिंह के छोटे भारी मौनेंद्र सिंह ने बताया की वह एयरफोर्स में तैनात हैं। इस समय उनकी ड्यूटी शिलॉन्ग में चल रही है। वह शहर के कोतवाली थाना इलाके के केंद्रीय बस स्टैंड के पीछे सुभाष नगर में रहते हैं। सोनदर सिंह के एक बेटा और एक बेटी है। बेटा आदित्य (10) 5 वीं क्लास में पढ़ता है। वहीं बेटी अनुष्का (16) वीं क्लास में पढ़ती है। सोनदर सिंह के पिता राम नगीना में आर्मी में थे। सोनदर सिंह के शव को मुखाग्नि उनके बेटे आदित्य ने दी। सोनदर सिंह का 20 दिसंबर को रिटायर होने वाले थे।

15 साल पुराने मामले में बुजुर्ग को सुनाई सजा

4 साल कठोर कारावास, 200 ग्राम अफीम का दूध किया था बरामद

बाड़मेर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। बाड़मेर कोर्ट ने 15 साल पुराने एनडीपीएस मामले में 73 साल के आरोपी को 4 साल के कठोर कारावास व 20 हजार के अर्थदंड की सजा सुनाई है। कोर्ट के समक्ष अभियोजन पक्ष की ओर से कुल 8 गवाह और 31 डॉक्युमेंट को पेश किए गए। विशिष्ट न्यायाधीश के पीठासीन अधिकारी एमआर सुथार आरएचजेएस ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद फैसला दिया।

विशिष्ठ लोक अभियोजक सुरेशचंद्र मोदी ने बताया कि 26 नवंबर 2009 को सुबह 11 बजे पुलिस को सूचना मिली थी कि निम्बाराम पुत्र जीयाराम निवासी मेकरणा वाला अवैध अफीम के धंधे में लिप्त है। इस पर अफीम का दूध लेकर बायतु आएगा इस पर थानाधिकारी मय जाब्ता रवाना होकर सरहद माधासर गोलाई एनएच 112 पर पहुच कर नाकाबंदी की गई। इस दौरान दोपहर 3 बजे एक व्यक्ति माधासर की तरफ से हाथ में कपड़े की थैली लेकर आता हुआ नजर आया। पुलिस पार्टी को देखकर सड़क से नीचे उतरकर साइड में जाने लगा। संदेह के आधार पर उसे दस्तयाब करने पर उसने अपना नाम निम्बाराम पुत्र जीयाराम निवासी मेकरणा वाला बताया। विधिक प्रावधानों का पालन करते हुए उसकी तलाशी लेने पर उसके पास से एक डिब्बा में 200 ग्राम अफीम का दूध मिला।

जिसके नमूना सैंपल लेकर सीलबंद कर आरोपी निंबाराम को गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर जांच की गई। आरोपी निम्बाराम को आरोप सुनाए गए व साक्ष्य प्रारंभ की गई। विचारण में न्यायालय के समक्ष अभियोजन पक्ष द्वारा कुल 8 गवाहों को परीक्षित करवाया गया। कुल 31 दस्तावेजों को प्रदर्शित करवाया गया।

विशिष्ठ न्यायाधीश एनडीपीएस प्रकरण बाड़मेर के पीठासीन अधिकारी एमआर सुथार आरएचजेएस जिला न्यायाधीश बाड़मेर ने एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण में 73 वर्षीय बुजुर्ग को 4 वर्ष के कठोर कारावास व 20 हजार के अर्थदंड की सजा सुनाई है। आरोपी निंबाराम पुत्र जीयाराम निवासी मेकरणा वाला पचपदरा जिला बालोतरा को अपराध अंतर्गत धारा 8/18 एनडीपीएस एक्ट मे दोषी मानते हुए 4 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है।

चाचा-चाची ने नाबालिग को एक लाख रुपए में बेचा

बूंदी, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। एमपी के गुना जिले की एक नाबालिग को उसके ही चाचा-चाची ने बूंदी जिले में एक लाख रुपए में बेच दिया। नाबालिग के साथ तीन दिन तक बंधक बनाकर रेप किया। दिन-रात नाबालिग को पहरे में रखा। इसी दौरान नाबालिग रात को मौका मिलते ही पैदल ही भाग निकली। सात किमी पैदल चलने के बाद घने जंगल से वह खटकड़ चौराहे पर पहुंची, जहां रात में ग्रामीणों ने मामला संदिग्ध समझकर पुलिस के हवाले कर दिया। फिलहाल नाबालिग बाल कल्याण समिति की देख रेख में है। बाल कल्याण समिति अध्यक्ष सीमा पोद्दार ने बताया कि 9 दिसंबर को मध्य प्रदेश के गुना जिले के रुठियाई थाना इलाके की 13 साल की नाबालिग को एक लाख रुपए में रायथल थाना क्षेत्र के एक गांव में बेच दिया।

खदान में डूबने से नौ लोगों की मौत का मामला

राजेंद्र गुढ़ा बोले-किस नेता ने पैसे लिए हैं, सब बताऊंगा

झुंझुनू, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। झुंझुनू शहर के बीचों बीच स्थित कान्हा पहाड़ी में ब्लास्टिंग व खदान में डूबने वालों के परिवारों को मुआवजे देने की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया गया। इससे पहले पूर्व मंत्री राजेन्द्र सिंह गुढ़ा के नेतृत्व में प्रभावित परिवार व मोहल्ला खोरा, मोहल्ला चेजारान के लोगों ने रैली निकाली। जो मोहल्ला खोरा से शुरू होकर एक नंबर रोड़ होते हुए कलेक्ट्रेट पर पहुंची। जहां गुढा के नेतृत्व में लोगों ने कलेक्ट्रेट गेट के बाहर जमकर प्रदर्शन किया। नारेबाजी करते हुए प्रभावित परिवारों को मुआवजा देने की मांग की। पूर्व मंत्री राजेन्द्र सिंह गुढ़ा ने कहा कि शहर के बीचों बीच माइनिंग से हजारां घरां को नुकसान पहुंचा है, मकानों में दरारे आ गई है, ये गरीब तबके के लोग है, सर्वे करवाकर उन्हें मुआवजा दिया जाए। पूर्व में खनन से हुए गड्ढे में 9 लोगों की डूबकर मौत हो चुकी है। उन्हें आज तक मुआवजा नहीं दिया गया है।

न्यायालय ने आदेश दिया था कि खनन होल्डर पीड़ित को मुआवजा दे, लेकिन उन्हें कुछ भी नहीं मिला। युवाओं ने न्याय के प्रदर्शन किया था, उल्टा उन्हीं पर मुकदमा लगा दिया गया। उन्होंने कहा कि माइनिंग को कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से वापस चालू करवा दी गई है। उस की भी न्यायिक जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई की जाए। वहीं इस मामले में लीज धारक श्याम सिंह कटेवा का कहना है कि खदान में डूबकर मरने वालों का मामला हाईकोर्ट में लंबित है, जो भी फैसला आएगा मंजूर है।

बीजेपी आईटी सेल जिला संयोजक की प्राथमिक सदस्यता निलंबित

दौसा, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। दौसा में विधानसभा उपचुनाव के बाद आयोजित भाजपा की जिला स्तरीय कार्यशाला में पार्टी जिलाध्यक्ष के साथ अभद्र व्यवहार के आरोप में प्रदेश अनुशासन समिति ने सोशल मीडिया सेल के जिला संयोजक को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया है। मीडिया प्रभारी दीपक जोशी ने बताया कि अनुशासन समिति के प्रदेश अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत ने सोशल मीडिया सेल के जिला संयोजक रितेश पारीक को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित करने का पत्र जारी किया है।

13 दिसंबर को अनुशासन समिति के अध्यक्ष द्वारा रितेश पारीक को पत्र जारी कर बताया कि 30 नवंबर को जिला संगठन पर्व की कार्यशाला के दौरान जिलाध्यक्ष प्रभुदयाल शर्मा के साथ अभद्र व्यवहार करने की शिकायत प्राप्त हुई। इस संबंध में 2 दिसंबर को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। 3 दिसंबर को पेश किया गया जवाब प्रथम दृष्टया स्वीकार करने योग्य नहीं है। आरोपों की गंभीरता को देखते हुए आपके विरुद्ध अनुशासन भंग करने के आरोप में पार्टी के संविधान के तहत जांच किया जाना आवश्यक है।

पार्टी के बहाने बुलाकर दोस्तों ने जिंदा जलाया

जयपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। जयपुर में दोस्तों ने ही एक युवक को जिंदा जलाकर मार डाला। गंभीर रूप से झुलसे युवक को सवाई मान सिंह (एसएमएस) हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक के पिता ने दोनों दोस्तों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि युवक के दोस्त पार्टी करने के बहाने उसे घर से बुला ले गए थे। मरने से पहले युवक ने वीडियो में बयान भी दिया है। पुलिस ने दोनों दोस्तों को हिरासत में लिया है। मामला बगरू इलाके के बोराज रोड का है।

पार्टी करने के लिए दोस्तों ने बुलाया

बगरू थाना अधिकारी मोतीलाल शर्मा ने बताया- राकेश गुर्जर (19) भरतपुर का रहने वाला था। वह बगरू के बेगस में रह रहा था। शुक्रवार दोपहर 12:30 बजे अपने दोस्त हरिमोहन (19) और मनोज (20) के साथ राकेश पार्टी करने के लिए दोपहर 12:30 बजे घर से निकला था। शाम करीब 7 बजे बोराज रोड पर रघु बिहार कॉलोनी के एक खाली प्लॉट में सभी बैठे थे।

मरने से पहले बनाया वीडियो

राकेश के पिता मोहर सिंह गुर्जर ने बताया- दोस्तों ने उस पर पेट्रोल छिड़क दिया और आग लगा दी। गंभीर रूप से झुलसे राकेश का मरने से पहले का एक वीडियो भी है। इसमें वह बता रहा है कि पता नहीं उसे क्यों जलाया गया। वह अपने दोस्तों के साथ बैठा था। इसी दौरान उन्होंने उस पर पेट्रोल छिड़क दिया और आग लगा दी।

4 करोड़ कैश जब्त, डीजीजीआई ने पकड़ा 10 करोड़ का घोटाला

जयपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में डायरेक्टरेट जनरल जीएसटी इंटेलिजेंस यानी डीजीजीआई ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। इस दौरान टीम ने रेड डालते हुए 10 करोड रुपये के घोटाले को उजागर किया। इस कार्रवाई में 4 करोड़ से अधिक की नकदी भी बरामद की गई। यह मामला लुब्रिकेटिंग ऑयल को साफ करने वाली कंपनी से जुड़ा हुआ है, जहां फर्जी चालान के जरिए 10 करोड रुपये का घोटाला किया गया। इसके जरिए कम्पनी ने टैक्स की चोरी की है। डीजीजीआई के जयपुर जोनल यूनिट के अधिकारियों ने जयपुर के विभिन्न इलाकों में इस बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। टीम ने व्यापारी दीपक एंटरप्राइजेज, मेसर्स रैक्सी लुबर्स, लुब्रिकेटिंग ऑयल रिफाइनर मेसर्स महावीर केमिकल इंडस्ट्रीज, मेसर्स माहेश्वरी पेट्रोकेमिकल्स और मेसर्स ओम इंडस्ट्रीज के ठिकानों की जांच की। इस कार्रवाई के दौरान पता चला कि लुब्रिकेटिंग ऑयल के व्यापारी गुप्त रूप से ब्रांडेड लुब्रिकेटिंग ऑयल को साफ कर रहे थे।

साथ ही इन कम्पनियों ने फर्जी तरीके चालान काटकर टैक्स की चोरी की। इस दौरान टीम की जांच में सामने आया कि इन कम्पनियों ने टैक्स चोरी के लिए बड़ा खेल किया। बताया जा रहा है कि बिना किसी माल सप्लाई के फर्जी चालान जारी किये जा गए, जिसमें अपने स्टॉक में दिखाए माल के संबंध में अन्य प्रयुक्त तेल रिफाइनर्स को कम मुल्य पर फर्जी चालान जारी किया जा रहा था।

इसके अलावा फर्जी चालान का इस्तेमाल बिना बिल के प्रयुक्त तेल की अपनी खरीद को कवर करने के लिए कर रहे हैं। इस तरह टैक्स भरने वाले लोगों ने रिफाइनरों के साथ मिलकर करीब 10 करोड़ रुपये टैक्स की चोरी की गई है। इस मामले में टीम आगे की जांच में जुटी हुई।

राजस्थान में बढ़ेगी सामाजिक सुरक्षा पेंशन

शिक्षा मंत्री बोले-1150 की जगह 1500 रुपए मिलेंगे;डेढ़ साल में होगी बढ़ोतरी

जोधपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान प्रदेश में सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों को जल्द ही 1500 प्रति माह तक की पेंशन मिल सकेगी। इसकी जानकारी प्रदेश के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने दी। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर जोधपुर दौर पर थे। यहां मीडिया से बातचीत में कहा- सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत किशन बढ़ाने की घोषणा हमारे संकल्प पत्र में की गई थी। इन पर सरकार बनने के बाद से तुरंत निर्णय किया गया। सामाजिक सुरक्षा योजना की पेंशन को 1500 रुपए करने की बात कही गई थी।

कांग्रेस ने यह कहा था- हम सामाजिक सुरक्षा पेंशन को 1000 तक करेंगे। जो पूर्व में 750 रुपए थी। लेकिन, सरकार ने पूरे 5 साल निकाल दिए इसे लागू नहीं किया चुनाव के समय में इसको लेकर जरूर आदेश निकाले थे। लेकिन, भजनलाल शर्मा ने कुर्सी संभालने के बाद 750 रुपए की सामाजिक सुरक्षा पेंशन को बढ़ाकर 1150 रुपए देना प्रारंभ कर दिया है। आने वाले डेढ़ साल के अंदर यही हमारी सामाजिक सुरक्षा पेंशन 1500 रुपए तक हो जाएगी।

मंत्री दिलावर बालोतरा पहुंचे। यहां बुड़ीवाड़ागांव में एक निजी समारोह में शामिल होने के बाद रात्रि विश्राम भी वहीं किया।इस बीच गांव में शिक्षा मंत्री के आने की खबर मिली तो 12वीं क्लास का मूलाराम सुथार अपने दोस्त जोराराम के साथ मंत्री से मिलने पहुंचा। यहां उन्होंने उनकी स्कूल में आने को कहा। लेकिन, हाफ इयरली का एग्जाम होने की वजह से चलने से मना कर दिया। बच्चे जिद करने लगे तो मंत्री दिलावर ने कहा मैं स्कूल तो नहीं आऊंगा लेकिन तुम्हारे घर पर जरूर चलूंगा। इस पर सुबह जब मंत्री का काफिला मूलाराम के घर पहुंचा तो घर वाले हैरान हो गए। यहां उन्होंने मूलाराम के परिवार से मुलाकात की। इसके बाद वे फलौदी के लिए रवाना हो गए।

शिक्षा विभाग में गड़बड़ी मिलते ही होगी कार्रवाई

मंत्री दिलावर ने कहा- प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद से ही शिक्षा विभाग में नवाचार किया जा रहे हैं। शिक्षा विभाग में गड़बड़ियों को लेकर कहा कि कहीं पर भी यदि गलत हो रहा है तो उस पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह सरकार है कोई मजाक नहीं है कि कोई भी अधिकारी गड़बड़ी कर चला जाएगा। कहा रात तीन बजे समसा के टेंडर खोलकर बेइमानी की गई है। इसके खिलाफ जांच चल रही है। वे बोले- भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार लगातार कार्रवाई कर रही है। जोधपुर में शिक्षा विभाग की ओर से अधिशेष शिक्षकों के समायोजन में हुई गलतियों को लेकर कहा कि इसको लेकर जांच की जा रही है। गलती पर कार्रवाई की जाएगी।

डिपार्टमेंट में भ्रष्टाचार रोकने के लिए बदले नियम

मंत्री दिलावर बोले- शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत निशुल्क शिक्षा में भ्रष्टाचार को लेकर कहा कि पहले आय का प्रमाण पत्र वार्ड पार्षद या गजेटेड ऑफिसर वेरिफाई कर देता था, लेकिन अब इसमें बदलाव कर दिया गया है। अब तहसीलदार आय प्रमाण पत्र सत्यापित कर सकेगा। प्रदेश में सरकारी स्कूलों में टॉयलेट बनवाने से लेकर बिल्डिंग मरम्मत को लेकर 100 करोड़ रुपए से अधिक दिए गए हैं।

भतीजे की हत्या के आरोप में चाचा समेत 3 गिरफ्तार

कोटा, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। कोटा जिले के इटावा थाना क्षेत्र में जमीन विवाद में युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनमें पिता पुत्र भी शामिल है। 9 दिसंबर की शाम को आरोपियों ने गंडासे से हमला कर सोनू भील (27) को मौत के घाट उतार दिया था। इटावा थाना सीआई संदीप विश्नोई ने बताया कि हत्या के आरोप में बाबूलाल (45) उसके बेटे दिनेश (21) व कुलदीप (30) को गिरफ्तार किया है। इस मामले में मृतक के पिता ब्रज मोहन (60) निवासी किशनपुरा ने शिकायत दी थी। पुश्तेनी जमीन के अलावा उसके पास 9 बीघा जमीन अलग है। कुल 9 बीघा जमीन पर मेरा कब्जा चला आ रहा था।पिछले एक साल छोटा भाई बाबूलाल जमीन हथियाने की कोशिश में लगा है। पिछले कुछ दिनों से बाबूलाल जमीन हकाई में लगा था। उसने जान से मारने की धमकी दी थी। जिसके बाद 6 दिसंबर को ग्रामीण एसपी को परिवाद देकर आया। 9 दिसंबर की शाम को बाबूलाल ट्रैक्टर लेकर जमीन हांकने चला गया। पता लगने पर बेटे बहु के साथ खेत पर पहुंचा। वहां जाते ही झगड़ा शुरू हो गया बाबूलाल व उसके साथ के लोगों ने मेरे, बेटे सोनू व बहु पर हमला कर दिया। आरोपियों ने गंडासे से वार किए। इसमें मेरे व सोनू के सिर पर चोट लगी। आरोपियों ने बेटे सोनू के सिर पर खूब वार किए। उसे मरा समझकर फरार हो गए। रिश्तेदार व परिचितो की मदद से बेटे को इटावा हॉस्पिटल लाया। जहां से उसे कोटा रेफर किया।

सीमेंट फैक्ट्री में ब्लास्ट, दो लोग जले

बांसवाड़ा, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। बांसवाड़ा में द इंडिया सीमेंट्स लिमिटेड के प्लांट में ब्लास्ट हो गया।

हादसे में दो मजदूर झुलस गए हैं। ब्लास्ट प्लांट के कोयला डिपो में हुआ। शनिवार सुबह 10.30 बजे हुए हादसे का कारण कार्बन डाई-ऑक्साइड गैस का रिसाव बताया जा रहा है। धमाके की आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। झुलसे मजदूरों को शहर के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची। सीआई रोहित कुमार सिंह ने बताया कि मौके पर तीन थानों के 70 से ज्यादा जवान तैनात हैं।

सिर्फ वायु योद्धा नहीं, भविष्य के कमांडर बनें

वायुसेना प्रमुख ने युवा फ्लाइंग अफसरों से कहा

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय वायु सेना प्रमुख एपी सिंह ने शनिवार को नव नियुक्त फ्लाइंग अधिकारियों से आग्रह किया कि वे सिर्फ वायु योद्धा ही नहीं, बल्कि भविष्य के कमांडर भी बनें। उन्होंने युवा फ्लाइंग ऑफिसर्स से कहा कि आप भविष्य के कमांडर हैं, न कि केवल योद्धा, और आप भारतीय वायुसेना का भाग्य तय करेंगे। इस बड़ी जिम्मेदारी को अपने ऊपर हावी न होने दें, बल्कि इसे अपने जीवन में प्रेरणा का स्रोत बनाएं।

वायुसेना प्रमुख ने यहां वायुसेना अकादमी (एएफए) में 214वें कोर्स की संयुक्त स्नातक परेड (सीजीपी) का निरीक्षण किया। सिंह ने युवा अधिकारियों से भारतीय वायुसेना के मूल्यों, परंपराओं और सम्मान को बनाए रखने का आग्रह किया। भविष्य के युद्ध के बारे में बोलते हुए वायुसेना प्रमुख ने कहा कि केवल दो चीजें निश्चित हैं- युद्ध की तेजी से विकसित होती प्रकृति और एयरोस्पेस की बढ़ती प्रासंगिकता। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी के अधिकारी इस रोमांचक और लगातार विकसित हो रहे क्षेत्र का हिस्सा होंगे। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि कोई भी शाखा और सेवा अलग-थलग होकर काम नहीं करती।

उन्होंने युवा अधिकारियों से कहा कि वे एक-दूसरे से सीखने और एक-दूसरे का समर्थन करने का प्रयास करें। उन्होंने युवा अधिकारियों से कहा, चाहे आसमान में हो या जमीन पर, आप में से हर एक को ऑपरेशन में अहम भूमिका निभानी होती है। सुनिश्चित करें कि आप अपनी भूमिका और कार्य को अच्छी तरह से समझें और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें।

उन्होंने कहा कि युवा अधिकारियों को अपने क्षितिज का विस्तार करने के लिए दबाव डाला जाएगा। उन्होंने कहा कि भले ही यह फ्लाइट कैडेट के रूप में वर्षों की दृढ़ता और संरचना प्रशिक्षण का समापन है, लेकिन वास्तव में, यह सिर्फ नई सीख की शुरूआत है, समृद्ध अनुभवों से भरे जीवन की शुरूआत है। आपको अपने क्षितिज का विस्तार करने, अपनी सीमाओं को बढ़ाने, नए कौशल और क्षमताओं की खोज करने के लिए लगातार दबाव डाला जाएगा।

26 महिलाओं सहित कुल 204 फ्लाइंग कैडेटों को भारतीय वायुसेना की फ्लाइंग और ग्राउंड ड्यूटी शाखाओं में कमीशन दिया गया।

परेड के दौरान भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक बल के नौ-नौ अधिकारी प्रशिक्षु और वियतनाम (मित्र देश) के एक प्रशिक्षु भी पास आउट हुए। समारोह में हथियार प्रणाली शाखा के अधिकारियों के पहले बैच को भी कमीशन दिया गया।

मुख्यमंत्री ने डोड्डी कोमुरैया भवन का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शनिवार को हैदराबाद के कोकापेट में 'डोड्डी कोमुरैया कुर्मा भवन' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कुर्मा बंधु विश्वास और सौम्य स्वभाव के पर्याय थे और डोड्डी कोमुरैया ऐसे ही अच्छे समुदाय से आते थे, वे एक महान योद्धा थे जिन्होंने सशस्त्र किसान संघर्ष का नेतृत्व किया।

उन्होंने कहा, डोड्डी कोमुरैया भवन का उद्घाटन करना एक सुखद क्षण है। राज्य सरकार कुर्मा समुदाय को पढ़ाई के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पिछली बीआरएस सरकार ने सामाजिक कल्याण आवासीय विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों के लिए आहार और कॉस्मेटिक शुल्क में वृद्धि नहीं की, लेकिन वर्तमान जनता की सरकार आहार शुल्क में वृद्धि करके गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने का प्रयास कर रही है। रेवंत रेड्डी ने कहा, कृषि ऋण माफी और मुफ्त बिजली आदि सहित कल्याणकारी योजनाओं के लाभ को बढ़ाने में कमजोर वर्गों को प्राथमिकता दी गई है। प्रोफेसर कांचा इलैय्या ने कहा कि हम जमींदारों की तेलंगाना तल्ली नहीं लाए हैं, बल्कि सभी वर्गों की तेलंगाना तल्ली लाए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मौजूदा प्रतिमा हमारी माताओं का स्वरूप है और इसे लोगों को विकास के पथ पर आगे बढ़ने का आशीर्वाद देने के लिए स्थापित किया गया है। जाति जनगणना कराने में तेलंगाना को देश के लिए आदर्श बताते हुए उन्होंने बताया कि लगभग 98 प्रतिशत जाति जनगणना पूरी हो चुकी है और केवल 2 प्रतिशत ही बची है।

उन्होंने कहा कि जाति जनगणना एक मेगा स्वास्थ्य जांच के समान है। रेवंत रेड्डी ने खुलासा किया, जाति जनगणना पूरी होने के बाद कुर्मा समुदाय को जनसंख्या के आधार पर उनका उचित हिस्सा मिलेगा। कांग्रेस ने कुर्मा समुदाय के दो नेताओं और यादव समुदाय के दो अन्य नेताओं को पार्टी टिकट दिए। पार्टियां तभी टिकट देंगी जब आप चुनाव जीतेंगे। उन्होंने आगे कहा कि सरकारी सचेतक मुख्यमंत्री के लिए 'आंख और कान' हैं और कांग्रेस सरकार में चार सामाजिक समूहों को सचेतक के रूप में अवसर दिया गया है। सरकारी सचेतक के रूप में, विधायक बीरला इलैया आपकी समस्याओं को संबोधित कर रहे हैं। आपको अवसर नहीं गंवाना चाहिए।

समुदाय को अधिक अवसर और महत्व तभी मिलेगा जब आपके उम्मीदवार चुने जाएंगे। उन्होंने कहा कि राजनीतिक संबद्धता होने के बावजूद आपके सभी सामाजिक समूहों को एकजुट होना चाहिए और तभी आप समाज में जीवित रह पाएंगे। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाएगी कि डोड्डी कोमुरैया का नाम हमेशा याद रखा जाए।

पवित्र मंदिरों के दर्शन के लिए विशेष ट्रेनें

एससीआर चलाएगा सबरीमाला के लिये ट्रेन

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) कई महत्वपूर्ण तीर्थ स्थलों को कवर करते हुए सबरीमाला विशेष ट्रेनें चला रहा है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि इन ट्रेनों की योजना तेलंगाना और आंध्र प्रदेश से सबरीमाला मंदिर जाने वाले अयप्पा स्वामी भक्तों के लाभ के लिए बनाई गई थी। इन विशेष ट्रेनों से यात्रा करने वाले भक्त केरल के महत्वपूर्ण मंदिरों के तीर्थस्थलों की यात्रा करने की योजना आसानी से बना सकते हैं। सर्किट में शामिल मंदिर पंडालम, कुलथुपुझा, आर्यनकावु, अचंकोविल और एरुमेली में सस्था मंदिर हैं।

मार्ग के स्टेशनों को कवर करने वाले अन्य प्रसिद्ध मंदिर हैं वेल्लोर में स्वर्ण मंदिर, तिरुवन्नमलाई में अन्नामलाईयार मंदिर, श्रीरंगम में रंगनाथ स्वामी मंदिर, समयपुरम (तिरुचिरापल्ली) में मरियम्मन मंदिर, मदुरै में मीनाक्षी अम्मन मंदिर, थिरुपरनकुंद्रम (मदुरै) में अरुलमिगु सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर, अरुलमिगु धनदायुथपानी स्वामी पलानी (डिंडीगुल) में मंदिर, श्रीविल्लिपुथुर में अंडाल मंदिर, श्री कृष्ण मंदिर पुनालुर आदि में ट्रेन सेवाओं में 19 और 26 दिसंबर को चलने वाली सिकंदराबाद-कोल्लम (07175), 21 और 28 दिसंबर को चलने वाली कोल्लम-सिकंदराबाद (07176), 2, 9 और 16 जनवरी को चलने वाली सिकंदराबाद-कोल्लम (07175) और अगले साल 4, 11 और 18 जनवरी को चलने वाली कोल्लम-सिकंदराबाद (07176) शामिल हैं। एससीआर ने बताया कि इन विशेष ट्रेनों में प्रथम एसी, 2एसी, 3एसी, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे होंगे।

पंजाब नेशनल बैंक द्वारा भारतीय भाषाओं में

अंतर-संबंध विषय पर कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंजाब नैशनल बैंक, अंचल कार्यालय, हैदराबाद द्वारा भारतीय भाषाओं में अंतरसंबंध 'हिंदी के विशेष संदर्भ में' विषय पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख दीपक कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि पंजाब नैशनल बैंक राजभाषा नीतियों को पूरी प्रतिबद्धता से क्रियान्वित करता है। विषयक आयोजन में विशिष्ट वक्ता के रूप में एसोसिएट प्रोफेसर श्रीमती प्रियदर्शनी, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय), हैदराबाद (तेलंगाना) उपस्थित रहीं। उन्होंने राष्ट्र के सशक्तिकरण एवं समाज निर्माण में भाषाओं की भूमिका पर अपने विचारों से उपस्थितों को लाभान्वित किया। श्रीमती प्रियदर्शनी ने राष्ट्र की व्यापकता एवं समावेशिकता में भाषाओं के सांस्कृतिक पक्ष को समझने पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर उप अंचल प्रबंधक संजय माने एवं सहायक महाप्रबंधक सीवी राव, श्यामा कुमार, डॉ. साकेत सहाय, मुख्य प्रबंधक (राजभाषा), मुख्य प्रबंधक शरत कुमार, एन एस प्रसाद, सुश्री अंकिता शर्मा तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती प्रसीता प्रभाकरण, मुख्य प्रबंधक द्वारा किया गया।

बस के कुचलने से बाइक सवार की मौत

मंचेरियल, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। लक्सेटीपेट कस्बे में शनिवार को टीजीआरटीसी की बस ने एक दोपहिया वाहन को कुचल दिया जिससे 62 वर्षीय एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। लक्सेटीपेट के सब-इंस्पेक्टर पी. सतीश ने बताया कि इटिक्याला गांव के चुंचू लिंगैया को उस समय गंभीर चोटें आईं, जब बस ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे उनकी तत्काल मौत हो गई। घटना के समय वह इटिक्याला से लक्सेटीपेट जा रहे थे। लिंगैया की पत्नी लक्ष्मी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। ड्राइवर कोंडैया के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। जांच शुरू की गई।

एक शाम संत श्री सेवानाथजी महाराज के नाम 1 को

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कीसरा बंडलागुडा स्थित देवासी समाज मंदिर प्लॉट पर रामजी राम ग्रूप हैदराबाद तेलंगाना समाज बन्धुओं के तत्वावधान में एक शाम संत श्री सेवानाथजी महाराज के नाम भव्य जागरण का आयोजन बुधवार 1 जनवरी 2025 रात्रि 9.15 बजे से आयोजित किया जाएगा।

प्रेस विज्ञप्ति में आयोजक रामस्वरूप, रामु देवासी ने संयुक्त रूप से बताया कि हर वर्ष की भांति विशेष फूलों से मंदिर प्रांगण में पंडाल सजाकर संत श्री सेवानाथजी महाराज के तस्वीर पर श्रद्धा के पुष्प अर्पितकर, माल्यार्पण व पुजा-अर्चना के पश्चात संत श्री सेवानाथजी महाराज के नाम जागरण का आयोजन किया जाएगा। जिसमें प्रह्लाद खेजड़ला भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। कार्यक्रम पधारे भक्तों के लिए सायं 7 बजे से भोजन प्रसादी की व्यवस्था की जायेगी। पधारे भक्तों की सेवार्थ रामजीराम ग्रूप के सभी सदस्य उपस्थित रहेगे।

रामदयाल, संग्राम देवासी ने समाज बन्धुओं व भक्तों से निवेदन किया है कि सपरिवार समय पर पधारकर दर्शन, भजनों व प्रसादी का लाभ लेवे।

8 कंटेंट क्रिएटर्स के खिलाफ केस

यौन उत्पीड़न पीड़िता का विवरण उजागर करने का मामला

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रैन बाजार पुलिस ने यौन शोषण की पीड़िता का विवरण सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड करने के आरोप में 8 सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर्स के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पीड़िता ने इससे पहले मीर चौक निवासी उमर जाबरी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी और उसके खिलाफ मीर चौक थाने में मामला दर्ज किया गया था।

मामले में व्यक्ति की गिरफ्तारी के बाद, संदिग्ध के परिवार के सदस्यों ने एक मीडिया सम्मेलन आयोजित किया और पीड़िता द्वारा लगाए गए दावों को खारिज कर दिया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि महिला उमर जाबरी से पैसे वसूल रही थी। परिवार के सदस्यों ने कथित तौर पर पीड़ित महिला के कुछ सोशल मीडिया अकाउंट साझा किए और कंटेंट क्रिएटर्स द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सामग्री अपलोड कर दी गई।

महिला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी निजी जानकारी देखी तो पुलिस से संपर्क किया और नई शिकायत दर्ज कराई। सोशल मीडिया चैनलों के मालिकों के खिलाफ रैन बाजार पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस जांच कर रही है।

केंद्रीय विद्यालय संगठन का स्थापना दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, पिकेट में 62वें केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) स्थापना दिवस को बड़े उत्साह और भव्यता के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों, छात्रों, कर्मचारियों और अभिभावकों ने भाग लिया, जिससे यह एक यादगार अवसर बन गया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अधिवक्ता और पूर्व एमएलसी एन. रामचंद्र राव के साथ-साथ अतिथियों के एक प्रतिष्ठित पैनल ने भाग लिया, जिसमें कुमारी बीना भास्कर, वरिष्ठ प्रबंधक, अमेज़न यूएसए, शिला रवि, उप निदेशक, शिक्षा मंत्रालय, पंकजम श्रीनिवासन, पूर्व प्रभारी, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान डॉ. गीता कृष्णमाचार्य, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, जेएनटीयू शामिल रहे। कार्यक्रम की शुरुआत गणमान्य व्यक्तियों द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुई।

छात्रों ने जीवंत और ऊर्जावान सांस्कृतिक प्रदर्शनों के माध्यम से अपनी अपार प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पारंपरिक और समकालीन नृत्यों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाया। एक व्यापक प्रस्तुति ने अपनी स्थापना के बाद से केंद्रीय विद्यालय संगठन की शानदार यात्रा पर प्रकाश डाला। दर्शकों को केवीएस की उपलब्धियों, उपलब्धियों और देश भर में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की इसकी निरंतर प्रतिबद्धता के बारे में बताया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एन. रामचंद्र राव ने समग्र शिक्षा के माध्यम से देश के भविष्य को आकार देने में केंद्रीय विद्यालयों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने छात्रों को अनुशासन, अखंडता और उत्कृष्टता के मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

सनातनी व्यापारियों के लिए बिजनेस मीट संपन्न

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू टू हिंदू बिजनेस नेटवर्किंग नवरत्न ने सनातनी हिंदू व्यापारियों के लिए बिजनेस मीट का आयोजन किया, यह बैठक भाग्यनगर में हिंदू व्यापारियों की मदद और उन्हें बढ़ावा देने के लिए आयोजित की गई थी।

बैठक का आयोजन होटल बसीरा एसडी रोड सिकंदराबाद में किया गया और मुख्य अतिथि प्रो. गोपाल बलदवा प्रसिद्ध उद्योगपति और सामाजिक कार्यकर्ता थे। कार्यक्रम में अध्यक्ष महेश कुमार के साथ-साथ सुजाता, डॉ. अर्चना, सुभाष हरल, रोहित मैला, सिद्धार्थ सुन्नम और डॉ. विजय वर्धन, सुमित तुलसिया, विनोद माटा जैसे अन्य सदस्य भी उपस्थित थे जिन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम योगदान दिया।

दि विशाखापट्टनम को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लि. के 30 वर्षों तक चेयरमैन के रूप में सेवाएं प्रदान करने कुकटपल्ली में मानम आंजनेयुलु के अभिनन्दन समारोह में सम्मान करते हुए महेश बैंक के चेयरमैन रमेश कुमार बंग, अग्रसेन बैंक के चेयरमैन प्रमोद कुमार केडिया, राजधानी बैंक के चेयरमैन वी. नरसिम्हा रेड्डी, सेवानिवृत्त आईएएस डी. श्रीनिवासुलु।

सरकारी अस्पतालों में रिक्त डॉक्टरों के पदों को भरने की मांग

खम्मम, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रगतिशील महिला संगठन (पीओडब्ल्यू) और प्रगतिशील युवा लीग (पीवाईएल) के नेताओं ने राज्य सरकार से खम्मम और कोत्तागुडेम जिलों के सरकारी अस्पतालों में रिक्त पदों को भरने की मांग की है। युद्धबंदी संगठन के पूर्व राज्य सचिव चंद्रा अरुणा, संगठन के राज्य सचिव चौधरी शिरोमणि और पीवाईएल जिला एनवी राकेश ने शनिवार को यहां राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी से मुलाकात की और मांग के समर्थन में एक ज्ञापन सौंपा।

वे चाहते थे कि सरकारी अस्पतालों को मजबूत करने, नर्सों, दंत चिकित्सकों, न्यूरोसर्जन, नेफ्रोलॉजी, रेडियोलॉजिस्ट, हृदय रोग विशेषज्ञ और अन्य विशेषज्ञों के रिक्त पदों को भरने के अलावा अस्पतालों में सुविधाओं और स्वच्छता की स्थिति में सुधार के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं। नेताओं ने मंत्री से मांग की कि कॉरपोरेट और निजी अस्पतालों में हो रहे शोषण को रोकने के लिए कदम उठाए जाएं, अस्पतालों में ली जा रही अत्यधिक फीस पर नियंत्रण किया जाए, सरकारी अस्पतालों से मरीजों को निजी अस्पतालों में भेजने की प्रथा को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं और टेस्ट की कीमत सूची बोर्ड पर लगाई जाए।

खम्मम जिला मुख्यालय के सरकारी जनरल अस्पताल में माता शिशु केंद्रम में दो स्त्री रोग विशेषज्ञ, चार हेड नर्स और चार नेफ्रोलॉजिस्ट के पद खाली थे। उन्होंने बताया कि अस्पताल में एक दंत चिकित्सक, एक न्यूरोसर्जन और एक तकनीशियन का पद भी खाली था। परिसर के बाहर मूत्रालय का निर्माण किया जाए, हर वार्ड में मूत्रालय का निर्माण किया जाए, एक्स-रे मशीन ठीक से काम नहीं कर रही है, उसे ठीक करने के लिए कदम उठाए जाएं। जिले के सरकारी अस्पतालों में सभी प्रकार की दवाइयां उपलब्ध कराई जाएं, ऐसी मांगें पीओडब्ल्यू और पीवाईएल नेताओं ने की।

उन्होंने यह भी कहा कि प्राथमिक और क्षेत्रीय अस्पताल में चिकित्सा सुविधाओं में सुधार किया जाना चाहिए। निजी कॉरपोरेट अस्पतालों में अत्यधिक शुल्क वसूली को रोकने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। मेडिकल माफिया को अनावश्यक ऑपरेशन करने से रोका जाना चाहिए और निजी डायग्रोस्टिक सेंटरों पर कड़ी निगरानी रखी जानी चाहिए। पीओडब्ल्यू नेता के कल्पना, टी झांसी, अवुला मंगथाई, पी शोभा, पीवाईएल नेता जटोथ प्रेम सिंह, डी चंद, देवा, ममीडाला वेंकटेश, शिवलाल और अन्य उपस्थित थे।

विद्यापति स्मृति पर्व का आयोजन आज

दरभंगा के विधायक का स्वागत करते मंच आयोजक

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विद्यापति स्मृति संध्या का आयोजन रविवार को नवजीवन महिला मंडल, रामकोट स्थित सरोजनी देवी नायुडू हाल में होगा। इसके आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मिथिला सामाजिक मंच के अध्यक्ष राम विनोद झा ने बताया कि मिथिला सामाजिक मंच के तत्वावधान में विद्यापति स्मृति पर्व समारोह का आयोजन मिथिला-मैथिली के उत्कर्ष का जीवंत प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि इस समारोह में मिथिला मैथिली के विकास के लिए सभी को दल, जाति, वर्ग और समुदाय से ऊपर उठकर एक मंच पर लाने का प्रयास किया गया है।

उन्होंने बताया कि इस सांस्कृतिक अनुष्ठान में मैथिलों के संग अनेक साहित्यकार, गीतकार, शिक्षाविद, राजनेता, गायक और गायिका सहित संस्कृति कर्मी द्वारा एक मंच पर आकर अपनी गौरवशाली संस्कृति को जीवंत बनाने के लिए एकजुटता का प्रदर्शन करेंगे।

आयोजन समिति के वरिष्ठ सदस्य शंभूनाथ झा ने बताया कि आयोजन में नई पीढ़ी के कलाकारों एवं कवियों को अधिक अवसर प्रदान किए जाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इस बार समारोह में मैथिली मंच के स्थापित कलाकार मिथिला रत्न अरविंद सिंह, वर्षा झा एवं उनके साथियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम दर्शकों के विशेष आकर्षण का केंद्र बनेगा। जबकि मंच की मुख पत्रिका नव जागृति का इस बार का अंक अनेक मायने में संग्रहणीय होगा।

महासचिव रंजन कुमार झा ने कहा कि कवि कोकिल विद्यापति की पुण्य स्मृति में 15 दिसंबर को होने वाले विद्यापति स्मृति पर्व के छठे समारोह की विधिवत शुरूआत 15 दिसंबर को दोपहर बाद तीन बजे महाकवि विद्यापति के चित्र पर माल्यार्पण के साथ होगा। नवजीवन महिला मंडल रामकोट स्थित सरोजनी देवी नायुडू हॉल में आयोजित कार्यक्रम में चर्चित अभिनेत्री सह भाजपा की वरिष्ठ राजनेत्री के. माधवी लता एवं पूर्व विधायक एनवीएसएस प्रभाकर, सेवानिवृत्त आईपीएस रामप्रवेश ठाकुर इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि रहेंगे।

नए साल के हुड़दंग पर रहेगी प्रशासन की नजर

पूर्व संध्या पर सख्त दिशा-निर्देश जारी

अश्लीलता, नशीले पदार्थ सेवन व तेज संगीत बजाने की अनुमति नहीं

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कोई अश्लीलता नहीं, कोई नग्नता नहीं, कोई नशा नहीं और कोई उच्च ध्वनि स्तर नहीं। नए साल की पूर्व संध्या पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के लिए हैदराबाद पुलिस ने बुनियादी नियम तय किए हैं। दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। हैदराबाद पुलिस द्वारा जारी दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि शहर में नववर्ष समारोहों के आयोजकों को समारोहों में परिधान, नृत्य, हाव-भाव और शब्दों की शालीनता सुनिश्चित करनी होगी, साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी प्रदर्शन में अश्लीलता और नग्नता न हो।

इसके अलावा, 'एक दिन के लिए नामित ड्राइवर' की अवधारणा (जो सह-यात्रियों को सीमा से अधिक शराब पीने के बिना सुरक्षित रूप से घर ले जा सकता है) को ग्राहकों को समझाया जाना चाहिए और साथ ही उनकी सुरक्षा के लिए प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित किया जाना चाहिए। दिशा-निर्देशों में आयोजकों से कहा गया है कि वे आयोजन स्थल पर मादक पदार्थों की बिक्री पर कड़ी नज़र रखें, अन्यथा उनके खिलाफ़ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसी तरह, जोड़ों के लिए आयोजित कार्यक्रमों और पब और बार में किसी भी नाबालिग को अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

दिशा-निर्देशों में हैदराबाद पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को ड्रग्स या नशीले पदार्थों और मन:प्रभावी पदार्थों का उपयोग करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए और यदि प्रबंधन इसे रोकने में विफल रहता है, तो यह प्रबंधन की गलती होगी और कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। पार्किंग क्षेत्रों और अन्य स्थानों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए जहां ड्रग्स को गुप्त रूप से बेचा जाता है। उन्होंने कहा कि आयोजकों को ध्वनि का स्तर 45 डेसिबल से कम रखना चाहिए, कार्यक्रमों की निगरानी के लिए रिकॉर्डिंग सुविधाओं के साथ निगरानी कैमरे लगाने चाहिए तथा सुरक्षा पहुंच और यातायात प्रबंधन के लिए पर्याप्त सुरक्षा गार्ड नियुक्त करने चाहिए। नशे में वाहन चलाने पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने कहा कि पब या बार के प्रबंधन की यह जिम्मेदारी है कि वे नशे में धुत ग्राहकों को ड्राइवर या कैब उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक व्यवस्था करें।

घरों की खराब स्थिति से परेशान लाभार्थियों ने लौटाईं चाबियां

कोत्तागुडेम, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के भद्राचलम कस्बे में डबल बेडरूम वाले मकान आवंटित किए गए कुछ लाभार्थियों ने खराब हालत वाले मकानों के आवंटन को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। राजस्व अधिकारियों ने शनिवार को स्थानीय तहसीलदार कार्यालय में गोदावरी बाढ़ प्रभावित अयप्पा कॉलोनी और कोठा कॉलोनी के निवासियों के साथ-साथ एएमसी कॉलोनी और मनुबोथुला चेरुवु में विकलांग व्यक्तियों और कैंसर रोगियों को घर आवंटित किए। तहसीलदार श्रीनिवास राव द्वारा लाभार्थियों को 111 डबल बेडरूम वाले घर वितरित किए गए। हालांकि, गोदावरी करकट्टा के पास स्थित अयप्पा कॉलोनी के 50 लाभार्थियों में से लगभग 20 लाभार्थियों ने अधिकारियों को दी गई घर की चाबियां वापस कर दीं और शिकायत की कि उन्हें आवंटित घर जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हैं।

विरोध कर रहे लाभार्थियों को शहर के बाहरी इलाके मनाबोथुला चेरुवु में आंध्र प्रदेश की सीमा के पास घर दिए गए थे। उनका आरोप है कि संबंधित अधिकारियों ने घर आवंटित करने में राजनीतिक प्रभाव में आकर उन्हें जीर्ण-शीर्ण घर आवंटित किए।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी 2024 का तीसरा टेस्ट

बारिश की भेंट चढ़ा ब्रिस्बेन टेस्ट का पहला दिन

> सिर्फ 13.2 ओवर के बाद ही रद्द करना पड़ा खेल

हाइलाइट्स

- > ब्रिस्बेन में जारी भारत-ऑस्ट्रेलिया का तीसरा टेस्ट
- > लगातार बारिश के चलते रद्द हुआ पहले दिन का खेल
- > ऑस्ट्रेलिया ने बिना कोई विकेट गंवाए बनाए 28 रन

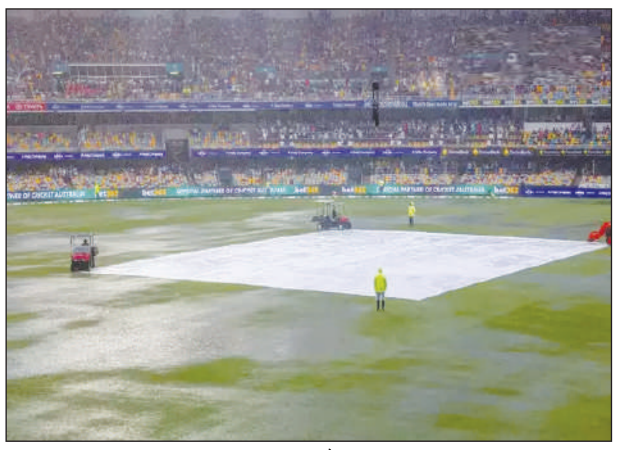

ब्रिस्बेन, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी 2024 का तीसरा टेस्ट आज यानी 14 दिसंबर में गाबा स्टेडियम में शुरू हो गया है। हालांकि पहले दिन ज्यादा खेल नहीं हो पाया और लगातार तेज बारिश होने की वजह से पहले दिन का खेल रद्द करना पड़ा। पहला सेशन भी पूरा नहीं हुआ था कि बारिश ने मैच में बाधा डाली। हालांकि एक बार बारिश होने के बाद थम गई थी, जिसके बाद फिर से मैच शुरू हुआ। लेकिन इसके बाद पहले सेशन में दूसरी बार बारिश ने दखलंदाजी दी और उसके बाद पूरे दिन फिर से खेल शुरू नहीं हो पाया।

भारतीय टीम ने जीता था टॉस

गाबा में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट में भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। ओवरकास्ट कंडीशन को ध्यान में रखकर रोहित ने यह फैसला लिया। हालांकि 13.2 ओवर तक चले खेल में रोहित आर्मी एक भी विकेट लेने में सफल नहीं हो पाई। ऑस्ट्रेलिया ने मैच बारिश के कारण रुकने से पहले 28 रन बना लिए थे। उस्मान ख्वाजा 19 तो नेथन मैक्स्वीनी 4 रन पर नाबाद खेल रहे हैं। हालांकि भारतीय पेसर धीरे-धीरे लय में आ रहे थे।

ब्रिस्बेन टेस्ट के लिए भारत ने किये 2 बड़े बदलाव

ब्रिस्बेन टेस्ट के लिए भारतीय टीम ने 2 बड़े बदलाव किए हैं। उन्होंने एडिलेड टेस्ट में बुरी तरह फेल हुए हर्षित राणा और रविचंद्रन अश्विन को बाहर कर दिया। उनकी जगह ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और तेज गेंदबाज आकाश दीप को शामिल किया गया है।

1-1 की बराबरी पर चल रही बीजीटी

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी इस वक्त काफी ज्यादा रोमांचक मोड़ पर है। अब तक सीरीज के दो मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें से एक भारत ने और एक ऑस्ट्रेलिया ने जीता है। सीरीज इस वक्त 1-1 की बराबरी पर चल रही है। बता दें कि इस बार बीजीटी 5 मैचों की खेली जा रही है।

बिना बैटिंग के उतरे ही विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बनाया 'शतक'

सचिन का रिकॉर्ड खतरे में !

ब्रिस्बेन, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट मैच का रोमांच शुरू हो चुका है। सीरीज का यह तीसरा मुकाबला ब्रिस्बेन के ऐतिहासिक गाबा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। मुकाबले में टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी का फैसला किया। हालांकि, बारिश के कारण दिन का खेल बाधित रहा है, लेकिन इसके बावजूद टीम इंडिया के धाकड़ बल्लेबाज विराट कोहली के नाम एक बड़ी उपलब्धि दर्ज हो गई। विराट कोहली जैसे ही मैदान पर उतरे उनके नाम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक खास शतक दर्ज हो गया।

दरअसल विराट कोहली दुनिया के सिर्फ दूसरे ऐसे खिलाड़ी बने हैं जिनके नाम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 100 इंटरनेशनल मैच खेलने का रिकॉर्ड दर्ज हुआ है। विराट कोहली के अलावा भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ही एक ऐसे खिलाड़ी थे, जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 100 या इससे ज्यादा इंटरनेशनल मैचों में मैदान पर उतरे हैं। सचिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कुल 110 इंटरनेशनल मैच खेले हैं।

टूट सकता है सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड

बता दें कि विराट कोहली को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में अभी दो मैच और खेलने हैं। इसके बाद वह वनडे सीरीज में भी खेलेंगे। वहीं अगले चैंपियंस ट्रॉफी भी खेला जाएगा। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने के मामले में विराट कोहली सचिन से आगे निकल सकते हैं। मौजूदा समय की बात की जाए तो विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 28 टेस्ट, 49 वनडे और 23 टी20 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं। हालांकि, विराट कोहली ने टी20 फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है, लेकिन वनडे और टेस्ट में वह खेल रहे हैं।

चेस चैंपियन गुकेश बोले-लिरेन की फाइटिंग स्पिरिट से हौसला मिला

> यूथ गेम को एंजॉय करना सीखें > आनंद मेरे सबसे बड़े इंस्पिरेशन

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। 18 साल की उम्र में चेस के वर्ल्ड चैंपियन बने डी गुकेश ने कहा, विश्वनाथन आनंद उनके जीवन की सबसे बड़ी इंस्पिरेशन हैं। उनकी लीगेसी को आगे ले जाने की कोशिश करूंगा। गुकेश ने युवाओं के लिए कहा, 'अपना गेम खुलकर एंजॉय कीजिए। मैंने भी बचपन से चेस को एंजॉय ही किया है। नई जनरेशन को भी गेम एंजॉय करने का मैसेज ही दूंगा।' गुकेश ने कहा मुझे लगा नहीं था कि मैच इतनी जल्दी खत्म हो जाएगा। मैं ड्रॉ के लिए खेल रहा था, फिर मैंने देखा कि लिरेन ने ब्लंडर कर दिया है। मुझे जीत दिखने लगी और तभी मैं सुपर-एक्साइटेड हो गया।

पेरेंट्स ने मुझे बहुत सपोर्ट किया। टीम ने भी मुझे इस जगह पहुंचाने और चैंपियन बनाने के लिए बहुत मेहनत की। मैं पेरेंट्स और सपोर्टिंग टीम दोनों का ही शुक्रगुजार हूं। विशी सर (विश्वनाथन आनंद) ही मेरे लिए सबसे बड़ी इंस्पिरेशन हैं। आगे भी मैं अपने गेम को एंजॉय करता रहूंगा। मेरी पूरी कोशिश रहेगी कि विशी सर की लीगेसी को नई ऊंचाइयों पर ले जाऊं। मैं उनके गेम से भी काफी इंस्पायर हुआ। 11वां गेम हारने के बाद उन्होंने 12वें गेम में जीत से वापसी की। हार के बावजूद उनकी फाइटिंग स्पिरिट ने मुझे बहुत मोटिवेट किया। मैंने हमेशा से चेस को एंजॉय करने के बारे में ही सोचा। नई जनरेशन के लिए भी बस इतना ही कहना चाहूंगा, अपने गेम को पूरी तरह एंजॉय कीजिए।

गुकेश ने पेरेंट्स को सौंपी ट्रॉफी

शुक्रवार को वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप का ट्रॉफी प्रेजेंटेशन हुआ। गुकेश ने ट्रॉफी लेते ही इसे अपने पेरेंट्स को सौंप दिया। गुकेश ने पिता डॉ. राजीवनकांत को ट्रॉफी दी, जिन्होंने अपनी पत्नी पद्मा को ट्रॉफी दे दी। मां ने ट्रॉफी देखी और उसे चूम लिया। गुकेश ने गुरुवार को वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप का फाइनल जीता। उन्होंने चीन के डिफेंडिंग चैंपियन डिंग लिरेन को 14वें गेम में हराया और 7.5-6.5 के स्कोर से टाइटल पर कब्जा किया।

बांग्लादेशी क्रिकेटर शाकिब अल हसन की बॉलिंग बैन

लंदन, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बांग्लादेशी क्रिकेट की गेंदबाजी पर प्रतिबंध लगाया है। अब वे ईसीबी के किसी भी टूर्नामेंट में गेंदबाजी नहीं कर सकेंगे। यह प्रतिबंध 10 दिसंबर से लागू किया गया है। 37 साल के ऑलराउंडर शाकिब ने सितंबर में काउंटी चैंपियनशिप में सरे के लिए एक मैच खेला था और गेंदबाजी की थी। इस दौरान मैदानी अंपायर ने उनके गेंदबाजी एक्शन को अवैध पाया था और रिपोर्ट की थी।

उस रिपोर्ट पर इंग्लिश बोर्ड ने एक्शन लिया है। शाकिल अल हसन 10 दिसंबर को लाफबॉरो यूनिवर्सिटी में एक स्वतंत्र परीक्षण में फेल हुए थे। निलंबन हटाने के लिए उन्हें पुनर्मूल्यांकन से गुजरना होगा। पुनर्मूल्यांकन के लिए शाकिब की कोहनी का विस्तार नियमों द्वारा निर्धारित 15-डिग्री सीमा से कम होना चाहिए।

गस एटकिंसन ने डेरिल मिचेल को आउट करके पूरा किया 'पचासा'

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के पहले दिन शनिवार (14 दिसंबर) को बड़ी उपलब्धि हासिल की। उन्होंने डेरिल मिचेल को आउट करके दूसरा विकेट चटकाया।

इसके साथ ही उनके टेस्ट क्रिकेट में 50 विकेट पूरे हो गए। जुलाई 2024 में डेब्यू करने वाले 6 फुट 2 इंच के इस तेज गेंदबाज ने महज 11 मैच में यह उपलब्धि हासिल कर ली। गस एटकिंसन डेब्यू वाले साल में 50 विकेट लेने वाले दुनिया के दूसरे गेंदबाज बन गए। ऑस्ट्रेलिया के टेरी एलडरमैन ने 1981 में 54 विकेट लिए थे। एटकिंसन ने पहला विकेट विल यंग के तौर पर लिया। इसके साथ ही डेब्यू वाले साल में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में उन्होंने जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़ दिया। इसके बाद डेरिल मिचेल को आउट करके वेस्टइंडीज के दिग्गज कर्टली एम्ब्रोस को पीछे छोड़ दिया। डेब्यू वाले साल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में इंग्लैंड के स्पिनर शोएब बशीर भी शामिल हैं। उन्होंने 47 विकेट लिए हैं। इससे पहले एक कैलेंडर वर्ष में 50 टेस्ट विकेट हासिल करने वाले इंग्लैंड के गेंदबाज जेम्स एंडरसन थे। उन्होंने 2017 में 55 विकेट लिए थे। गस एटकिंसन के लिए साल शानदार रहा है।

न्यूजीलैंड बनाम इंग्लैंड : तीसरे टेस्ट के पहले दिन न्यूजीलैंड का स्कोर 315/9

लैथम-सैंटनर ने अर्धशतक जमाए, पॉट-एटकिंसन ने 3-3 विकेट लिए

स्पोर्ट्स डेस्क, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड के खिलाफ हैमिल्टन टेस्ट में मजबूत शुरुआत की है। टीम ने शनिवार को पहले दिन का खेल समाप्त होने तक 9 विकेट खोकर 315 रन बना लिए हैं। मिचेल सैंटनर 50 रन पर नाबाद लौटे। हैमिल्टन के सेडन पार्क में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया। टीम के कप्तान टॉम लैथम ने 63, विल यंग ने 42, केन विलियम्सन ने 44 और टॉम ब्लंडेल ने 21 रन बनाए। इंग्लैंड की ओर से मैथ्यू पॉट्स और गस एटकिंसन ने 3-3 विकेट लिए। ब्रायडन कार्स को 2 और बेन स्टोक्स को 1 विकेट मिला। 3 मैचों की सीरीज में इंग्लैंड की टीम 2-0 से आगे है। टीम ने पहला टेस्ट 6 विकेट और दूसरा 323 रन से जीता था। इंग्लैंड ने आखिरी बार 2008 में न्यूजीलैंड को उसके घर पर 2-1 से हराया था।

न्यूजीलैंड की मजबूत शुरुआत, 105 पर गिरा पहला विकेट

पहले बैटिंग करते हुए न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी रही। इंग्लैंड को पहले विकेट के लिए काफी इंतजार करना पड़ा। न्यूजीलैंड का पहला विकेट 105 रन के स्कोर पर गिरा। न्यूजीलैंड के पारी के 59वें ओवर में इंग्लैंड के लिए मैथ्यू पॉट्स गेंदबाजी करने आए। उन्होंने एक लेंथ बॉल ऑफ स्टंप पर फेंकी। विलियम्सन ने गेंद को डिफेंस किया, जो पहले बैट और फिर पैड से लगकर स्टंप्स की ओर जा रही थी। विलियम्सन ने इसे रोकने की कोशिश करते हुए गेंद को पैर से किक किया और सीधा स्टंप्स में दे मारा। इस तरह विलियम्सन विकेट बचाने के चक्कर में बोल्ड हो गए। उसके बाद उनके चेहरे पर निराशा साफ झलक रही थी।

टिम साउदी का आखिरी टेस्ट मैच न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी का यह आखिरी टेस्ट मैच है। उन्होंने सीरीज शुरू होने से पहले ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया था। 35 साल के साउदी ने संन्यास का ऐलान करते हुए कहा था-यदि हमारी टीम डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालिफाई करती है, तो मैं उपलब्ध रहूंगा।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

न्यूजीलैंड : टॉम लैथम (कप्तान), विल यंग, रचिन रवींद्र, केन विलियम्सन, डेरिल मिशेल, ग्लेन फिलिप्स, मिचेल सैंटनर, टॉम ब्लंडेल, मैट हेनरी, टिम साउदी और विल ओरूर्क।

इंग्लैंड : बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, जैकब बेथेल, जो रूट, हैरी ब्रूक, ओली पोप (विकेटकीपर), मैथ्यू पॉट्स, गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स और शोएब बशीर।

साउथ अफ्रीका ने 7 विकेट से जीता दूसरा टी-20

पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाई; रीजा हेंड्रिक्स का शतक

स्पोर्ट्स डेस्क, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका ने दूसरे टी-20 मैच में पाकिस्तान को 7 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ टीम ने 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है। साउथ अफ्रीका ने पहला मैच 11 रन से जीता था।

तीसरा मैच आज जोहान्सबर्ग में खेला जाएगा। सेंचुरियन के सुपरस्पोर्ट पार्क क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर 20 ओवर में 5 विकेट पर 206 रन बनाए। जवाब में साउथ अफ्रीका ने 19.3 ओवर में 3 विकेट पर टारगेट हासिल कर लिया। साउथ अफ्रीका के ओपनर रीजा हेंड्रिक्स ने शतक लगाया, उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

अयुब ने नाबाद 98 रन बनाए, 5 छक्केजड़े

पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने दूसरे टी-20 में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। ओपनर सईम अयुब 98 रन बनाकर नाबाद लौटे। उन्होंने अपनी पारी में 11 चौके और 5 छक्के उड़ाए। बाबर आजम ने 31, इरफान खान ने 30 रन बनाए। साउथ अफ्रीका के लिए दय्यान गेलीम और ओटनील बार्टमैन ने 2-2 विकेट झटके। जॉर्ज लिंडे को 1 विकेट मिला।

हेंड्रिक्स का शतक, अफ्रीका ने चेज किया 207 रन का टारगेट

207 रन के टारगेट का पीछा करते हुए रीजा हेंड्रिक्स ने 54 बॉल में अपनी सेंचुरी पूरी की। रीजा ने 185 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 63 गेंद पर 117 रन बनाए।

उन्होंने अपनी पारी में 10 छक्के और 7 चौके लगाए। इसके अलावा रासी वैन डर डुसेन ने भी 66 रन की नाबाद पारी खेली। पाकिस्तान के लिए जहांदाद खान ने 2 विकेट लिए। अब्बास अफरीदी को 1 विकेट मिला। साउथ अफ्रीका के बल्लेबाज रीजा हेंड्रिक्स ने पाकिस्तान के खिलाफ 117 रन की शतकीय पारी खेली। इसके बाद वे गूगल में सर्च होने लगे और ट्रेंड पर आ गए।

मोहम्मद आमिर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने शनिवार को एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की है। 32 वर्षीय आमिर ने इस साल की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के कुछ ही महीनों बाद संन्यास लेने का फैसला किया है। आमिर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किया, सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद, मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का कठिन निर्णय लिया है। ये निर्णय कभी भी आसान नहीं होते, लेकिन अपरिहार्य होते हैं। मुझे लगता है कि अगली पीढ़ी के लिए यह सही समय है कि वे पाकिस्तान क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं! अपने देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है और हमेशा रहेगा। मैं ईमानदारी से पीसीबी, अपने परिवार और दोस्तों और सबसे बढ़कर अपने प्रशंसकों को उनके निरंतर प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।

आमिर, जिन्होंने 2009 में एक विलक्षण किशोर के रूप में पदार्पण किया था, सभी प्रारूपों में अपने नाम 271 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेकर रिटायर हुए हैं - टेस्ट में 119, वनडे में 81 और टी20 में 71। उन्होंने पाकिस्तान के 2009 टी20 विश्व कप अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और कई यादगार प्रदर्शन किए थे, जिसमें भारत के खिलाफ 2017 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में उनका मैच जीतने वाला स्पैल भी शामिल है। आमिर की प्रतिभा निर्विवाद थी, लेकिन उनका करियर विवादों से घिरा रहा।

पाकिस्तान के इंग्लैंड दौरे के दौरान कुख्यात 2010 स्पॉट फिक्सिंग कांड में उनकी संलिप्तता ने उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल कर दिया। आमिर ने तत्कालीन कप्तान सलमान बट के निर्देशों के तहत लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान जानबूझकर नो-बॉल फेंकी। एक स्टिंग ऑपरेशन द्वारा उजागर किए गए इस घोटाले के कारण आमिर को पांच साल के लिए क्रिकेट से प्रतिबंधित कर दिया गया और बट और मोहम्मद आसिफ के साथ यूके में कुछ समय के लिए जेल की सजा काटनी पड़ी। प्रतिबंध पूरा करने के बाद, आमिर ने 2016 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की और पाकिस्तान के पुनरुत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, विशेष रूप से 2017 चैंपियंस ट्रॉफी की जीत में। उन्होंने 2019 के एकदिवसीय विश्व कप में भी शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें वे पाकिस्तान के सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ रहे।

आमिर ने दिसंबर 2020 में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से समर्थन की कमी और प्रशासन के साथ मतभेदों का हवाला देते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। हालांकि, उन्होंने मार्च 2024 में अपना फ़ैसला पलट दिया और न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ सीरीज़ के दौरान लगभग चार साल बाद राष्ट्रीय टीम में आश्चर्यजनक वापसी की। पाकिस्तान के लिए उनका आखिरी मैच 2024 के टी20 विश्व कप के दौरान आयरलैंड के ख़िलाफ़ टी20 था।

मुंबई-एमपी में होगा मुश्ताक अली ट्रॉफी का फाइनल

बेंगलुरु, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश और मुंबई के बीच 2024 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमएटी) का फाइनल खेला जाएगा। रजत पाटीदार की विस्फोटक फिफ्टी के दम पर एमपी ने दूसरे सेमीफाइनल में दिल्ली को 7 विकेट से हरा दिया। पाटीदार ने 29 गेंद पर 66 रन बनाए।

मुंबई ने पहले सेमीफाइनल में बड़ौदा को 6 विकेट से हराया। दोनों मुकाबले शुक्रवार को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए। मध्य प्रदेश ने 13 साल बाद एसएमएटी के फाइनल में जगह बनाई है। 2011 में टीम को बंगाल के खिलाफ 1 रन से फाइनल गंवाना पड़ा था। मुंबई और मध्य प्रदेश के बीच 2021-22 के रणजी ट्रॉफी का फाइनल भी हुआ था, तब एमपी ने बाजी मारी थी। मध्य प्रदेश ने ग्रुप स्टेज में डिफेंडिंग चैंपियन पंजाब को हराकर नॉकआउट में एंट्री की थी।

रिटायरमेंट टेस्ट में टिम साउदी ने 230 के स्ट्राइक रेट से ठोके रन

गेल की बराबरी की-कैलिस को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच शनिवार (14 दिसंबर) से खेला जा रहा टेस्ट मैच दिग्गज कीवी खिलाड़ी टिम साउदी का आखिरी इंटरनेशनल मैच है। साउदी ने अपने रिटायरमेंट टेस्ट को पहले दिन न्यूजीलैंड की पहली पारी में तूफानी बल्लेबाजी करके खास बनाया। 8 विकेट गिरने के बाद क्रीज पर आए साउदी ने 10 गेंद पर 230 के स्ट्राइक रेट से 23 रन बनाए।

टिम साउदी ने इस दौरान 1 चौका और 3 छक्के लगाए। इसके साथ ही उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में छक्का लगाने के मामले में साउथ अफ्रीका के दिग्गज खिलाड़ी जैक कैलिस को पीछे छोड़ दिया। वहीं वेस्टइंडीज के दिग्गज खिलाड़ी क्रिस गेल की बराबरी कर ली। कैलिस के टेस्ट में 97 छक्के हैं। गेल के 98 छक्के हैं।

बेन स्टोक्स के नाम सबसे ज्यादा छक्के

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में टिम साउदी चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्हें तीसरे पर पहुंचने के लिए केवल 3 छक्के चाहिए। ऐसा वह दूसरी पारी में कर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज खिलाड़ी एडम गिलक्रिस्ट के 100 छक्के हैं। इसके अलावा ब्रेंडन मैकुलम के 107 और बेन स्टोक्स के 133 छक्के हैं।

मिचेल सैंटनर का अर्धशतक

न्यूजीलैंड ने पहले दिन का खेल समाप्त होने तक 82 ओवर में 9 विकेट पर 315 रन बनाए। मिचेल सैंटनर 50 और विलियम ओ'रुके बगैर खाता खोले क्रीज पर हैं। सैंटनर और साउदी के बीच 31 रन की साझेदारी हुई। इससे कीवी टीम 300 के पार पहुंची। साउदी को गस एटकिंसन ने आउट किया। एटकिंसन का यह तीसरा विकेट था। जुलाई में डेब्यू करने वाले एटकिंसन ने बड़ी उपलब्धि हासिल की।

शिक्षा पर खर्च भविष्य का निवेश : रेवंत रेड्डी

सीएम ने "समान आहार कार्यक्रम" के तहत आवासीय विद्यालय का दौरा किया

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने आज "समान आहार कार्यक्रम" के तहत चिलकूर में समाज कल्याण आवासीय विद्यालय का दौरा किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार छात्रों के कौशल को उन्नत करने और उन्हें तेलंगाना राज्य के पुनर्निर्माण में भागीदार बनाने का प्रयास कर रही है। सरकारी आवासीय विद्यालयों में प्रतिभाशाली छात्रों को तैयार करने का विश्वास जगाने के लिए सभी का आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक मजबूत गलत धारणा यह है कि निजी संस्थानों के छात्र सरकारी स्कूलों की तुलना में अधिक प्रतिभाशाली होते हैं।

लोगों की सरकार ऐसी गलत धारणाओं को दूर करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। पीवी नरसिम्हा राव ने तत्कालीन संयुक्त आंध्र प्रदेश में पहली बार आवासीय विद्यालय की अवधारणा शुरू की। आवासीय विद्यालयों में पढ़ने वाले कई छात्र आईएएस और आईपीएस अधिकारी के रूप में चुने गए हैं। टीजीपीएससी के अध्यक्ष बी वेंकटेशम और पूर्व आयोग के अध्यक्ष महेंद्र रेड्डी ने भी आवासीय विद्यालयों में अध्ययन किया और आईएएस और आईपीएस अधिकारी के रूप में चुने गए। कई प्रसिद्ध व्यक्तियों ने आवासीय विद्यालयों में अध्ययन किया और अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। राज्य सरकार ने एससी, एसटी, बीसी और अल्पसंख्यक छात्रों के बीच पूर्ण विश्वास पैदा करने का निर्णय लिया। सरकार शिक्षा व्यवस्था में आमूलचूल सुधार और शिक्षा के स्तर को ऊपर उठाने के दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। पिछली सरकार ने सरकारी स्कूलों में आहार, प्रसाधन सामग्री और बुनियादी ढांचे को पर्याप्त प्राथमिकता नहीं दी। उन्होंने कहा कि लोगों की सरकार ने आहार और प्रसाधन सामग्री शुल्क में एकमुश्त वृद्धि कर दी। बढ़ी हुई कीमतों और छात्रों की कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए आहार शुल्क में 40 प्रतिशत और प्रसाधन शुल्क में 200 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।

देश के इतिहास में पहली बार शुल्क में इतनी बड़ी वृद्धि केवल तेलंगाना राज्य में हुई है।तेलंगाना के 26,000 सरकारी स्कूलों में 23 लाख छात्र पढ़ रहे हैं। जबकि, 11,000 निजी स्कूलों में 33 लाख छात्र नामांकित हैं। क्या निजी स्कूलों में पढ़ाने वाले सरकारी शिक्षकों से अधिक योग्य हैं? हम बहुमुखी प्रतिभा वाले छात्र क्यों नहीं बना पा रहे हैं? हमें इस बारे में क्यों नहीं सोचना चाहिए। क्या यह हमारी जिम्मेदारी नहीं है? कल्याण और विकास मेरे लिए दो आंखें हैं।

शिक्षा पर खर्च करना खर्च नहीं बल्कि उनके भविष्य के लिए निवेश है। हमने 70 सालों में क्या सीखा है? हम अगले शैक्षणिक वर्ष के लिए पहले से योजना क्यों नहीं बना रहे हैं? हमें आत्मचिंतन करना चाहिए और स्थायी समाधान खोजना चाहिए। यह हमारी जिम्मेदारी है और हम इससे बच नहीं सकते। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में फूड पॉइजनिंग के कारण एक लड़की की मौत हो गई। शोकाकुल माता-पिता को बहुत तकलीफ हुई होगी। अमीर और गरीब सभी अपने बच्चों के प्रति समान रूप से स्नेह दिखाते हैं। माता-पिता ने हम पर विश्वास किया और अपने बच्चों को छात्रावास में भेजा। हमें जिम्मेदार होना चाहिए। ऐसी घटनाओं से हमारा सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ेगी या नहीं? सावधानी बरतने और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने की जरूरत है। अधिकारियों को हर महीने की 10 तारीख तक ग्रीन चैनल के माध्यम से धन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। स्कूल यूनिफॉर्म की सिलाई का काम महिला स्वयं सहायता समूहों को सौंपा। स्कूल यूनिफॉर्म की सिलाई की फीस 25 रुपये से बढ़ाकर 75 रुपये की। सभी सरकारी स्कूलों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराना।

अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को सप्ताह में दो से तीन दिन आवासीय स्कूलों का दौरा करने का निर्देश दिया। कौशल की कमी के कारण बेरोजगारी की समस्या बढ़ रही है। सरकार ने टाटा कंपनी के सहयोग से 75 आईटीआई को उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में अपग्रेड किया।

युवा भारत कौशल विश्वविद्यालय के माध्यम से बेरोजगारों को कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करना। युवा भारत कौशल विश्वविद्यालय देश के लिए एक आदर्श है। सरकार 2028 ओलंपिक में पदक जीतने के उद्देश्य से एक युवा भारत खेल विश्वविद्यालय और एक खेल अकादमी

टीबी उन्मूलन का वार्षिक लक्ष्य पूरा करने में संघर्ष कर रही तेलंगाना सरकार

हैदराबाद, 14 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य में टीबी के मामलों की अधिसूचना इस बीमारी के उन्मूलन के लिए एक बड़ी बाधा है। नतीजतन, तेलंगाना में टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के प्रभारी स्वास्थ्य विभाग को अपने वार्षिक लक्ष्यों को पूरा करने में संघर्ष करना पड़ रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा द्वारा शुक्रवार को लोकसभा में प्रस्तुत टीबी रिपोर्टिंग आंकड़ों के अनुसार, 2024 में जनवरी से अक्टूबर के बीच कुल 62,722 टीबी पॉजिटिव मामले सामने आए, जबकि पिछले साल तेलंगाना राज्य में 74,994 मामले सामने आए थे।

टीबी विभाग के पास अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए दिसंबर 2024 तक का समय बचा है, लेकिन तथ्य यह है कि निजी स्वास्थ्य देखभाल प्रतिष्ठानों द्वारा टीबी के मामलों की सूचना सुनिश्चित करना तेलंगाना राज्य में टीबी स्वास्थ्य विभाग के लिए एक चिरकालिक कठिनाई है। निक्षय पोर्टल में अद्यतन टीबी रिपोर्टिंग डेटा (13 दिसंबर, 2024 तक) के आधार पर, जो लोकसभा में प्रस्तुत आंकड़ों का हिस्सा नहीं था, इस वर्ष हैदराबाद के लिए कुल लक्ष्य 10,050 टीबी मामले थे, जिनमें से 7,498 की रिपोर्ट की गई, जो 14 प्रतिशत की कमी को दर्शाता है।

निक्षय पोर्टल के अनुसार, टीबी के मामलों की रिपोर्टिंग में गिरावट हैदराबाद के सभी पड़ोसी जिलों में एक जैसी है। रंगा रेड्डी जिले में, इस साल टीबी के मामलों का लक्ष्य 2,650 था, जिसमें से 1,313 मामले रिपोर्ट किए गए हैं, जो लगभग 50 प्रतिशत की गिरावट है। मेडचल-मलकजगिरी में, लक्ष्य 2,850 मामलों की रिपोर्ट करना था, जिसमें से 1,991 मामले रिपोर्ट किए गए हैं, जो 14 प्रतिशत की गिरावट है।

क्या भारत में 2025 तक टीबी का उन्मूलन संभव है?

शुक्रवार को लोकसभा में पूछे गए इस सवाल का जवाब देते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि भारत में टीबी की घटना दर 2015 में प्रति 1,00,000 जनसंख्या पर 237 पॉजिटिव मामलों से 17.7 प्रतिशत घटकर 2023 में प्रति 1,00,000 जनसंख्या पर 195 हो गई है। कुल मिलाकर, भारत में टीबी से होने वाली मौतों में 21.4 प्रतिशत की कमी आई है, जो 2015 में 28 लाख की आबादी से घटकर 2023 में 22 लाख हो गई है।

दामराचेरला में एसबीआई एटीएम में चोरी

24 लाख रुपये ले उडे

नलगोंडा, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा जिले के दामराचेरला स्थित भारतीय स्टेट बैंक के एटीएम में शुक्रवार देर रात बड़ी चोरी हुई। एटीएम मशीन में सेंध लगाकर 24 लाख रुपये की नकदी उड़ा ले गए। इस घटना में कुख्यात डकैत गिरोह का हाथ होने का संदेह है, जिससे मंडल मुख्यालय शहर में दहशत फैल गई।

नलगोंडा के पुलिस अधीक्षक सरथ चंद्र पवार ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और जांच का नेतृत्व कर रहे हैं।

पुलिस ने अपराधियों का पता लगाने के लिए विशेष टीमें तैनात की हैं। पुलिस ने इलाके में और उसके आसपास सुरक्षा उपाय भी बढ़ा दिए हैं। निवासियों से किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना देने तथा जांच के दौरान अधिकारियों के साथ सहयोग करने का आग्रह किया गया है।

बंदूक की नोक पर लूट

4 लोग 7 तोला सोना लेकर फरार

जगतियाल, 14 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बीरपुर मंडल मुख्यालय में शनिवार की सुबह चोरों ने एक गृहस्वामी को बंदूक की नोक पर बंधक बनाकर सात तोला वजन के सोने के आभूषण चुरा लिए। पीड़ित ईश्वरैया के अनुसार, सुबह करीब 5 बजे चार लोग उसके घर में घुस आए और उसे बंदूक दिखाकर धमकाया। इसके बाद उन्होंने उसके मुंह पर कपड़े बांध दिए, सोने के गहने लूट लिए और मौके से फरार हो गए। पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई है और जांच कर रही है।

हैदराबाद जिला कांग्रेस पार्टी की बैठक कल

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद जिला कांग्रेस पार्टी के प्रमुख नेताओं के साथ पार्टी व्यापी बैठक 16 दिसंबर सोमवार को दोपहर तीन बजे गांधी भवन में होगी। मुख्य अतिथि एआईसीसी प्रभारी दीपादास मुंशी, पीसीसी चीफ महेश कुमार गौड़, एआईसीसी सचिव विष्णुनाथ होंगे। जीएचएमसी चुनावों में कांग्रेस पार्टी की जीत का उद्देश्य, हैदराबाद जिले में कांग्रेस पार्टी की ताकत विकसित करने के लिए उठाए जाने वाले कदम, पार्टी के संगठन को विकसित करने के लिए उठाए जाने वाले कदम, लागू की गई योजनाओं के बारे में जनता के बीच व्यापक जागरूकता पैदा करना।

इस बैठक में पार्टी के लिए कड़ी मेहनत करने वालों के लिए लोक प्रशासन सरकार, पार्टी और सरकारी पदों, संभागवार पार्टी समितियों और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी।

बैठक में 15 निर्वाचन क्षेत्रों के उम्मीदवार, एमएलसी, पार्टी उपाध्यक्ष, डीसीसी अध्यक्ष, पार्टी महासचिव, पूर्व पीसीसी अध्यक्ष, निगम अध्यक्ष, हैदराबाद जिले में पार्षद के रूप में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार भाग लेंगे। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने बताया कि बैठक का उद्देश्य आगामी जीएचएमसी चुनाव जीतना होगा। बैठक में प्रमुख नेता चुनाव में पार्टी की मजबूती के लिए की जाने वाली गतिविधियों पर दिशा-निर्देश देंगे।

इस बैठक में, नेताओं से अनुरोध किया जाता है कि वे ऊपर बताए अनुसार बैठक में भाग लें।

जल्द ही शादी करने वाली बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से मुलाकात की और उन्हें निमंत्रण दिया। सिंधु अपने माता-पिता के साथ जुबली हिल्स स्थित मुख्यमंत्री आवास पर मिलीं और उन्हें शादी में आमंत्रित किया।

आदिलाबाद में तापमान में गिरावट, 6.6 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचा

आदिलाबाद, 14 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में पारा पांचवें दिन भी गिरता रहा और शनिवार को बेला मंडल केंद्र में तापमान 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भीमपुर मंडल के अरली (टी) गांव में न्यूनतम तापमान 6.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जिले के थलामदुगु, आदिलाबाद ग्रामीण, मावला, जैनद और नेराडिगोंडा मंडल, आदिलाबाद शहरी और गाडीगुडा में न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस से 9 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा।

नारनूर इचोदा, तमसी, गुडीहाथनोर, उटनूर मंडलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा। इस बीच, कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के सिरपुर (यू) मंडल में न्यूनतम तापमान 6.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि केरामेरी मंडल और केरामेरी मण्डाल में न्यूनतम तापमान क्रमशः 8.5 डिग्री सेल्सियस और 9.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। निर्मल जिले के पेम्बी मंडल में न्यूनतम तापमान 9.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि कुभीर मंडल में न्यूनतम तापमान 9.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

स्वस्थ शरीर में स्वस्थ व्यक्तित्व का निर्माण होता है : सीवी आनंद

सीपी ने आवासीय विद्यालय में छात्राओं के साथ भोजन किया

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने गुरुकुलों में तेलंगाना सरकार द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों और राजनीतिक नेताओं को छात्रावासों का दौरा करने का आदेश दिया है। इसके तहत आज हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद ने तेलंगाना अल्पसंख्यक आवासीय बालिका विद्यालय मुशीराबाद, बाग लिंगमपल्ली का दौरा किया। उन्होंने वहां छात्राओं की समस्याओं और उन्हें उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने प्रधानाचार्य से छात्राओं को दिए जा रहे नाश्ते, दोपहर के भोजन और रात के खाने के बारे में चर्चा की और छात्राओं को दिए जा रहे आहार के प्रकार के बारे में जानकारी ली। के. वाणीश्री प्रधानाचार्य और डॉ.के. चल्ला देवी, उप निदेशक, समाज कल्याण विभाग ने पुलिस आयुक्त को छात्रों के रसोईघर, स्वच्छता क्षेत्र, विज्ञान प्रयोगशाला, कंप्यूटर लैब, रोबोटिक लैब, खेल कक्ष, छात्रावास दिखाए। इस अवसर पर सी.वी. आनंद. सी.पी. हैदराबाद ने विद्यार्थियों से बात करते हुए विद्यार्थियों को प्रतिदिन स्वस्थ आहार लेने तथा खेलकूद जैसी पाठ्येतर गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे स्वस्थ व्यक्तित्व का निर्माण होता है। इससे जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना करने तथा विभिन्न लोगों के विचारों से निपटने में सहायता मिलती है।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार द्वारा इस संस्थान के विद्यार्थियों को प्रदान की जाने वाली सुविधाएं (शिक्षा, भोजन, खेलकूद, बुनियादी ढांचा आदि) सराहनीय हैं तथा 500 करोड़ रुपये के बजट से सभी सामाजिक एवं अल्पसंख्यक कल्याण छात्रावासों एवं विद्यालयों को अधिक पौष्टिक बनाने तथा सौंदर्य उत्पाद उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। आपमें से कुछ विद्यार्थियों ने एनईई जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की है, इसके लिए मैं विद्यार्थियों को बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि इस शिक्षण संस्थान के शिक्षकों की कड़ी मेहनत के कारण ही विद्यार्थियों ने इतनी बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। इन संस्थानों के विद्यार्थियों को सिविल सेवा परीक्षाओं के लिए भी प्रयास करना चाहिए। उन्होंने आग्रह किया कि स्वस्थ रहें, सुरक्षित रहें, मेहनत से पढ़ाई करें तथा अपने माता-पिता एवं शिक्षकों की इच्छाओं को पूरा करें तथा उनकी आशाओं पर खरा उतरें।

मिथिला सांस्कृतिक परिषद, हैदराबाद
(साहित्यिक - सांस्कृतिक कार्य हेतु 1992 से लगातार सेवारत एकमात्र प्रतिनिधि मैथिल संस्था)
विद्यापतिपर्व - समारोह
रविवार, 29 दिसम्बर 2024 अपराह्न 3.00 बजे से
स्थानः आर.टी.सी. कलाभवन, आर.टी.सी. क्रास रोड
मुख्य अतिथि : मा. श्री अरविंद ठाकुर
(प्रसिद्ध लेखक, कवि, आलोचक, सम्पादक एवं मैथिली आंदोलनी)
प्रमुख आकर्षण 1. मैथिली प्रश्नमंच (तत्काल पुरस्कार) 2. उद्घाटन सत्र एवं तिरहुत साहित्य सम्मान 3. मैथिली कलाकार सर्व श्री विकास झा, स्वाती झा, देवकीनंदन ठाकुर एवं समूह द्वारा गीत-संगीत एवं नृत्य का भव्य रंगारंग कार्यक्रम।
नोटः केवल पंजीकृत सदस्यों को ही प्रवेश रहेगा।
स्थान उपलब्ध रहने पर ही नये सदस्यों के लिए सभास्थल पर पंजीकरण की व्यवस्था की जायेगी।
संपर्क सूत्र : 9989312492, 9490666760

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.